प्यार के साथ रूस से

इयान फ्लेमिंग

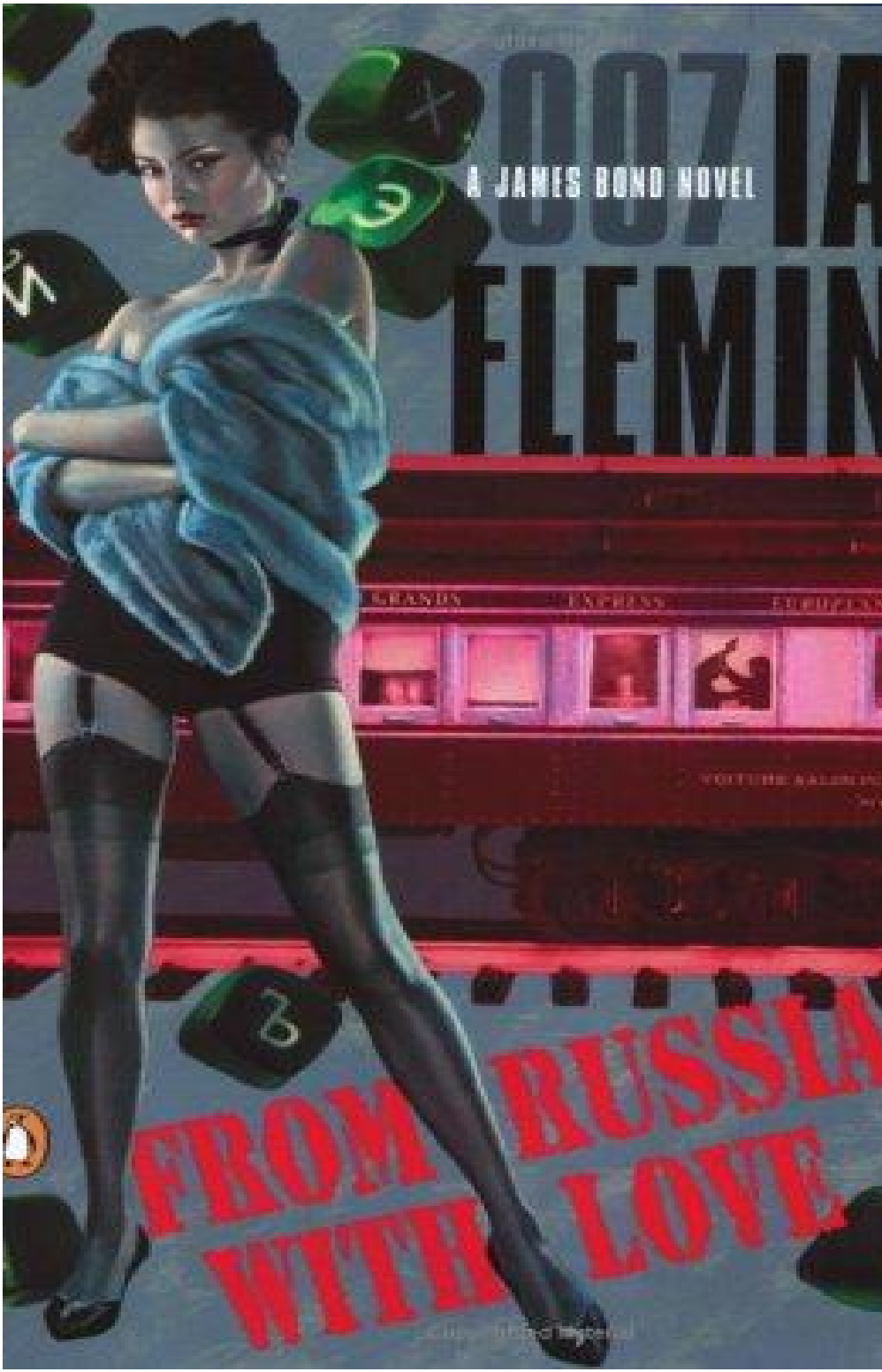
A JAMES BOND NOVEL
007
IA
FLEMIN
FROM RUSSIA
WITH LOVE

Table of Contents

भाग एक

अध्याय एक

अध्याय दो

अध्याय तीन

चौथा अध्याय

अध्याय पाँच

अध्याय छह

अध्याय सात

अध्याय आठ

अध्याय नौ

अध्याय दस

भाग दो

अध्याय ग्यारह

अध्याय बारह

अध्याय तेरह

अध्याय चौदह

अध्याय पंद्रह

अध्याय सोलह

अध्याय सत्रह

अध्याय अठारह

अध्याय उन्नीस

अध्याय बीस

अध्याय इक्कीस

अध्याय बाईस

अध्याय तेईस

अध्याय चौबीस

अध्याय पच्चीस

अध्याय छब्बीस

अध्याय सत्ताईस

अध्याय अट्ठाईस

प्यार के साथ रूस से
007 जेम्स बॉन्ड [5]
इयान फ्लेमिंग
न्यूयॉर्क : पेंगुइन बुक्स, 2003. (2003)

टैग: काल्पनिक कथा, जासूसी, खुफिया अधिकारी, जासूसी कहानियां, यूरोप, पुरुषों का रोमांच, ब्रिटिश, बॉन्ड; जेम्स (काल्पनिक पात्र), इस्तांबुल (तुर्की), ब्रिटिश - यूरोप, यूरोप में ब्रिटिश, जासूसी; रूसी, महिला जासूस
काल्पनिक कथा, जासूसी, खुफिया अधिकारी, जासूसी कहानियां, यूरोप, पुरुषों का रोमांच, ब्रिटिश, बॉन्ड; जेम्स (काल्पनिक पात्र), इस्तांबुल (तुर्की), ब्रिटिश - यूरोप, यूरोप में ब्रिटिश, जासूसी; रूसी, महिला जासूस

उत्पाद वर्णन

हर प्रमुख विदेशी सरकारी संगठन के पास ब्रिटिश गुप्त एजेंट जेम्स बॉन्ड की फाइल है। अब, रूस के घातक संगठन एसएमईआरएसएच ने उसे खत्म करने का लक्ष्य बना लिया है। एसएमईआरएसएच के पास एक बेहतरीन चारा है - मोहक तातियाना रोमानोवा, जो 007 को इस्तांबुल बुलाकर उसे शीर्ष-गुप्त स्पेक्टर सिफर मशीन देने का लालच देती है। लेकिन जब बॉन्ड स्वेच्छा से इस जाल में फंस जाता है, तो धोखे और छल का एक खेल शुरू हो जाता है, जिसमें बॉन्ड ही दांव पर लगा होता है और इनाम भी।

लेखक के बारे में

इयान फ्लेमिंग (1908-1964), दुनिया के सबसे प्रसिद्ध गुप्त एजेंट के निर्माता, जेम्स बॉन्ड के चौदह रोमांचक उपन्यासों के लेखक थे।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

लेखक का नोट

वैसे तो इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता, लेकिन इस कहानी की पृष्ठभूमि का काफी हिस्सा सटीक है।

स्मर्श, जो स्मर्ट स्पाइनाम (जासूसों को मौत) का संक्षिप्त रूप है, सोवियत सरकार का सबसे गुप्त विभाग है और आज भी है। 1956 की शुरुआत में, जब यह पुस्तक लिखी गई थी, तब स्मर्श की देश और विदेश में लगभग 40,000 सैनिक थे और जनरल ग्रुबोज़ाबोयशिकोव इसके प्रमुख थे। उनके रूप-रंग का मेरा वर्णन सही है।

आज, एसएमईआरएसएच का मुख्यालय वहीं स्थित है जहाँ मैंने अध्याय 4 में बताया है - मॉस्को में 13 स्ट्रेतेंका उलित्सा में। सम्मेलन कक्ष का सटीक वर्णन किया गया है और मेज के चारों ओर बैठक करने वाले खुफिया प्रमुख वास्तविक अधिकारी हैं जिन्हें अक्सर उन्हीं उद्देश्यों के लिए उस कमरे में बुलाया जाता है जिनका मैंने वर्णन किया है।

अगर।

मार्च 1956

भाग एक

योजना

अध्याय एक

रोज़लैंड

स्विमिंग पूल के किनारे औंधे मुंह लेटा हुआ नग्न व्यक्ति संभवतः मृत था।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

हो सकता है कि वह डूब गया हो और उसे तालाब से निकालकर घास पर सुखाने के लिए रखा गया हो, जबकि पुलिस या परिजनों को बुलाया जा रहा हो। यहां तक कि उसके सिर के पास घास में पड़ी वस्तुओं का छोटा सा ढेर भी उसका निजी सामान हो सकता है, जिसे जानबूझकर सबके सामने इस तरह रखा गया हो ताकि किसी को यह न लगे कि उसके बचावकर्ताओं ने कुछ चुरा लिया है।

चमकते हुए सामानों के ढेर को देखकर लगता था कि यह किसी अमीर आदमी का सामान रहा होगा। इसमें अमीरों के क्लब की आम निशानियाँ थीं – एक पचास डॉलर के मैक्सिकन सिक्के से बना मनी क्लिप जिसमें नोटों का एक अच्छा-खासा बंडल था, एक खूब इस्तेमाल किया हुआ सोने का डन्हिल लाइटर, लहरदार किनारों और नीले रंग के बटन वाला एक अंडाकार सोने का सिगरेट केस जो फैबर्ज की पहचान है, और एक उपन्यास जो अमीर आदमी अक्सर बुकशेल्फ़ से निकालकर बगीचे में पढ़ते हैं – 'द लिटिल नगेट' – पी. जी. वोडहाउस का एक पुराना उपन्यास। साथ ही एक भारी-भरकम सोने की घड़ी भी थी जिसका पट्टा भूरे रंग के मगरमच्छ की चमड़ी से बना था और खूब इस्तेमाल हो चुका था। यह गिरार्ड-पेरेगॉक्स मॉडल था जो गैजेट पसंद करने वालों के लिए बनाया गया था। इसमें घूमने वाली सेकंड की सुई थी और डायल पर दो छोटी खिड़कियाँ थीं जो महीने की तारीख, महीना और चंद्रमा की कला बताती थीं। उस समय घड़ी में 10 जून को दोपहर 2:30 बज रहे थे और चंद्रमा चौथाई पूर्ण था।

बगीचे के आखिरी छोर पर गुलाब की झाड़ियों के बीच से एक नीली और हरी ड्रैगनफ्लाई निकली और आदमी की रीढ़ की हड्डी के ठीक ऊपर कुछ इंच की दूरी पर हवा में मंडराने लगी। जून की धूप में चमकती सुनहरी रोशनी ने उसे आकर्षित किया था, जो उसकी रीढ़ की हड्डी के जोड़ के ऊपर के सुनहरे बालों की कतार पर पड़ रही थी। समुद्र से एक हल्की हवा आई। बालों का वह छोटा सा हिस्सा धीरे से हिल गया। ड्रैगनफ्लाई घबराकर एक तरफ झपटी और आदमी के बाएं कंधे के ऊपर मंडराने लगी, नीचे की ओर देखते हुए। आदमी के खुले मुंह के नीचे की नई घास हिल उठी। उसकी मांसल नाक से पसीने की एक बड़ी बूंद लुढ़की और चमकती हुई घास में गिर गई। बस इतना ही काफी था। ड्रैगनफ्लाई गुलाबों के बीच से और बगीचे की ऊंची दीवार के ऊपर लगे नुकीले कांच के ऊपर से उड़ गई। यह अच्छा भोजन हो सकता था, लेकिन यह चली गई।

जिस बगीचे में वह व्यक्ति लेटा हुआ था, वह लगभग एक एकड़ का सुव्यवस्थित लॉन था, जो तीन तरफ से घनी गुलाब की झाड़ियों से घिरा हुआ था, जिनसे मधुमक्खियों की लगातार भिनभिनाहट की आवाज़ आ रही थी। मधुमक्खियों की सुस्त आवाज़ के पीछे, बगीचे के अंत में स्थित चट्टान के तल पर समुद्र की लहरों की हल्की गड़गड़ाहट सुनाई दे रही थी।

बगीचे से समुद्र का कोई नज़ारा नहीं दिखता था – बारह फुट ऊंची दीवार के ऊपर आसमान और बादलों के अलावा कुछ भी दिखाई नहीं देता था। वास्तव में, इस बेहद निजी परिसर की चौथी दीवार बनाने वाले विला के ऊपरी मंज़िल के दो शयनकक्षों से ही संपत्ति के बाहर का दृश्य देखा जा सकता था। वहां से सामने नीले पानी का विशाल विस्तार दिखाई देता था और दोनों ओर पड़ोसी विलाओं की ऊपरी खिड़कियां और उनके बगीचों में लगे पेड़ों की चोटियां – भूमध्यसागरीय प्रकार के सदाबहार ओक, स्टोन पाइन, कैसुआरिना और कभी-कभार दिखने वाले ताड़ के पेड़।

विला आधुनिक शैली का था – एक छोटा, लंबा, बिना किसी सजावट वाला डिब्बा। बगीचे की ओर, गुलाबी रंग से पुती हुई सपाट दीवार पर लोहे के फ्रेम वाली चार खिड़कियाँ और बीच में एक कांच का दरवाजा था, जो हल्के हरे रंग की चमकदार टाइलों के एक छोटे से चौकोर हिस्से की ओर खुलता था। टाइलें लॉन में समाहित हो जाती थीं। धूल भरी सड़क से कुछ गज पीछे स्थित विला का दूसरा भाग लगभग वैसा ही था। लेकिन इस तरफ चारों खिड़कियाँ जालीदार थीं, और

बीच का दरवाजा ओक की लकड़ी का था। विला में ऊपरी मंजिल पर दो मध्यम आकार के शयनकक्ष थे और भूतल पर एक बैठक कक्ष और एक रसोईघर था, जिसका एक हिस्सा दीवार से अलग करके शौचालय बना दिया गया था। इसमें कोई स्नानघर नहीं था।

दोपहर के शुरुआती सुस्त और आरामदायक सन्नाटे को सड़क पर आती हुई कार की आवाज़ ने तोड़ दिया। वह विला के सामने रुक गई। कार का दरवाज़ा ज़ोर से बंद होने की हल्की सी आवाज़ आई और कार आगे बढ़ गई। दरवाज़े की घंटी दो बार बजी। स्विमिंग पूल के किनारे नग्न खड़ा आदमी हिला तक नहीं, लेकिन घंटी की आवाज़ और जाती हुई कार की आवाज़ सुनकर उसकी आँखें एक पल के लिए बहुत चौड़ी हो गईं। ऐसा लगा जैसे उसकी पलकें किसी जानवर के कानों की तरह खड़ी हो गई हों। उस आदमी को तुरंत याद आ गया कि वह कहाँ है, सप्ताह का कौन सा दिन है और दिन का कौन सा समय है। आवाज़ें पहचानी गईं। उसकी पलकें, जिन पर छोटे-छोटे सुनहरे बाल थे, सुस्ती से पीछे की ओर झुक गईं और उसकी बहुत ही धुंधली नीली, अपारदर्शी, अंतर्मुखी आँखों पर टिक गईं। उसके छोटे-छोटे क्रूर होंठ एक चौड़ी, जबड़े तोड़ देने वाली जम्हाई में खुल गए जिससे मुँह में लार आ गई। उस आदमी ने लार घास में थूक दी और इंतज़ार करने लगा।

एक छोटी सी डोरी वाली थैली लिए, सफेद सूती कमीज और छोटी, भद्दी नीली स्कर्ट पहने एक युवती कांच के दरवाजे से अंदर आई और मर्दाना अंदाज में चमकदार टाइलों और लॉन पर चलते हुए नग्न पुरुष की ओर बढ़ी। उससे कुछ गज की दूरी पर, उसने अपनी डोरी वाली थैली घास पर गिरा दी और बैठ गई तथा अपने सस्ते और धूल भरे जूते उतार दिए। फिर वह खड़ी हुई और अपनी कमीज के बटन खोलकर उसे उतार दिया और बड़े करीने से तह करके डोरी वाली थैली के पास रख दिया।

लड़की ने कमीज़ के नीचे कुछ नहीं पहना था। उसकी त्वचा धूप से हल्की झुलसी हुई थी और उसके कंधे और सुडौल स्तन सेहतमंद दिख रहे थे। जब उसने अपनी स्कर्ट के किनारे के बटन खोलने के लिए अपनी बाहें मोड़ीं, तो उसकी बगलों में सुनहरे बालों के छोटे-छोटे गुच्छे दिखाई दिए। फीके नीले रंग के मोज़े जैसे स्विमिंग ट्रंक में उसके सुडौल कूल्हे और कपड़े उतारने पर दिखाई देने वाली मोटी छोटी जांघें और टांगें, एक स्वस्थ देहाती लड़की की छवि को और भी

पुख्ता कर रही थीं।

लड़की ने अपनी कमीज़ के बगल में स्कर्ट को करीने से रखा, डोरी का थैला खोला, उसमें से एक पुरानी सोडा-पानी की बोतल निकाली जिसमें कोई गाढ़ा, रंगहीन तरल पदार्थ था, और उस आदमी के पास जाकर उसके बगल में घास पर घुटने टेक दिए। उसने उस तरल पदार्थ की कुछ बूंदें, जो एक हल्का जैतून का तेल था और उस क्षेत्र की हर चीज़ की तरह गुलाब की खुशबू से सुगंधित था, उस आदमी के कंधों के बीच डालीं और पियानोवादक की तरह अपनी उंगलियों को हिलाते हुए, उस आदमी की गर्दन के पीछे की स्टर्नो-मैस्टॉइड और ट्रेपेज़ियस मांसपेशियों की मालिश करने लगी।

यह बहुत मेहनत का काम था। वह आदमी बेहद ताकतवर था और गर्दन के निचले हिस्से की उभरी हुई मांसपेशियां लड़की के अंगूठों के दबाव में भी नहीं आ रही थीं, भले ही उसके कंधों का पूरा भार उन पर था। जब तक वह उस आदमी के साथ अपना काम खत्म करती, वह पसीने से भीग चुकी होती और इतनी थक जाती कि स्विमिंग पूल में गिर जाती और फिर छांव में लेटकर तब तक सोती रहती जब तक कि उसे लेने के लिए गाड़ी न आ जाए। लेकिन उसे इस बात की परवाह नहीं थी, क्योंकि उसके हाथ अपने आप उस आदमी की पीठ पर चल रहे थे। उसे तो उस सबसे खूबसूरत शरीर को देखकर स्वाभाविक रूप से डर लग रहा था, जिसे उसने पहले कभी नहीं देखा था।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

मालिश करने वाली महिला के सपाट, भावहीन चेहरे पर इस भयावहता का कोई आभास नहीं हुआ, और छोटे, मोटे काले बालों की लटों के नीचे उसकी ऊपर की ओर झुकी हुई काली आँखें तेल के धब्बों की तरह खाली थीं, लेकिन उसके भीतर एक जानवर सिसक रहा था और कांप रहा था, और अगर उसने अपनी नाड़ी की गति मापने के बारे में सोचा होता, तो वह बहुत तेज़ होती।

पिछले दो वर्षों में कई बार की तरह, एक बार फिर उसने सोचा कि उसे इस खूबसूरत शरीर से इतनी घृणा क्यों है, और एक बार फिर उसने अपनी इस घृणा का अस्पष्ट रूप से विश्लेषण करने की कोशिश की। शायद इस बार वह उन भावनाओं से छुटकारा पा लेगी, जिनके बारे में उसे अपराधबोध के साथ यकीन था कि वे उसके कुछ मरीजों द्वारा जगाई गई यौन इच्छा से कहीं अधिक गैर-पेशेवर थीं।

पहले छोटी-छोटी चीजों पर ध्यान दें: उसके बाल। उसने नीचे, मजबूत गर्दन पर टिके गोल, छोटे से सिर को देखा।

उसके बाल घने लाल-सुनहरे घुंघराले थे, जिन्हें देखकर उसे शास्त्रीय मूर्तियों की तस्वीरों में दिखाई देने वाले सुडौल बालों की याद आ जानी चाहिए थी। लेकिन वे घुंघराले बाल कुछ ज़्यादा ही कसे हुए थे, इतने घने कि एक-दूसरे से और खोपड़ी से चिपके हुए थे। उन्हें देखकर उसके दांत ऐसे किरकिरे हो रहे थे जैसे कालीन पर नाखून रगड़े जा रहे हों।

और सुनहरे घुंघराले बाल गर्दन के पिछले हिस्से तक इतने नीचे तक आते थे—लगभग (पेशेवर

शब्दों में कहें तो) पाँचवीं ग्रीवा कशेरुका तक। और वहाँ वे अचानक छोटे-छोटे कड़े सुनहरे बालों की एक सीधी रेखा में आकर रुक जाते थे।

लड़की ने अपने हाथों को आराम देने के लिए थोड़ी देर रुककर घुटनों के बल बैठ गई। उसके शरीर का खूबसूरत ऊपरी हिस्सा पसीने से चमक रहा था। उसने अपनी कोहनी के पिछले हिस्से से अपना माथा पोंछा और तेल की बोतल उठाई। उसने आदमी की रीढ़ की हड्डी के निचले हिस्से में स्थित छोटे-छोटे बालों वाले हिस्से पर लगभग एक बड़ा चम्मच तेल डाला, अपनी उंगलियों को मोड़ा और फिर आगे झुक गई।

कूल्हों के बीच की दरार के ऊपर सुनहरे रोएँदार बालों की यह भ्रूणनुमा पूंछ—किसी प्रेमी में तो यह आकर्षक और उत्तेजक लगती, लेकिन इस आदमी पर यह किसी जानवर जैसी थी। नहीं, सरीसृप जैसी। लेकिन साँपों के तो बाल नहीं होते। खैर, वह कुछ नहीं कर सकती थी। उसे तो यह सरीसृप जैसी ही लग रही थी। उसने अपने हाथ नीचे नितंबों की मांसपेशियों के दो उभारों पर रखे। अब वह समय था जब उसके कई मरीज़, खासकर फुटबॉल टीम के युवा खिलाड़ी, उससे मज़ाक करने लगते थे। फिर, अगर वह सावधान नहीं रहती, तो इशारे आने लगते। कभी-कभी वह साइटिक नस की ओर ज़ोर से दबाकर उन्हें चुप करा देती थी। कभी-कभी, और खासकर अगर उसे वह आदमी आकर्षक लगता, तो हँसी-मज़ाक वाली बहसें होतीं, थोड़ी देर की कुश्ती होती और फिर जल्दी से, सुखद समर्पण हो जाता।

इस आदमी के साथ मामला अलग था, लगभग अविश्वसनीय रूप से अलग। शुरू से ही वह एक निर्जीव मांस के लोथड़े जैसा था। दो साल में उसने उससे एक शब्द भी नहीं कहा था। जब वह उसकी पीठ थपथपाती और उसके करवट बदलने का समय आता, तो न तो उसकी आँखों में और न ही उसके शरीर में उसके प्रति कोई रुचि दिखाई देती। जब वह उसके कंधे पर थपथपाती, तो वह बस करवट बदल लेता और आधी बंद पलकों से आसमान को देखता रहता और कभी-कभार एक लंबी, कांपती हुई जम्हाई लेता, जो इस बात का एकमात्र संकेत था कि उसमें मानवीय प्रतिक्रियाएँ हैं।

लड़की ने अपनी स्थिति बदली और धीरे-धीरे अपने दाहिने पैर पर एड़ी की नस की ओर बढ़ने लगी। (यह जानकारी ABC Amber LIT Converter द्वारा जनरेट की गई है, http://www.processtext.com/abclit.html)

जब वह उसके पास आई, तो उसने उस खूबसूरत शरीर को फिर से देखा। क्या उसकी घृणा केवल शारीरिक थी? क्या यह स्वाभाविक रूप से दूधिया सफेद त्वचा पर धूप से झुलसी लालिमा थी, भुने हुए मांस जैसी? क्या यह त्वचा की बनावट थी, रेशमी सतह पर फैले गहरे, चौड़े छिद्र? कंधों पर बिखरे हुए नारंगी रंग के धब्बे? या क्या यह उस पुरुष की कामुकताहीनता थी? इन शानदार, अभिमानी रूप से उभरी हुई मांसपेशियों की उदासीनता? या क्या यह आध्यात्मिक थी - एक पशुवत प्रवृत्ति जो उसे बता रही थी कि इस अद्भुत शरीर के अंदर एक दुष्ट व्यक्ति छिपा हुआ है?

मालिश करने वाली महिला खड़ी हुई और धीरे-धीरे अपना सिर अगल-बगल घुमाते हुए कंधों को हिलाने लगी। उसने अपनी बाहों को बगल में और फिर ऊपर की ओर फैलाया और कुछ देर तक उन्हें वैसे ही रखा ताकि उनमें जमा खून नीचे की ओर बह जाए। वह अपने थैले के पास गई और

एक तौलिया निकालकर अपने चेहरे और शरीर से पसीना पोंछा।

जब वह उस आदमी की ओर मुड़ी, तो वह पहले ही करवट बदल चुका था और अब लेटा हुआ था, उसका सिर एक खुली हथेली पर टिका था और वह आकाश को निश्चिंत होकर देख रहा था। उसकी दूसरी बांह घास पर फैली हुई थी, मानो उसका इंतज़ार कर रही हो। वह चलकर उसके पास गई और उसके सिर के पीछे घास पर घुटने टेक दिए। उसने अपनी हथेलियों पर थोड़ा तेल मला, उसकी ढीली, आधी खुली हथेली उठाई और उसकी छोटी, मोटी उंगलियों को मलने लगी।

लड़की ने घबराकर सुनहरे घुंघराले बालों के नीचे छिपे लाल-भूरे चेहरे की ओर तिरछी नजर डाली।

ऊपरी तौर पर देखने पर वह ठीक-ठाक लग रहा था—एक कसाई के बच्चे की तरह सुंदर, गुलाबी गालों, उठी हुई नाक और गोल ठुड्डी के साथ। लेकिन गौर से देखने पर पतले होंठों वाले सिकुड़े हुए मुंह में कुछ क्रूरता झलक रही थी, उठी हुई नाक के चौड़े नथुनों में सूअरपन का भाव था, और बेहद फीकी नीली आंखों में छाया खालीपन पूरे चेहरे पर फैलकर उसे डूबे हुए और मुर्दाघर जैसा बना रहा था। उसने सोचा, मानो किसी ने चीनी मिट्टी की गुड़िया को लेकर उसके चेहरे पर डरावना रंग लगा दिया हो।

मालिश करने वाली ने बांह से लेकर विशाल बाइसेप्स तक मालिश की। इस आदमी को ये शानदार मांसपेशियां कहां से मिलीं? क्या वह मुक्केबाज था? वह अपने इस ताकतवर शरीर का क्या करता था? अफवाह थी कि यह एक पुलिस विला था।

वे दोनों नौकर जाहिर तौर पर किसी तरह के रक्षक थे, हालांकि वे खाना पकाने और घर के काम भी करते थे। हर महीने वह आदमी कुछ दिनों के लिए बाहर जाता था और उसे आने से मना कर दिया जाता था। और कभी-कभी उसे एक हफ्ते, दो हफ्ते या एक महीने के लिए बाहर रहने के लिए कहा जाता था।

एक बार, ऐसी ही एक अनुपस्थिति के बाद, उस आदमी की गर्दन और शरीर का ऊपरी हिस्सा चोट के निशानों से भरा हुआ था। एक और मौके पर, उसके दिल के ऊपर पसलियों तक फैले एक फुट मोटे सर्जिकल प्लास्टर के नीचे, आधे ठीक हुए घाव का लाल कोना दिखाई दे रहा था। उसने अस्पताल में या शहर में कभी भी उसके बारे में पूछने की हिम्मत नहीं की थी।

जब उसे पहली बार उस घर में भेजा गया था, तो वहाँ के एक नौकर ने उससे कहा था कि अगर उसने जो देखा उसके बारे में किसी को बताया तो उसे जेल जाना पड़ेगा। अस्पताल में वापस आकर, मुख्य अधीक्षक, जिसने पहले कभी उसके अस्तित्व को पहचाना तक नहीं था, ने उसे बुलवाया और वही बात दोहराई। उसे जेल जाना पड़ेगा।

लड़की की मज़बूत उंगलियाँ घबराहट में कंधे के ऊपरी हिस्से पर स्थित बड़ी डेल्टॉइड मांसपेशी को गड़ा रही थीं। वह हमेशा से जानती थी कि यह राज्य सुरक्षा का मामला है। शायद यही बात उसे इस शानदार शरीर के प्रति घृणा पैदा कर रही थी। शायद यह उस संगठन का डर था जिसने शरीर को अपने कब्जे में रखा था। वह यह सोचकर आँखें बंद कर लेती है कि वह कौन हो सकता है, और वह उसके साथ क्या करने का आदेश दे सकता है। जल्दी से वह आँखें खोल लेती है।

शायद उसने देख लिया हो। लेकिन उसकी आँखें खालीपन से आकाश की ओर देख रही थीं।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

अब उसने चेहरे पर लगाने के लिए तेल उठाया।

लड़की ने अभी उस आदमी की बंद आँखों पर अपने अंगूठे रखे ही थे कि घर का टेलीफोन बजने लगा। उसकी आवाज़ बेचैनी से शांत बगीचे तक पहुँच गई। देखते ही देखते वह आदमी एक घुटने पर बैठ गया, मानो बंदूक की गोली का इंतज़ार कर रहा हो। पर वह आगे नहीं बढ़ा। घंटी बंद हो गई। किसी की धीमी आवाज़ सुनाई दी। लड़की सुन नहीं पाई कि वह क्या कह रही थी, पर ऐसा लगा जैसे वह विनम्रता से कुछ निर्देश दे रही हो। आवाज़ बंद हुई और एक नौकर थोड़ी देर के लिए दरवाजे पर आया, इशारा किया और वापस घर के अंदर चला गया। इशारा पूरा होते-होते ही वह नंगा आदमी दौड़ पड़ा। उसने खुले शीशे के दरवाजे से उसकी भूरी पीठ को देखा। बेहतर होगा कि जब वह दोबारा बाहर आए तो उसे वहाँ न मिले—शायद कुछ कर रहा हो, कुछ सुन रहा हो। वह उठी, पूल के कंक्रीट के किनारे तक दो कदम चली और बड़े सलीके से उसमें कूद गई।

हालांकि इससे उस व्यक्ति के बारे में उसकी सहज प्रवृत्ति का पता चल जाता, जिसके शरीर की उसने मालिश की थी, लेकिन लड़की की मानसिक शांति के लिए यह अच्छा ही था कि वह नहीं जानती थी कि वह कौन था।

उनका असली नाम डोनोवन ग्रांट था, जिसे 'रेड' ग्रांट के नाम से भी जाना जाता था। लेकिन पिछले दस वर्षों से, उनका नाम क्रास्नो ग्रैनित्स्की था, जिसका कोडनेम 'ग्रैनिट' था।

वह एमजीबी के हत्या तंत्र, एसएमईआरएसएच का मुख्य जल्लाद था, और इस समय वह मॉस्को के साथ एमजीबी की सीधी लाइन के माध्यम से निर्देश प्राप्त कर रहा था।

अध्याय दो

वध करनेवाला

ग्रांट ने टेलीफोन को धीरे से वापस उसके स्टैंड पर रख दिया और उसे देखता हुआ बैठ गया।

उसके ऊपर खड़ा, गोली लगे सिर वाला गार्ड बोला, 'तुम्हें अब चलना शुरू कर देना चाहिए।'

'क्या उन्होंने आपको काम के बारे में कुछ बताया?' ग्रांट रूसी भाषा बहुत अच्छी तरह बोलता था, लेकिन उसका लहजा थोड़ा भारी था। वह सोवियत बाल्टिक प्रांतों में से किसी का भी नागरिक लग सकता था। उसकी आवाज़ ऊँची और सपाट थी, मानो वह किसी किताब से कुछ नीरस पढ़ रहा हो।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

नहीं। बस इतना ही कि आपको मॉस्को में बुलाया जा रहा है। विमान रास्ते में है। यह लगभग एक घंटे में यहाँ पहुँच जाएगा। ईंधन भरने में आधा घंटा लगेगा और फिर तीन या चार घंटे, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि आप खार्किव में उतरते हैं या नहीं।

आप आधी रात तक मॉस्को पहुँच जाएँगे। बेहतर होगा कि आप अपना सामान पैक कर लें। मैं गाड़ी का इंतज़ाम कर देता हूँ।

ग्रांट घबराते हुए खड़ा हो गया। 'हाँ। आप सही कह रहे हैं। लेकिन उन्होंने यह भी नहीं बताया कि ऑपरेशन था या नहीं? जानना अच्छा लगता है। यह एक सुरक्षित लाइन थी। वे इशारा तो दे सकते थे। वे आम तौर पर देते हैं।'

इस बार उन्होंने ऐसा नहीं किया।

ग्रांट धीरे-धीरे कांच के दरवाजे से बाहर निकलकर लॉन में आ गया। अगर उसने पूल के किनारे बैठी लड़की को देखा भी तो उसने कोई इशारा नहीं किया। वह झुका और अपनी किताब, और अपने पेशे की सुनहरी ट्रॉफियां उठाईं, और वापस घर में जाकर कुछ सीढ़ियां चढ़कर अपने बेडरूम में चला गया।

कमरा उदास था और उसमें केवल एक लोहे का पलंग था, जिसकी सिकुड़ी हुई चादरें एक तरफ फर्श तक लटक रही थीं, एक बेंत की कुर्सी, एक बिना रंगी हुई अलमारी और एक सस्ते कपड़े धोने का स्टैंड जिस पर टिन का बेसिन लगा था। फर्श पर अंग्रेजी और अमेरिकी पत्रिकाएँ बिखरी पड़ी थीं। खिड़की के नीचे दीवार के सहारे भड़कीली पेपरबैक और हार्डकवर थ्रिलर किताबों का ढेर लगा था।

ग्रांट नीचे झुका और बिस्तर के नीचे से एक जर्जर इतालवी फाइबर का सूटकेस निकाला। उसने अलमारी से अच्छी तरह धुले हुए सस्ते और शालीन कपड़े निकालकर उसमें भर दिए। फिर उसने ठंडे पानी और हमेशा की तरह गुलाब की खुशबू वाले साबुन से जल्दी से अपना शरीर धोया और

बिस्तर की एक चादर से खुद को सुखाया।

बाहर कार की आवाज सुनाई दी। ग्रांट ने जल्दी से वैसे ही सादे और साधारण कपड़े पहने जैसे उसने पैक किए थे, अपनी घड़ी पहनी, बाकी सामान जेब में रखा, अपना सूटकेस उठाया और सीढ़ियों से नीचे उतर गया।

सामने का दरवाजा खुला था। वह अपने दो गार्डों को एक जर्जर जीआईएस सैलून के ड्राइवर से बात करते हुए देख सकता था।

'बेवकूफ कहीं के,' उसने सोचा। (वह अब भी ज्यादातर सोच-विचार अंग्रेजी में ही करता था।) 'शायद उसे कह रहे होंगे कि मैं विमान में ठीक से चढ़ जाऊं। शायद वे यह कल्पना भी नहीं कर सकते कि कोई विदेशी उनके घटिया देश में रहना चाहेगा।'

ठंडी निगाहों से ग्रांट ने तिरस्कार भरी निगाहों से देखा जब उसने अपना सूटकेस दरवाजे पर रखा और रसोई के दरवाजे पर खूंटियों से लटके कोटों के ढेर में से अपना कोट ढूंढने लगा। उसे अपना सोवियत अधिकारियों वाला फीका रेनकोट और काली टोपी मिल गई, उसने उन्हें पहना, अपना सूटकेस उठाया और बाहर निकलकर सादे कपड़ों में मौजूद ड्राइवर के बगल में बैठ गया, ऐसा करते हुए उसने एक गार्ड को धक्का देकर किनारे कर दिया।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

दोनों आदमी पीछे हट गए, कुछ नहीं बोले, बस उसे कठोर निगाहों से देखते रहे। ड्राइवर ने क्लच से पैर हटाया और गाड़ी, जो पहले से ही गियर में थी, धूल भरी सड़क पर तेज़ी से आगे बढ़ गई।

यह विला क्रीमिया के दक्षिण-पूर्वी तट पर, फियोदोसिया और याल्टा के लगभग मध्य में स्थित था। यह रूसी रिवेरा के लोकप्रिय पहाड़ी तट पर बने कई आधिकारिक हॉलिडे डेका में से एक था। रेड ग्रांट जानता था कि मॉस्को के बाहरी इलाके में किसी नीरस विला में रहने के बजाय यहाँ ठहरना उसके लिए बहुत बड़ा सौभाग्य था। जैसे-जैसे कार पहाड़ों पर चढ़ती गई, उसने सोचा कि वे निश्चित रूप से उसके साथ यथासंभव अच्छा व्यवहार कर रहे थे, भले ही उसकी भलाई के प्रति उनकी चिंता के दो पहलू थे।

सिम्फ़रोपोल हवाई अड्डे तक चालीस मील की दूरी तय करने में एक घंटा लगा। सड़क पर कोई और कार नहीं थी और अंगूर के बागों से आती इक्का-दुक्का बैलगाड़ियाँ हॉर्न की आवाज़ सुनते ही तेज़ी से खाई में मुड़ जाती थीं। रूस में हर जगह की तरह, कार का मतलब एक अधिकारी होता था, और अधिकारी का मतलब केवल खतरा ही हो सकता था।

चारों ओर गुलाब ही गुलाब थे, अंगूर के बागों के बीच-बीच में गुलाबों के खेत थे, सड़क के किनारे गुलाबों की बाड़ें थीं और हवाई अड्डे के पास एक विशाल गोलाकार क्यारी में लाल और सफेद किस्मों के गुलाब इस तरह लगाए गए थे कि सफेद पृष्ठभूमि पर लाल तारा दिखाई दे रहा था। ग्रांट इन गुलाबों से तंग आ चुका था और वह इनकी मीठी गंध से दूर मॉस्को पहुँचने के लिए बेताब था।

वे नागरिक हवाई अड्डे के प्रवेश द्वार से आगे बढ़े और लगभग एक मील तक एक ऊँची दीवार के साथ-साथ चलकर हवाई अड्डे के सैन्य हिस्से में पहुँचे। एक ऊँचे तार के गेट पर ड्राइवर ने दो तोपों से लैस संतरियों को अपना पास दिखाया और रनवे पर पहुँच गया। वहाँ कई विमान खड़े थे, बड़े छलावरण वाले सैन्य परिवहन विमान, छोटे दो इंजन वाले प्रशिक्षण विमान और नौसेना के दो हेलीकॉप्टर। ड्राइवर ने रुककर एक ओवरऑल पहने हुए व्यक्ति से ग्रांट का विमान कहाँ मिलेगा, यह पूछा। तभी चौकस नियंत्रण टावर से धातु की एक झनझनाहट सुनाई दी और एक लाउडस्पीकर ने उन्हें चेतावनी दी: 'बाईं ओर। बाईं ओर काफी दूर। नंबर V-BO□'

ड्राइवर आज्ञाकारी ढंग से सड़क पर गाड़ी चला रहा था तभी एक कठोर आवाज फिर से गूंजी। 'रुको!'

जैसे ही ड्राइवर ने ब्रेक लगाए, उनके सिर के ऊपर एक कान फाड़ देने वाली चीख सुनाई दी। दोनों आदमी सहज रूप से नीचे झुक गए क्योंकि डूबते सूरज की ओर से चार मिग 17 विमानों का एक बेड़ा निकला और उनके ऊपर से तेज़ी से गुज़रा, लैंडिंग के लिए उनके छोटे विंड-ब्रेक पूरी तरह नीचे थे। विमान एक के बाद एक विशाल रनवे पर उतरे, उनके आगे के टायरों से नीले धुएं के गुबार निकल रहे थे, और जेट विमानों की गर्जना के साथ, दूर की सीमा रेखा तक गए और नियंत्रण टावर और हैंगर की ओर वापस मुड़ गए।

आगे बढ़ो!

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

सौ गज आगे बढ़ने पर उन्हें V-BO पहचान चिह्न वाला एक विमान दिखाई दिया। यह दो इंजन वाला इल्युशिन 12 विमान था। केबिन के दरवाजे से एक छोटी एल्युमिनियम की सीढ़ी लटकी हुई थी और कार उसके बगल में रुक गई। चालक दल का एक सदस्य दरवाजे पर प्रकट हुआ। वह सीढ़ी से नीचे उतरा और चालक का पास और ग्रांट के पहचान पत्र ध्यानपूर्वक देखे, फिर चालक को जाने का इशारा किया और ग्रांट को भी सीढ़ी से ऊपर आने के लिए कहा। उसने सूटकेस उठाने में मदद नहीं की, लेकिन ग्रांट उसे ऐसे सीढ़ी से ऊपर ले गया जैसे वह किसी किताब से हल्का हो। चालक दल के सदस्य ने उसके पीछे सीढ़ी को ऊपर खींच लिया, चौड़ा हैच जोर से बंद किया और कॉकपिट की ओर बढ़ गया।

बीस खाली सीटें उपलब्ध थीं। ग्रांट हैच के सबसे पास वाली सीट पर बैठ गया और अपनी सीट बेल्ट बांध ली। कॉकपिट के खुले दरवाजे से कंट्रोल टावर से हल्की सी बातचीत की आवाज आई, दोनों इंजन तेज आवाज करते हुए चालू हुए और विमान किसी मोटर कार की तरह तेजी से मुड़ा, उत्तर-दक्षिण रनवे के आरंभ की ओर बढ़ा और बिना किसी पूर्व तैयारी के उस पर तेजी से दौड़ता हुआ हवा में ऊपर चला गया।

ग्रांट ने अपनी सीट बेल्ट खोली, सोने की नोक वाली ट्रोइका सिगरेट जलाई और आराम से बैठकर अपने बीते करियर पर विचार करने और निकट भविष्य के बारे में सोचने लगे।

डोनोवन ग्रांट का जन्म एक जर्मन पेशेवर भारोत्तोलक और दक्षिणी आयरलैंड की एक वेट्रेस के

बीच आधी रात को हुए मिलन से हुआ था। बेलफास्ट के बाहर एक सर्कस के तंबू के पीछे गीली घास पर यह मिलन केवल पंद्रह मिनट तक चला। इसके बाद पिता ने माँ को आधा क्राउन दिया और माँ खुशी-खुशी रेलवे स्टेशन के पास एक कैफे की रसोई में अपने बिस्तर पर चली गई। जब बच्चे का जन्म होने वाला था, तो वह सीमा पर बसे छोटे से गाँव औघमाक्लोय में अपनी एक चाची के साथ रहने चली गई, और वहाँ, छह महीने बाद, बारह पाउंड के एक लड़के को जन्म देने के कुछ ही समय बाद प्रसव बुखार से उसकी मृत्यु हो गई। मरने से पहले, उसने कहा कि लड़के का नाम डोनोवन (भारी भारोत्तोलक ने खुद को 'द माइटी ओ'डोनोवन' कहा था) और ग्रांट रखा जाए, जो उसका अपना नाम था।

उस लड़के की देखभाल अनिच्छा से उसकी चाची ने की और वह स्वस्थ और बेहद मजबूत होकर बड़ा हुआ, लेकिन बहुत शांत स्वभाव का था।

उसके कोई दोस्त नहीं थे। वह दूसरे बच्चों से बात करने से इनकार करता था और जब उसे उनसे कुछ चाहिए होता था तो वह उसे मुक्कों से छीन लेता था। स्थानीय स्कूल में उससे डर और नफरत बनी रही, लेकिन उसने स्थानीय मेलों में मुक्केबाजी और कुश्ती में अपना नाम कमाया, जहां उसके आक्रामक और क्रूर हमले, चालाकी भरे कौशल के मेल से उसे अपने से कहीं अधिक उम्र और ताकतवर लड़कों पर भी जीत हासिल हो जाती थी।

अपनी लड़ाई-झगड़े के कारण ही वह सिन-फाइनर्स की नज़र में आया, जो ऑघमैकलॉय को उत्तर से आने-जाने के लिए एक मुख्य मार्ग के रूप में इस्तेमाल करते थे, और साथ ही स्थानीय तस्करों की भी, जो गाँव का इस्तेमाल इसी उद्देश्य से करते थे। स्कूल छोड़ने के बाद वह इन दोनों समूहों के लिए एक बाहुबली बन गया। वे उसे उसके काम के लिए अच्छा भुगतान करते थे, लेकिन उससे जितना हो सके कम मिलते थे।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

लगभग इसी समय पूर्णिमा के आसपास उनके शरीर में अजीब और हिंसक आवेग उत्पन्न होने लगे। जब सोलहवें वर्ष में अक्टूबर के महीने में उन्हें पहली बार 'अजीब सी अनुभूति' हुई, जैसा कि वे खुद को कहते थे, तो वे बाहर गए और एक बिल्ली का गला घोंट दिया। इससे उन्हें पूरे एक महीने तक 'अच्छा महसूस' हुआ।

* * *

नवंबर में, उसके पास एक बड़ा भेड़ चराने वाला कुत्ता था, और क्रिसमस के मौके पर उसने आधी रात को पड़ोसी के शेड में एक गाय का गला काट दिया। इन हरकतों से उसे 'अच्छा महसूस' होता था। उसे यह समझ आ गया था कि गाँव के लोग जल्द ही इन रहस्यमय मौतों के बारे में सवाल करने लगेंगे, इसलिए उसने एक साइकिल खरीदी और हर महीने एक रात वह ग्रामीण इलाकों में निकल जाता था। अक्सर उसे अपनी मनचाही चीज़ पाने के लिए बहुत दूर जाना पड़ता था और दो महीने तक हंसों और मुर्गियों से ही काम चलाने के बाद, उसने जोखिम उठाया और एक सोते हुए आवारा का गला काट दिया।

रात के समय बाहर इतने कम लोग होते थे कि जल्द ही वह जल्दी ही सड़कों पर निकलने लगा और दूर-दूर तक साइकिल चलाता रहा ताकि वह शाम के समय दूर-दराज के गांवों में पहुंच सके जब अकेले लोग खेतों से घर लौट रहे होते थे और लड़कियां अपने गुप्त मिलन के लिए बाहर जा रही होती थीं।

जब वह कभी-कभार किसी लड़की की हत्या करता था, तो वह उसके साथ किसी भी तरह का हस्तक्षेप नहीं करता था। इस पहलू के बारे में उसने जो सुना था, वह उसे बिल्कुल समझ से परे था। केवल हत्या करने का वह अद्भुत कृत्य ही उसे 'अच्छा महसूस' कराता था। और कुछ नहीं।

सत्रह वर्ष की आयु के अंत तक, फर्मानाघ, टायरोन और आर्माघ में भयानक अफवाहें फैल रही थीं। जब एक महिला की दिनदहाड़े गला घोंटकर हत्या कर दी गई और उसे लापरवाही से भूसे के ढेर में फेंक दिया गया, तो अफवाहें दहशत में बदल गईं। गांवों में सतर्कता समूहों का गठन किया गया, पुलिस को कुत्तों के साथ अतिरिक्त बल के साथ बुलाया गया, और 'मून किलर' की कहानियों ने पत्रकारों को इलाके में खींच लाया। ग्रांट को कई बार साइकिल पर रोका गया और पूछताछ की गई, लेकिन ऑघमैकलॉय में उसे मजबूत संरक्षण प्राप्त था और मुक्केबाजी के लिए खुद को फिट रखने के लिए उसके द्वारा किए जाने वाले प्रशिक्षण-स्पिन की कहानी को हमेशा सच माना जाता था, क्योंकि वह अब गांव का गौरव और उत्तरी आयरलैंड लाइट-हैवीवेट चैंपियनशिप का दावेदार था।

एक बार फिर, इससे पहले कि बहुत देर हो जाती, उसकी सूझबूझ ने उसे पकड़े जाने से बचा लिया और वह ऑघमैकलॉय छोड़कर बेलफास्ट चला गया, जहाँ उसने एक टूटे-फूटे बॉक्सिंग प्रमोटर के हाथों में खुद को सौंप दिया, जो उसे पेशेवर बॉक्सर बनाना चाहता था। उस गंदे से जिम में अनुशासन बेहद सख्त था। वह लगभग एक जेल जैसा था और जब ग्रांट की रगों में खून फिर से खौल उठा, तो उसके पास अपने एक स्पैरिंग पार्टनर को अधमरा करने के अलावा कोई चारा नहीं बचा। रिंग में दो बार एक आदमी से अलग किए जाने के बाद, चैंपियनशिप जीतने पर ही वह प्रमोटर द्वारा निकाले जाने से बच पाया।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

ग्रांट ने 1945 में, अपने अठारहवें जन्मदिन पर, चैंपियनशिप जीती। फिर उन्हें राष्ट्रीय सेवा के लिए ले जाया गया और वे रॉयल कॉर्प्स ऑफ सिग्नल्स में ड्राइवर बन गए। इंग्लैंड में प्रशिक्षण के दौरान उनका व्यवहार सुधर गया, या कम से कम उन्हें अपनी भावनाओं के प्रति अधिक सतर्क बना दिया। अब, पूर्णिमा की रात को, वे शराब पीने लगे।

वह एल्डरशॉट के आसपास के जंगलों में व्हिस्की की एक बोतल ले जाता और अपनी संवेदनाओं को निर्मम भाव से निहारते हुए उसे पूरा पी जाता, जब तक कि वह बेहोश नहीं हो जाता। फिर, सुबह तड़के, वह लड़खड़ाते हुए शिविर में लौटता, आधा संतुष्ट, लेकिन अब खतरनाक नहीं। अगर कोई संतरी उसे पकड़ लेता, तो उसे केवल एक दिन की मामूली सजा मिलती, क्योंकि उसका कमांडिंग ऑफिसर उसे सेना चैंपियनशिप के लिए खुश रखना चाहता था।

लेकिन रूसियों के साथ कॉरिडोर विवाद के समय ग्रांट के परिवहन विभाग को बर्लिन भेजा गया

और वह चैंपियनशिप में भाग नहीं ले सका। बर्लिन में, खतरे की लगातार आशंका ने उसे और भी उत्सुक बना दिया और उसे और भी सतर्क और चालाक बना दिया। वह अब भी पूर्णिमा की रात को खूब शराब पीता था, लेकिन बाकी समय वह निगरानी करता और योजनाएँ बनाता रहता था। उसने रूसियों के बारे में जो कुछ भी सुना था, वह उसे पसंद आया - उनकी क्रूरता, मानव जीवन के प्रति उनकी बेपरवाही और उनका छल - और उसने उनके पक्ष में जाने का फैसला किया। लेकिन कैसे? वह उन्हें उपहार के रूप में क्या दे सकता था? वे क्या चाहते थे?

अंततः बी.ए.ओ.आर. चैंपियनशिप ने ही उन्हें वहाँ जाने के लिए प्रेरित किया। संयोगवश, यह चैंपियनशिप पूर्णिमा की रात को हुई। रॉयल कोर के लिए लड़ रहे ग्रांट को निचले स्तर पर पकड़ने और वार करने के लिए चेतावनी दी गई और लगातार अनुचित लड़ाई के कारण तीसरे दौर में ही उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। जब वह रिंग से बाहर निकले तो पूरे स्टेडियम ने उन पर हूटिंग की - सबसे ज़ोरदार विरोध उनके अपने रेजिमेंट के सैनिकों ने किया - और अगली सुबह कमांडिंग ऑफिसर ने उन्हें बुलवाया और कठोर शब्दों में कहा कि वह रॉयल कोर के लिए कलंक हैं और अगली भर्ती के साथ उन्हें घर भेज दिया जाएगा। उनके साथी ड्राइवरों ने उन्हें कोवेंट्री भेज दिया और चूंकि कोई भी उनके साथ परिवहन वाहन चलाने को तैयार नहीं था, इसलिए उन्हें प्रतिष्ठित मोटर साइकिल डिस्पैच सेवा में स्थानांतरित कर दिया गया।

यह तबादला ग्रांट के लिए एकदम सही साबित हुआ। उन्होंने कुछ दिन इंतजार किया और फिर एक शाम जब उन्होंने रीचस्कान्ज़लरप्लात्ज़ स्थित सैन्य खुफिया मुख्यालय से दिन भर की डाकें एकत्र कीं, तो वे सीधे रूसी सेक्टर की ओर चल पड़े। उन्होंने अपनी गाड़ी का इंजन चालू रखा और तब तक इंतजार किया जब तक कि ब्रिटिश नियंत्रण द्वार टैक्सी के लिए नहीं खुल गया। फिर वे पूरी रफ्तार से बंद होते द्वार को तोड़ते हुए रूसी सीमा चौकी के कंक्रीट बंकर के बगल में फिसलते हुए रुक गए।

वे उसे घसीटकर जबरदस्ती पहरेदार कक्ष में ले गए। एक डेस्क के पीछे बैठे एक भावहीन अधिकारी ने उससे पूछा कि वह क्या चाहता है।

'मुझे सोवियत गुप्त सेवा चाहिए,' ग्रांट ने स्पष्ट स्वर में कहा। 'उसका मुखिया।'

अधिकारी ने उसे ठंडी निगाहों से देखा। उसने रूसी भाषा में कुछ कहा। ग्रांट को लाने वाले सैनिक उसे फिर से बाहर घसीटने लगे। ग्रांट ने आसानी से उन्हें झटक दिया। उनमें से एक ने अपनी टॉमीगन उठा ली।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

ग्रांट ने धैर्यपूर्वक और स्पष्ट रूप से बोलते हुए कहा, "मेरे पास बहुत सारे गुप्त कागजात हैं। बाहर। मोटरसाइकिल पर चमड़े के थैलों में।" उन्हें अचानक एक विचार आया। "अगर वे आपकी गुप्त सेवा तक नहीं पहुंचे तो आप बहुत बड़ी मुसीबत में पड़ जाएंगे।"

अधिकारी ने सैनिकों से कुछ कहा और वे पीछे हट गए। उसने टूटी-फूटी अंग्रेज़ी में कहा, 'हमारे पास कोई गुप्त सेवा नहीं है। बैठ जाइए और यह फॉर्म भरिए।'

ग्रांट डेस्क पर बैठ गया और एक लंबा फॉर्म भरने लगा जिसमें पूर्वी क्षेत्र में आने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति के बारे में प्रश्न पूछे गए थे - नाम, पता, व्यवसाय का प्रकार इत्यादि। इसी बीच अधिकारी ने टेलीफोन पर धीमी और संक्षिप्त बातचीत की।

जब तक ग्रांट ने अपना काम खत्म किया, दो और सैनिक, गैर-कमीशन अधिकारी, जो फीकी हरी टोपी पहने हुए थे और उनकी खाकी वर्दी पर हरे रंग के पदचिह्न लगे थे, कमरे में आ गए। सीमा अधिकारी ने बिना देखे ही फॉर्म उनमें से एक को दे दिया और वे ग्रांट को बाहर ले गए और उसे और उसकी मोटरसाइकिल को एक बंद वैन के पीछे बिठाकर दरवाजा बंद कर दिया। पंद्रह मिनट की तेज रफ्तार ड्राइव के बाद वैन रुकी, और जब ग्रांट बाहर निकला तो उसने खुद को एक बड़ी नई इमारत के पीछे के आंगन में पाया। उसे इमारत के अंदर ले जाया गया और लिफ्ट से ऊपर ले जाकर बिना खिड़कियों वाली एक कोठरी में अकेला छोड़ दिया गया। उसमें एक लोहे की बेंच के अलावा कुछ नहीं था। एक घंटे बाद, जिसके दौरान, उसने अनुमान लगाया, उन्होंने गुप्त कागजात देखे, उसे एक आरामदायक कार्यालय में ले जाया गया जहाँ तीन पंक्तियों के पदकों और पूर्ण कर्नल के स्वर्ण पदकों से सुसज्जित एक अधिकारी मेज के पीछे बैठा था। मेज पर गुलाबों के एक कटोरे के अलावा कुछ नहीं था।

दस साल बाद, ग्रांट विमान की खिड़की से बीस हजार फीट नीचे रोशनी के एक विस्तृत समूह को देख रहा था, जिसे उसने अनुमान लगाया कि वह खार्कोव था, और उसने पारदर्शी खिड़की में अपने प्रतिबिंब को देखकर भावहीन मुस्कान दी।

गुलाब। उस पल से उसका जीवन फूलों से भर गया था। हर तरफ गुलाब ही गुलाब।

अध्याय तीन

स्नातकोत्तर अध्ययन

तो आप सोवियत संघ में काम करना चाहेंगे, श्रीमान ग्रांट?

आधा घंटा बीत चुका था और एमजीबी कर्नल साक्षात्कार से ऊब चुके थे। उन्हें लगा कि उन्होंने एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया (http://www.processtext.com/abclit.html)

इस अप्रिय स्वभाव वाले ब्रिटिश सैनिक से हर वह सैन्य जानकारी निकाली गई जो संभवतः रुचिकर हो सकती थी।

उस व्यक्ति को उसके गुप्त संदेशों से भरी थैलियों के बदले में कुछ विनम्र शब्दों में धन्यवाद दिया गया, और फिर वह व्यक्ति कोठरियों में जा सकता था और उचित समय पर उसे वोरकुटा या किसी अन्य श्रम शिविर में भेज दिया जा सकता था।

हां, मैं आपके लिए काम करना चाहूंगा।

और आप क्या काम कर सकते हैं, श्रीमान ग्रांट? हमारे पास अकुशल श्रमिकों की कोई कमी नहीं है। हमें ट्रक चालकों की आवश्यकता नहीं है, और' कर्नल ने क्षण भर के लिए मुस्कुराते हुए कहा, 'यदि मुक्केबाजी का कोई काम हो तो हमारे पास मुक्केबाजी करने वाले पुरुषों की कोई कमी नहीं है। संयोगवश, उनमें से दो संभावित ओलंपिक चैंपियन भी हैं।'

मैं लोगों को मारने में माहिर हूं। मैं इसे बहुत अच्छे से करता हूं। मुझे इसमें मजा आता है।'

कर्नल ने सुनहरी पलकों के नीचे, बेहद फीकी नीली आँखों के पीछे एक पल के लिए चमकती लाल लौ देखी। उसने सोचा, यह आदमी सचमुच ऐसा ही है। वह पागल होने के साथ-साथ अप्रिय भी है। उसने ग्रांट को ठंडी निगाहों से देखा और सोचने लगा कि क्या वोरकुटा में उस पर खाना बर्बाद करना उचित होगा। शायद उसे गोली मार देना बेहतर होगा। या उसे वापस ब्रिटिश सेक्टर में भेज देना और उसके अपने लोगों को उसकी चिंता करने देना।

'तुम्हें मेरी बात पर यकीन नहीं है,' ग्रांट ने अधीरता से कहा। यह गलत आदमी था, गलत विभाग। 'यहाँ तुम्हारे लिए ये खतरनाक काम कौन करता है?' उसे पूरा यकीन था कि रूसियों के पास किसी तरह का हत्यारा दस्ता ज़रूर होगा।

सबने यही कहा। 'मुझे उनसे बात करने दो। मैं उनके लिए किसी को भी मार डालूंगा। जिसे वे चाहें। अभी।'

कर्नल ने उसे गुस्से से देखा। शायद बेहतर होगा कि वह इस मामले की रिपोर्ट कर दे। 'यहीं रुको।' वह उठा और दरवाज़ा खुला छोड़कर कमरे से बाहर चला गया। एक गार्ड आया और दरवाज़े पर खड़ा होकर ग्रांट की पीठ पर नज़र रखने लगा, उसका हाथ पिस्तौल पर था।

कर्नल अगले कमरे में गए। वह खाली था। मेज पर तीन टेलीफोन रखे थे। उन्होंने मॉस्को से एमजीबी की सीधी लाइन का रिसीवर उठाया। जब सैन्य ऑपरेटर ने जवाब दिया तो उन्होंने कहा,

'स्मर्श'। जब स्मर्श ने जवाब दिया तो उसने ऑपरेशन प्रमुख के बारे में पूछा।

दस मिनट बाद उसने रिसीवर वापस रख दिया। क्या किस्मत है! एक सरल, रचनात्मक समाधान। चाहे जो भी हो, परिणाम अच्छा ही होगा। अगर अंग्रेज सफल हो जाता, तो यह शानदार होता। अगर वह असफल हो जाता, तो भी पश्चिमी क्षेत्र में बहुत परेशानी होती - अंग्रेजों के लिए परेशानी क्योंकि ग्रांट उनका आदमी था, जर्मनों के लिए परेशानी क्योंकि इस प्रयास से उनके कई जासूस डर जाते, अमेरिकियों के लिए परेशानी क्योंकि वे बॉमगार्टन गिरोह के लिए अधिकांश धन की आपूर्ति कर रहे थे और अब सोचेंगे कि... (जनरेटेड बाय ABC Amber LIT कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)

बाउमगार्टन की सुरक्षा व्यवस्था बिल्कुल भी कारगर नहीं थी। खुद से संतुष्ट होकर कर्नल वापस अपने कार्यालय में चले गए और ग्रांट के सामने फिर से बैठ गए।

'क्या आप सच में ऐसा कह रहे हैं?'

बेशक मैं।'

क्या आपकी याददाश्त अच्छी है?

हां।

ब्रिटिश सेक्टर में डॉ. बॉमगार्टन नाम का एक जर्मन व्यक्ति रहता है। वह फ्लैट नंबर 22 के फ्लैट नंबर 5 में रहता है।

कुरफर्स्टेंडम। क्या आप जानते हैं कि वह कहाँ है?

हां।

आज रात, अपनी मोटरसाइकिल के साथ, आपको ब्रिटिश सेक्टर में वापस भेजा जाएगा। आपकी नंबर प्लेट बदल दी जाएंगी। आपके लोग आपकी तलाश में रहेंगे। आप डॉ. बॉमगार्टन को एक लिफाफा देंगे। उस पर लिखा होगा कि इसे हाथ से पहुंचाया जाए। अपनी वर्दी में और इस लिफाफे के साथ, आपको कोई कठिनाई नहीं होगी। आप कहेंगे कि संदेश इतना गोपनीय है कि आपको डॉ. बॉमगार्टन से अकेले में मिलना होगा। फिर आप उन्हें मार देंगे।' कर्नल रुका। उसकी भौंहें उठीं। 'जी?'

"हां," ग्रांट ने दृढ़ता से कहा। "और अगर मैं ऐसा करता हूं, तो क्या आप मुझे इस तरह का और काम देंगे?"

कर्नल ने उदासीनता से कहा, 'यह संभव है। पहले आपको अपनी क्षमता दिखानी होगी। जब आप अपना काम पूरा करके सोवियत सेक्टर लौट आएंगे, तो आप कर्नल बोरिस से मिल सकते हैं।' उन्होंने घंटी बजाई और सादे कपड़ों में एक आदमी अंदर आया। कर्नल ने उसकी ओर इशारा

किया। 'यह आदमी आपको खाना देगा।'

बाद में वह आपको लिफाफा और अमेरिकी निर्मित एक तेज चाकू देगा। यह एक बेहतरीन हथियार है।

आपको कामयाबी मिले।'

कर्नल ने हाथ बढ़ाकर कटोरे में से एक गुलाब निकाला और उसे बड़े चाव से सूंघा।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

ग्रांट उठ खड़ा हुआ। उसने गर्मजोशी से कहा, 'धन्यवाद, महोदय।'

कर्नल ने न तो कोई जवाब दिया और न ही गुलाब से नज़रें उठाईं। ग्रांट सादे कपड़ों में उस आदमी के पीछे-पीछे कमरे से बाहर निकल गया।

विमान रूस के मध्य भाग के ऊपर से गर्जना करते हुए आगे बढ़ता गया। वे अपने पीछे पूर्व में स्टालिनो के आसपास धधकती भट्टियों और पश्चिम में नीपर नदी की चांदी जैसी धारा को छोड़ आए थे, जो नीप्रोपेत्रोव्स्क में शाखाओं में बंट जाती थी।

* * *

खार्कोव के आसपास की हल्की रोशनी ने यूक्रेन की सीमा को चिह्नित किया था, और फास्फेट शहर कुर्स्क की छोटी सी चमक आई और चली गई। अब ग्रांट को पता था कि नीचे का घना, अखंड अंधेरा विशाल मध्य स्टेपी को छुपाए हुए है, जहाँ रूस का अरबों टन अनाज अंधेरे में सरसराहट करते हुए पक रहा है। अगले एक घंटे तक, जब तक वे मॉस्को तक के अंतिम तीन सौ मील का सफर तय नहीं कर लेते, तब तक रोशनी के और कोई स्रोत नहीं दिखेंगे।

अब तक ग्रांट रूस के बारे में काफी कुछ जान चुका था। एक महत्वपूर्ण पश्चिम जर्मन जासूस की त्वरित, सुनियोजित और सनसनीखेज हत्या के बाद, ग्रांट जैसे ही सीमा पार करके कर्नल बोरिस के पास पहुँचा, उसे तुरंत सादे कपड़ों में, बालों को ढकने के लिए एक हवाई हेलमेट पहनाकर, एक खाली एमजीबी विमान में बिठाया गया और सीधे मॉस्को ले जाया गया।

फिर एक साल तक अर्ध-कैद जैसी स्थिति बनी रही, जिसे ग्रांट ने अपनी सेहत बनाए रखने और रूसी भाषा सीखने में बिताया, जबकि उनके आसपास पूछताछ करने वाले, मुखबिर और डॉक्टर आते-जाते रहे। इसी दौरान, इंग्लैंड और उत्तरी आयरलैंड में सोवियत जासूसों ने उनके अतीत की गहन जांच-पड़ताल की।

साल के अंत में ग्रांट को रूस में किसी भी विदेशी के लिए राजनीतिक रूप से सबसे बेदाग़ प्रमाण पत्र दिया गया। जासूसों ने उनकी कहानी की पुष्टि कर दी थी। अंग्रेज़ और अमेरिकी मुखबिरों ने बताया कि उन्हें दुनिया के किसी भी देश की राजनीति या सामाजिक रीति-रिवाजों में कोई दिलचस्पी नहीं थी, और डॉक्टरों और मनोवैज्ञानिकों ने भी इस बात पर सहमति जताई कि वे एक

गंभीर उन्मादग्रस्त अवसाद से ग्रसित थे, जिसके दौरे पूर्णिमा के साथ मेल खाते थे। उन्होंने यह भी बताया कि ग्रांट आत्ममुग्ध और कामुकताहीन थे और उनमें दर्द सहने की क्षमता बहुत अधिक थी।

इन विचित्रताओं के अलावा, उसका शारीरिक स्वास्थ्य उत्कृष्ट था और यद्यपि उसकी शैक्षिक योग्यता बेहद कम थी, वह लोमड़ी की तरह स्वाभाविक रूप से चालाक था। सभी इस बात से सहमत थे कि ग्रांट समाज का एक अत्यंत खतरनाक सदस्य था और उसे कैद कर देना चाहिए।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

जब यह मामला एमजीबी के कार्मिक प्रमुख के सामने आया, तो वह हाशिये पर 'उसे मार डालो' लिखने ही वाला था कि उसने अपना इरादा बदल दिया।

सोवियत संघ में बड़े पैमाने पर हत्याएं करनी पड़ती थीं, इसलिए नहीं कि औसत रूसी एक क्रूर व्यक्ति है, हालांकि उनकी कुछ नस्लें दुनिया के सबसे क्रूर लोगों में से हैं, बल्कि नीति के एक साधन के रूप में।

राज्य के विरुद्ध कार्य करने वाले लोग राज्य के शत्रु हैं, और राज्य के पास शत्रुओं के लिए कोई स्थान नहीं है। इतना काम है कि उनके लिए कीमती समय नहीं है, और यदि वे लगातार उपद्रव करते हैं, तो उन्हें मार दिया जाता है। 200,000,000 की आबादी वाले देश में, आप हर साल हजारों लोगों को मार सकते हैं और किसी को कोई फर्क नहीं पड़ेगा। यदि, जैसा कि दो सबसे बड़े नरसंहारों में हुआ, एक वर्ष में दस लाख लोगों को मारना पड़े, तो भी यह कोई गंभीर नुकसान नहीं है। गंभीर समस्या जल्लादों की कमी है। जल्लादों का कार्यकाल छोटा होता है।

वे काम से थक जाते हैं। आत्मा इससे विरक्ति करने लगती है। दस, बीस, सौ बार मृत्यु की आहट के बाद, मनुष्य, चाहे वह कितना भी अमानवीय क्यों न हो जाए, शायद मृत्यु के साथ अंतर्क्रिया के कारण, मृत्यु का एक बीज ग्रहण कर लेता है जो उसके शरीर में प्रवेश कर उसे नासूर की तरह खा जाता है। उदासी और शराब उसे घेर लेते हैं, और एक भयानक सुस्ती उसे घेर लेती है जिससे आँखें बेजान हो जाती हैं, गति धीमी हो जाती है और सटीकता नष्ट हो जाती है।

जब नियोक्ता को ये संकेत दिखाई देते हैं तो उसके पास जल्लाद को बर्खास्त करने और दूसरे को नियुक्त करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता।

एमजीबी के कार्मिक प्रमुख इस समस्या से भलीभांति परिचित थे और उन्हें इस बात का भी ज्ञान था कि वे न केवल कुशल हत्यारे की, बल्कि आम कसाई की भी निरंतर खोज में लगे रहते हैं। और अंततः उन्हें एक ऐसा व्यक्ति मिल गया जो हत्या के दोनों रूपों में निपुण प्रतीत होता था, अपने काम के प्रति समर्पित था और वास्तव में, यदि डॉक्टरों की मानें तो, इसी काम के लिए पैदा हुआ था।

कार्मिक विभाग के प्रमुख ने ग्रांट के दस्तावेजों पर एक संक्षिप्त, तीखी टिप्पणी लिखी और उन पर 'SMERSH Otdyel II' अंकित किया।

और उसने उन्हें अपनी आउट ट्रे में फेंक दिया।

एसएमईआरएसएच के विभाग 2, जो संचालन और निष्पादन का प्रभारी था, ने डोनोवन ग्रांट के शव को अपने कब्जे में ले लिया, उसका नाम बदलकर ग्रैनिट्स्की कर दिया और उसे अपने रिकॉर्ड में दर्ज कर लिया।

अगले दो साल ग्रांट के लिए कठिन थे। उसे वापस स्कूल जाना पड़ा, और उस स्कूल में जहाँ उसे टूटी-फूटी लकड़ी की मेजों की याद आती थी, जो नालीदार लोहे की छत वाले शेड में छोटे बच्चों की महक और ऊंघती नीली मक्खियों की भिनभिनाहट से भरी रहती थीं, और स्कूल की उसकी एकमात्र छवि वही थी। अब, लेनिनग्राद के बाहर स्थित विदेशी खुफिया स्कूल में, जर्मन, चेक, पोलिश, ब्रिटिश, चीनी और नीग्रो छात्रों के बीच ठसाठस भरा हुआ, जहाँ सभी के चेहरे गंभीर और समर्पित थे और कलम उनकी नोटबुक पर तेज़ी से चल रही थीं, वह उन विषयों से जूझ रहा था जो उसके लिए बिल्कुल अपरिचित थे।

'सामान्य राजनीतिक ज्ञान' के पाठ्यक्रम थे, जिनमें श्रमिक आंदोलनों का इतिहास शामिल था। (एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

कम्युनिस्ट पार्टी और विश्व की औद्योगिक शक्तियों के बारे में, और मार्क्स, लेनिन और स्टालिन की शिक्षाओं के बारे में, जिनमें विदेशी नाम भी शामिल थे जिन्हें वह मुश्किल से ही लिख पाता था। 'जिस वर्ग शत्रु से हम लड़ रहे हैं' पर पाठ होते थे, पूंजीवाद और फासीवाद पर व्याख्यान होते थे; कई सप्ताह 'रणनीति, आंदोलन और प्रचार' पर और कई सप्ताह अल्पसंख्यकों, औपनिवेशिक जातियों, नीग्रो और यहूदियों की समस्याओं पर बिताए जाते थे। हर महीने का अंत परीक्षाओं के साथ होता था, जिनमें ग्रांट बैठकर निरर्थक बकवास लिखता था, जिसमें आधी भूली हुई अंग्रेजी इतिहास की कुछ पंक्तियाँ और गलत वर्तनी वाले कम्युनिस्ट नारे शामिल होते थे, और अनिवार्य रूप से उसके पेपर फाड़ दिए जाते थे, एक बार तो पूरी कक्षा के सामने।

लेकिन उसने हार नहीं मानी और जब तकनीकी विषयों की बारी आई तो उसने और भी बेहतर प्रदर्शन किया। वह कोड और सिफर की मूल बातें जल्दी समझ गया, क्योंकि वह उन्हें समझना चाहता था। वह संचार में कुशल था और संपर्कों, गुप्त सूचनाओं, संदेशवाहकों और डाक पेटियों के जटिल जाल को तुरंत समझ गया। लेनिनग्राद के आसपास के उपनगरों और ग्रामीण इलाकों में प्रत्येक छात्र को नकली असाइनमेंट की योजना बनाकर उसे पूरा करना होता था, और फील्डवर्क में उसे उत्कृष्ट अंक मिले। अंत में, जब सतर्कता, विवेक, सुरक्षा-सर्वोपरि, सूझबूझ, साहस और धैर्य की परीक्षा की बात आई, तो उसने पूरे स्कूल में सर्वोच्च अंक प्राप्त किए।

साल के अंत में, एसएमईआरएसएच को वापस भेजी गई रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला गया कि 'राजनीतिक मूल्य शून्य है।'

परिचालन मूल्य उत्कृष्ट' – यही वह बात थी जो ओटडेल द्वितीय सुनना चाहता था।

अगला वर्ष मॉस्को के बाहरी इलाके कुचिनो में स्थित आतंक और मनोरंजन विद्यालय में बीता, जहाँ सैकड़ों रूसी छात्रों के बीच केवल दो अन्य विदेशी छात्र थे। यहाँ ग्रांट ने आधुनिक सोवियत जासूस के जनक माने जाने वाले प्रसिद्ध कर्नल अर्कादी फोटोयेव के मार्गदर्शन में जूडो, मुक्केबाजी, एथलेटिक्स, फोटोग्राफी और रेडियो के पाठ्यक्रमों में सफलता प्राप्त की और

सोवियत राइफल चैंपियन लेफ्टिनेंट-कर्नल निकोलाई गोडलोव्स्की से लघु शस्त्रों का प्रशिक्षण पूरा किया।

इस साल दो बार, बिना किसी पूर्व सूचना के, पूर्णिमा की रात को एमजीबी की एक गाड़ी उसे लेने आई और उसे मॉस्को की जेलों में से एक में ले गई। वहाँ, उसके सिर पर एक काला हुड डालकर, उसे विभिन्न हथियारों - रस्सी, कुल्हाड़ी, सब-मशीन गन - से फाँसी देने की अनुमति दी गई। इन घटनाओं से पहले, दौरान और बाद में उसके इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम, रक्तचाप और कई अन्य चिकित्सा परीक्षण किए गए, लेकिन उनका उद्देश्य और परिणाम उसे नहीं बताए गए।

यह एक अच्छा वर्ष था और उन्हें लगा, और यह सही भी था, कि वे संतुष्टि प्रदान कर रहे थे।

1949 और 1950 में ग्रांट को उपग्रह देशों में मोबाइल समूहों या अवनपोस्ट के साथ छोटे अभियानों पर जाने की अनुमति दी गई थी। ये अभियान रूसी जासूसों और खुफिया कर्मियों की पिटाई और साधारण हत्याएं थीं, जिन पर देशद्रोह या अन्य अनियमितताओं का संदेह था। ग्रांट ने इन कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक, सटीक रूप से और बिना किसी को पता चले अंजाम दिया, और यद्यपि उन पर कड़ी और निरंतर निगरानी रखी जाती थी, फिर भी उन्होंने अपने लिए अपेक्षित मानकों से जरा सा भी विचलन नहीं दिखाया, न ही चरित्र या तकनीकी कौशल में कोई कमजोरी प्रदर्शित की। अगर उन्हें पूर्णिमा की रात में अकेले किसी कार्य को करते हुए हत्या करने की आवश्यकता होती तो स्थिति अलग हो सकती थी, लेकिन उनका... (जनरेटेड बाय एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)

वरिष्ठ अधिकारियों को यह एहसास था कि उस समय वह उनके या स्वयं के नियंत्रण से बाहर होगा, इसलिए उन्होंने उसकी गतिविधियों के लिए सुरक्षित तिथियां चुनीं। चंद्रोत्सव काल विशेष रूप से जेलों में क्रूरता के लिए आरक्षित था, और समय-समय पर ठंडे खून से की गई सफल कार्रवाई के पुरस्कार के रूप में उसे यह अवसर दिया जाता था।

1951 और 1952 में ग्रांट की उपयोगिता को और अधिक पूर्णतः और आधिकारिक रूप से मान्यता मिली। उत्कृष्ट कार्य, विशेष रूप से बर्लिन के पूर्वी क्षेत्र में, के फलस्वरूप उन्हें सोवियत नागरिकता* प्रदान की गई और उनके वेतन में वृद्धि की गई, जो 1953 तक बढ़कर 5000 रूबल प्रति माह हो गई। 1953 में उन्हें मेजर का पद दिया गया, और पेंशन के अधिकार 'कर्नल बोरिस' से उनके पहले संपर्क के दिन से ही लागू कर दिए गए, और क्रीमिया में स्थित विला उन्हें आवंटित कर दिया गया। उनके साथ दो अंगरक्षक तैनात किए गए, आंशिक रूप से उनकी सुरक्षा के लिए और आंशिक रूप से उनके 'दल-बदल' की संभावना को रोकने के लिए, जिसे एमजीबी की भाषा में दल-बदल कहा जाता है। उन्हें महीने में एक बार निकटतम जेल ले जाया जाता था और उन्हें उपलब्ध उम्मीदवारों की संख्या के अनुसार फांसी की सजा दी जाती थी।

स्वाभाविक रूप से ग्रांट का कोई दोस्त नहीं था। जो भी उसके संपर्क में आता, वह उससे नफरत करता, डरता या ईर्ष्या करता। सोवियत आधिकारिक जगत की गोपनीय और सतर्क दुनिया में दोस्ती माने जाने वाले पेशेवर संबंध भी उसके पास नहीं थे। लेकिन अगर उसे इस बात का एहसास भी होता, तो उसे परवाह नहीं होती। उसकी दिलचस्पी सिर्फ अपने शिकारों में थी। उसका बाकी जीवन उसके भीतर ही सिमटा हुआ था। और वह उसके विचारों से भरपूर और रोमांचक रूप से भरा हुआ था।

फिर, ज़ाहिर है, उसके पास स्मर्श था। सोवियत संघ में जिसके पास स्मर्श का साथ हो, उसे दोस्तों की चिंता करने की ज़रूरत नहीं है, बल्कि स्मर्श के काले पंखों को बचाए रखने के अलावा किसी और चीज़ की चिंता करने की ज़रूरत नहीं है।

उसके सिर पर।

ग्रांट अभी भी अस्पष्ट रूप से सोच रहा था कि उसके नियोक्ताओं के साथ उसके क्या संबंध हैं, तभी विमान ने ऊंचाई खोना शुरू कर दिया क्योंकि उसने मॉस्को की लाल चमक के ठीक दक्षिण में स्थित तुशिनो हवाई अड्डे की रडार बीम को पकड़ लिया था।

वह अपने पद के शिखर पर था, स्मर्श का मुख्य जल्लाद, और इस प्रकार पूरे सोवियत संघ का। अब उसका लक्ष्य क्या हो सकता था? और पदोन्नति? और अधिक धन? और अधिक सोने के आभूषण?

अधिक महत्वपूर्ण लक्ष्य?

बेहतर तकनीकें?

अब आगे बढ़ने के लिए और कुछ बचा ही नहीं दिख रहा था। या शायद किसी दूसरे देश में कोई ऐसा व्यक्ति था जिसके बारे में उसने कभी सुना भी नहीं था, जिसे पूर्ण वर्चस्व हासिल करने से पहले रास्ते से हटाना पड़ता?

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

चौथा अध्याय

मौत के मुगल

स्मर्श सोवियत सरकार का आधिकारिक हत्या संगठन है। यह देश और विदेश दोनों जगह सक्रिय है और 1955 में इसमें कुल 40,000 पुरुष और महिलाएं कार्यरत थीं। स्मर्श का संक्षिप्त रूप है...

'स्मीर्ट स्पियोनम', जिसका अर्थ है 'जासूसों को मौत'। यह नाम केवल इसके कर्मचारियों और सोवियत अधिकारियों के बीच ही इस्तेमाल होता था। कोई भी समझदार आम नागरिक इस शब्द को अपने होंठों से निकालने की हिम्मत नहीं करेगा।

एसएमईआरएसएच का मुख्यालय स्रेतेंका उलित्सा पर स्थित एक बहुत बड़ी और बदसूरत आधुनिक इमारत है। यह इमारत नंबर 1 पर स्थित है।

इस चौड़ी, नीरस सड़क पर 13 नंबर का रास्ता है, और पैदल यात्री बड़ी लोहे की दोहरी दरवाज़े की ओर जाने वाली चौड़ी सीढ़ियों के दोनों ओर सब-मशीन गन लिए खड़े दो संतरियों के पास से गुज़रते समय अपनी नज़रें ज़मीन पर टिकाए रखते हैं। अगर उन्हें समय रहते याद आ जाए, या वे चुपचाप ऐसा कर सकें, तो वे सड़क पार करके दूसरी तरफ से निकल जाते हैं।

एसएमईआरएसएच का संचालन दूसरी मंजिल से होता है। दूसरी मंजिल का सबसे महत्वपूर्ण कमरा एक विशाल, रोशनी से जगमगाता कमरा है, जिस पर हल्के जैतून हरे रंग का पेंट किया गया है, जो दुनिया भर के सरकारी कार्यालयों में आम है। ध्वनिरोधक दरवाजे के सामने, दो चौड़ी खिड़कियाँ इमारत के पीछे स्थित आंगन की ओर खुलती हैं। फर्श पर बेहतरीन गुणवत्ता का रंगीन कोकेशियाई कालीन बिछा हुआ है।

कमरे के बिल्कुल बाईं ओर एक विशाल ओक की मेज खड़ी है। मेज का ऊपरी भाग मोटे कांच के ऊपर लाल मखमल से ढका हुआ है।

डेस्क के बाईं ओर IN और OUT बास्केट हैं और दाईं ओर चार टेलीफोन हैं।

डेस्क के केंद्र से शुरू होकर, उससे जुड़कर T का आकार बनाते हुए, एक कॉन्फ्रेंस टेबल कमरे में तिरछे रूप से फैली हुई है। इसके पास आठ सीधी पीठ वाली लाल चमड़े की कुर्सियाँ लगी हैं। यह टेबल भी लाल मखमल से ढकी है, लेकिन इस पर सुरक्षात्मक कांच नहीं लगा है। टेबल पर ऐशट्रे और पानी के दो भारी जग और गिलास रखे हैं।

दीवारों पर सोने के फ्रेम में चार बड़ी तस्वीरें लगी हैं। 1955 में, इनमें दरवाजे के ऊपर स्टालिन का चित्र, दो खिड़कियों के बीच लेनिन का चित्र और अन्य दो दीवारों पर आमने-सामने बुल्गानिन और राज्य सुरक्षा समिति के प्रमुख, सेना जनरल इवान अलेक्सांद्रोविच सेरोव का चित्र था।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

बाईं दीवार पर, बुल्गानिन के चित्र के नीचे, एक सुंदर पॉलिश किए हुए ओक कैबिनेट में एक बड़ा टेलीविज़र या टीवी सेट रखा है। इसमें एक टेप रिकॉर्डर छिपा हुआ है जिसे डेस्क से चालू किया जा सकता है। रिकॉर्डर का माइक्रोफ़ोन कॉन्फ्रेंस टेबल के पूरे क्षेत्र के नीचे तक फैला हुआ है और इसके तार टेबल के पैरों में छिपे हुए हैं। टेलीविज़र के बगल में एक छोटा दरवाजा है जो निजी शौचालय और वॉशरूम और गुप्त फिल्मों को दिखाने के लिए एक छोटे प्रोजेक्शन रूम में खुलता है।

जनरल सेरोव के चित्र के नीचे एक किताबों की अलमारी है, जिसके ऊपरी हिस्सों में मार्क्स, एंगेल्स, लेनिन और स्टालिन की रचनाएँ रखी हैं, और आसानी से उपलब्ध होने वाली जगहों पर जासूसी, प्रति-जासूसी, पुलिस कार्यप्रणाली और अपराध विज्ञान पर सभी भाषाओं में पुस्तकें हैं। अलमारी के बगल में, दीवार से सटाकर, एक लंबी और संकीर्ण मेज रखी है, जिस पर सुनहरे अक्षरों में तिथि अंकित किए हुए चमड़े की जिल्द वाले एक दर्जन बड़े एल्बम रखे हैं। इनमें सोवियत नागरिकों और विदेशियों की तस्वीरें हैं, जिनकी हत्या स्मर्श द्वारा की गई थी।

जिस समय ग्रांट तुशिनो हवाई अड्डे पर उतरने वाला था, रात के 11.30 बजे से ठीक पहले, लगभग पचास साल का एक मजबूत दिखने वाला, गठीला आदमी इस मेज पर खड़ा होकर 1954 के अंक के पन्ने पलट रहा था।

एसएमईआरएसएच के प्रमुख, कर्नल जनरल ग्रुबोज़ाबोयशिकोव, जिन्हें इमारत में 'जी.' के नाम से जाना जाता था, ने ऊंचे कॉलर वाली साफ-सुथरी खाकी वर्दी और किनारों पर दो पतली लाल धारियों वाली गहरे नीले रंग की घुड़सवार सेना की पतलून पहनी हुई थी। पतलून के अंत में मुलायम, चमकदार काले चमड़े के घुड़सवारी के जूते थे। वर्दी के सीने पर पदकों की तीन पंक्तियाँ थीं - दो लेनिन पदक, सुवोरोव पदक, अलेक्जेंडर नेवस्की पदक, लाल बैनर पदक, दो लाल सितारा पदक, बीस वर्ष की सेवा का पदक और मॉस्को की रक्षा और बर्लिन पर कब्जा करने के पदक। इनके अंत में ब्रिटिश सी.बी.ई. का गुलाबी और धूसर रंग का रिबन और अमेरिकी मेडल फॉर मेरिट का गहरा लाल और सफेद रंग का रिबन लगा हुआ था।

रिबन के ऊपर सोवियत संघ के एक हीरो का स्वर्ण सितारा लटका हुआ था।

ऊँची चोंच के ऊपर चेहरा संकरा और तीखा था। आँखों के नीचे ढीली-ढाली थैलियाँ थीं, जो गोल और भूरी थीं और घनी काली भौहों के नीचे पॉलिश किए हुए संगमरमर की तरह उभरी हुई थीं। खोपड़ी पूरी तरह मुंडी हुई थी और बीच में लगे झूमर की रोशनी में कसी हुई सफेद त्वचा चमक रही थी। मुँह चौड़ा और गंभीर था, ठुड्डी में गहरी दरार थी। यह एक कठोर, अटल और प्रभावशाली चेहरा था।

डेस्क पर रखे टेलीफ़ोनों में से एक हल्की सी भिनभिनाहट हुई। वह व्यक्ति सधे हुए कदमों से चलकर डेस्क के पीछे अपनी ऊँची कुर्सी तक पहुँचा। वह बैठ गया और V.Ch. अक्षरों से सफ़ेद रंग में चिह्नित टेलीफ़ोन का रिसीवर उठाया। ये अक्षर Vysoko-chastoty, यानी उच्च आवृत्ति का संक्षिप्त रूप हैं। V.Ch. स्विचबोर्ड से केवल लगभग पचास सर्वोच्च अधिकारी जुड़े हुए हैं, और वे सभी राज्य मंत्री या चयनित विभागों के प्रमुख हैं। इसकी सेवा क्रेमलिन में स्थित एक छोटे से एक्सचेंज द्वारा की जाती है, जिसे पेशेवर सुरक्षा अधिकारी संचालित करते हैं।

वे इस पर होने वाली बातचीत को सुन भी नहीं सकते, लेकिन इसकी लाइनों पर बोला गया हर शब्द स्वचालित रूप से रिकॉर्ड हो जाता है।

हाँ?

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

मैं सेरोव बोल रहा हूँ। आज सुबह प्रेसीडियम की बैठक के बाद से क्या कार्रवाई की गई है?

कुछ ही मिनटों में मेरी यहाँ कॉमरेड जनरल के साथ एक बैठक है – आर.यू.एम.आई.डी., जी.आर.यू. और निश्चित रूप से एम.जी.बी. के साथ। उसके बाद, यदि कार्रवाई पर सहमति बनती है, तो मैं अपने ऑपरेशन प्रमुख और योजना प्रमुख के साथ बैठक करूँगा। यदि परिसमापन का निर्णय लिया जाता है, तो मैंने आवश्यक एजेंटों को मॉस्को लाने की एहतियात बरती है। इस बार मैं स्वयं तैयारियों की निगरानी करूँगा। हम एक और खोखलोव कांड नहीं चाहते।

'शैतान को पता है कि हम ऐसा नहीं करते। पहली बैठक के बाद मुझे फोन कर देना। मैं कल सुबह प्रेसीडियम को रिपोर्ट करना चाहता हूँ।' 'ज़रूर, कॉमरेड जनरल।'

जनरल जी ने रिसीवर वापस रख दिया और अपनी डेस्क के नीचे लगी घंटी दबा दी। उसी समय उन्होंने वायर-रिकॉर्डर चालू कर दिया। उनके सहायक कमांडर, जो एक एमजीबी कैप्टन थे, अंदर आए।

'क्या वे आ गए हैं?' 'जी हां, कॉमरेड जनरल।' 'उन्हें अंदर ले आओ।'

कुछ ही मिनटों में छह आदमी, जिनमें से पाँच वर्दी में थे, दरवाजे से अंदर आए और मेज के पीछे बैठे व्यक्ति की ओर देखे बिना ही सम्मेलन की मेज पर बैठ गए। वे तीन वरिष्ठ अधिकारी थे, अपने-अपने विभागों के प्रमुख, और प्रत्येक के साथ एक सहायक सचिव (ए.डी.सी.) था। सोवियत संघ में कोई भी व्यक्ति सम्मेलन में अकेला नहीं जाता। अपनी सुरक्षा और अपने विभाग की सुरक्षा के लिए, वह हमेशा एक गवाह को साथ ले जाता है ताकि उसके विभाग के पास सम्मेलन में हुई चर्चाओं और सबसे महत्वपूर्ण बात, उसकी ओर से कही गई बातों के स्वतंत्र विवरण हों। यह बाद में होने वाली किसी भी जांच के लिए महत्वपूर्ण है। सम्मेलन में कोई नोट्स नहीं लिए जाते और निर्णय मौखिक रूप से विभागों तक पहुंचाए जाते हैं।

मेज के एक छोर पर सेना के जनरल स्टाफ के खुफिया विभाग, जी.आर.यू. के प्रमुख लेफ्टिनेंट-जनरल स्लाविन बैठे थे, उनके बगल में एक कर्नल थे। मेज के दूसरे छोर पर विदेश मंत्रालय के खुफिया विभाग, आर.यू.एम.आई.डी. के लेफ्टिनेंट-जनरल वोज़्डविशेंस्की बैठे थे, उनके साथ सादे कपड़ों में एक अधेड़ उम्र का व्यक्ति था। दरवाजे की ओर पीठ करके सोवियत गुप्त सेवा, एम.जी.बी. के खुफिया प्रमुख, राज्य सुरक्षा कर्नल निकितिन बैठे थे, उनके बगल में एक मेजर थे। 'शुभ संध्या, साथियों।'

तीनों वरिष्ठ अधिकारियों के बीच से विनम्र और सावधानी भरी धीमी आवाज़ आई। हर कोई जानता था, और सोचता था कि केवल वही जानता है, कि कमरे में ध्वनि रिकॉर्डिंग की व्यवस्था

है, और हर किसी ने अपने ए.डी.सी. को बताए बिना, अच्छे अनुशासन और राज्य की आवश्यकताओं के अनुरूप कम से कम शब्दों का उच्चारण करने का निर्णय लिया था।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

'चलो सिगरेट पीते हैं।' जनरल जी ने मोस्कवा-वोल्गा सिगरेट का एक पैकेट निकाला और एक सिगरेट को अमेरिकी ज़िपो लाइटर से जलाया। मेज के चारों ओर लाइटरों की खनक सुनाई दी। जनरल जी ने अपनी सिगरेट के लंबे गत्ते के ट्यूब को लगभग चपटा कर लिया और उसे अपने मुंह के दाहिनी ओर दांतों के बीच दबा लिया।

उसने अपने होंठों को दांतों से पीछे खींचकर छोटे-छोटे वाक्यों में बोलना शुरू किया, जो दांतों के बीच से और ऊपर की ओर उठी हुई सिगरेट से निकलने वाली एक फुसफुसाहट जैसी आवाज के साथ बाहर आ रहे थे।

साथियों, हम कॉमरेड जनरल सेरोव के निर्देशों के तहत बैठक कर रहे हैं। जनरल सेरोव ने प्रेसीडियम की ओर से मुझे राज्य नीति के कुछ मामलों से आपको अवगत कराने का आदेश दिया है। इसके बाद हमें विचार-विमर्श करना है और ऐसी कार्ययोजना की सिफारिश करनी है जो इस नीति के अनुरूप हो और इसमें सहायक हो। हमें अपना निर्णय शीघ्र लेना होगा। लेकिन हमारा निर्णय राज्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। इसलिए यह एक सही निर्णय होना चाहिए।

जनरल जी. ने अपने शब्दों के महत्व को समझने के लिए कुछ क्षण रुककर उन्हें थोड़ा समय दिया। उन्होंने मेज पर बैठे तीनों वरिष्ठ अधिकारियों के चेहरों को एक-एक करके ध्यान से देखा। उनकी आँखें भावहीन होकर उन्हीं की ओर देख रही थीं। भीतर ही भीतर ये अत्यंत महत्वपूर्ण अधिकारी व्याकुल थे। वे एक ऐसे रहस्य को जानने वाले थे, जिसका पता चलने पर भविष्य में उनके लिए अत्यंत घातक परिणाम हो सकते थे। शांत कमरे में बैठे हुए वे स्वयं को सोवियत संघ की सत्ता के केंद्र - उच्च प्रेसीडियम - से निकलने वाली भयानक प्रज्वलन में डूबा हुआ महसूस कर रहे थे।

जनरल जी की सिगरेट की आखिरी राख उनके कुर्ते पर गिरी। उन्होंने उसे झाड़कर गत्ते के टुकड़े को अपनी मेज के बगल में रखे गुप्त कचरे के डिब्बे में फेंक दिया। उन्होंने एक और सिगरेट जलाई और धुंआ भरते हुए बोले।

हमारी सिफारिश तीन महीने के भीतर दुश्मन के इलाके में किए जाने वाले एक गंभीर आतंकवादी कृत्य से संबंधित है।

भावहीन आँखों के छह जोड़े स्मर्श के सिर को घूर रहे थे, प्रतीक्षा कर रहे थे।

'साथियों,' जनरल जी. अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गए और उनकी आवाज व्याख्यात्मक हो गई, 'सोवियत संघ की विदेश नीति एक नए चरण में प्रवेश कर चुकी है।' पहले, यह एक "कठोर" नीति थी – एक ऐसी नीति [उन्होंने स्टालिन के नाम पर मज़ाक करते हुए कहा] जो लोहे की तरह मज़बूत थी। यह नीति, हालांकि प्रभावी थी, पश्चिम में, विशेष रूप से अमेरिका में, तनाव बढ़ाती रही, जो खतरनाक होता जा रहा था। अमेरिकी लोग अप्रत्याशित होते हैं। वे बहुत जल्दी

घबरा जाते हैं। हमारी खुफिया रिपोर्टों से संकेत मिलने लगे थे कि हम अमेरिका को सोवियत संघ पर अघोषित परमाणु हमले के कगार पर धकेल रहे थे। आपने ये रिपोर्टें पढ़ी हैं और आप जानते हैं कि मैं जो कह रहा हूं वह सच है। हम ऐसा युद्ध नहीं चाहते। अगर युद्ध होना ही है, तो समय का चुनाव हम ही करेंगे। कुछ शक्तिशाली अमेरिकी, विशेष रूप से एडमिरल रेडफोर्ड के नेतृत्व वाला पेंटागन समूह, हमारी "कठोर" नीति की सफलताओं से अपनी उग्र योजनाओं में सफल हो रहे थे। इसलिए यह निर्णय लिया गया कि अपने उद्देश्यों को बनाए रखते हुए, अपने तरीकों को बदलने का समय आ गया है। एक नई नीति बनाई गई – "कठोर-नरम" नीति।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

जिनेवा इस नीति की शुरुआत थी। हम 'नरम' थे। चीन क्वेमोय और मात्सु को धमकी देता है। हम 'कठोर' हैं। हम कई पत्रकारों, अभिनेताओं और कलाकारों के लिए अपनी सीमाएँ खोल देते हैं, हालाँकि हम जानते हैं कि उनमें से कई जासूस हैं। हमारे नेता मॉस्को में स्वागत समारोहों में हँसते और मज़ाक करते हैं। मज़ाक के बीच में ही हम अब तक का सबसे बड़ा बम गिरा देते हैं। कॉमरेड बुल्गानिन और ख्रुश्चेव और कॉमरेड जनरल सेरोव [जनरल जी. ने टेप-रिकॉर्डर के कानों के लिए नामों को सावधानीपूर्वक शामिल किया] भारत और पूर्व की यात्रा करते हैं और अंग्रेजों की निंदा करते हैं। जब वे वापस आते हैं, तो वे ब्रिटिश राजदूत के साथ लंदन की अपनी आगामी सद्भावना यात्रा के बारे में मैत्रीपूर्ण चर्चा करते हैं। और यह सिलसिला चलता रहता है - पहले छड़ी, फिर गाजर, पहले मुस्कान, फिर भौंहें। और पश्चिम भ्रमित है। तनाव बढ़ने से पहले ही कम हो जाते हैं। हमारे दुश्मनों की प्रतिक्रियाएँ बेढंगी हैं, उनकी रणनीति अव्यवस्थित है। इस बीच आम लोग हमारे चुटकुलों पर हंसते हैं, हमारी फुटबॉल टीमों का उत्साह बढ़ाते हैं और जब हम कुछ युद्धबंदियों को रिहा करते हैं जिन्हें हम अब और खिलाना नहीं चाहते, तो वे खुशी से झूम उठते हैं!

मेज पर बैठे सभी लोगों के चेहरे पर खुशी और गर्व की मुस्कान थी। क्या शानदार नीति है! पश्चिम में हम उन्हें कितना मूर्ख बना रहे हैं!

जनरल जी ने अपने द्वारा उत्पन्न खुशी पर हल्की मुस्कान बिखेरते हुए आगे कहा, 'इसी समय हम हर जगह चुपके से आगे बढ़ते जा रहे हैं - मोरक्को में क्रांति, मिस्र को हथियार, यूगोस्लाविया के साथ मित्रता, साइप्रस में अशांति, तुर्की में दंगे, इंग्लैंड में हड़तालें, फ्रांस में बड़ी राजनीतिक उपलब्धियां - दुनिया में ऐसा कोई मोर्चा नहीं है जिस पर हम चुपचाप आगे नहीं बढ़ रहे हों।'

जनरल जी ने मेज के चारों ओर लालच से चमकती आँखें देखीं। सैनिक नरम पड़ चुके थे। अब सख्ती बरतने का समय था। अब उन्हें नई नीति का असर खुद महसूस करना था। खुफिया एजेंसियों को भी इस बड़े खेल में अपना योगदान देना होगा, जो उनकी ओर से खेला जा रहा था। जनरल जी सहजता से आगे झुके। उन्होंने अपनी दाहिनी कोहनी मेज पर टिकाई और मुट्ठी हवा में उठा दी।

लेकिन साथियों,' उनकी आवाज़ धीमी थी, 'सोवियत संघ की राज्य नीति को लागू करने में विफलता कहाँ रही है? जब हम कठोर होना चाहते थे, तब कौन हमेशा नरम रहा? राज्य के अन्य सभी विभागों को जीत मिल रही थी, जबकि हार किसने झेली? किसने अपनी मूर्खतापूर्ण गलतियों से सोवियत संघ को पूरी दुनिया में मूर्ख और कमजोर बना दिया? कौन?'

आवाज लगभग चीख में बदल गई थी। जनरल जी सोच रहे थे कि वह प्रेसीडियम द्वारा अपेक्षित निंदा को कितनी कुशलता से प्रस्तुत कर रहे हैं। जब टेप सेरोव को सुनाया जाएगा तो यह कितना शानदार लगेगा!

उन्होंने कॉन्फ्रेंस टेबल पर बैठे पीले, उम्मीद से भरे चेहरों पर एक नज़र डाली। जनरल जी ने गुस्से में अपनी मुट्ठी मेज पर पटकी।

'सोवियत संघ का पूरा खुफिया तंत्र, साथियों।' आवाज अब एक भयंकर दहाड़ में बदल गई थी।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

हम ही आलसी हैं, विध्वंसक हैं, गद्दार हैं! हम ही सोवियत संघ को उसके महान और गौरवशाली संघर्ष में विफल कर रहे हैं! हम!' उनका हाथ कमरे में चारों ओर घूमा। 'हम सब!' आवाज़ सामान्य हो गई, अधिक तर्कसंगत हो गई। 'साथियों, रिकॉर्ड देखो। सूकिन सिन [उन्होंने अपशब्दों का प्रयोग किया], कमीने, रिकॉर्ड देखो! पहले हमने गौज़ेंको और पूरे कनाडाई तंत्र और वैज्ञानिक फुच्स को खो दिया, फिर अमेरिकी तंत्र का सफाया हुआ, फिर हमने टोकायेव जैसे लोगों को खो दिया, फिर शर्मनाक खोखलोव कांड हुआ जिसने हमारे देश को भारी नुकसान पहुंचाया, फिर पेट्रोव और उनकी पत्नी ऑस्ट्रेलिया में - अगर कोई गड़बड़ हुई है तो वह यही थी! सूची अंतहीन है - एक के बाद एक हार, और भगवान जाने मैंने अभी इसका आधा भी नहीं बताया है।'

जनरल जी. थोड़ी देर रुके। फिर उन्होंने अपनी सबसे धीमी आवाज़ में कहा, 'साथियों, मुझे आपको बताना होगा कि अगर आज रात हम खुफिया जानकारी में बड़ी सफलता के लिए सिफारिश नहीं करते हैं, और अगर वह सिफारिश मंजूर हो जाती है, तो हम उस पर सही ढंग से अमल नहीं करते हैं, तो मुसीबत खड़ी हो जाएगी।'

जनरल जी. खतरे को परिभाषित किए बिना उसे व्यक्त करने के लिए एक अंतिम वाक्यांश की तलाश में थे। उन्हें वह मिल गया। 'ऐसा होगा।'

वह रुका और बनावटी सौम्यता के साथ मेज की ओर नीचे देखा, 'नाखुशी'।

अध्याय पाँच

षड़यंत्र

उन सैनिकों को कोड़े मारे गए थे। जनरल जी ने उन्हें कुछ मिनटों का समय दिया ताकि वे अपने घावों को सहला सकें और आधिकारिक तौर पर दी गई इस सजा के सदमे से उबर सकें।

किसी ने भी बचाव में एक शब्द नहीं कहा। किसी ने भी उनके विभाग का पक्ष नहीं लिया और न ही सोवियत खुफिया विभाग की उन अनगिनत सफलताओं का ज़िक्र किया जिन्हें कुछ गलतियों के सामने रखा जा सकता था। और किसी ने भी एसएमईआरएसएच के प्रमुख के इस भयानक निंदा को सुनाने के अधिकार पर सवाल नहीं उठाया, जबकि वह भी उनके साथ दोषी थे। राजगद्दी से आदेश जारी हो चुका था और जनरल जी को उस आदेश का मुखपत्र चुना गया था। जनरल जी के लिए यह एक बड़ा सम्मान था, कृपा का प्रतीक, आने वाली पदोन्नति का संकेत, और वहाँ मौजूद सभी लोगों ने इस बात पर ध्यान दिया कि खुफिया पदानुक्रम में, जनरल जी, एसएमईआरएसएच के समर्थन से, शीर्ष पर पहुँच गए थे।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

मेज के अंत में, विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधि, आर.यू.एम.आई.डी. के लेफ्टिनेंट-जनरल वोज़्दविशेंस्की, अपनी लंबी कज़बेक सिगरेट के सिरे से उठते धुएं को देख रहे थे और उन्हें याद आ रहा था कि बेरिया की मृत्यु के बाद मोलोतोव ने उनसे निजी तौर पर कहा था कि जनरल जी. बहुत तरक्की करेंगे। वोज़्दविशेंस्की ने सोचा कि इस भविष्यवाणी में कोई दूरदर्शिता नहीं थी। बेरिया जी. को नापसंद करते थे और लगातार उनकी तरक्की में बाधा डालते रहे, उन्हें सत्ता की मुख्य सीढ़ी से हटाकर तत्कालीन राज्य सुरक्षा मंत्रालय के एक छोटे विभाग में धकेल दिया, जिसे स्टालिन की मृत्यु के बाद बेरिया ने तुरंत एक मंत्रालय के रूप में समाप्त कर दिया था। 1952 तक, जी. इस मंत्रालय के प्रमुखों में से एक के उप प्रमुख थे। जब यह पद समाप्त कर दिया गया, तो उन्होंने अपनी सारी ऊर्जा बेरिया को गिराने की साजिश रचने में लगा दी, और शक्तिशाली जनरल सेरोव के गुप्त आदेशों पर काम किया, जिनका रिकॉर्ड बेरिया की पहुंच से भी बाहर था।

सोवियत संघ के नायक और एमजीबी के प्रसिद्ध पूर्ववर्तियों - चेका, ओग्पू, एनकेवीडी और एमवीडी - के अनुभवी सदस्य सेरोव, हर मायने में बेरिया से कहीं अधिक महान व्यक्ति थे। 1930 के दशक में हुए सामूहिक नरसंहारों में दस लाख लोगों की मौत हुई थी, जिसमें वे सीधे तौर पर शामिल थे। वे मॉस्को के अधिकांश बड़े दिखावटी मुकदमों के सूत्रधार थे, उन्होंने फरवरी 1944 में मध्य काकेशस में हुए खूनी नरसंहार का आयोजन किया था, और बाल्टिक राज्यों से बड़े पैमाने पर लोगों को निर्वासित करने और जर्मन परमाणु और अन्य वैज्ञानिकों के अपहरण को प्रेरित करने वाले भी वही थे, जिन्होंने युद्ध के बाद रूस को तकनीकी क्षेत्र में एक बड़ी छलांग लगाने में मदद की थी।

और बेरिया और उसके सारे दरबारी फांसी पर चढ़ गए, जबकि जनरल जी को इनाम के तौर पर स्मर्श दिया गया। जहाँ तक सेना के जनरल इवान सेरोव की बात है, वह बुल्गानिन और ख्रुश्चेव के

साथ मिलकर अब रूस पर राज कर रहे थे। एक दिन, शायद वह अकेले ही शिखर पर खड़े हों। लेकिन, जनरल वोज़्दविशेंस्की ने मेज पर चमकती हुई बिलियर्ड-बॉल जैसी खोपड़ी को देखते हुए अनुमान लगाया, शायद जनरल जी भी उनके पीछे-पीछे ही हों।

खोपड़ी उठी और उभरी हुई कठोर भूरी आँखें सीधे मेज पर जनरल वोज़्डविशेंस्की की आँखों में देखने लगीं। जनरल वोज़्डविशेंस्की ने शांत भाव से और कुछ हद तक आकलन भरी नज़रों से पलटकर देखा।

जनरल जी ने सोचा, "यह तो बहुत गंभीर मामला है। चलो उस पर ध्यान केंद्रित करते हैं और देखते हैं कि वह साउंडट्रैक में कैसे नज़र आता है।"

'साथियों,' कहते हुए उन्होंने अध्यक्ष की मुस्कान में अपने होठों को फैलाया और उनके होठों के दोनों कोनों से सुनहरी चमक निकली।

हमें बहुत निराश नहीं होना चाहिए। हर ऊंचे पेड़ की जड़ में कुल्हाड़ी पड़ी रहती है। हमने कभी नहीं सोचा था कि हमारे विभाग इतने सफल होंगे कि उनकी आलोचना न हो सके। जो कुछ मुझे आप लोगों से कहने के लिए कहा गया है, वह हममें से किसी के लिए भी आश्चर्य की बात नहीं होगी। इसलिए आइए हम इस चुनौती को सकारात्मक मन से स्वीकार करें और काम में जुट जाएं।

मेज के चारों ओर बैठे लोगों ने इन घिसी-पिटी बातों पर मुस्कुराकर कोई जवाब नहीं दिया। जनरल जी को इसकी उम्मीद भी नहीं थी। उन्होंने सिगरेट जलाई और बोलना जारी रखा। उन्होंने कहा, 'हमें खुफिया क्षेत्र में तुरंत एक आतंकी कार्रवाई की सिफारिश करनी होगी, और हमारे विभागों में से एक - निस्संदेह मेरा अपना विभाग - इस कार्रवाई को अंजाम देने के लिए बुलाया जाएगा।'

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

टेबल पर बैठे सभी लोगों ने राहत की एक दबी हुई आह भरी। कम से कम SMERSH ही तो जिम्मेदार विभाग होगा! ये तो अच्छी बात है।

लेकिन लक्ष्य का चुनाव आसान नहीं होगा, और सही चुनाव के लिए हमारी सामूहिक जिम्मेदारी बहुत बड़ी होगी।

नरम-कठोर, कठोर-नरम। अब गेंद फिर से सम्मेलन के पाले में थी। यह सिर्फ किसी इमारत को उड़ाने या प्रधानमंत्री को गोली मारने का मामला नहीं है। इस तरह की बुर्जुआ नौटंकी की कोई योजना नहीं है। हमारा अभियान नाज़ुक, परिष्कृत और पश्चिमी खुफिया तंत्र के केंद्र को निशाना बनाने वाला होना चाहिए। इससे दुश्मन तंत्र को गंभीर क्षति पहुंचनी चाहिए - ऐसी गुप्त क्षति जिसके बारे में शायद जनता को कुछ पता न चले, लेकिन जो सरकारी हलकों में गुप्त चर्चा का विषय होगी। साथ ही, इससे एक ऐसा विनाशकारी सार्वजनिक घोटाला होना चाहिए कि दुनिया हमारे दुश्मनों की शर्म और मूर्खता पर तंज कसेगी और उनका उपहास उड़ाएगी। स्वाभाविक रूप से सरकारें जान जाएंगी कि यह सोवियत संघ की साजिश है। यह अच्छी बात है। यह एक

"कठोर" नीति का उदाहरण होगा। और पश्चिमी देशों के एजेंट और जासूस भी इसे जान जाएंगे, और वे हमारी चतुराई पर आश्चर्यचकित होंगे और कांप उठेंगे। गद्दार और संभावित दलबदलू अपना इरादा बदल लेंगे। हमारे अपने एजेंट प्रेरित होंगे। हमारी शक्ति और प्रतिभा के प्रदर्शन से उन्हें और अधिक प्रयास करने का प्रोत्साहन मिलेगा। लेकिन बेशक हम इस कृत्य के बारे में किसी भी तरह की जानकारी होने से इनकार करेंगे, चाहे वह कुछ भी हो, और यह वांछनीय है कि सोवियत संघ के आम लोग हमारी संलिप्तता से पूरी तरह अनभिज्ञ रहें।'

जनरल जी. कुछ देर रुके और मेज पर बैठे आर.यू.एम.आई.डी. के प्रतिनिधि की ओर देखा, जिसने एक बार फिर भावहीन भाव से उनकी निगाहों को थामे रखा।

अब हमें उस संगठन का चयन करना है जिस पर हम हमला करेंगे, और फिर उस संगठन के भीतर विशिष्ट लक्ष्य तय करना है। कॉमरेड लेफ्टिनेंट-जनरल वोज़्दविशेंस्की, चूंकि आप विदेशी खुफिया परिदृश्य को एक तटस्थ दृष्टिकोण से देखते हैं [यह जी.आर.यू. की सैन्य खुफिया और एम.जी.बी. की गुप्त सेवा के बीच मौजूद कुख्यात ईर्ष्या पर एक कटाक्ष था], शायद आप हमारे लिए स्थिति का जायजा लेंगे। हम पश्चिमी खुफिया सेवाओं के सापेक्ष महत्व के बारे में आपकी राय जानना चाहते हैं। फिर हम सबसे खतरनाक और जिसे हम सबसे अधिक नुकसान पहुंचाना चाहते हैं, उसका चयन करेंगे।

जनरल जी. अपनी ऊंची कुर्सी पर पीछे की ओर झुककर बैठ गए। उन्होंने अपनी कोहनियों को कुर्सी के आर्मरेस्ट पर टिकाया और अपनी ठुड्डी को अपने जुड़े हुए हाथों की उंगलियों पर टिका लिया, मानो कोई शिक्षक किसी लंबे व्याख्यान को सुनने की तैयारी कर रहा हो।

जनरल वोज़्डविशेंस्की अपने काम से बिल्कुल भी विचलित नहीं हुए। वे तीस वर्षों से खुफिया विभाग में, अधिकतर विदेशों में, कार्यरत थे। उन्होंने लिटविनॉफ के अधीन लंदन स्थित सोवियत दूतावास में द्वारपाल के रूप में कार्य किया था। उन्होंने न्यूयॉर्क में तास एजेंसी के साथ काम किया और फिर लंदन लौटकर सोवियत संघ की खुफिया एजेंसी एमटॉर्ग में शामिल हो गए।

व्यापार संगठन। स्टॉकहोम दूतावास में प्रतिभाशाली मैडम कोलोंताई के अधीन पाँच वर्षों तक वे सैन्य परिचारक रहे। टोक्यो जाने से पहले उन्होंने सोवियत जासूस सोर्गे को प्रशिक्षित करने में मदद की थी। युद्ध के दौरान, वे कुछ समय के लिए स्विट्जरलैंड में निवासी निदेशक रहे, जिसे जासूसी की भाषा में 'श्मिटलैंड' के नाम से जाना जाता था, और वहाँ उन्होंने सनसनीखेज रूप से सफल लेकिन दुखद रूप से दुरुपयोग किए गए 'लूसी' नेटवर्क की नींव रखने में मदद की। वे कई बार 'रोटे कपेले' के लिए संदेशवाहक बनकर जर्मनी भी गए थे और बाल-बाल बचे थे। युद्ध के बाद, विदेश मंत्रालय में तबादले के बाद, वे बर्गेस और मैक्लीन ऑपरेशन और पश्चिमी देशों के विदेश मंत्रालयों में घुसपैठ करने की अनगिनत अन्य साजिशों में शामिल रहे। वे एक कुशल पेशेवर जासूस थे और अपने उन प्रतिद्वंद्वियों के बारे में अपनी राय दर्ज करने के लिए पूरी तरह से तैयार थे, जिनसे उनका जीवन भर टकराव होता रहा था।

उनके बगल में बैठे ए.डी.सी. की स्थिति कुछ असहज थी। आर.यू.एम.आई.डी. को इस तरह घेर लिए जाने और विभाग को पूरी जानकारी दिए बिना ही काम करने की वजह से वे घबराए हुए थे। उन्होंने अपने दिमाग को पूरी तरह से खंगाला और हर शब्द को ध्यान से सुनने के लिए अपने कान तेज़ कर लिए।

जनरल वोज़्डविशेंस्की ने सावधानीपूर्वक कहा, 'इस मामले में, व्यक्ति को पद से भ्रमित नहीं करना चाहिए।'

हर देश में अच्छे जासूस होते हैं और ज़रूरी नहीं कि सबसे बड़े देशों के पास ही सबसे ज़्यादा या सबसे अच्छे जासूस हों। लेकिन गुप्त सेवाएँ महँगी होती हैं, और छोटे देश अच्छी खुफिया जानकारी जुटाने के लिए ज़रूरी समन्वित प्रयास नहीं कर सकते – जैसे कि दस्तावेज़ बनाने वाले विभाग, रेडियो नेटवर्क, रिकॉर्ड विभाग, और एजेंटों की रिपोर्टों का मूल्यांकन और तुलना करने वाला तंत्र। नॉर्वे, हॉलैंड, बेल्जियम और यहाँ तक कि पुर्तगाल में भी ऐसे व्यक्तिगत एजेंट हैं जो हमारे लिए बड़ी मुसीबत बन सकते हैं अगर ये देश अपनी रिपोर्टों का महत्व जानते हों या उनका सही इस्तेमाल करते हों। लेकिन वे ऐसा नहीं करते। बड़ी शक्तियों को जानकारी देने के बजाय, वे उसे अपने पास रखना और खुद को महत्वपूर्ण समझना पसंद करते हैं। इसलिए हमें इन छोटे देशों से चिंता करने की ज़रूरत नहीं है,' उन्होंने रुककर कहा, 'जब तक हम स्वीडन की बात नहीं करते। वहाँ वे सदियों से हमारी जासूसी कर रहे हैं। बाल्टिक सागर के बारे में उनके पास फिनलैंड या जर्मनी से भी बेहतर जानकारी हमेशा से रही है। वे खतरनाक हैं। मैं उनकी गतिविधियों पर रोक लगाना चाहता हूँ।'

जनरल जी ने बीच में ही टोकते हुए कहा, 'कॉमरेड, स्वीडन में जासूसी के घोटाले तो होते ही रहते हैं। एक और घोटाला होने से दुनिया की छवि नहीं सुधरेगी। कृपया जारी रखें।'

'इटली को बर्खास्त किया जा सकता है,' जनरल वोज्डविशेंस्की ने बिना किसी रुकावट पर ध्यान दिए अपनी बात जारी रखी।

वे चतुर और सक्रिय हैं, लेकिन उनसे हमें कोई नुकसान नहीं होगा। उनकी दिलचस्पी सिर्फ अपने निजी क्षेत्र, भूमध्य सागर में है। स्पेन के बारे में भी यही कहा जा सकता है, सिवाय इसके कि उनकी खुफिया एजेंसियां पार्टी के लिए एक बड़ी बाधा हैं। हमने इन फासिस्टों के हाथों कई अच्छे लोगों को खो दिया है। लेकिन उनके खिलाफ अभियान चलाने में शायद हमें और भी अधिक लोगों की जान गंवानी पड़ेगी। और इससे कुछ खास हासिल भी नहीं होगा। वे अभी क्रांति के लिए तैयार नहीं हैं। फ्रांस में, हालांकि हमने उनकी अधिकांश सेवाओं में सेंध लगा दी है, लेकिन दूसरा ब्यूरो अभी भी चतुर और खतरनाक है। इसके प्रमुख के रूप में मैथिस नाम का एक व्यक्ति है। मेंडेस-फ्रांस द्वारा नियुक्त। वह एक आकर्षक लक्ष्य होगा और फ्रांस में काम करना आसान होगा।

जनरल जी ने टिप्पणी की, 'फ्रांस अपना ख्याल खुद रख रहा है।'

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

इंग्लैंड का मामला बिलकुल अलग है। मुझे लगता है कि हम सभी उसकी खुफिया सेवा का सम्मान करते हैं,' जनरल वोज़्डविशेंस्की ने मेज के चारों ओर देखा। जनरल जी समेत उपस्थित सभी लोगों ने अनिच्छा से सहमति में सिर हिलाया। 'उनकी सुरक्षा सेवा उत्कृष्ट है। इंग्लैंड एक द्वीप होने के कारण सुरक्षा के मामले में काफी फायदे में है और उनकी तथाकथित एमआई5 में अच्छे शिक्षित और बुद्धिमान लोग कार्यरत हैं। उनकी गुप्त सेवा तो और भी बेहतर है। उन्हें

उल्लेखनीय सफलताएँ मिली हैं। कुछ खास तरह के अभियानों में हम लगातार पाते हैं कि वे हमसे पहले वहाँ पहुँच चुके होते हैं। उनके एजेंट अच्छे हैं। उन्हें कम वेतन मिलता है—केवल एक या दो हजार रूबल प्रति माह—लेकिन वे पूरी निष्ठा से सेवा करते हैं। फिर भी इन एजेंटों को इंग्लैंड में कोई विशेष सुविधाएँ नहीं मिलतीं, करों में कोई छूट नहीं मिलती और न ही हमारे जैसी कोई विशेष दुकानें हैं जहाँ से वे सस्ता सामान खरीद सकें। विदेशों में उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा ऊँची नहीं है, और उनकी पत्नियों को सचिवों की पत्नियों के रूप में पेश आना पड़ता है।

सेवानिवृत्ति तक उन्हें शायद ही कभी कोई सम्मान मिलता है। फिर भी ये पुरुष और महिलाएं इस खतरनाक काम को जारी रखते हैं। यह विचित्र है। शायद यह पब्लिक स्कूल और विश्वविद्यालय की परंपरा है। रोमांच का शौक। लेकिन फिर भी यह अजीब है कि वे इस खेल को इतनी कुशलता से खेलते हैं, क्योंकि वे स्वभाव से षड्यंत्रकारी नहीं होते।

जनरल वोज़्दविशेंस्की को लगा कि उनकी टिप्पणियों को अत्यधिक प्रशंसात्मक माना जा सकता है। उन्होंने जल्दबाजी में उनमें कुछ बदलाव किए।

बेशक, उनकी अधिकांश ताकत मिथकों में निहित है - स्कॉटलैंड यार्ड, शर्लक होम्स और गुप्त सेवा के मिथकों में। हमें निश्चित रूप से इन सज्जनों से डरने की कोई जरूरत नहीं है। लेकिन यह मिथक एक बाधा है जिसे दूर करना अच्छा होगा।

और अमेरिकी?' जनरल जी. वोज़्दविशेंस्की द्वारा ब्रिटिश खुफिया विभाग की प्रशंसा को सीमित करने के प्रयासों को रोकना चाहते थे। जनरल जी. को उम्मीद थी कि एक दिन पब्लिक स्कूल और विश्वविद्यालय की परंपरा वाली बात अदालत में अच्छी लगेगी। लेकिन अगले दिन, वो कहेंगे कि पेंटागन क्रेमलिन से भी ज़्यादा शक्तिशाली है।

हमारे दुश्मनों में अमेरिकियों की सेना सबसे बड़ी और सबसे समृद्ध है। तकनीकी रूप से, रेडियो, हथियार और उपकरण जैसी चीजों में वे सर्वश्रेष्ठ हैं। लेकिन उन्हें काम की समझ नहीं है। वे किसी बाल्कन जासूस के बारे में सुनकर उत्साहित हो जाते हैं जो कहता है कि यूक्रेन में उसकी एक गुप्त सेना है। वे उसे इस सेना के लिए जूते खरीदने के लिए खूब पैसा देते हैं। बेशक, वह तुरंत पेरिस चला जाता है और सारा पैसा महिलाओं पर खर्च कर देता है। अमेरिकी हर काम पैसे से करना चाहते हैं। अच्छे जासूस सिर्फ पैसे के लिए काम नहीं करते – केवल बुरे जासूस करते हैं, जिनकी अमेरिकियों के पास कई टुकड़ियां हैं।

जनरल जी ने मधुर स्वर में कहा, 'उन्हें सफलताएँ मिली हैं, कॉमरेड। शायद आप उन्हें कम आंक रहे हैं।'

जनरल वोज़्डविशेंस्की ने कंधे उचकाते हुए कहा, 'उन्हें सफलताएँ तो मिलनी ही चाहिए, कॉमरेड जनरल। लाखों बीज बोने पर एक आलू तो ज़रूर मिलता है। व्यक्तिगत रूप से मुझे नहीं लगता कि अमेरिकियों को इस सम्मेलन का ध्यान आकर्षित करने की आवश्यकता है।' आर.यू.एम.आई.डी. के प्रमुख अपनी कुर्सी पर पीछे झुककर बैठ गए और बेपरवाही से अपना सिगरेट बॉक्स निकाला।

'बहुत ही दिलचस्प व्याख्या,' जनरल जी ने ठंडे स्वर में कहा। 'कॉमरेड जनरल स्लाविन?'

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

जनरल आर.यू. के जनरल स्लाविन का सेना के जनरल स्टाफ की ओर से कोई प्रतिबद्धता जताने का इरादा नहीं था। मैंने कॉमरेड जनरल वोज़्दविशेंस्की के शब्दों को ध्यान से सुना है। मुझे इसमें कुछ और जोड़ना नहीं है।

राज्य सुरक्षा के कर्नल एम.जी.बी. निकितिन को लगा कि जी.आर.यू. को इतना मूर्ख साबित करने में कोई बड़ी हानि नहीं होगी कि उनके पास कोई विचार ही न हो, और साथ ही एक मामूली सुझाव देना भी उचित होगा जो संभवतः वहाँ मौजूद लोगों के आंतरिक विचारों से मेल खाता हो – और यह सुझाव जनरल जी. के मन में था ही। कर्नल निकितिन यह भी जानते थे कि प्रेसीडियम द्वारा दिए गए प्रस्ताव को देखते हुए सोवियत गुप्त सेवा उनका समर्थन करेगी।

उन्होंने दृढ़ता से कहा, 'मैं आतंकवादी कार्रवाई के लक्ष्य के रूप में अंग्रेजी गुप्त सेवा की सिफारिश करता हूं।' 'शैतान जानता है कि मेरा विभाग उन्हें एक योग्य प्रतिद्वंद्वी नहीं मानता, लेकिन वे एक साधारण समूह में सबसे अच्छे हैं।'

जनरल जी. उस व्यक्ति की आवाज़ में व्याप्त अधिकार से नाराज़ थे, और इस बात से भी कि उनका पक्ष छीन लिया गया था, क्योंकि उनका इरादा भी अंग्रेजों के खिलाफ़ अभियान के पक्ष में सारांश प्रस्तुत करने का था। उन्होंने अपनी अध्यक्षता पुनः स्थापित करने के लिए मेज पर लाइटर से हल्की सी थपथपाहट की। “तो क्या यह तय हो गया है, साथियों? ब्रिटिश गुप्त सेवा के खिलाफ़ आतंकवाद का एक कृत्य?”

मेज के चारों ओर सभी ने सावधानीपूर्वक, धीमी गति से सिर हिलाया।

मैं सहमत हूँ। और अब उस संगठन के भीतर लक्ष्य की बात करते हैं। मुझे याद है कॉमरेड जनरल वोज़्दविशेंस्की ने एक मिथक के बारे में कुछ कहा था जिस पर इस गुप्त सेवा की कथित ताकत का बहुत कुछ निर्भर करता है।

हम इस मिथक को नष्ट करने में कैसे मदद कर सकते हैं और इस तरह इस संगठन की मूल प्रेरक शक्ति पर प्रहार कर सकते हैं? यह मिथक कहाँ छिपा है? हम एक ही झटके में इसके सभी कर्मियों को नष्ट नहीं कर सकते। क्या यह मिथक इसके मुखिया में छिपा है? ब्रिटिश गुप्त सेवा का मुखिया कौन है?

कर्नल निकितिन के सहायक ने उनके कान में कुछ फुसफुसाया। कर्नल निकितिन ने फैसला किया कि यह एक ऐसा प्रश्न है जिसका उत्तर वे दे सकते हैं और शायद देना भी चाहिए।

वह एक एडमिरल हैं। उन्हें एम अक्षर से जाना जाता है। हमारे पास उनकी एक ज़पिस्का (निशान) है, लेकिन उसमें बहुत कम जानकारी है। वह बहुत कम शराब पीते हैं। वह महिलाओं के लिए बहुत बूढ़े हैं। जनता को उनके अस्तित्व के बारे में पता नहीं है। उनकी मृत्यु को लेकर कोई घोटाला खड़ा करना मुश्किल होगा। और उन्हें मारना भी आसान नहीं होगा। वह शायद ही कभी विदेश जाते हैं। लंदन की किसी सड़क पर उन्हें गोली मारना कोई सभ्य बात नहीं होगी।

'आपकी बातों में बहुत सच्चाई है, कॉमरेड,' जनरल जी ने कहा। 'लेकिन हम यहाँ एक ऐसे लक्ष्य को खोजने आए हैं जो...' (ABC Amber LIT Converter द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

हमारी आवश्यकताओं को पूरा करें। क्या उनके पास कोई ऐसा व्यक्ति नहीं है जो संगठन के लिए नायक हो? कोई ऐसा व्यक्ति जिसकी प्रशंसा की जाती हो और जिसका अपमानजनक पतन भयावह हो? मिथक वीरतापूर्ण कार्यों और वीर व्यक्तियों पर बनते हैं। क्या उनके पास ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है?

मेज के चारों ओर सन्नाटा छा गया, हर कोई अपनी याददाश्त खंगाल रहा था। याद रखने के लिए इतने सारे नाम, इतनी सारी फाइलें, दुनिया भर में हर दिन चल रहे इतने सारे ऑपरेशन। ब्रिटिश गुप्त सेवा में कौन था? वह आदमी कौन था जिसने...?

एमजीबी के कर्नल निकितिन ने ही शर्मिंदगी भरी चुप्पी तोड़ी।

उसने हिचकिचाते हुए कहा, 'एक आदमी है जिसका नाम बॉन्ड है।'

अध्याय छह

मौत का हुक्म

‘य*ब**न्ना मैट!’ यह घिनौनी गाली जनरल जी को बहुत पसंद थी। उन्होंने गुस्से में मेज पर हाथ पटका। ‘कॉमरेड, जैसा कि आपने कहा, ‘बॉन्ड नाम का एक आदमी ज़रूर है’।’ उनकी आवाज़ व्यंग्यपूर्ण थी। ‘जेम्स बॉन्ड। [उन्होंने इसे “शेम्स” उच्चारित किया।] और हममें से किसी को भी, यहाँ तक कि मुझे भी, इस जासूस का नाम याद नहीं आ रहा था! हम वाकई बहुत भूलक्कड़ हैं। इसीलिए खुफिया तंत्र आलोचनाओं के घेरे में है।’

जनरल वोज़्दविशेंस्की ने खुद का और अपने विभाग का बचाव करना उचित समझा। उन्होंने विरोध करते हुए कहा, 'कॉमरेड जनरल, सोवियत संघ के अनगिनत दुश्मन हैं। अगर मुझे उनके नाम चाहिए तो मैं केंद्रीय सूची से मंगवा लेता हूँ। इस बॉन्ड का नाम तो मैं ज़रूर जानता हूँ। इसने समय-समय पर हमें बहुत परेशान किया है।'

लेकिन आज मेरा दिमाग दूसरे नामों से भरा हुआ है – उन लोगों के नाम जो आज, इस सप्ताह हमें परेशानी दे रहे हैं। मुझे फुटबॉल में दिलचस्पी है, लेकिन मुझे उन सभी विदेशी खिलाड़ियों के नाम याद नहीं हैं जिन्होंने डायनामोज के खिलाफ गोल किया है।

'कॉमरेड, आपको मज़ाक करने की आदत है,' जनरल जी ने इस बेतुकी टिप्पणी पर ज़ोर देने के लिए कहा। 'यह एक गंभीर मामला है। मैं स्वयं इस कुख्यात एजेंट का नाम न याद रखने की अपनी गलती स्वीकार करता हूँ। कॉमरेड कर्नल निकितिन निस्संदेह हमारी याददाश्त ताज़ा करेंगे, लेकिन मुझे याद है कि इस बॉन्ड ने कम से कम दो बार... (जनरेटेड बाय एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)

उन्होंने आगे कहा, ‘इससे एसएमईआरएसएच के कामकाज में बाधा उत्पन्न हुई। यह सब मेरे विभाग का कार्यभार संभालने से पहले हुआ था।’

फ्रांस में, उस कसीनो शहर में एक मामला हुआ था। ले शिफ्रे नाम का आदमी। फ्रांस में पार्टी का एक बेहतरीन नेता। उसने नासमझी में पैसों की कुछ दिक्कतें मोल ले लीं। लेकिन अगर बॉन्ड ने दखल न दिया होता तो वह उनसे निकल जाता। मुझे याद है कि विभाग को तुरंत कार्रवाई करनी पड़ी और उस फ्रांसीसी को खत्म करना पड़ा। जल्लाद को उसी समय अंग्रेज को भी निपटा देना चाहिए था, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। फिर हार्लेम में हमारा एक नीग्रो था। एक महान व्यक्ति – हमारे द्वारा नियुक्त किए गए सबसे बेहतरीन विदेशी एजेंटों में से एक, और उसके पीछे एक विशाल नेटवर्क था। कैरिबियन में एक खजाने के बारे में कुछ मामला था। मुझे विवरण याद नहीं हैं। इस अंग्रेज को गुप्त सेवा ने भेजा और उसने पूरे संगठन को ध्वस्त कर दिया और हमारे आदमी को मार डाला। यह एक बड़ा झटका था। एक बार फिर मेरे पूर्ववर्ती को इस अंग्रेज जासूस के खिलाफ बेरहमी से कार्रवाई करनी चाहिए थी।

कर्नल निकितिन ने बीच में ही बात काटते हुए कहा, 'जर्मन, ड्रैक्स और रॉकेट के मामले में भी हमारा ऐसा ही अनुभव रहा था।'

आपको वह मामला याद होगा, कॉमरेड जनरल। एक अत्यंत महत्वपूर्ण षड्यंत्र। जनरल स्टाफ इसमें गहराई से शामिल था। यह एक उच्च नीति का मामला था जिससे निर्णायक परिणाम निकल सकते थे। लेकिन एक बार फिर, इसी बॉन्ड ने ऑपरेशन को विफल कर दिया। जर्मन सैनिक मारा गया। राज्य को गंभीर परिणाम भुगतने पड़े। इसके बाद गंभीर संकट का दौर आया जिसे बड़ी मुश्किल से सुलझाया गया।

जी.आर.यू. के जनरल स्लाविन को लगा कि उन्हें कुछ कहना चाहिए। रॉकेट हमला सेना का ऑपरेशन था और उसकी विफलता का सारा दोष जी.आर.यू. पर मढ़ा गया था। निकितिन यह बात भली-भांति जानते थे। हमेशा की तरह एम.जी.बी. जी.आर.यू. के लिए मुसीबत खड़ी करने की कोशिश कर रहे थे – पुराने इतिहास को कुरेदकर। उन्होंने ठंडे लहजे में कहा, 'हमने आपसे अनुरोध किया था कि इस आदमी से आपके विभाग द्वारा निपटा जाए, कॉमरेड कर्नल। मुझे याद नहीं कि हमारे अनुरोध के बाद कोई कार्रवाई हुई हो। अगर हुई होती, तो आज हमें उससे निपटने की ज़रूरत नहीं होती।'

कर्नल निकितिन गुस्से से लाल हो रहे थे। उन्होंने खुद को संभाला। “सादर प्रणाम, कॉमरेड जनरल,” उन्होंने ऊँची, व्यंग्यात्मक आवाज़ में कहा, “जी.आर.यू. का अनुरोध उच्च अधिकारियों द्वारा स्वीकार नहीं किया गया। इंग्लैंड के साथ और अधिक शर्मिंदगी नहीं चाहते थे। शायद यह बात आपको याद न हो। वैसे भी, अगर ऐसा कोई अनुरोध एम.जी.बी. तक पहुँचा होता, तो उसे एसएमईआरएसएच को भेज दिया जाता।”

कार्रवाई के लिए।

जनरल जी ने तीखे स्वर में कहा, 'मेरे विभाग को ऐसा कोई अनुरोध नहीं मिला। वरना इस आदमी को तुरंत फांसी दे दी जाती। हालांकि, यह ऐतिहासिक शोध का समय नहीं है। रॉकेट कांड तीन साल पहले हुआ था। शायद एमजीबी हमें इस आदमी की हालिया गतिविधियों के बारे में बता सके।'

कर्नल निकितिन ने अपने सहायक से फुसफुसाते हुए जल्दी से कुछ कहा। फिर वे मेज की ओर मुड़े। “हमारे पास बहुत कम जानकारी है, कॉमरेड जनरल,” उन्होंने बचाव करते हुए कहा। “हमारा मानना है कि वह हीरे की तस्करी के किसी मामले में शामिल था। यह पिछले साल की बात है। अफ्रीका और अमेरिका के बीच। यह मामला हमसे संबंधित नहीं है।”

तब से हमें उनके बारे में कोई और खबर नहीं मिली है। शायद उनकी फाइल में कुछ और हालिया जानकारी हो।'

जनरल जी ने सिर हिलाया। उन्होंने अपने सबसे नज़दीक रखे टेलीफ़ोन का रिसीवर उठाया। यह तथाकथित ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया संदेश था, http://www.processtext.com/abclit.html

एमजीबी के कमांडेंट टेलीफोन। सभी लाइनें सीधी थीं और कोई केंद्रीय स्विचबोर्ड नहीं था। उन्होंने एक नंबर डायल किया। 'सेंट्रल इंडेक्स? जनरल ग्रुबोज़ाबोयस्चिकोव बोल रहे हैं। 'बॉन्ड' का संदेश - अंग्रेज़ जासूस। आपातकालीन।' उन्होंने तुरंत जवाब आने का इंतज़ार किया, 'आखिरकार,

कॉमरेड जनरल,' और रिसीवर वापस रख दिया।

उन्होंने अधिकारपूर्ण लहजे में मेज की ओर देखा। 'साथियों, कई दृष्टिकोणों से यह जासूस एक उपयुक्त लक्ष्य प्रतीत होता है। वह राज्य का एक खतरनाक दुश्मन लगता है। उसका खात्मा हमारी खुफिया एजेंसी के सभी विभागों के लिए फायदेमंद होगा। क्या ऐसा है?'

सम्मेलन में सन्नाटा पसरा रहा।

उनकी कमी सीक्रेट सर्विस को भी खलेगी। लेकिन क्या इससे कुछ और होगा? क्या इससे उन्हें गंभीर चोट पहुंचेगी? क्या इससे उस मिथक को तोड़ने में मदद मिलेगी जिसके बारे में हम बात कर रहे हैं? क्या वह व्यक्ति अपने संगठन और अपने देश के लिए हीरो है?

जनरल वोज़्डविशेंस्की को लगा कि यह सवाल उन्हीं के लिए है। उन्होंने बोलना शुरू किया, 'अंग्रेज़ों को नायकों में कोई दिलचस्पी नहीं होती, सिवाय फुटबॉलर, क्रिकेटर या जॉकी के। अगर कोई व्यक्ति पहाड़ पर चढ़ता है या बहुत तेज़ दौड़ता है, तो वह भी कुछ लोगों के लिए नायक होता है, लेकिन आम जनता के लिए नहीं। इंग्लैंड की रानी भी नायिका हैं, और चर्चिल भी। लेकिन अंग्रेज़ों को सैन्य नायकों में ज़्यादा दिलचस्पी नहीं होती। यह बॉन्ड नाम का व्यक्ति जनता के लिए अनजान है। अगर वह जाना-पहचाना भी होता, तो भी वह नायक नहीं होता। इंग्लैंड में न तो खुला युद्ध और न ही गुप्त युद्ध वीरता का विषय है। वे युद्ध के बारे में सोचना पसंद नहीं करते, और युद्ध के बाद उनके युद्ध नायकों के नाम जितनी जल्दी हो सके भुला दिए जाते हैं। गुप्त सेवा के भीतर, यह व्यक्ति स्थानीय नायक हो भी सकता है और नहीं भी। यह उसकी शक्ल-सूरत और व्यक्तित्व पर निर्भर करेगा। इनके बारे में मुझे कुछ नहीं पता। वह मोटा, चिकना और अप्रिय भी हो सकता है। कोई भी ऐसे व्यक्ति को नायक नहीं बनाता, चाहे वह कितना भी सफल क्यों न हो।'

निकितिन ने बीच में ही बात काट दी। "हमने जिन अंग्रेज़ जासूसों को पकड़ा है, वे इस आदमी की बहुत तारीफ़ करते हैं। उसकी सेना में उसकी बहुत इज़्ज़त है। उसे एकांतप्रिय, लेकिन आकर्षक व्यक्ति कहा जाता है।"

आंतरिक कार्यालय का टेलीफोन धीमी आवाज़ में बज रहा था। जनरल जी ने रिसीवर उठाया, थोड़ी देर सुना और कहा, 'इसे अंदर ले आओ।' दरवाजे पर दस्तक हुई। ए.डी.सी. गत्ते के कवर में लिपटी एक मोटी फाइल लेकर अंदर आए। उन्होंने कमरा पार किया और जनरल के सामने डेस्क पर फाइल रखकर धीरे से दरवाजा बंद करते हुए बाहर चले गए।

फाइल का कवर चमकदार काले रंग का था। उस पर एक मोटी सफेद पट्टी तिरछी दिशा में ऊपर दाहिने कोने से नीचे बाएं कोने तक फैली हुई थी। ऊपर बाईं ओर सफेद रंग में 'एस.एस.' अक्षर लिखे थे, और उनके नीचे...

'SOVERSHENNOE SEKRETNO', जिसका अर्थ है 'अत्यंत गोपनीय'। बीचोंबीच सफेद अक्षरों में साफ-सुथरे ढंग से 'JAMES BOND' लिखा था, और उसके नीचे 'Àngliski Spion' लिखा था।

जनरल जी ने फाइल खोली और उसमें से तस्वीरों से भरा एक बड़ा लिफाफा निकाला, जिसे

उन्होंने ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किए गए चित्र (http://www.processtext.com/abclit.html) पर खाली कर दिया।

डेस्क की कांच की सतह पर। उसने उन्हें एक-एक करके उठाया। उसने उन्हें ध्यान से देखा, कभी-कभी दराज से निकाले गए आवर्धक लेंस से, और फिर उन्हें डेस्क के उस पार निकितिन को दे दिया, जिसने उन पर एक नज़र डाली और उन्हें आगे बढ़ा दिया।

पहली तस्वीर सन् 1946 की है। इसमें एक सांवला युवक धूप से जगमगाते कैफे के बाहर एक मेज पर बैठा है। मेज पर उसके बगल में एक लंबा गिलास और सोडा वाटर पीने का चम्मच रखा है। उसकी दाहिनी कोहनी मेज पर टिकी है और दाहिने हाथ की उंगलियों के बीच एक सिगरेट है, जो लापरवाही से मेज के किनारे से नीचे लटक रही है। उसके पैर उस खास अंदाज में क्रॉस किए हुए हैं जैसे कोई अंग्रेज करता है - दाहिना टखना बाएं घुटने पर टिका है और बायां हाथ टखने को पकड़े हुए है। यह एक बेपरवाह मुद्रा है। उस व्यक्ति को पता नहीं था कि लगभग बीस फीट की दूरी से उसकी तस्वीर खींची जा रही है।

अगली तस्वीर 1950 की थी। उसमें एक धुंधला चेहरा और कंधे दिख रहे थे, लेकिन वही आदमी था। यह एक क्लोज-अप तस्वीर थी और बॉन्ड बड़ी सावधानी से, सिकुड़ी हुई आँखों से किसी चीज़ को देख रहा था, शायद फोटोग्राफर का चेहरा, जो लेंस के ठीक ऊपर था। जनरल जी ने अनुमान लगाया कि यह एक छोटा बटन-होल कैमरा था।

तीसरी तस्वीर 1951 की थी। बाईं ओर से काफी करीब से ली गई इस तस्वीर में वही व्यक्ति गहरे रंग के सूट में, बिना टोपी के, एक चौड़ी खाली सड़क पर चलता हुआ दिखाई दे रहा था। वह एक बंद दुकान के पास से गुजर रहा था, जिस पर लिखा था...

'चारक्यूटेरी'। वह ऐसा लग रहा था मानो कहीं जल्दी में जा रहा हो। उसका साफ-सुथरा चेहरा सीधा आगे की ओर इशारा कर रहा था और दाहिनी कोहनी के मुड़े होने से लग रहा था कि उसका दाहिना हाथ कोट की जेब में है। जनरल जी. ने सोचा कि शायद उसने कार से जेब निकाली होगी। उन्होंने सोचा कि उस आदमी की दृढ़ नज़र और उसके कदमों का झुकाव खतरनाक लग रहा था, मानो वह सड़क पर आगे होने वाली किसी बुरी घटना की ओर तेज़ी से बढ़ रहा हो।

चौथी और आखिरी तस्वीर पर पासे. 1953 अंकित था। शाही मुहर का कोना और अक्षर `.

नीचे दाहिने कोने में दिखाए गए वृत्त के खंड में 'शासन कार्यालय' लिखा था। कैबिनेट के आकार में बड़ा किया गया यह चित्र किसी सीमावर्ती क्षेत्र में या किसी होटल के चौकीदार द्वारा तब लिया गया होगा जब बॉन्ड ने अपना पासपोर्ट सरेंडर किया था। जनरल जी ने आवर्धक लेंस से ध्यानपूर्वक चेहरे को देखा।

चेहरा गहरा और सुस्पष्ट था, दाहिने गाल की धूप से झुलसी त्वचा पर तीन इंच का एक निशान सफेद रंग में दिखाई दे रहा था। आँखें चौड़ी और सीधी थीं, उनके नीचे सीधी, बल्कि लंबी काली भौहें थीं। बाल काले थे, बाईं ओर से बँटे हुए थे और लापरवाही से कंघी किए हुए थे, जिससे एक मोटी काली पट्टी दाहिनी भौह पर लटक रही थी।

लंबी, सीधी नाक नीचे की ओर छोटे ऊपरी होंठ तक जाती थी, जिसके नीचे एक चौड़ा और

बारीकी से गढ़ा हुआ, लेकिन क्रूर मुंह था। जबड़े की रेखा सीधी और दृढ़ थी। गहरे रंग का सूट, सफेद कमीज और काली बुनी हुई टाई ने इस पूरे लुक को पूरा किया।

जनरल जी ने तस्वीर को हाथ की दूरी पर रखा। दृढ़ निश्चय, अधिकार, निर्ममता—ये गुण उन्हें स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे थे। उन्हें इस बात की परवाह नहीं थी कि उस व्यक्ति के भीतर और क्या चल रहा है। उन्होंने तस्वीर को मेज पर आगे बढ़ा दिया और फाइल की ओर मुड़ गए, प्रत्येक पृष्ठ पर तेजी से नज़र डालते हुए अगले पृष्ठ पर पलट गए।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

तस्वीरें उसके दिमाग में फिर से ताजा हो गईं। उसने उंगली से अपना स्थान चिह्नित किया और एक पल के लिए ऊपर देखा। उसने गंभीर स्वर में कहा, 'वह एक शातिर आदमी लगता है। उसकी कहानी से यह बात पुष्ट होती है। मैं कुछ अंश पढ़कर सुनाता हूँ। फिर हमें फैसला करना होगा। काफी देर हो चुकी है।' वह पहले पृष्ठ पर लौटा और उन बिंदुओं को फटाफट बताने लगा जो उसे सबसे ज्यादा प्रभावित कर रहे थे।

पहला नाम: जेम्स। कद: 183 सेंटीमीटर; वजन: 76 किलोग्राम; दुबला-पतला शरीर; आँखें: नीली; बाल: काले; दाहिने गाल और बाएं कंधे पर निशान; दाहिने हाथ के पिछले हिस्से पर प्लास्टिक सर्जरी के निशान (परिशिष्ट देखें)

एक बहुमुखी खिलाड़ी; पिस्टल शूटर, बॉक्सर और चाकू फेंकने में माहिर; भेस नहीं बदलता। भाषाएँ: फ्रेंच और जर्मन। खूब धूम्रपान करता है (ध्यान दें: तीन सोने की पट्टियों वाली विशेष सिगरेट)। बुरी आदतें: शराब, लेकिन अधिक मात्रा में नहीं, और महिलाएं। रिश्वत लेने का संदेह है।

जनरल जी ने एक पृष्ठ छोड़ दिया और आगे बढ़ गए:

यह व्यक्ति हमेशा अपनी बाईं बांह के नीचे होल्स्टर में रखी हुई .25 बेरेटा स्वचालित पिस्तौल से लैस रहता है।

मैगज़ीन में आठ राउंड आते हैं। वह अपनी बाईं कलाई पर चाकू बांधकर रखता है; उसने स्टील-कैप वाले जूते पहने हैं; उसे जूडो की बुनियादी पकड़ आती है। कुल मिलाकर, वह दृढ़ता से लड़ता है और दर्द सहने की उसकी क्षमता बहुत अधिक है (परिशिष्ट "बी" देखें)।

जनरल जी. ने उन पन्नों को पलटा जिनमें एजेंटों की रिपोर्टों के अंश थे जिनसे यह डेटा लिया गया था। वे परिशिष्टों से पहले अंतिम पृष्ठ पर पहुँचे, जिसमें उन मामलों का विवरण था जिनमें बॉन्ड का सामना हुआ था। उन्होंने पृष्ठ के निचले भाग पर नज़र डाली और पढ़ा: 'निष्कर्ष। यह व्यक्ति एक खतरनाक पेशेवर आतंकवादी और जासूस है। वह 1938 से ब्रिटिश गुप्त सेवा के लिए काम कर रहा है और अब (दिसंबर 1950 की हाईस्मिथ फ़ाइल देखें) उस सेवा में गुप्त संख्या "007" रखता है। दोहरे 0 अंक एक ऐसे एजेंट को दर्शाते हैं जिसने हत्या की है और जिसे सक्रिय सेवा के दौरान हत्या करने का विशेषाधिकार प्राप्त है। माना जाता है कि इस अधिकार वाले केवल दो अन्य ब्रिटिश एजेंट हैं। इस जासूस को 1953 में सी.एम.जी. से सम्मानित किया

जाना, जो आमतौर पर गुप्त सेवा से सेवानिवृत्ति पर ही दिया जाता है, उसकी योग्यता का प्रमाण है। यदि क्षेत्र में उसका सामना होता है, तो इस तथ्य और पूर्ण विवरण की सूचना मुख्यालय को दी जानी चाहिए (देखें स्मर्श, एम.जी.बी.)'

और जी.आर.यू. स्थायी आदेश 1951 से आगे)।

जनरल जी ने फाइल बंद की और कवर पर निर्णायक रूप से हाथ पटका। 'अच्छा, साथियों। क्या हम सहमत हैं?'

'हां,' कर्नल निकितिन ने जोर से कहा।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

'हां,' जनरल स्लाविन ने ऊबे हुए स्वर में कहा।

जनरल वोज़्डविशेंस्की अपने नाखूनों को देख रहे थे। वे हत्याओं से तंग आ चुके थे। उन्होंने इंग्लैंड में अच्छा समय बिताया था। 'हाँ,' उन्होंने कहा। 'मुझे लगता है ऐसा ही है।'

जनरल जी का हाथ आंतरिक कार्यालय के टेलीफोन की ओर बढ़ा। उन्होंने अपने सहायक सचिव से बात की। उन्होंने कठोर स्वर में कहा, "मौत का वारंट जारी हो चुका है। 'जेम्स बॉन्ड' के नाम पर।' उन्होंने नाम स्पष्ट रूप से बताए। 'विवरण: अंग्रेज़ जासूस। अपराध: राष्ट्र का शत्रु।' उन्होंने रिसीवर वापस रखा और कुर्सी पर आगे झुक गए। 'अब सवाल एक उपयुक्त षड्यंत्र रचने का है। और ऐसा षड्यंत्र जो विफल न हो!' वे गंभीर मुस्कान के साथ बोले।

'हम खोखलोव जैसी घटना दोबारा नहीं होने दे सकते।'

दरवाजा खुला और ए.डी.सी. एक चमकीले पीले रंग का कागज लेकर अंदर आया। उसने उसे जनरल जी. के सामने रखा और बाहर चला गया। जनरल जी. ने कागज पर नजर दौड़ाई और उस पर ये शब्द लिखे: 'मार डाला जाए।'

ग्रुबोज़ाबोयशिकोव' नीचे के बड़े खाली स्थान के शीर्ष पर बैठा था। उसने कागज़ एमजीबी के आदमी को दिया, जिसने उसे पढ़ा और लिखा 'निकितिन, उसे मार डालो' और उसे जीआरयू के प्रमुख को सौंप दिया, जिसने लिखा 'स्लाविन, उसे मार डालो'। एडीसी में से एक ने कागज़ आरयूएमआईडी के प्रतिनिधि के बगल में बैठे सादे कपड़ों वाले आदमी को दे दिया। उस आदमी ने कागज़ जनरल वोज़्दविशेंस्की के सामने रख दिया और उसे एक कलम थमा दी।

जनरल वोज़्डविशेंस्की ने कागज़ को ध्यान से पढ़ा। उन्होंने धीरे से अपनी नज़रें जनरल जी. की ओर उठाईं, जो उन्हें देख रहे थे, और बिना नीचे देखे, अन्य हस्ताक्षरों के ठीक नीचे 'उसे मार डालो' लिख दिया और उसके बाद अपना नाम लिख दिया। फिर उन्होंने कागज़ से हाथ हटाए और खड़े हो गए।

"बस इतना ही, कॉमरेड जनरल?" उसने अपनी कुर्सी पीछे धकेल दी।

जनरल जी खुश थे। इस आदमी के बारे में उनका अनुमान सही निकला था। उन्हें उस पर नज़र रखनी होगी और अपनी शंकाओं की जानकारी जनरल सेरोव को देनी होगी। “एक क्षण रुकिए, कॉमरेड जनरल,” उन्होंने कहा। “मुझे वारंट में कुछ और जोड़ना है।”

कागज़ उसे थमा दिया गया। उसने कलम निकाली और जो लिखा था उसे मिटा दिया। फिर उसने दोबारा लिखना शुरू किया और लिखते समय धीरे-धीरे शब्दों को बोलता गया।

'अपमानजनक ढंग से मारा जाना। ग्रुबोज़ाबोयस्चिकोव।'

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

उन्होंने ऊपर देखा और साथियों को देखकर सुखद मुस्कान दी। 'धन्यवाद साथियों। बस इतना ही। मैं आपको हमारी सिफारिश पर प्रेसीडियम के निर्णय से अवगत कराऊंगा। शुभ रात्रि।'

* * *

जब सम्मेलन समाप्त हो गया, तो जनरल जी. उठे, अंगड़ाई ली और एक ज़ोरदार, नियंत्रित जम्हाई ली। वे वापस अपनी मेज पर बैठ गए, वायर-रिकॉर्डर बंद किया और अपने ए.डी.सी. को बुलाया। ए.डी.सी. अंदर आया और उनकी मेज के बगल में खड़ा हो गया।

जनरल जी ने उसे पीला कागज़ थमा दिया। 'इसे तुरंत जनरल सेरोव को भेज दो। पता लगाओ कि क्रोनस्टीन कहाँ है और उसे गाड़ी से बुलवाओ। मुझे परवाह नहीं कि वह बिस्तर पर है। उसे आना ही होगा। ओटडेल द्वितीय को पता होगा कि वह कहाँ मिलेगा। और मैं दस मिनट में कर्नल क्लेब से मिलूंगा।'

जी हां, कॉमरेड जनरल। वह व्यक्ति कमरे से बाहर चला गया।

जनरल जी ने वी.सी.एच. रिसीवर उठाया और जनरल सेरोव से बात करने को कहा। उन्होंने पांच मिनट तक धीमी आवाज़ में बात की। अंत में उन्होंने कहा, "और अब मैं यह ज़िम्मेदारी कर्नल क्लेब और योजनाकार क्रोनस्टीन को सौंपने जा रहा हूँ। हम एक उपयुक्त षड्यंत्र की रूपरेखा पर चर्चा करेंगे और वे मुझे कल विस्तृत प्रस्ताव देंगे। क्या यह ठीक है, कॉमरेड जनरल?"

'जी हां,' उच्च प्रेसीडियम के जनरल सेरोव की शांत आवाज आई। 'उसे मार डालो। लेकिन यह काम बेहतरीन तरीके से अंजाम दिया जाए। प्रेसीडियम सुबह इस फैसले की पुष्टि करेगा।'

लाइन कट गई। इंटर-ऑफिस टेलीफोन की घंटी बजी। जनरल जी ने रिसीवर में 'हां' कहा और उसे वापस रख दिया।

कुछ ही देर बाद ए.डी.सी. ने बड़ा दरवाजा खोला और प्रवेश द्वार पर खड़े हो गए। 'कॉमरेड कर्नल क्लेब,'

उसने घोषणा की थी।

लेनिन ऑर्डर के एकमात्र लाल रिबन से सजी जैतून के हरे रंग की वर्दी पहने एक मेंढक जैसी आकृति कमरे में आई और तेज छोटे कदमों से मेज की ओर चली गई।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

जनरल जी ने ऊपर देखा और कॉन्फ्रेंस टेबल पर सबसे पास वाली कुर्सी की ओर इशारा करते हुए कहा, 'शुभ संध्या, कॉमरेड।'

छोटे कद के चेहरे पर एक मीठी मुस्कान खिल उठी। 'शुभ संध्या, कॉमरेड जनरल।'

एसएमईआरएसएच के संचालन और क्रियान्वयन विभाग की प्रभारी ओटडेल द्वितीय की प्रमुख ने अपनी स्कर्ट ऊपर उठाई और बैठ गईं।

अध्याय सात

बर्फ का जादूगर

चमकीले, गुंबदनुमा केस में लगी दोहरी घड़ी के दोनों चेहरे शतरंज के बोर्ड के पार ऐसे देख रहे थे मानो किसी विशाल समुद्री राक्षस की आंखें मेज के किनारे से झांककर खेल देख रही हों।

शतरंज की घड़ी के दोनों चेहरों पर अलग-अलग समय दिख रहा था। क्रोनस्टीन की घड़ी में एक बजने में बीस मिनट बाकी थे।

सेकंड गिनने वाला लंबा लाल पेंडुलम घड़ी के निचले हिस्से पर रुक-रुक कर चल रहा था, जबकि दुश्मन की घड़ी शांत थी और उसका पेंडुलम स्थिर था। लेकिन मखारोव की घड़ी में एक बजने में पाँच मिनट बाकी थे। उन्होंने खेल के बीच में समय बर्बाद कर दिया था और अब उनके पास केवल पाँच मिनट बचे थे। वे समय की कमी से जूझ रहे थे और जब तक क्रोनस्टीन कोई पागलपन भरी गलती न कर दें, जो कि असंभव था, वे हार जाएंगे।

क्रोनस्टीन एक तोते की तरह रहस्यमयी और निर्भीक मुद्रा में सीधा बैठा था। उसकी कोहनियाँ मेज पर टिकी थीं और उसका बड़ा सिर मुट्ठी बांधे उसके गालों पर टिका था, जिससे उसके होंठ अकड़ और तिरस्कार से भरे हुए लग रहे थे। चौड़े, उभरे हुए माथे के नीचे, उसकी तिरछी काली आँखें अपनी जीत के बोर्ड पर घातक शांति से टकटकी लगाए हुए थीं। लेकिन, इस मुखौटे के पीछे, उसके दिमाग में खून तेज़ी से दौड़ रहा था, और उसकी दाहिनी कनपटी की मोटी, कीड़े जैसी नस नब्बे से भी अधिक की गति से धड़क रही थी। पिछले दो घंटे दस मिनट में उसका एक पाउंड वज़न पसीने के रूप में कम हो गया था, और एक गलत चाल का डर अब भी उसके गले पर मंडरा रहा था। लेकिन मखारोव और दर्शकों के लिए, वह अब भी 'बर्फ का जादूगर' था, जिसका खेल मछली खाने वाले आदमी से तुलना किया जाता था। पहले वह खाल उतारता, फिर हड्डियाँ निकालता, और फिर मछली खाता। क्रोनस्टीन लगातार दो साल तक मॉस्को के चैंपियन रहे थे, अब तीसरी बार फाइनल में थे और अगर वह यह गेम जीत जाते तो ग्रैंड मास्टरशिप के दावेदार बन जाते।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

रस्सियों से घिरी मुख्य मेज के चारों ओर छाई खामोशी में क्रोनस्टीन की घड़ी की तेज़ आवाज़ के अलावा कोई और आवाज़ नहीं थी। दोनों अंपायर अपनी ऊँची कुर्सियों पर बिना हिले-डुले बैठे थे। वे जानते थे, और मखारोव भी, कि यही निर्णायक चाल थी। क्रोनस्टीन ने क्वीन गैम्बिट डिक्लाइन्ड के मेरान वेरिएशन में एक शानदार बदलाव ला दिया था। मखारोव 28वीं चाल तक उनके साथ डटे रहे। उस चाल पर उनका समय बर्बाद हो गया। शायद उन्होंने वहाँ कोई गलती की थी, और शायद 31वीं और 33वीं चाल पर भी। कौन कह सकता था? यह एक ऐसा खेल होगा जिस पर आने वाले हफ्तों तक पूरे रूस में बहस होगी।

चैम्पियनशिप मैच के सामने वाली खचाखच भरी गैलरी से एक आह सुनाई दी। क्रोनस्टीन ने धीरे से अपना दाहिना हाथ गाल से हटाकर बोर्ड पर फैलाया। गुलाबी केकड़े के पंजों की तरह, उनका

अंगूठा और तर्जनी उंगली खुलीं, फिर नीचे की ओर गईं। मोहरा पकड़े हुए हाथ ऊपर, अगल-बगल और नीचे की ओर हिला। फिर हाथ धीरे से वापस चेहरे पर आ गया।

दर्शक उस विशाल दीवार पर लगे नक्शे पर 41वीं चाल को तीन फुट के एक तख्ते की जगह बदलकर दोहराया हुआ देखकर आपस में फुसफुसाने और बातें करने लगे। आर-केटी8। यही जीत का रास्ता होना चाहिए!

क्रोनस्टीन ने जानबूझकर हाथ बढ़ाकर अपनी घड़ी के निचले हिस्से में लगे लीवर को दबाया। उनकी लाल पेंडुलम रुक गई। उनकी घड़ी में पौने एक बज रहे थे। ठीक उसी क्षण, मखारोव की पेंडुलम फिर से चलने लगी और अपनी तेज़, निरंतर धड़कन शुरू कर दी।

क्रोनस्टीन पीछे हटकर बैठ गए। उन्होंने अपने हाथ मेज पर सीधे रखे और ठंडी निगाहों से उस आदमी के चमकते, झुके हुए चेहरे को देखा, जिसके भीतरी भाग, जैसा कि वह जानते थे - एक भाले से छेदी गई मछली की तरह दर्द से तड़प रहे होंगे। मखारोव, जॉर्जिया के चैंपियन। खैर, कल कॉमरेड मखारोव जॉर्जिया वापस जा सकते हैं और वहीं रह सकते हैं। कम से कम इस साल तो वे अपने परिवार के साथ मॉस्को नहीं जा रहे हैं।

सादे कपड़ों में एक आदमी रस्सियों के नीचे से सरक कर अंपायरों में से एक के कान में फुसफुसाया। उसने अंपायर को एक सफेद लिफाफा थमा दिया। अंपायर ने सिर हिलाया और मखारोव की घड़ी की ओर इशारा किया, जिसमें अब एक बजने में तीन मिनट बाकी थे। सादे कपड़ों में उस आदमी ने एक छोटा सा वाक्य फुसफुसाया, जिससे अंपायर ने उदास होकर अपना सिर झुका लिया। उसने हाथ की घंटी बजाई।

उन्होंने माइक्रोफोन में घोषणा की, 'कॉमरेड क्रोनस्टीन के लिए एक अत्यावश्यक व्यक्तिगत संदेश है।'

तीन मिनट का विराम रहेगा।

हॉल में हल्की फुसफुसाहट फैल गई। हालांकि मखारोव ने अब शिष्टाचारवश बोर्ड से अपनी निगाहें उठाकर स्थिर होकर ऊँची, गुंबददार छत की ओर टकटकी लगा ली थी, फिर भी दर्शकों को पता था कि खेल की स्थिति उनके दिमाग में छपी हुई थी। तीन मिनट का विराम मखारोव के लिए तीन अतिरिक्त मिनट के बराबर था।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

क्रोनस्टीन को भी वैसी ही झुंझलाहट महसूस हुई, लेकिन उनके चेहरे पर कोई भाव नहीं था जब अंपायर अपनी कुर्सी से नीचे उतरे और उन्हें एक सादा, बिना पते वाला लिफाफा थमा दिया। क्रोनस्टीन ने उसे अपने अंगूठे से फाड़कर खोला और उसमें से गुमनाम कागज का टुकड़ा निकाला। उस पर बड़े-बड़े टाइप किए हुए अक्षरों में लिखा था, जिन्हें वह अच्छी तरह जानते थे,

आपको तुरंत उपस्थित होना आवश्यक है। हस्ताक्षर और पता आवश्यक नहीं है।

क्रोनस्टीन ने कागज़ को मोड़कर सावधानी से अपनी भीतरी जेब में रख लिया। बाद में यह उससे बरामद कर नष्ट कर दिया जाएगा। उसने अंपायर के बगल में खड़े सादे कपड़ों वाले व्यक्ति के चेहरे की ओर देखा। उसकी निगाहें उसे अधीरता और आदेशात्मक भाव से देख रही थीं। इन लोगों का बुरा हो, क्रोनस्टीन ने सोचा। वह केवल तीन मिनट शेष रहते हुए इस्तीफा नहीं देगा। यह अकल्पनीय था। यह जन-खेल का अपमान था। लेकिन, जैसे ही उसने अंपायर को खेल जारी रखने का इशारा किया, वह अंदर ही अंदर कांप उठा, और उसने रस्सियों के भीतर, कुंडली मारकर स्थिर खड़े सादे कपड़ों वाले व्यक्ति की निगाहों से बचने की कोशिश की।

घंटी बजी। 'खेल शुरू होता है।'

मखारोव ने धीरे से अपना सिर नीचे झुकाया। उनकी घड़ी की सुई एक घंटे से आगे निकल गई थी और वे अभी भी जीवित थे।

क्रोनस्टीन अंदर ही अंदर कांप रहा था। उसने जो किया था, वह एसएमईआरएसएच या किसी अन्य सरकारी एजेंसी के कर्मचारी से पहले कभी नहीं हुआ था। उसकी शिकायत जरूर की जाएगी। घोर अवज्ञा। कर्तव्य का उल्लंघन।

इसके क्या परिणाम हो सकते हैं? ज़्यादा से ज़्यादा जनरल जी. की फटकार और ज़ापिस्का पर एक काला धब्बा। सबसे बुरा क्या हो सकता है? क्रोनस्टीन कल्पना भी नहीं कर सकता था। वह सोचना भी नहीं चाहता था। चाहे कुछ भी हो जाए, जीत की मिठास उसके मुँह में कड़वी हो गई थी।

लेकिन अब अंत आ चुका था। घड़ी में पाँच सेकंड शेष रहते हुए, मखारोव ने अपनी थकी हुई आँखों को अपने प्रतिद्वंद्वी के होंठों से ऊपर नहीं उठाया और आत्मसमर्पण के संक्षिप्त, औपचारिक प्रणाम में अपना सिर झुकाया। अंपायर की घंटी की दोहरी आवाज के साथ ही खचाखच भरे हॉल में मौजूद दर्शक तालियों की गड़गड़ाहट से खड़े हो गए।

क्रोनस्टीन खड़े हुए और अपने प्रतिद्वंद्वी, अंपायरों और अंत में, दर्शकों के प्रति गहरी श्रद्धा के साथ प्रणाम किया।

फिर, सादे कपड़ों में मौजूद उस व्यक्ति के पीछे-पीछे, वह रस्सियों के नीचे से निकल गया और अपने शोर मचाते प्रशंसकों की भीड़ के बीच से ठंडे और असभ्य तरीके से लड़ते हुए मुख्य निकास द्वार की ओर बढ़ गया।

टूर्नामेंट हॉल के बाहर, चौड़े पुश्किन उलित्ज़ा के बीचोंबीच, इंजन चालू हालत में, हमेशा की तरह गुमनाम काली ज़िक सेडान खड़ी थी। क्रोनस्टीन पीछे की सीट पर चढ़े और दरवाज़ा बंद कर लिया। जैसे ही सादे कपड़ों में मौजूद व्यक्ति रनिंग-बोर्ड पर कूदा और आगे की सीट पर घुसने की कोशिश की, ड्राइवर ने अपनी कार को टक्कर मार दी। (जनरेटेड बाय एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)

गाड़ी ने गियर बदले और तेजी से सड़क पर दौड़ पड़ी।

क्रोनस्टीन जानते थे कि सादे कपड़ों में मौजूद गार्ड से माफी मांगना व्यर्थ होगा। यह अनुशासन के

भी विरुद्ध होगा। आखिर, वे एसएमईआरएसएच के योजना विभाग के प्रमुख थे, और उन्हें कर्नल का मानद पद प्राप्त था। उनका दिमाग संगठन के लिए हीरे के समान था। शायद वे अपनी दलीलों से इस मुसीबत से निकल सकते थे। उन्होंने खिड़की से बाहर अंधेरी सड़कों को देखा, जो रात की सफाई टीम के काम से पहले ही गीली हो चुकी थीं, और अपने बचाव के लिए मन ही मन सोचने लगे। तभी एक सीधी सड़क दिखाई दी, जिसके अंत में क्रेमलिन की प्याज के आकार की मीनारों के बीच चंद्रमा तेजी से चमक रहा था, और वे वहाँ पहुँच गए।

जब गार्ड ने क्रोनस्टीन को ए.डी.सी. के हवाले किया, तो उसने ए.डी.सी. को एक पर्ची भी थमा दी। ए.डी.सी. ने उस पर एक नज़र डाली और आधी उठी भौहें लिए क्रोनस्टीन की ओर ठंडेपन से देखा। क्रोनस्टीन ने बिना कुछ कहे शांत भाव से जवाब दिया। ए.डी.सी. ने कंधे उचकाए और कार्यालय का टेलीफोन उठाकर अपना परिचय दिया।

जब वे बड़े कमरे में गए और क्रोनस्टीन को कुर्सी पर बैठने का इशारा किया गया और उन्होंने कर्नल क्लेब की संक्षिप्त मुस्कान का अभिवादन करते हुए सिर हिलाया, तो ए.डी.सी. जनरल जी. के पास गए और उन्हें कागज़ का टुकड़ा सौंप दिया। जनरल ने उसे पढ़ा और क्रोनस्टीन की ओर घूरकर देखा। ए.डी.सी. दरवाजे की ओर चले गए और बाहर निकल गए, लेकिन जनरल क्रोनस्टीन को देखते रहे। दरवाजा बंद होने पर, जनरल जी. ने अपना मुंह खोला और धीरे से कहा, 'तो, कॉमरेड?'

क्रोनस्टीन शांत थे। उन्हें पता था कि कौन सी कहानी लोगों को पसंद आएगी। उन्होंने शांत और आत्मविश्वास से कहा, 'जनता के लिए, कॉमरेड जनरल, मैं एक पेशेवर शतरंज खिलाड़ी हूँ। आज रात मैं लगातार तीसरे वर्ष मॉस्को चैंपियन बना हूँ। अगर सिर्फ तीन मिनट शेष रहते मुझे यह संदेश मिलता कि टूर्नामेंट हॉल के दरवाजे के बाहर मेरी पत्नी की हत्या की जा रही है, तो मैं उसे बचाने के लिए एक उंगली भी नहीं उठाता।'

मेरे प्रशंसक यह बात जानते हैं। वे भी मेरी ही तरह इस खेल के प्रति समर्पित हैं। आज रात, अगर मैंने खेल से इस्तीफा दे दिया होता और वह संदेश मिलते ही तुरंत वापस आ गया होता, तो पाँच हज़ार लोगों को पता चल जाता कि यह सिर्फ़ इसी विभाग के आदेश पर हो सकता है। अफवाहों का तूफान खड़ा हो जाता। मेरे आने-जाने पर नज़र रखी जाती। मेरा भेद खुल जाता।

राज्य की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, मैंने आदेश का पालन करने से पहले तीन मिनट प्रतीक्षा की। फिर भी, मेरी जल्दबाजी में की गई प्रस्थान पर काफी चर्चा होगी। मुझे यह कहना पड़ेगा कि मेरा एक बच्चा गंभीर रूप से बीमार है। इस बात को पुख्ता करने के लिए मुझे अपने एक बच्चे को एक सप्ताह के लिए अस्पताल में भर्ती कराना पड़ेगा। आदेश का पालन करने में हुई देरी के लिए मैं क्षमा चाहता हूँ। लेकिन यह निर्णय कठिन था। मैंने विभाग के हित में वही किया जो मुझे उचित लगा।

जनरल जी. ने गहरी, तिरछी आँखों में ध्यान से देखा। वह आदमी दोषी था, लेकिन बचाव पक्ष का पक्ष मज़बूत था। उन्होंने अपराध की गंभीरता का आकलन करते हुए अखबार को दोबारा पढ़ा, फिर अपना लाइटर निकाला और उसे जला दिया। जलते हुए कागज़ के आखिरी कोने को उन्होंने अपनी मेज़ के कांच के ऊपरी हिस्से पर गिरा दिया और राख को ज़मीन पर बिखेर दिया। उन्होंने अपने विचारों को ज़ाहिर करने के लिए कुछ नहीं कहा, लेकिन क्रोनस्टीन के लिए सबूतों का

जलना ही सबसे महत्वपूर्ण था। अब उनके ज़ापिस्का पर कुछ भी नहीं लिखा जा सकता था। उन्हें गहरी राहत और कृतज्ञता महसूस हुई।

वह इस मामले में अपनी सारी सूझबूझ लगा देगा। जनरल ने बड़ी दयालुता दिखाई थी। क्रोनस्टीन उन्हें अपनी पूरी बुद्धि से इसका प्रतिफल देगा।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

'कॉमरेड कर्नल, तस्वीरें आगे बढ़ा दीजिए,' जनरल जी ने ऐसे कहा मानो संक्षिप्त कोर्ट-मार्शल हुआ ही न हो। 'मामला इस प्रकार है...।'

तो यह एक और मौत है, क्रोनस्टीन ने सोचा, जब जनरल बोल रहे थे और उन्होंने पासपोर्ट की बड़ी तस्वीर में दिख रहे उस काले, निर्मम चेहरे को गौर से देखा। क्रोनस्टीन जनरल की बातों को आधे मन से सुन रहे थे, लेकिन उन्होंने मुख्य तथ्यों को चुना - अंग्रेज़ जासूस। बड़ा घोटाला चाहा जा रहा था।

सोवियत संघ का कोई दखल नहीं। माहिर हत्यारा। महिलाओं के प्रति आकर्षण (इसलिए समलैंगिक नहीं, क्रोनस्टीन का मानना था)। शराब का आदी (लेकिन ड्रग्स के बारे में कुछ नहीं कहा गया)। रिश्वत न लेने वाला (कौन जानता है? हर आदमी की कोई न कोई कीमत होती है)। कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। सभी खुफिया विभागों से सभी उपकरण और कर्मी उपलब्ध होंगे। तीन महीने के भीतर सफलता हासिल करनी होगी। अभी व्यापक विचार आवश्यक हैं। विवरण बाद में तय किए जाएंगे।

जनरल जी ने अपनी पैनी निगाहें कर्नल क्लेब पर टिका दीं। 'कॉमरेड कर्नल, आपकी तत्काल प्रतिक्रिया क्या है?'

झूमर की रोशनी में चश्मे का चौकोर, बिना फ्रेम वाला शीशा चमक उठा, जब महिला ध्यानमग्न मुद्रा से उठकर जनरल की ओर देखने लगी। निकोटीन के दाग से सने होंठों पर हल्की सी चमक थी, लेकिन उसके नीचे के फीके, नम होंठ खुल गए और महिला के विचार व्यक्त करते ही तेज़ी से ऊपर-नीचे होने लगे। क्रोनस्टीन को मेज के उस पार के चेहरे को देखते हुए, भावहीन होंठों का वह चौकोर, खुलता और बंद होता हुआ क्रम किसी कठपुतली की बेतरतीब बड़बड़ाहट की याद दिला रहा था।

आवाज कर्कश, सपाट और भावहीन थी, "...कुछ मायनों में यह स्टोलज़ेनबर्ग के मामले से मिलता-जुलता है। अगर आपको याद हो, कॉमरेड जनरल, तो यह भी प्रतिष्ठा के साथ-साथ जीवन को नष्ट करने का मामला था। उस समय मामला सीधा था। जासूस भी एक विकृत मानसिकता वाला व्यक्ति था। अगर आपको याद हो..."

क्रोनस्टीन ने सुनना बंद कर दिया। वह इन सभी मामलों से वाकिफ था। उसने इनमें से अधिकांश की योजना बनाई थी और वे उसकी स्मृति में शतरंज की चालों की तरह अंकित थे। इसके बजाय, उसने कान बंद करके उस भयानक महिला के चेहरे को निहारा और अनायास ही सोचने लगा कि वह अपनी नौकरी में कितने समय तक टिक पाएगी - उसे उसके साथ कितने समय तक काम

करना पड़ेगा।

भयानक? क्रोनस्टीन को इंसानों में कोई दिलचस्पी नहीं थी—यहां तक कि अपने बच्चों में भी नहीं। न ही 'अच्छा' और 'बुरा' जैसी श्रेणियां उनकी शब्दावली में जगह रखती थीं। उनके लिए सभी लोग शतरंज के मोहरे थे। उन्हें केवल अन्य मोहरों की चालों पर उनकी प्रतिक्रियाओं में दिलचस्पी थी। उनकी प्रतिक्रियाओं का अनुमान लगाने के लिए, जो उनके काम का अधिकांश हिस्सा था, किसी को उनकी व्यक्तिगत विशेषताओं को समझना पड़ता था। उनकी बुनियादी प्रवृत्तियां अपरिवर्तनीय थीं। आत्मरक्षा, कामुकता और झुंड की प्रवृत्ति—इसी क्रम में। उनका स्वभाव आशावादी, शांत, क्रोधी या उदास हो सकता था। किसी व्यक्ति का स्वभाव काफी हद तक ABC Amber LIT Converter, http://www.processtext.com/abclit.html द्वारा उत्पन्न होता था।

उनकी भावनाओं और मनोभावों की तुलनात्मक शक्ति का निर्धारण करें। चरित्र काफी हद तक पालन-पोषण पर निर्भर करेगा और पावलोव और व्यवहारवादियों के मत चाहे जो भी हों, कुछ हद तक माता-पिता के चरित्र पर भी निर्भर करेगा। और, निश्चित रूप से, लोगों का जीवन और व्यवहार आंशिक रूप से शारीरिक शक्तियों और कमजोरियों से भी प्रभावित होगा।

इन्हीं बुनियादी वर्गीकरणों को ध्यान में रखते हुए क्रोनस्टीन का शांत मस्तिष्क मेज के दूसरी ओर बैठी महिला पर विचार कर रहा था। यह सौवीं बार था जब उसने उसका आकलन किया था, लेकिन अब उनके सामने कई हफ्तों का संयुक्त कार्य था और यह याददाश्त ताज़ा करना ज़रूरी था ताकि उनकी साझेदारी में मानवीय तत्व का अचानक प्रवेश उसके लिए आश्चर्य की बात न हो।

बेशक रोजा क्लेब में जीवित रहने की प्रबल इच्छाशक्ति थी, वरना वह राज्य की सबसे शक्तिशाली महिलाओं में से एक और निश्चित रूप से सबसे खूंखार महिला न बन पातीं। क्रोनस्टीन को याद था कि उनका उदय स्पेनिश गृहयुद्ध से शुरू हुआ था। फिर, पी.ओ.यू.एम. के भीतर एक दोहरी एजेंट के रूप में—अर्थात, ओ.जी.पी.यू. के लिए काम करते हुए।

मॉस्को में और स्पेन में कम्युनिस्ट खुफिया विभाग के लिए काम करने वाली वह अपने प्रमुख, प्रसिद्ध एंड्रियास निन की दाहिनी हाथ और एक तरह से प्रेमिका भी थीं। उन्होंने 1935 से 1937 तक उनके साथ काम किया था। फिर, मॉस्को के आदेश पर, उनकी हत्या कर दी गई और अफवाह थी कि उनकी हत्या एंड्रियास निन ने ही की थी।

यह सच था या नहीं, तब से वह धीरे-धीरे लेकिन सीधे सत्ता की सीढ़ी पर चढ़ती चली गई, असफलताओं से बचती रही, युद्धों से बचती रही, और हर तरह के शुद्धिकरण से भी बच गई, क्योंकि उसने किसी के प्रति निष्ठा नहीं दिखाई और किसी गुट में शामिल नहीं हुई, जब तक कि 1953 में, बेरिया की मृत्यु के साथ, खून से सने हाथों ने शीर्ष से कुछ ही दूरी पर स्थित उस पायदान को पकड़ लिया, जो एसएमईआरएसएच के संचालन विभाग के प्रमुख का पद था।

और, क्रोनस्टीन ने विचार व्यक्त किया, उनकी सफलता का अधिकांश श्रेय उनकी दूसरी सबसे महत्वपूर्ण प्रवृत्ति, यौन प्रवृत्ति की विलक्षण प्रकृति को जाता है। क्योंकि रोजा क्लेब निस्संदेह सभी यौन प्रकारों में सबसे दुर्लभ थीं। वह नपुंसक थीं।

क्रोनस्टीन को इस बात का पूरा यकीन था। पुरुषों और हां, महिलाओं की कहानियां इतनी सटीक थीं कि उन पर शक करना नामुमकिन था। हो सकता है कि उन्हें शारीरिक रूप से इस क्रिया में आनंद आता हो, लेकिन साधन का कोई महत्व नहीं था। उनके लिए, सेक्स महज़ एक खुजली थी। और उनकी यह मनोवैज्ञानिक और शारीरिक तटस्थता उन्हें कई मानवीय भावनाओं, संवेदनाओं और इच्छाओं से मुक्त कर देती थी। यौन तटस्थता किसी व्यक्ति में शीतलता का सार थी। यह जन्मजात होना एक महान और अद्भुत बात थी।

उसमें झुंड की प्रवृत्ति भी मर चुकी होगी। सत्ता की लालसा ने उसे भेड़िये की तरह बनने पर मजबूर किया, भेड़िये की तरह नहीं। वह अकेले काम करने वाली थी, पर कभी अकेली नहीं, क्योंकि उसे साथ की गर्माहट की ज़रूरत नहीं थी। और, स्वभाव से, वह शांत, अविचलित, दर्द सहने वाली और सुस्त होगी। क्रोनस्टीन ने सोचा कि आलस्य उसका सबसे बड़ा दोष होगा। सुबह उसे उसके गर्म, आरामदायक बिस्तर से उठाना मुश्किल होगा। उसकी निजी आदतें अस्त-व्यस्त, यहाँ तक कि गंदी भी होंगी। क्रोनस्टीन ने सोचा कि वर्दी उतारने के बाद, जब वह आराम करती है, तो उसके अंतरंग जीवन को देखना सुखद नहीं होगा। क्रोनस्टीन के होंठ इस विचार से हट गए और उसका मन तेज़ी से आगे बढ़ा, उसके चरित्र को छोड़कर, जो निश्चित रूप से चालाक और मजबूत था, उसके रूप-रंग पर चला गया।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

क्रोनस्टीन का अनुमान था कि रोजा क्लेब की उम्र लगभग चालीस के आसपास होगी, यानी स्पेनिश युद्ध के समय की। वह कद में छोटी थी, लगभग पाँच फुट चार इंच, और गठीली थी। उसकी छोटी भुजाएँ, छोटी गर्दन और खाकी मोजों में लिपटी मोटी टांगों की पिंडलियाँ एक महिला के लिए बहुत मजबूत थीं। क्रोनस्टीन ने सोचा, न जाने उसके स्तन कैसे होंगे, लेकिन मेज पर रखी वर्दी का उभार किसी खराब तरीके से भरी हुई रेत की बोरी जैसा लग रहा था, और कुल मिलाकर, नाशपाती के आकार के बड़े कूल्हों वाली उसकी आकृति की तुलना केवल एक

सेलो।

फ्रांसीसी क्रांति की बुनकर महिलाओं के चेहरे भी शायद इसी रूसी महिला जैसे रहे होंगे, क्रोनस्टीन ने अपनी कुर्सी पर पीछे झुकते हुए और अपना सिर थोड़ा एक तरफ झुकाते हुए तय किया। पतले होते नारंगी बाल कसकर बंधे हुए भद्दे जूड़े में सिमटे हुए थे; चमकदार पीली-भूरी आँखें जो कांच के नुकीले चौकोर टुकड़ों से जनरल जी को इतनी ठंडी निगाहों से घूर रही थीं; गाढ़ा पाउडर लगा हुआ, बड़े छिद्रों वाला नाक; गीला मुंह, जो ठुड्डी के नीचे तारों से चलता हुआ लगता था। गिलोटिन की खनक के बीच बैठी, बुनाई करती और बातें करती उन फ्रांसीसी महिलाओं की त्वचा भी शायद मुर्गी की तरह पीली और मोटी रही होगी, जो आँखों के नीचे, मुंह के कोनों पर और जबड़े के नीचे छोटी-छोटी सिलवटों में बिखरी हुई थी; वही बड़े किसान जैसे कान; वही कसे हुए, सख्त, गड्ढेदार मुट्ठियाँ, जैसे डंडे, जो रूसी महिला के मामले में, अब लाल मखमली मेज पर उसके बड़े सीने के दोनों ओर कसकर बंद थीं।

और उनके चेहरों ने भी वही आभास दिया होगा, क्रोनस्टीन ने निष्कर्ष निकाला, ठंडक, क्रूरता और ताकत का, जैसा कि इस, हाँ, उन्हें भावनात्मक शब्द का प्रयोग करने की अनुमति देनी पड़ी,

स्मर्श की भयानक महिला के चेहरे पर था।

धन्यवाद, कॉमरेड कर्नल। स्थिति का आपका विश्लेषण मूल्यवान है। और अब, कॉमरेड क्रोनस्टीन, क्या आप कुछ और कहना चाहेंगे? कृपया संक्षेप में बोलें। दो बज चुके हैं और हम सभी के सामने एक व्यस्त दिन है।

जनरल जी की आंखें, तनाव और नींद की कमी से लाल हो चुकी थीं, और वे डेस्क के उस पार उभरे हुए माथे के नीचे की अथाह भूरी पुतलियों को टकटकी लगाए देख रही थीं। इस आदमी को संक्षेप में बोलने के लिए कहने की कोई आवश्यकता नहीं थी।

क्रोनस्टीन वैसे तो ज्यादा बोलते नहीं थे, लेकिन उनके हर शब्द में बाकी स्टाफ के भाषणों के बराबर सार होता था।

क्रोनस्टीन ने पहले ही अपना मन बना लिया था, वरना वह इतनी देर तक उस महिला पर अपने विचारों को केंद्रित नहीं होने देता।

उसने धीरे से अपना सिर पीछे झुकाया और छत के खालीपन में निहारने लगा। उसकी आवाज़ बेहद कोमल थी, लेकिन उसमें वह अधिकार था जो ध्यान आकर्षित करता था।

कॉमरेड जनरल, एक फ्रांसीसी, जो कुछ मायनों में आपके पूर्ववर्ती थे, फ़ूशे ने कहा था कि किसी व्यक्ति को मारना तब तक व्यर्थ है जब तक उसकी प्रतिष्ठा को भी नष्ट न कर दिया जाए। इस बॉन्ड को मारना बेशक आसान होगा। उचित निर्देश मिलने पर कोई भी भाड़े का बल्गेरियाई हत्यारा यह काम कर देगा। ऑपरेशन का दूसरा हिस्सा, इस व्यक्ति के चरित्र को नष्ट करना, अधिक महत्वपूर्ण और अधिक कठिन है। इस समय मुझे केवल इतना ही स्पष्ट है कि यह कार्य इंग्लैंड से दूर, किसी ऐसे देश में किया जाना चाहिए जिसके प्रेस और रेडियो पर हमारा प्रभाव हो। यदि आप मुझसे पूछें कि उस व्यक्ति को वहाँ कैसे पहुँचाया जाए, तो मैं केवल इतना ही कह सकता हूँ कि यदि चारा पर्याप्त महत्वपूर्ण हो, और उसे पकड़ने का अधिकार केवल इसी व्यक्ति के पास हो, तो उसे जहाँ कहीं भी वह हो, उसे पकड़ने के लिए भेजा जाएगा। जाल का आभास होने से बचने के लिए, मैं चारे में कुछ विलक्षणता, कुछ असामान्यता जोड़ने पर विचार करूँगा। अंग्रेज अपनी विलक्षणता पर गर्व करते हैं। वे विलक्षण लोगों के साथ बुरा व्यवहार करते हैं।

प्रस्ताव को एक चुनौती के रूप में लें। मैं उनकी मनोविज्ञान की इस समझ पर आंशिक रूप से भरोसा करूंगा ताकि वे इस महत्वपूर्ण ऑपरेटर को चारा के पीछे भेज सकें।'

क्रोनस्टीन रुक गए। उन्होंने अपना सिर नीचे झुकाया ताकि वे जनरल जी के कंधे के ठीक ऊपर देख सकें।

“मैं ऐसा जाल बिछाने की योजना बनाऊंगा,” उसने उदासीनता से कहा। “फिलहाल मैं केवल इतना ही कह सकता हूं कि अगर चारा अपने शिकार को आकर्षित करने में सफल रहा, तो हमें अंग्रेजी भाषा पर पूर्ण अधिकार रखने वाले एक हत्यारे की आवश्यकता होगी।”

क्रोनस्टीन की निगाहें सामने रखी लाल मखमली मेज पर टिक गईं। सोच-विचार करते हुए, मानो यही समस्या की जड़ हो, उन्होंने आगे कहा: 'हमें एक भरोसेमंद और बेहद खूबसूरत लड़की की

भी आवश्यकता होगी।'

अध्याय आठ

सुंदर आकर्षण

अपने एक कमरे की खिड़की के पास बैठकर, जून की शांत शाम को बाहर देखते हुए, सड़क के उस पार खिड़कियों में प्रतिबिंबित होते सूर्यास्त के पहले गुलाबी रंग को देखते हुए, दूर स्थित एक चर्च के प्याज के आकार के शिखर को देखते हुए, जो मॉस्को की छतों के ऊबड़-खाबड़ क्षितिज के ऊपर एक मशाल की तरह चमक रहा था, राज्य सुरक्षा की कॉर्पोरल तातियाना रोमानोवा ने सोचा कि वह पहले से कहीं अधिक खुश थी।

उसकी खुशी रोमांटिक नहीं थी। इसका किसी प्रेम प्रसंग की उमंग भरी शुरुआत से कोई लेना-देना नहीं था— वो दिन और सप्ताह जब आँखों में आँसू की पहली हल्की-सी बूँदें दिखाई देती हैं। यह सुरक्षा की शांत, स्थिर खुशी थी, भविष्य के प्रति आत्मविश्वास से भरी दृष्टि की खुशी थी, जो तात्कालिक चीजों से और भी बढ़ गई थी— उस दोपहर प्रोफेसर डेनिकिन से मिली प्रशंसा, इलेक्ट्रिक स्टोव पर पक रहे स्वादिष्ट भोजन की खुशबू, रेडियो पर मॉस्को स्टेट ऑर्केस्ट्रा द्वारा बोरिस गौडोनोव के पसंदीदा संगीत की शुरुआत, और सबसे बढ़कर, इस तथ्य की सुंदरता कि लंबी सर्दी और छोटी वसंत ऋतु बीत चुकी थी और जून का महीना आ गया था।

सादोवाया-चेर्नोग्रियाज़स्काया उलित्ज़ा पर स्थित विशाल आधुनिक अपार्टमेंट भवन में कमरा एक छोटा सा डिब्बा जैसा था, जो राज्य सुरक्षा विभाग की महिलाओं की बैरक है। कैदियों के श्रम से निर्मित और 1939 में बनकर तैयार हुई इस शानदार आठ मंजिला इमारत में दो हज़ार कमरे हैं। इनमें से कुछ, जैसे कि तीसरी मंजिल पर स्थित उनका कमरा, केवल चौकोर डिब्बे जैसे हैं जिनमें एक टेलीफोन, गर्म और ठंडा पानी, एक बिजली की बत्ती और केंद्रीय बाथरूम और शौचालय का साझा उपयोग है। वहीं, ऊपर की दो मंजिलों पर स्थित अन्य कमरे दो और तीन कमरों वाले फ्लैट हैं जिनमें बाथरूम हैं। ये उच्च पदस्थ महिलाओं के लिए थे। इमारत में उच्च पदों पर पदोन्नति केवल निर्धारित मानदंडों के आधार पर होती थी।

रैंक के हिसाब से, कॉर्पोरल रोमानोवा को सार्जेंट, लेफ्टिनेंट, कैप्टन, मेजर और लेफ्टिनेंट-कर्नल के पदों से ऊपर उठना पड़ा, इससे पहले कि वह आठवें और कर्नल के पद के स्वर्ग तक पहुंच पाती।

लेकिन ईश्वर जानता था कि वह अपनी वर्तमान स्थिति से काफी संतुष्ट थी। 1200 रूबल प्रति माह का वेतन (किसी भी अन्य मंत्रालय में मिलने वाले वेतन से तीस प्रतिशत अधिक), अपना अलग कमरा; इमारत के भूतल पर स्थित बंद दुकानों से मिलने वाला सस्ता भोजन और कपड़े; बैले या ओपेरा के लिए मंत्रालय की ओर से हर महीने कम से कम दो टिकटों का आवंटन; साल में पूरे दो सप्ताह की सवैतनिक छुट्टी। और सबसे बढ़कर, मॉस्को में एक स्थिर नौकरी, जिसमें अच्छे भविष्य की संभावनाएं थीं - उन नीरस प्रांतीय कस्बों में से किसी एक में नहीं, जहाँ महीने दर महीने कुछ नहीं होता था, और जहाँ किसी नई फिल्म का आना या किसी सर्कस का आना ही शाम को बिस्तर से उठने का एकमात्र कारण होता था।

बेशक, एमजीबी में रहने की कीमत चुकानी पड़ती थी। वर्दी आपको दुनिया से अलग कर देती

थी। लोग डरते थे, जो ज़्यादातर लड़कियों के स्वभाव के अनुकूल नहीं था, और आप एमजीबी की दूसरी लड़कियों और लड़कों के साथ ही रहती थीं, जिनमें से किसी एक से, समय आने पर, आपको मंत्रालय में बने रहने के लिए शादी करनी पड़ती थी। और वे दिन-रात काम करते थे - सुबह आठ से शाम छह बजे तक, हफ्ते में साढ़े पाँच दिन, और कैंटीन में दोपहर के भोजन के लिए सिर्फ़ चालीस मिनट का समय मिलता था। लेकिन दोपहर का भोजन अच्छा होता था, पेट भर खाना होता था, और आप रात के खाने में कम खर्च करके भी गुज़ारा कर सकती थीं और उस सेबल कोट के लिए पैसे बचा सकती थीं जो एक दिन आपके पुराने साइबेरियाई लोमड़ी के कोट की जगह ले लेगा।

अपने रात के खाने के बारे में सोचते ही, कॉर्पोरल रोमानोवा खिड़की के पास अपनी कुर्सी से उठी और गाढ़े सूप के बर्तन को देखने गई, जिसमें मांस के कुछ टुकड़े और कुछ मशरूम का पाउडर था, जो उसका रात का खाना होने वाला था।

खाना लगभग पक चुका था और उसकी खुशबू लाजवाब थी। उसने बिजली बंद कर दी और बर्तन को धीमी आंच पर पकने दिया, जबकि वह नहा-धोकर साफ-सफाई करने लगी, जैसा कि उसे सालों पहले खाना खाने से पहले करना सिखाया गया था।

अपने हाथों को सुखाते हुए, उसने वॉशस्टैंड के ऊपर लगे बड़े अंडाकार शीशे में खुद को देखा।

उसके शुरुआती बॉयफ्रेंड में से एक ने कहा था कि वह युवा ग्रेटा गार्बो जैसी दिखती है। क्या बकवास है! फिर भी आज रात वह वाकई अच्छी लग रही थी। रेशमी, गहरे भूरे रंग के मुलायम बाल, ऊँची भौंहों से सीधे पीछे की ओर कंघी किए हुए, कंधों तक भारी-भारी होकर गिर रहे थे, जहाँ किनारों पर हल्के से मुड़े हुए थे (गार्बो ने भी कभी ऐसे ही बाल बनाए थे और कॉर्पोरल रोमानोवा ने मन ही मन मान लिया था कि उसने उसकी नकल की है), अच्छी, कोमल, पीली त्वचा, गालों की हड्डियों पर हाथीदांत जैसी चमक; सीधी, प्राकृतिक भौंहों के नीचे गहरी नीली आँखें (वह एक के बाद एक आँख बंद कर रही थी। हाँ, उसकी पलकें वाकई काफी लंबी थीं!), एक सीधी, कुछ हद तक दबंग नाक – और फिर मुँह। मुँह के बारे में क्या? क्या वह बहुत चौड़ा था? मुस्कुराते समय वह बहुत चौड़ा दिखता होगा। उसने आईने में खुद को देखकर मुस्कुराया। हाँ, वह चौड़ा था; लेकिन गार्बो का भी तो चौड़ा ही रहा होगा। कम से कम होंठ तो भरे हुए और खूबसूरती से तराशे हुए थे। कोनों पर हल्की सी मुस्कान थी।

कोई नहीं कह सकता था कि उसके होंठ ठंडे थे! और उसके चेहरे का अंडाकार आकार। क्या वह कुछ ज़्यादा ही लंबा था? क्या उसकी ठोड़ी कुछ ज़्यादा ही नुकीली थी? उसने अपना सिर एक तरफ़ घुमाकर देखा। घने बाल आगे की ओर झुककर उसकी दाहिनी आँख पर आ गए, इसलिए उसे उन्हें पीछे हटाना पड़ा। खैर, ठोड़ी नुकीली तो थी, लेकिन कम से कम तेज़ तो नहीं थी। उसने फिर से आईने के सामने खड़े होकर एक ब्रश उठाया और अपने लंबे, घने बालों को संवारना शुरू किया।

ग्रेटा गार्बो! वो ठीक-ठाक थीं, या यूं कहें कि बहुत से मर्द उन्हें ये बात नहीं बताते थे – और तो और, वो लड़कियां भी जो हमेशा उनसे अपने चेहरे के बारे में सलाह लेने आती थीं। लेकिन एक फिल्म स्टार – वो भी मशहूर! उन्होंने शीशे में खुद को देखकर मुंह बनाया और अपना खाना खाने चली गईं।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

वास्तव में, कॉर्पोरल तातियाना रोमानोवा बेहद खूबसूरत लड़की थीं। उनके चेहरे के अलावा, उनका लंबा, सुगठित शरीर भी बेहद आकर्षक था। उन्होंने लेनिनग्राद के बैले स्कूल में एक साल बिताया था और नृत्य को अपने करियर के रूप में तभी छोड़ा जब उनकी लंबाई निर्धारित पांच फीट छह इंच से एक इंच बढ़ गई। स्कूल ने उन्हें शरीर को सही ढंग से संभालना और चलना सिखाया था। और फिगर-स्केटिंग के प्रति उनके जुनून के कारण वे बेहद स्वस्थ दिखती थीं, जिसका अभ्यास वे पूरे साल डायनेमो आइस स्टेडियम में करती थीं और जिसके चलते उन्हें डायनेमो की महिला टीम में जगह भी मिल चुकी थी। उनकी भुजाएँ और स्तन बेदाग थे।

एक रूढ़िवादी व्यक्ति को उसका पिछला हिस्सा नापसंद आता। व्यायाम से उसकी मांसपेशियां इतनी सख्त हो गई थीं कि उसमें स्त्रीत्व की सहज नीचे की ओर ढलान नहीं रह गई थी, और अब, पीछे से गोल और किनारों से चपटा और सख्त होकर, वह एक पुरुष के नितंबों की तरह उभरा हुआ दिखता था।

कॉर्पोरल रोमानोवा की प्रशंसा एमजीबी सेंट्रल इंडेक्स के अंग्रेजी अनुवाद अनुभाग की सीमाओं से कहीं अधिक व्यापक थी। सभी इस बात पर सहमत थे कि जल्द ही कोई वरिष्ठ अधिकारी उससे मिलेगा और उसे उसके साधारण से क्षेत्र से जबरदस्ती निकालकर अपनी रखैल बना लेगा, या यदि बिलकुल आवश्यक हुआ तो अपनी पत्नी भी बना लेगा।

लड़की ने गाढ़े सूप को एक छोटे से चीनी मिट्टी के कटोरे में डाला, जिसके किनारे पर भेड़ियों द्वारा सरपट दौड़ती हुई स्लेज का पीछा करने की आकृति बनी हुई थी, उसमें कुछ काली रोटी तोड़कर डाली और खिड़की के पास अपनी कुर्सी पर जाकर बैठ गई और उसे धीरे-धीरे एक सुंदर चमकदार चम्मच से खाने लगी, जिसे उसने कुछ ही हफ्ते पहले होटल मोस्कवा में एक खुशनुमा शाम बिताने के बाद अपने बैग में रख लिया था।

जब उसका काम खत्म हो गया, तो उसने हाथ-मुँह धोए और अपनी कुर्सी पर वापस जाकर दिन की पहली सिगरेट जलाई (रूस में कोई भी सभ्य लड़की सार्वजनिक रूप से सिगरेट नहीं पीती, सिवाय रेस्तरां के, और अगर उसने काम पर सिगरेट पी होती तो उसे तुरंत नौकरी से निकाल दिया जाता) और तुर्कमेनिस्तान के एक ऑर्केस्ट्रा के बेसुरी और कर्कश संगीत को बेसब्री से सुनने लगी। ये भयानक पूर्वी संगीत, जो वे हमेशा उन बर्बर बाहरी राज्यों के कुलकों को खुश करने के लिए बजाते थे! वे कुछ सांस्कृतिक संगीत क्यों नहीं बजाते? कुछ आधुनिक जैज़ संगीत, या कुछ शास्त्रीय संगीत। ये संगीत बहुत ही घटिया था। इससे भी बुरा, ये पुराने ज़माने का था।

टेलीफोन की घंटी ज़ोर से बजी। वह चलकर गई, रेडियो की आवाज़ कम की और रिसीवर उठाया।

'कॉर्पोरल रोमानोवा?'

यह उसके प्रिय प्रोफेसर डेनिकिन की आवाज़ थी। लेकिन ऑफिस के समय के बाद वह हमेशा उसे तातियाना या तानिया कहकर बुलाते थे। इसका क्या मतलब था?

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

लड़की की आंखें चौड़ी हो गई थीं और वह तनाव में थी। 'जी हां, कॉमरेड प्रोफेसर।'

दूसरी तरफ से आवाज अजीब और ठंडी लग रही थी। पंद्रह मिनट में, 8:30 बजे, आपको ओटडेल II के कॉमरेड कर्नल क्लेब द्वारा साक्षात्कार के लिए बुलाया गया है। आपको अपनी इमारत की आठवीं मंजिल पर स्थित उनके अपार्टमेंट नंबर 1875 में उनसे मिलना होगा। क्या यह स्पष्ट है?

लेकिन, कॉमरेड, क्यों? यह क्या है... यह क्या है...?

उसके प्रिय प्रोफेसर की अजीब, तनावपूर्ण आवाज ने उसकी बात अधूरी छोड़ दी।

बस इतना ही, कॉमरेड कॉर्पोरल।

लड़की ने रिसीवर को अपने चेहरे से दूर रखा। वह उसे उन्मादी आँखों से घूर रही थी, मानो काले ईयरपीस के छोटे-छोटे छेदों से और शब्द निचोड़ना चाहती हो। 'हैलो! हैलो!' खाली माइक्रोफोन ने उसे जम्हाई ली। उसे एहसास हुआ कि उसकी पकड़ की ताकत से उसका हाथ और बांह दुख रहे हैं। वह धीरे से आगे झुकी और रिसीवर को स्टैंड पर रख दिया।

वह एक पल के लिए जम सी गई, काली मशीन को एकटक देखती रही। क्या उसे उसे वापस कॉल करना चाहिए? नहीं, यह तो सवाल ही नहीं उठता था। उसने जो कहा था, वह इसलिए कहा था क्योंकि वह जानता था, और वह भी जानती थी, कि इमारत के अंदर और बाहर आने वाली हर कॉल सुनी या रिकॉर्ड की जाती है। इसीलिए उसने एक शब्द भी व्यर्थ नहीं कहा था। यह राज्य का मामला था। इस तरह के संदेश के साथ, जितनी जल्दी हो सके, कम से कम शब्दों में इससे छुटकारा पाना चाहिए और इससे अपना पल्ला झाड़ लेना चाहिए। आपने अपने हाथ से भयानक पत्ता निकाल दिया था। आपने हुकुम की रानी किसी और को सौंप दी थी। आपके हाथ फिर से साफ हो गए थे।

लड़की ने अपने खुले मुंह पर उंगलियां रखीं और उन्हें दांतों से दबाकर टेलीफोन को घूरने लगी। उन्हें उससे क्या चाहिए था? उसने क्या किया था? बेचैनी से वह बीते दिनों, महीनों, सालों को याद करने लगी। क्या उसने अपने काम में कोई भयानक गलती कर दी थी और उन्हें अभी-अभी इसका पता चला था? क्या उसने सरकार के खिलाफ कोई टिप्पणी की थी, कोई मजाक किया था जिसकी खबर फैल गई थी? ऐसा हो सकता था। लेकिन कौन सी टिप्पणी? कब? अगर कोई बुरी टिप्पणी होती, तो उसे उस समय अपराधबोध या डर का एहसास होता। उसका ज़मीर साफ था। या नहीं? अचानक उसे याद आया। उसने जो चम्मच चुराया था, उसका क्या? क्या वह वही था? सरकारी संपत्ति! वह उसे अभी खिड़की से बाहर फेंक देगी, चाहे एक तरफ फेंके या दूसरी तरफ। लेकिन नहीं, वह नहीं हो सकता। वह बहुत छोटा था। उसने निराशा से कंधे उचकाए और उसका हाथ नीचे लटक गया। वह उठी और अपनी सबसे अच्छी वर्दी निकालने के लिए कपड़ों की अलमारी की ओर बढ़ी, और उसकी आंखें एक बच्चे के डर और हैरानी के आंसुओं से नम थीं। यह इनमें से कुछ भी नहीं हो सकता। SMERSH ने इस तरह की चीज़ के लिए किसी को नहीं

बुलाया था। यह ज़रूर कुछ बहुत ही बुरा होगा।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

लड़की ने नम आँखों से अपनी कलाई पर बंधी सस्ती घड़ी पर एक नज़र डाली। बस सात मिनट बचे थे! उसे फिर से घबराहट होने लगी। उसने अपनी बांह से अपनी आँखों को छुएँ और अपनी परेड की वर्दी को कसकर पकड़ लिया। आखिर देर हो ही गई! उसने अपनी सफेद सूती ब्लाउज के बटन फाड़ने शुरू कर दिए।

जैसे-जैसे वह कपड़े पहनती, चेहरा धोती और बाल संवारती, उसका मन उस भयानक रहस्य को कुरेदने में लगा रहा, ठीक वैसे ही जैसे कोई जिज्ञासु बच्चा किसी सांप के बिल में छड़ी से कुरेदता है। वह जिस भी कोण से बिल को देखती, एक भयानक फुफकार सुनाई देती।

उसके अपराध की प्रकृति को छोड़ दें तो, SMERSH के किसी भी अंग से संपर्क करना असहनीय था। संगठन का नाम ही घृणास्पद था और उससे बचा जाता था। SMERSH, यानी 'Smiert Spionam', 'जासूसों की मौत'। यह एक घिनौना शब्द था, कब्र से निकला शब्द, मौत की फुसफुसाहट, एक ऐसा शब्द जिसका ज़िक्र दोस्तों के बीच गुप्त गपशप में भी कभी नहीं होता था। सबसे बुरी बात यह थी कि इस भयानक संगठन के भीतर, ओटडेल II, यातना और मृत्यु विभाग, सबसे भयावह स्थान था।

और ओटडेल द्वितीय की मुखिया, वह महिला, रोजा क्लेब! इस महिला के बारे में अविश्वसनीय बातें फुसफुसाई जाती थीं, ऐसी बातें जो तातियाना को बुरे सपनों में आती थीं, ऐसी बातें जिन्हें वह दिन में फिर से भूल जाती थी, लेकिन अब वह उनका ढिंढोरा पीट रही थी।

कहा जाता था कि रोज़ा क्लेब अपनी मौजूदगी के बिना किसी भी तरह की यातना नहीं होने देती थी। उसके दफ्तर में खून से सना हुआ एक कुर्ता और एक छोटा सा स्टूल रखा रहता था। लोग कहते थे कि जब भी उसे उस कुर्ते में और हाथ में स्टूल लिए तहखाने के गलियारों से भागते हुए देखा जाता था, तो यह बात फैल जाती थी और यहाँ तक कि स्मर्श के कर्मचारी भी चुप हो जाते थे और अपने कागजों पर झुक जाते थे—शायद अपनी जेब में उंगलियां भी क्रॉस कर लेते थे—जब तक कि उसके कमरे में वापस आने की सूचना नहीं मिल जाती थी।

क्योंकि, या यूँ कहें कि फुसफुसाहट में, वह शिविर की चौकी उठाती और उसे पूछताछ की मेज के किनारे लटके हुए पुरुष या स्त्री के चेहरे के ठीक नीचे खींच लाती। फिर वह चौकी पर बैठ जाती और चेहरे की ओर देखती और धीरे से कहती 'नंबर 1' या 'नंबर 10' या 'नंबर 25' और पूछताछ करने वाले समझ जाते कि उसका क्या मतलब है और वे शुरू कर देते। और वह अपने चेहरे से कुछ इंच दूर उस चेहरे की आँखों को देखती और चीखों को ऐसे साँसों में समा लेती जैसे वे इत्र हों। और, आँखों के अनुसार, वह चुपचाप यातना बदल देती, और कहती 'अब नंबर 36' या 'अब नंबर 64' और पूछताछ करने वाले कुछ और करते। जैसे-जैसे आँखों से साहस और प्रतिरोध क्षीण होता जाता, और वे कमजोर और गिड़गिड़ाने लगतीं, वह धीरे से गुनगुनाना शुरू कर देती। 'अरे, अरे मेरी प्यारी। मुझसे बात करो, मेरी सुंदर, और यह रुक जाएगा। दर्द हो रहा है। आह, बहुत दर्द हो रहा है, मेरी बच्ची।' और इस दर्द से कोई इतना थक चुका है। काश यह रुक जाए,

काश शांति से लेट पाता, और यह दर्द फिर कभी शुरू न हो। तुम्हारी माँ तुम्हारे पास ही है, बस इस दर्द को रोकने का इंतज़ार कर रही है। उसने तुम्हारे लिए एक नरम, आरामदायक बिस्तर तैयार रखा है, ताकि तुम उस पर सो सको और सब कुछ भूल जाओ, भूल जाओ, भूल जाओ। 'बोलो,' वह प्यार से फुसफुसाती। 'तुम्हें बस बोलना है और तुम्हें शांति मिल जाएगी, दर्द नहीं रहेगा।' अगर आँखें फिर भी नहीं बोलतीं, तो फिर से प्यार भरी आवाज़ें आने लगतीं। 'लेकिन तुम नासमझ हो, मेरी प्यारी बच्ची। कितनी नासमझ। यह दर्द कुछ भी नहीं है। कुछ भी नहीं! तुम्हें मुझ पर विश्वास नहीं है, मेरी नन्ही सी कबूतरी? तो फिर, तुम्हारी माँ को थोड़ा सा, लेकिन बहुत थोड़ा सा, नंबर 87 आज़माना चाहिए।' और पूछताछ करने वाले यह सुनकर अपना जवाब बदल देते।

वह उपकरणों और उनके उद्देश्य के बारे में सोचती रहती, और वहीं बैठकर आंखों से धीरे-धीरे जीवन के समाप्त होते हुए देखती रहती, जब तक कि उसे उस व्यक्ति के कान में जोर से बोलना न पड़े, अन्यथा शब्द मस्तिष्क तक नहीं पहुंच पाते।

लेकिन वे कहते थे कि ऐसा बहुत कम ही होता था कि कोई व्यक्ति स्मेरश के दर्द भरे रास्ते पर दूर तक जाने की हिम्मत जुटा पाए, अंत तक तो दूर की बात है। और जब कोमल आवाज़ शांति का वादा करती थी, तो लगभग हमेशा ही उसकी जीत हो जाती थी, क्योंकि रोज़ा क्लेब किसी न किसी तरह आँखों से उस पल को पहचान लेती थी जब एक वयस्क व्यक्ति अपनी माँ के लिए रोते हुए बच्चे में बदल गया होता था। और वह माँ की छवि प्रस्तुत करती थी और उस आत्मा को पिघला देती थी जहाँ एक पुरुष के कठोर शब्द उसे और भी कठोर बना देते।

फिर, एक और संदिग्ध के पकड़े जाने के बाद, रोजा क्लेब अपने कैंप-स्टूल के साथ गलियारे में वापस जाती और अपनी नई गंदी हुई कमीज उतारकर अपने काम पर लौट आती और यह बात फैल जाती कि सब कुछ खत्म हो गया है और तहखाने में सामान्य गतिविधियां फिर से शुरू हो जाएंगी।

अपने विचारों में खोई तातियाना ने एक बार फिर अपनी घड़ी देखी। चार मिनट शेष थे। उसने अपने हाथों को अपनी वर्दी पर फेरा और शीशे में अपने गोरे चेहरे को एक बार फिर निहारा। वह मुड़ी और उस प्यारे, परिचित छोटे कमरे को अलविदा कहा। क्या वह इसे फिर कभी देख पाएगी?

वह सीधे लंबे गलियारे से नीचे चली गई और लिफ्ट के लिए घंटी बजाई।

जब वह आई, तो उसने अपने कंधे सीधे किए, ठुड्डी ऊपर उठाई और लिफ्ट में ऐसे चली गई मानो वह गिलोटिन का चबूतरा हो।

‘आठवां,’ उसने लड़की ऑपरेटर से कहा। वह दरवाजों की ओर मुंह करके खड़ी थी। मन ही मन, बचपन से इस्तेमाल न किए गए एक शब्द को याद करते हुए, वह बार-बार दोहरा रही थी, ‘हे भगवान – हे भगवान – हे भगवान।’

अध्याय नौ

प्रेम का श्रम

अनाम, क्रीम रंग से रंगे दरवाजे के बाहर ही तातियाना को कमरे के अंदर की गंध महसूस हो गई थी। जब एक आवाज ने उसे संक्षिप्त रूप से अंदर आने को कहा और उसने दरवाजा खोला, तो वही गंध उसके मन में गूंज उठी, जब वह गोल मेज के पीछे बीच में लगी रोशनी के नीचे बैठी महिला की आंखों में देखती रही।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

गर्मी की शाम में मेट्रो की गंध – जानवरों की दुर्गंध को छुपाने वाली सस्ती खुशबू। रूस में लोग नहाए हों या नहाए हों, खुद को खुशबू में सराबोर कर लेते हैं, लेकिन ज्यादातर तब जब वे नहीं नहाते हैं। तातियाना जैसी स्वस्थ और साफ-सुथरी लड़कियां हमेशा ऑफिस से घर पैदल जाती हैं, जब तक कि बारिश या बर्फबारी बहुत तेज न हो, ताकि ट्रेनों और मेट्रो की बदबू से बचा जा सके।

अब तातियाना उस दुर्गंध से घिरी हुई थी। घृणा से उसकी नाक के नथुने फड़क रहे थे।

ऐसी दुर्गंध के बीच रहने वाले व्यक्ति के प्रति उसकी घृणा और तिरस्कार ने ही उसे चौकोर शीशे के पार से उसे घूरती पीली आँखों में देखने के लिए प्रेरित किया। उनमें कुछ भी पढ़ा नहीं जा सकता था। वे आँखें ग्रहण करने वाली थीं, देने वाली नहीं। वे कैमरे के लेंस की तरह धीरे-धीरे उसके पूरे शरीर पर घूमती रहीं, मानो सब कुछ समेट रही हों।

कर्नल क्लेब ने कहा:

'आप बहुत खूबसूरत लड़की हैं, कॉमरेड कॉर्पोरल। कमरे के उस पार जाकर वापस आइए।'

ये मीठे शब्द क्या थे? उस महिला की कुख्यात निजी आदतों के डर से सहमी हुई तातियाना ने वही किया जो उसे कहा गया था।

'अपनी जैकेट उतारो। उसे कुर्सी पर रख दो। अपने हाथ सिर के ऊपर उठाओ। और ऊपर। अब झुककर अपने पैरों के अंगूठे छुओ। सीधे खड़े हो जाओ। शाबाश। बैठ जाओ।' महिला डॉक्टर की तरह बोली। उसने मेज के दूसरी ओर रखी कुर्सी की ओर इशारा किया। उसकी पैनी, जिज्ञासु निगाहें मेज पर रखी फाइल पर टिक गईं।

तातियाना ने सोचा, ये मेरी ज़ापिस्का ही होगी। जीवन भर की बागडोर संभालने वाले असली यंत्र को देखना कितना दिलचस्प होगा! ये कितनी मोटी है—लगभग दो इंच मोटी। इन सारे पन्नों पर क्या लिखा होगा? उसने खुली हुई फ़ाइल को बड़ी-बड़ी, उत्सुक आँखों से देखा।

कर्नल क्लेब ने आखिरी पन्ने पलटे और कवर बंद कर दिया। कवर नारंगी रंग का था जिस पर तिरछी काली पट्टी थी। इन रंगों का क्या अर्थ था?

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

महिला ने ऊपर देखा। तातियाना ने किसी तरह हिम्मत जुटाकर उसकी ओर देखा।

'कॉमरेड कॉर्पोरल रोमानोवा।' यह वरिष्ठ अधिकारी की अधिकारपूर्ण आवाज़ थी। 'मुझे आपके काम की अच्छी रिपोर्ट मिली है। कर्तव्य और खेल दोनों में आपका रिकॉर्ड उत्कृष्ट है। राज्य आपसे प्रसन्न है।'

तात्याना को अपने कानों पर विश्वास नहीं हुआ। वह प्रतिक्रिया से बेहोश सी हो गई। उसका चेहरा बालों की जड़ों तक लाल हो गया और फिर पीला पड़ गया। उसने मेज के किनारे पर हाथ रखा। वह लड़खड़ाती हुई कमजोर आवाज में बोली, 'मैं आभारी हूँ, कॉमरेड कर्नल।'

आपकी उत्कृष्ट सेवाओं के कारण आपको एक अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य सौंपा गया है। यह आपके लिए बहुत बड़ा सम्मान है। क्या आप समझते हैं?

जो भी हुआ, वह उससे बेहतर था जो हो सकता था। 'जी हाँ, बिल्कुल, कॉमरेड कर्नल।'

यह कार्यभार बहुत जिम्मेदारी भरा है। यह उच्च पद का कार्यभार है। कॉमरेड कॉर्पोरल, कार्यभार पूरा करने पर आपको राज्य सुरक्षा के कप्तान के पद पर पदोन्नति के लिए बधाई।

चौबीस साल की लड़की के लिए यह बिल्कुल अनसुना था! तातियाना को खतरे का आभास हुआ। वह उस जानवर की तरह अकड़ गई जिसे मांस के नीचे लोहे के जबड़े दिखाई देते हैं। 'मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रही हूँ, कॉमरेड कर्नल।' वह अपनी आवाज में सतर्कता छिपा नहीं पाई।

रोजा क्लेब ने बेपरवाही से कुछ बुदबुदाया। वह अच्छी तरह जानती थी कि जब उस लड़की को बुलावा आया होगा तो उसने क्या सोचा होगा। उसके सौहार्दपूर्ण स्वागत, खुशखबरी सुनकर मिली राहत और फिर से जाग उठे डर का असर साफ दिख रहा था। यह एक खूबसूरत, भोली-भाली, मासूम लड़की थी। ठीक वैसी ही जैसी साजिश रचने वालों को चाहिए थी। अब उसे थोड़ा सहज करना होगा। 'मेरी प्यारी,' उसने सहजता से कहा। 'मुझसे कितनी बड़ी गलती हो गई। इस पदोन्नति का जश्न शराब के गिलास के साथ मनाना चाहिए। आपको यह नहीं सोचना चाहिए कि हम वरिष्ठ अधिकारी अमानवीय हैं।'

हम साथ में पिएंगे। फ्रेंच शैम्पेन की एक बोतल खोलने का यह एक अच्छा बहाना होगा।'

रोजा क्लेब उठी और उस साइडबोर्ड के पास गई जहाँ उसके बैटमैन ने उसके द्वारा ऑर्डर की गई चीजें निकाल कर रखी थीं।

जब तक मैं बोतल का ढक्कन खोलने की कोशिश कर रही हूँ, तब तक आप इनमें से एक चॉकलेट खाकर देखिए। शैम्पेन की बोतल का ढक्कन खोलना कभी आसान नहीं होता।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/

हम लड़कियों को इस तरह के काम में मदद करने के लिए वाकई एक पुरुष की जरूरत होती है, है ना?'

वह लगातार बड़बड़ाती रही और तातियाना के सामने चॉकलेट का एक शानदार डिब्बा रख दिया। फिर वह साइडबोर्ड की ओर मुड़ी। 'ये स्विट्जरलैंड से हैं। सबसे बेहतरीन। गोल वाली चॉकलेट्स के बीच का हिस्सा नरम होता है।'

जो कठिन होते हैं वे वर्गाकार होते हैं।

तात्याना ने धीरे से धन्यवाद कहा। उसने हाथ बढ़ाकर एक गोल टुकड़ा चुना। उसे निगलने में आसानी होगी।

उस पल के डर से उसका मुंह सूख रहा था जब वह आखिरकार जाल देखेगी और महसूस करेगी कि वह उसकी गर्दन पर कस गया है। इस सारे नाटक के पीछे छिपाने के लिए ज़रूर कोई भयानक बात होगी। चॉकलेट का टुकड़ा उसके मुंह में च्युइंग गम की तरह चिपक गया था। शुक्र है कि शैम्पेन का गिलास उसके हाथ में थमा दिया गया।

रोजा क्लेब उसके ऊपर खड़ी थी। उसने खुशी से अपना गिलास उठाया। 'ज़ा वाशे ज़दारोवी, कॉमरेड तातियाना। और मेरी हार्दिक बधाई!'

तात्याना ने अपने चेहरे पर एक भयानक मुस्कान लाद दी। उसने अपना गिलास उठाया और थोड़ा झुककर अभिवादन किया। 'ज़ा वाशे ज़दारोवी, कॉमरेड कर्नल।' उसने रूसी रीति-रिवाज के अनुसार गिलास खाली किया और उसे अपने सामने रख दिया।

रोजा क्लेब ने तुरंत गिलास फिर से भर दिया, जिससे कुछ गिलास मेज पर गिर गया। "और अब आपके नए विभाग की सफलता के लिए, कॉमरेड!" उसने अपना गिलास उठाया। लड़की की प्रतिक्रिया देखकर उसकी मीठी मुस्कान थोड़ी सख्त हो गई।

स्मर्श को!

सुन्न होकर तातियाना खड़ी हुई। उसने भरा हुआ गिलास उठाया। 'स्मर्श के लिए।' शब्द उसके मुँह से मुश्किल से निकला। शैम्पेन से उसका गला चोक हो गया और उसे दो घूंट लेने पड़े। वह भारी मन से बैठ गई।

रोजा क्लेब ने उसे सोचने का समय नहीं दिया। वह उसके सामने बैठ गई और अपने हाथ मेज पर सीधे रख दिए।

और अब काम की बात करते हैं, कॉमरेड।' आवाज में फिर से अधिकार झलक रहा था। 'बहुत काम करना बाकी है।'

वह आगे झुकी। 'क्या आपने कभी विदेश में रहने की इच्छा की है, कॉमरेड? किसी दूसरे देश में?'

तातियाना पर शैम्पेन का असर दिखने लगा था। शायद इससे भी बुरा होने वाला था, लेकिन चलो देखते हैं क्या होता है। (ABC Amber LIT Converter द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

जल्दी से।

नहीं, कॉमरेड। मैं मॉस्को में खुश हूँ।

'क्या आपने कभी नहीं सोचा कि पश्चिम में रहना कैसा होगा - वे सभी खूबसूरत कपड़े, जैज़ संगीत, आधुनिक चीजें?'

'नहीं, कॉमरेड।' वह सच बोल रही थी। उसने कभी इसके बारे में सोचा ही नहीं था।

और अगर सरकार आपसे पश्चिम में रहने की मांग करे तो?

मैं आज्ञा का पालन करूंगा।

'स्वेच्छा से?'

तात्याना ने थोड़ी अधीरता दिखाते हुए कंधे उचका दिए। 'इंसान वही करता है जो उसे कहा जाता है।'

महिला थोड़ी देर रुकी। अगले प्रश्न में एक बचकानी सी साजिश छिपी थी।

क्या आप कुंवारे हैं, कॉमरेड?

हे भगवान! तातियाना ने सोचा, 'नहीं, कॉमरेड कर्नल।'

गीले होंठ प्रकाश में चमक रहे थे।

कितने आदमी?

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

तात्याना के बाल जड़ तक लाल हो गए। रूसी लड़कियाँ यौन मामलों में संकोची और संकोची होती हैं। रूस में यौन माहौल मध्य-विक्टोरियन युग जैसा है। क्लेब महिला के ये सवाल और भी ज़्यादा घृणित लग रहे थे क्योंकि एक ऐसे सरकारी अधिकारी ने, जिससे वह अपनी ज़िंदगी में पहले कभी नहीं मिली थी, इतने ठंडे और पूछताछ भरे लहजे में ये सवाल पूछे थे। तात्याना ने हिम्मत जुटाई। उसने पीली आँखों में बचाव भाव से देखा। 'कॉमरेड कर्नल, इन अंतरंग सवालों का क्या मकसद है?'

रोजा क्लेब सीधी खड़ी हो गईं। उनकी आवाज़ चाबुक की तरह तीखी हो गई। 'खुद को याद रखो, कॉमरेड। तुम यहाँ सवाल पूछने नहीं आए हो। तुम भूल गए हो कि तुम किससे बात कर रहे हो।

मुझे जवाब दो!'

तात्याना पीछे हट गई। 'तीन आदमी, कॉमरेड कर्नल।'

'कब? तुम्हारी उम्र कितनी थी?' कठोर पीली आँखों ने मेज के उस पार लड़की की नीली आँखों में देखा, जो उसे डरा रही थीं, और उन्हें थामे हुए आदेश दिया।

तात्याना की आंखों में आंसू आ रहे थे। स्कूल में। जब मैं सत्रह साल की थी। फिर विदेशी भाषा संस्थान में। मैं बाईस साल की थी। फिर पिछले साल। मैं तेईस साल की थी। यह एक दोस्त थी जिससे मेरी मुलाकात स्केटिंग करते समय हुई थी।

'कृपया उनके नाम बताइए, कॉमरेड।' रोजा क्लेब ने एक पेंसिल उठाई और एक लिखने का पैड अपनी ओर खींच लिया।

तात्याना ने अपनी सिसकियों को छुपाते हुए कहा, 'नहीं, कभी नहीं, तुम मेरे साथ कुछ भी करो। तुम्हें कोई हक नहीं है।'

'यह बकवास बंद करो।' आवाज़ फुफकार जैसी थी। 'पांच मिनट में मैं तुमसे उन नामों के बारे में या जो कुछ भी जानना चाहूँ, जान सकती हूँ। कॉमरेड, तुम मेरे साथ खतरनाक खेल खेल रहे हो। मेरा धैर्य हमेशा नहीं टिकेगा।' रोजा क्लेब रुक गई। वह कुछ ज्यादा ही कठोर हो रही थी। 'फिलहाल हम आगे बढ़ते हैं।'

कल तुम मुझे नाम बता दोगे। इन लोगों को कोई नुकसान नहीं होगा। उनसे तुम्हारे बारे में एक-दो सवाल पूछे जाएंगे – बस कुछ आसान तकनीकी सवाल। अब उठो और अपने आंसू पोंछ लो। हम इस मूर्खता को और बर्दाश्त नहीं कर सकते।

रोजा क्लेब उठी और मेज के चारों ओर आई। वह तातियाना को नीचे देखते हुए खड़ी हो गई। उसकी आवाज़ चिकनी और मधुर हो गई। 'आओ, आओ, मेरी प्यारी। तुम्हें मुझ पर भरोसा करना होगा। तुम्हारे छोटे-छोटे राज़ मेरे पास सुरक्षित हैं। लो, थोड़ी और शैंपेन पी लो और इस छोटी सी अप्रिय बात को भूल जाओ। हमें दोस्त बनना होगा। हमें साथ मिलकर काम करना है। तुम्हें सीखना होगा, मेरी प्यारी तानिया, कि तुम मेरे साथ वैसा ही व्यवहार करो जैसा तुम अपनी माँ के साथ करती हो। लो, इसे पी लो।'

नीचे।'

तात्याना ने अपनी स्कर्ट की कमरबंद से एक रुमाल निकाला और अपनी आँखों को पोंछा। उसने कांपते हाथों से शैंपेन का गिलास उठाया और सिर झुकाकर एक घूंट पिया।

इसे पी जाओ, मेरी प्यारी।

रोजा क्लेब उस लड़की के ऊपर किसी भयानक बत्तख माँ की तरह खड़ी थी, हौसला बढ़ाने के लिए चहचहा रही थी।

तातियाना ने आज्ञाकारी भाव से गिलास खाली कर दिया। उसकी सारी प्रतिरोधक क्षमता खत्म हो

चुकी थी, वह थक चुकी थी, बस इस साक्षात्कार को खत्म करके कहीं दूर जाकर सोना चाहती थी। उसने सोचा, पूछताछ की मेज पर ऐसा होता है, और क्लेब इसी तरह की आवाज़ में बात करता है। खैर, यह तरीका काम कर रहा था। अब वह शांत हो चुकी थी। वह सहयोग करेगी।

रोजा क्लेब बैठ गई। उसने मातृत्व के मुखौटे के पीछे से लड़की को ध्यानपूर्वक देखा।

और अब, मेरी प्यारी, बस एक और अंतरंग सवाल। लड़कियों के बीच जैसा होता है। क्या तुम्हें प्रेम करना अच्छा लगता है?

क्या इससे आपको आनंद मिलता है? बहुत आनंद?

तात्याना ने अपने हाथ फिर से ऊपर उठाए और अपना चेहरा ढक लिया। उनके पीछे से, दबी हुई आवाज़ में, उसने कहा,

जी हां, कॉमरेड कर्नल। स्वाभाविक रूप से, जब कोई प्यार में होता है...' उसकी आवाज धीमी पड़ गई। वह और क्या कह सकती थी? यह महिला क्या जवाब चाहती थी?

और मान लो, मेरी प्रिय, तुम प्रेम में नहीं हो। तो क्या तब भी किसी पुरुष के साथ प्रेम संबंध बनाना तुम्हें आनंद देगा?

तात्याना ने अनिर्णय से अपना सिर हिलाया। उसने अपने चेहरे से हाथ हटाए और सिर झुका लिया। उसके बाल दोनों ओर एक भारी पर्दे की तरह लटक रहे थे। वह सोचने की कोशिश कर रही थी, मददगार बनने की कोशिश कर रही थी, लेकिन वह ऐसी स्थिति की कल्पना भी नहीं कर पा रही थी। उसने सोचा... 'मुझे लगता है कि यह उस आदमी पर निर्भर करेगा, कॉमरेड कर्नल।'

'यह तो बहुत ही समझदारी भरा जवाब है, मेरी प्यारी।' रोजा क्लेब ने मेज का एक दराज खोला। उसने उसमें से एक दस्तावेज़ निकाला (जनरेटेड बाय एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)

उसने तस्वीर खींची और लड़की को दे दी। 'उदाहरण के लिए, इस आदमी के बारे में क्या?'

तात्याना ने तस्वीर को सावधानी से अपनी ओर खींचा, मानो उसमें आग लग जाए। उसने उस सुंदर, निर्मम चेहरे को संशय से देखा। उसने सोचने, कल्पना करने की कोशिश की... 'मैं नहीं कह सकती, कॉमरेड कर्नल। वह सुंदर तो है। शायद अगर वह सौम्य होता...' उसने घबराकर तस्वीर को खुद से दूर धकेल दिया।

नहीं, इसे अपने पास रखो, मेरी प्यारी। इसे अपने बिस्तर के पास रख दो और इस आदमी के बारे में सोचो। तुम्हें अपने नए काम में उसके बारे में और भी जानकारी मिलेगी। और अब,' चौकोर कांच के पीछे चमकती आँखें बोलीं, 'क्या तुम जानना चाहोगी कि तुम्हारा नया काम क्या है? वह काम जिसके लिए तुम्हें रूस की सभी लड़कियों में से चुना गया है?'

'जी हां, बिल्कुल, कॉमरेड कर्नल,' तातियाना ने आज्ञाकारी भाव से उस गंभीर चेहरे की ओर देखा जो अब एक शिकारी कुत्ते की तरह उसकी ओर इशारा कर रहा था।

नम, लचीले होंठ मोहक ढंग से खुल गए। कॉमरेड कॉर्पोरल, आपको जिस कर्तव्य के लिए चुना गया है, वह सरल और आनंददायक है - जैसा कि हम कहते हैं, यह वास्तव में प्रेम का श्रम है। यह प्रेम में पड़ने की बात है। बस इतना ही। और कुछ नहीं। बस इस आदमी से प्यार हो जाना।'

लेकिन वह कौन है? मैं तो उसे जानता भी नहीं।

रोजा क्लेब के मुंह से मुस्कान निकल आई। इससे उस नासमझ लड़की को सोचने के लिए कुछ तो मिलेगा।

वह एक अंग्रेज़ जासूस है।

'बोझी मोई!' तातियाना ने डर के मारे और भगवान का नाम लेने से बचने के लिए अपना हाथ अपने मुंह पर रख लिया। वह सदमे से तनावग्रस्त होकर बैठी रही और थोड़ी नशे में धुत्त आँखों से रोज़ा क्लेब को घूरती रही।

“हां,” रोजा क्लेब ने अपने शब्दों के प्रभाव से प्रसन्न होकर कहा। “वह एक अंग्रेज़ जासूस है। शायद सबसे प्रसिद्ध। और अब से तुम उससे प्यार करने लगोगी। इसलिए बेहतर होगा कि तुम इस बात को स्वीकार कर लो।”

और कोई मूर्खता नहीं, कॉमरेड। हमें गंभीर होना होगा। यह एक महत्वपूर्ण राजकीय मामला है जिसके लिए आपको चुना गया है। इसलिए कृपया कोई बकवास न करें। अब कुछ व्यावहारिक बातों पर आते हैं।' रोजा क्लेब रुक गईं। उन्होंने तीखे स्वर में कहा, 'और अपना हाथ अपने मूर्ख चेहरे से हटाओ। और डरी हुई गाय की तरह दिखना बंद करो। अपनी कुर्सी पर सीधे बैठो और ध्यान दो। वरना तुम्हारे लिए बुरा होगा। समझे?'

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

जी हां, कॉमरेड कर्नल। तातियाना ने झट से अपनी पीठ सीधी की और हाथों को गोद में रखकर बैठ गई, मानो वह सुरक्षा अधिकारी प्रशिक्षण विद्यालय में लौट आई हो। उसका मन उथल-पुथल से भरा था, पर निजी बातों का समय नहीं था। उसकी पूरी ट्रेनिंग ने उसे यही सिखाया था कि यह राज्य के लिए एक अभियान है। अब वह अपने देश के लिए काम कर रही थी। किसी तरह उसे एक महत्वपूर्ण षड्यंत्र के लिए चुना गया था। एमजीबी में एक अधिकारी के रूप में, उसे अपना कर्तव्य निभाना था और उसे बखूबी निभाना था। उसने पूरी पेशेवर एकाग्रता के साथ ध्यान से सुना।

“फिलहाल,” रोजा क्लेब ने अपने औपचारिक लहजे में कहा, “मैं संक्षेप में ही बताऊंगी। आपको बाद में और जानकारी मिलेगी। अगले कुछ हफ्तों तक आपको इस ऑपरेशन के लिए बहुत सावधानीपूर्वक प्रशिक्षित किया जाएगा, ताकि आप हर परिस्थिति में ठीक से समझ सकें कि क्या करना है। आपको कुछ विदेशी रीति-रिवाज सिखाए जाएंगे। आपको सुंदर कपड़े दिए जाएंगे।”

तुम्हें मोहक अदाओं की सारी कलाएँ सिखाई जाएँगी। फिर तुम्हें यूरोप के किसी दूसरे देश में भेजा जाएगा। वहाँ तुम्हारी मुलाकात उस आदमी से होगी। तुम उसे अपने वश में करोगी। इस मामले में

तुम्हें कोई संकोच नहीं करना है। तुम्हारा शरीर राज्य की संपत्ति है। जन्म से ही राज्य ने इसका पालन-पोषण किया है। अब तुम्हारे शरीर को राज्य के लिए काम करना होगा। समझ में आया?

जी हां, कॉमरेड कर्नल। तर्क स्पष्ट था। आप इस आदमी के साथ इंग्लैंड चलेंगे। वहां आपसे पूछताछ जरूर होगी। पूछताछ आसान होगी। अंग्रेज कठोर तरीके नहीं अपनाते।

आप राज्य को खतरे में डाले बिना यथासंभव उत्तर देंगे। हम आपको कुछ ऐसे उत्तर देंगे जो हम चाहते हैं। संभवतः आपको कनाडा भेजा जाएगा। अंग्रेज एक विशेष श्रेणी के विदेशी कैदियों को वहीं भेजते हैं। आपको बचा लिया जाएगा और वापस मॉस्को लाया जाएगा।

रोजा क्लेब ने लड़की को गौर से देखा। वह बिना किसी सवाल के सब कुछ स्वीकार करती हुई प्रतीत हो रही थी। 'देखो, यह अपेक्षाकृत सरल मामला है। क्या इस स्तर पर तुम्हारे कोई प्रश्न हैं?'

'उस आदमी का क्या होगा, कॉमरेड कर्नल?' 'यह हमारे लिए कोई मायने नहीं रखता। हम उसका इस्तेमाल आपको इंग्लैंड में लाने के लिए करेंगे। इस ऑपरेशन का मकसद अंग्रेजों को गलत जानकारी देना है। कॉमरेड, हमें इंग्लैंड में आपके अनुभवों के बारे में जानकर बहुत खुशी होगी। आप जैसी उच्च प्रशिक्षित और बुद्धिमान लड़की की रिपोर्ट राज्य के लिए बहुत मूल्यवान होगी।'

'सच में, कॉमरेड कर्नल!' तातियाना को लगा जैसे वह महत्वपूर्ण है। अचानक सब कुछ रोमांचक लगने लगा। काश वह इसे अच्छे से कर पाती। वह यकीनन अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी। लेकिन अगर वह अंग्रेज़ जासूस को अपने प्यार में नहीं फंसा पाई, तो... उसने फिर से तस्वीर देखी। उसने अपना सिर एक तरफ झुकाया। चेहरा आकर्षक था। ये 'आकर्षण की कलाएँ' क्या थीं जिनके बारे में उस महिला ने बात की थी? ये क्या हो सकती हैं? शायद इनसे मदद मिल जाए।

संतुष्ट होकर रोजा क्लेब मेज से उठ खड़ी हुई। “और अब हम आराम कर सकते हैं, मेरी प्यारी। आज का काम खत्म हो गया है। मैं जाकर सब ठीक कर लेती हूँ और हम साथ में दोस्ताना बातचीत करेंगे। मुझे बस एक पल लगता है। जल्दी खा लो ये चॉकलेट्स, वरना बर्बाद हो जाएँगी।” रोजा क्लेब ने हाथ से एक अस्पष्ट इशारा किया और गायब हो गई। (जनरेटेड बाय एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)

अगले कमरे की ओर एक मग्न निगाह।

तात्याना अपनी कुर्सी पर वापस बैठ गई। तो असल बात यही थी! सच में, सब इतना बुरा नहीं था। कितनी राहत मिली! और चुना जाना कितना बड़ा सम्मान था। इतना डरना कितनी बेवकूफी थी! ज़ाहिर है, राज्य के महान नेता किसी भी निर्दोष नागरिक को नुकसान नहीं होने देंगे, जिसने कड़ी मेहनत की हो और जिसके जीवन पर कोई दाग न हो। अचानक उसे राज्य के प्रति असीम कृतज्ञता का भाव महसूस हुआ, और गर्व हुआ कि अब उसे अपना कुछ कर्ज चुकाने का मौका मिलेगा। यहाँ तक कि क्लेब नाम की महिला भी उतनी बुरी नहीं थी।

तात्याना अभी भी खुशी-खुशी स्थिति का जायजा ले ही रही थी कि शयनकक्ष का दरवाजा खुला और 'क्लेब महिला' अंदर आ गईं। 'मेरी प्यारी, तुम्हें यह कैसा लगा?' कर्नल क्लेब ने अपनी मोटी बाहें खोलीं और एक पुतले की तरह अपने पंजों पर घूमने लगीं। उन्होंने एक हाथ फैलाकर और

दूसरा हाथ कमर पर मोड़कर एक खास मुद्रा बनाई।

तात्याना का मुंह खुला का खुला रह गया था। उसने झट से उसे बंद कर लिया। वह कुछ कहने के लिए सोचने लगी।

स्मर्श की कर्नल क्लेब ने नारंगी रंग के क्रेप डी चाइन कपड़े का अर्ध-पारदर्शी नाइटगाउन पहना हुआ था। इसके निचले चौकोर गले के चारों ओर उसी कपड़े की झालरें थीं और चौड़ी झालरदार आस्तीनों की कलाईयों पर भी झालरें बनी हुई थीं। इसके नीचे दो बड़े गुलाबी साटन के गुलाबों से सजी ब्रा दिखाई दे रही थी। इसके नीचे उन्होंने घुटनों के ऊपर इलास्टिक वाली गुलाबी साटन की पुरानी शैली की निकर्स पहनी हुई थीं। एक गड्ढादार घुटना, पीले नारियल की तरह, नाइटगाउन की आधी खुली तहों के बीच से एक मॉडल की क्लासिक मुद्रा में आगे निकला हुआ दिखाई दे रहा था। पैरों में शुतुरमुर्ग के पंखों के पोमपोम वाली गुलाबी साटन की चप्पलें थीं।

रोजा क्लेब ने अपना चश्मा उतार दिया था और अब उनका बिना मेकअप वाला चेहरा मस्कारा, रूज और लिपस्टिक से भरा हुआ था।

वह दुनिया की सबसे बूढ़ी और बदसूरत वेश्या जैसी दिखती थी।

तात्याना हकलाते हुए बोली, 'यह बहुत सुंदर है।'

“है ना?” महिला चहक उठी। वह कमरे के कोने में रखे एक चौड़े सोफे के पास गई। वह सोफे पर देहाती शैली की भड़कीली टेपेस्ट्री बिछी हुई थी। पीछे, दीवार के सहारे, हल्के रंगों के कुछ मैले-कुचले साटन के कुशन रखे थे।

खुशी की एक हल्की सी चीख के साथ, रोजा क्लेब ने खुद को रेकामियर की नकल करते हुए नीचे गिरा दिया। उसने एक हाथ ऊपर उठाया और गुलाबी रंग के शेड वाले टेबल लैंप को जला दिया, जिसका तना एक नग्न महिला का बना हुआ था। (ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

ललिक ग्लास। उसने अपने बगल में सोफे पर थपथपाया।

'मेरी प्यारी, ऊपर वाली लाइट बंद कर दो। स्विच दरवाजे के पास है। फिर आकर मेरे पास बैठो। हमें एक-दूसरे को बेहतर तरीके से जानना चाहिए।'

तात्याना दरवाजे तक गई। उसने ऊपर की बत्ती बंद कर दी। उसका हाथ दृढ़ता से दरवाजे के हैंडल पर गया। उसने उसे घुमाया, दरवाजा खोला और शांत भाव से गलियारे में कदम रखा। अचानक उसका हौसला पस्त हो गया। उसने दरवाजा जोर से बंद किया और दौड़ते हुए अपने कानों पर हाथ रख लिए, मानो कोई चीख सुनाई न दे रही हो।

अध्याय दस

फ्यूज जल रहा है

अगले दिन की सुबह थी।

कर्नल क्लेब एसएमईआरएसएच के भूमिगत तहखाने में स्थित अपने विशाल कार्यालय में अपनी डेस्क पर बैठी थीं। यह कार्यालय से ज़्यादा एक ऑपरेशन रूम जैसा था। एक दीवार पूरी तरह से पश्चिमी गोलार्ध के नक्शे से ढकी हुई थी। सामने वाली दीवार पूर्वी गोलार्ध के नक्शे से आच्छादित थी। उनकी डेस्क के पीछे और उनके बाएं हाथ की पहुँच में, एक टेलीक्रिप्टन समय-समय पर स्पष्ट संकेत भेजता था, जो इमारत की छत पर लगे ऊंचे रेडियो मास्ट के नीचे स्थित सिफर विभाग की एक अन्य मशीन की नकल करता था। कर्नल क्लेब जब भी सोचतीं, टेप की लंबी होती पट्टी को फाड़कर संकेतों को पढ़ती थीं। यह एक औपचारिकता थी। अगर कोई महत्वपूर्ण घटना होती, तो उनका टेलीफोन बज उठता। दुनिया भर में एसएमईआरएसएच के हर एजेंट को इसी कमरे से नियंत्रित किया जाता था, और यह एक सतर्क और सख्त नियंत्रण था।

उसका भारी चेहरा उदास और मुरझाया हुआ लग रहा था। आंखों के नीचे की झुर्रीदार त्वचा में सूजन आ गई थी और आंखों के सफेद हिस्से में लाल नसें उभरी हुई थीं।

उसके बगल में रखे तीन टेलीफोनों में से एक से हल्की सी आवाज़ आई। उसने रिसीवर उठाया। 'उसे अंदर भेजो।'

वह क्रोनस्टीन की ओर मुड़ी, जो अफ्रीका के पैर के अंगूठे के नीचे, बाईं दीवार से सटी एक कुर्सी पर बैठा था और सोच-समझकर एक खुली हुई पेपर क्लिप से अपने दांतों में फंसी हुई गंदगी को साफ कर रहा था। 'ग्रैनित्स्की।'

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

क्रोनस्टीन ने धीरे से अपना सिर घुमाया और दरवाजे की ओर देखा। रेड ग्रांट अंदर आया और धीरे से दरवाजा बंद कर दिया। वह डेस्क के पास गया और आज्ञाकारी भाव से, लगभग भूखी निगाहों से, अपने कमांडिंग ऑफिसर की आँखों में देखता हुआ खड़ा हो गया। क्रोनस्टीन को लगा कि वह एक ताकतवर मास्टिफ़ कुत्ते जैसा लग रहा है, जो भोजन की प्रतीक्षा कर रहा हो।

रोजा क्लेब ने उसे ठंडे स्वरों से देखा। 'क्या तुम काम के लिए स्वस्थ और तैयार हो?'

जी हां, कॉमरेड कर्नल।

चलो तुम्हें देखते हैं। अपने कपड़े उतारो।

रेड ग्रांट ने कोई हैरानी नहीं दिखाई। उसने अपना कोट उतारा और उसे रखने के लिए इधर-उधर देखने के बाद ज़मीन पर गिरा दिया। फिर, बिना किसी झिझक के, उसने अपने बाकी कपड़े उतार दिए और जूते भी उतार दिए। सुनहरे बालों वाला उसका विशाल लाल-भूरा शरीर उस नीरस कमरे

में चमक उठा। ग्रांट आराम से खड़ा था, उसके हाथ बगल में ढीले-ढाले रखे थे और एक घुटना थोड़ा आगे की ओर झुका हुआ था, मानो वह किसी कला कक्षा के लिए पोज़ दे रहा हो।

रोजा क्लेब खड़ी हुई और मेज के चारों ओर घूमी। उसने शरीर का बारीकी से निरीक्षण किया, कभी इधर टटोला, कभी उधर महसूस किया, मानो वह घोड़ा खरीद रही हो। वह उस आदमी के पीछे गई और अपना सूक्ष्म निरीक्षण जारी रखा।

उसके सामने वापस आने से पहले, क्रोनस्टीन ने देखा कि उसने अपनी जैकेट की जेब से कुछ निकाला और उसे अपने हाथ में रख लिया। उसमें धातु की एक हल्की सी चमक थी।

वह महिला घूमकर आई और उस आदमी के चमकते हुए पेट के पास खड़ी हो गई, उसका दाहिना हाथ उसकी पीठ के पीछे था। उसने उसकी आँखों में आँखें डालकर देखा।

अचानक, अत्यधिक गति से और अपने पूरे कंधे के वजन के साथ, उसने अपने दाहिने मुक्के को, जिसमें पीतल का भारी मुक्का लगा हुआ था, घुमाकर ठीक उस आदमी के पेट के निचले हिस्से पर मारा।

व्हक!

ग्रांट ने हैरानी और दर्द से कराहते हुए एक गहरी साँस ली। उसके घुटने थोड़े लड़खड़ाए, फिर सीधे हो गए। एक पल के लिए पीड़ा से आँखें कसकर बंद हो गईं। फिर वे दोबारा खुलीं और ठंडी पीली, चुभती हुई रोशनी में लाल आँखों से घूरने लगीं। (जनरेटेड बाय ABC Amber LIT कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)

चौकोर चश्मे के पीछे छिपी आंखें। छाती की हड्डी के ठीक नीचे की त्वचा पर गुस्से की लाली के अलावा, ग्रांट पर उस चोट का कोई बुरा असर नहीं दिख रहा था, जिससे कोई भी सामान्य आदमी दर्द से कराह कर जमीन पर गिर जाता।

रोजा क्लेब ने उदास मुस्कान दी। उसने नक़ल-डस्टर को वापस अपनी जेब में रखा और अपने डेस्क की ओर चलकर बैठ गई। उसने थोड़ी सी गर्व भरी नज़र से क्रोनस्टीन की ओर देखा। 'कम से कम वह इतना फिट तो है,' उसने कहा।

क्रोनस्टीन ने घुरघुराहट की आवाज निकाली।

नग्न व्यक्ति ने धूर्ततापूर्ण संतुष्टि भरी मुस्कान बिखेरी। उसने एक हाथ ऊपर उठाया और अपने पेट को रगड़ा।

रोजा क्लेब अपनी कुर्सी पर पीछे झुककर बैठ गईं और ध्यान से उन्हें देखने लगीं। अंत में उन्होंने कहा, 'कॉमरेड ग्रैनिट्स्की, आपके लिए एक काम है। एक महत्वपूर्ण कार्य। आपने अब तक जितने भी प्रयास किए हैं, उनसे कहीं अधिक महत्वपूर्ण। यह एक ऐसा कार्य है जिसके लिए आपको पदक मिलेगा'—ग्रांट की आँखें चमक उठीं—'क्योंकि लक्ष्य कठिन और खतरनाक है। आप एक विदेशी देश में होंगे, और अकेले। क्या यह बात स्पष्ट है?'

जी हां, कॉमरेड कर्नल। ग्रांट उत्साहित हो गए। यह एक बड़ा कदम आगे बढ़ाने का मौका था। पदक क्या होगा? लेनिन ऑर्डर? उन्होंने ध्यान से सुना।

'लक्ष्य एक अंग्रेज़ जासूस है। क्या आप एक अंग्रेज़ जासूस को मारना चाहेंगे?'

“जी हां, बिल्कुल, कॉमरेड कर्नल।” ग्रांट का उत्साह सच्चा था। उसे एक अंग्रेज को मारने से बेहतर और कुछ नहीं चाहिए था। उसे उन कमीनों से हिसाब चुकता करना था।

‘तुम्हें कई हफ़्तों की ट्रेनिंग और तैयारी की ज़रूरत होगी। इस असाइनमेंट पर तुम एक अंग्रेज़ एजेंट बनकर काम करोगे। तुम्हारा व्यवहार और पहनावा असभ्य है। तुम्हें कम से कम कुछ तरकीबें सीखनी होंगी,’ एक धूर्त व्यक्ति की आवाज़ ने व्यंग्य करते हुए कहा। ‘तुम्हें यहाँ मौजूद एक अंग्रेज़ के हवाले किया जाएगा। लंदन में विदेश कार्यालय का एक पूर्व धूर्त व्यक्ति। उसका काम तुम्हें किसी अंग्रेज़ जासूस के रूप में पेश करना होगा। वे कई तरह के लोगों को काम पर रखते हैं। यह मुश्किल नहीं होना चाहिए। और तुम्हें कई और चीज़ें सीखनी होंगी। ऑपरेशन अगस्त के अंत में होगा, लेकिन तुम्हारी ट्रेनिंग तुरंत शुरू हो जाएगी। बहुत कुछ करना है। अपने कपड़े पहनो और ए.डी.सी. को रिपोर्ट करो। समझे?’

जी हां, कॉमरेड कर्नल। ग्रांट जानता था कि कोई सवाल नहीं पूछना है। वह बेपरवाही से अपने कपड़े पहनने लगा। (ABC Amber LIT Converter द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

उस महिला की निगाहें उस पर टिकी थीं, और वह अपनी जैकेट के बटन बंद करते हुए दरवाजे की ओर चल पड़ा। फिर वह मुड़ा और बोला, 'धन्यवाद, कॉमरेड कर्नल।'

रोजा क्लेब साक्षात्कार की अपनी टिप्पणी लिख रही थी। उसने न तो कोई जवाब दिया और न ही ऊपर देखा, और ग्रांट बाहर चला गया और धीरे से दरवाजा बंद कर दिया। महिला ने अपना पेन नीचे फेंक दिया और वापस बैठ गई।

और अब, कॉमरेड क्रोनस्टीन। क्या पूरी प्रक्रिया शुरू करने से पहले कुछ बिंदुओं पर चर्चा करनी है? मैं यह बताना चाहूंगा कि प्रेसीडियम ने लक्ष्य को मंजूरी दे दी है और मृत्यु वारंट की पुष्टि कर दी है। मैंने आपकी योजना की मुख्य बातें कॉमरेड जनरल ग्रुबोज़ाबोयश्चिकोव को बता दी हैं। वे इससे सहमत हैं।

इसके विस्तृत क्रियान्वयन की पूरी जिम्मेदारी मेरे हाथों में है। योजना और संचालन के लिए संयुक्त स्टाफ का चयन हो चुका है और वे काम शुरू करने के लिए तैयार हैं। क्या आपके पास कोई अंतिम विचार हैं, कॉमरेड?

क्रोनस्टीन छत की ओर देखते हुए बैठे थे, उनकी उंगलियों के सिरे उनके सामने जुड़े हुए थे। महिला की आवाज़ में मौजूद तिरस्कारपूर्ण लहजे पर उन्हें कोई ध्यान नहीं था। एकाग्रता की धड़कन उनके कनपटी पर महसूस हो रही थी।

'यह ग्रैनिट्स्की नाम का आदमी। क्या वह भरोसेमंद है? क्या आप उस पर किसी विदेशी देश में भरोसा कर सकते हैं? क्या वह निजी तौर पर काम नहीं करेगा?'

लगभग दस वर्षों से उसकी परीक्षा ली जा रही है। उसे भागने के कई मौके मिले। उस पर हर समय नज़र रखी गई है कि कहीं वह भागने की कोशिश तो नहीं कर रहा। कभी भी शक की कोई गुंजाइश नहीं रही। वह एक नशेड़ी की तरह है। वह सोवियत संघ को उसी तरह नहीं छोड़ेगा जैसे कोई नशाखोर अपने कोकीन के स्रोत को नहीं छोड़ता। वह मेरा सबसे बड़ा जल्लाद है। उससे बेहतर कोई नहीं है।

और ये लड़की, रोमानोवा। क्या वो संतोषजनक थी?

महिला ने अनिच्छा से कहा, "वह बहुत सुंदर है। वह हमारे उद्देश्य को पूरा करेगी। वह कुंवारी नहीं है, लेकिन संकोची और यौन रूप से अनभिज्ञ है। उसे प्रशिक्षण दिया जाएगा। उसकी अंग्रेजी उत्कृष्ट है। मैंने उसे उसके कार्य और उसके उद्देश्य का एक निश्चित विवरण दे दिया है। वह सहयोगात्मक है। यदि वह हिचकिचाती है, तो मेरे पास कुछ रिश्तेदारों के पते हैं, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। मेरे पास उसके पूर्व प्रेमियों के नाम भी होंगे। यदि आवश्यक हुआ, तो उसे समझाया जाएगा कि जब तक उसका कार्य पूरा नहीं हो जाता, ये लोग बंधक रहेंगे। उसका स्वभाव स्नेही है। इतना संकेत ही काफी होगा। लेकिन मुझे उससे किसी प्रकार की परेशानी की आशंका नहीं है।"

'रोमानोवा। यह एक बुइवशी का नाम है—पूर्व के लोगों में से एक का। ऐसे नाजुक काम के लिए रोमानोव नाम का इस्तेमाल करना अजीब लगता है।'

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

उसके दादा-दादी शाही परिवार से दूर के रिश्तेदार थे। लेकिन वह बुइवशी मंडलों में ज्यादा नहीं जाती। वैसे भी, हमारे सभी दादा-दादी पूर्वज थे। इसके बारे में कुछ नहीं किया जा सकता।

"हमारे दादा-दादी का नाम रोमानोव नहीं था," क्रोनस्टीन ने रूखेपन से कहा।

“लेकिन जब तक आप संतुष्ट हैं।” उन्होंने एक पल सोचा। “और यह आदमी बॉन्ड। क्या हमने उसके ठिकाने का पता लगा लिया है?”

जी हां। एमजीबी इंग्लिश नेटवर्क के अनुसार वह लंदन में है। दिन के समय वह अपने मुख्यालय जाता है।

रात में वह लंदन के चेल्सी नामक इलाके में स्थित अपने फ्लैट में सोता है।

यह अच्छी बात है। उम्मीद है कि वह अगले कुछ हफ्तों तक वहीं रहेगा। इसका मतलब यह होगा कि वह किसी ऑपरेशन में व्यस्त नहीं है। जब उन्हें हमारी चाल का पता चलेगा, तो वह हमारे चारे का पीछा करने के लिए उपलब्ध रहेगा। इस बीच,'

क्रोनस्टीन की गहरी, गंभीर आँखें छत के एक खास बिंदु को निहारती रहीं। "मैं विदेशों में केंद्रों की उपयुक्तता का अध्ययन कर रहा हूँ। मैंने पहले संपर्क के लिए इस्तांबुल को चुना है। वहाँ हमारा अच्छा तंत्र है। गुप्त सेवा का वहाँ एक छोटा सा स्टेशन है। स्टेशन के प्रमुख के बारे में कहा जाता

है कि वह एक अच्छा आदमी है। उसे खत्म कर दिया जाएगा। यह केंद्र हमारे लिए सुविधाजनक स्थान पर है, बुल्गारिया और काला सागर से इसकी संचार लाइनें छोटी हैं। यह लंदन से अपेक्षाकृत दूर है। मैं हत्या के स्थान और उस बॉन्ड को वहाँ पहुँचाने के साधनों का विवरण तैयार कर रहा हूँ, लड़की से संपर्क करने के बाद। यह या तो फ्रांस में होगा या उसके बहुत पास। फ्रांसीसी प्रेस पर हमारा अच्छा प्रभाव है। वे इस तरह की कहानी का पूरा फायदा उठाएंगे, जिसमें यौन और जासूसी के सनसनीखेज खुलासे हैं। यह भी तय करना बाकी है कि ग्रैनिट्स्की कब तस्वीर में आएगा। ये छोटी-मोटी बातें हैं। हमें कैमरामैन और अन्य एजेंटों को चुनना होगा और उन्हें चुपचाप इस्तांबुल ले जाना होगा। वहाँ हमारे तंत्र की कोई भीड़भाड़ नहीं होनी चाहिए, कोई जाम नहीं होना चाहिए, कोई असामान्य गतिविधि नहीं होनी चाहिए।" हम सभी विभागों को चेतावनी देंगे कि ऑपरेशन से पहले और ऑपरेशन के दौरान तुर्की के साथ वायरलेस संचार पूरी तरह से सामान्य रखा जाए। हम नहीं चाहते कि ब्रिटिश इंटरसेप्टर्स को कुछ भी गड़बड़ लगे। सिफर विभाग इस बात पर सहमत हो गया है कि स्पेक्टर मशीन का बाहरी आवरण सौंपने पर सुरक्षा संबंधी कोई आपत्ति नहीं है। यह आकर्षक होगा। मशीन को विशेष उपकरण अनुभाग में भेजा जाएगा। वे इसकी तैयारी का काम संभालेंगे।

क्रोनस्टीन ने बोलना बंद कर दिया। उनकी निगाहें धीरे-धीरे छत से नीचे आईं। वे सोच-विचार करते हुए खड़े हो गए।

उसने सामने देखा और उस महिला की चौकस, गंभीर आँखों में देखा।

कॉमरेड, इस समय मेरे दिमाग में और कुछ नहीं आ रहा है,' उन्होंने कहा। 'कई छोटी-छोटी बातें सामने आएंगी और उन्हें दिन-प्रतिदिन सुलझाना होगा। लेकिन मुझे लगता है कि ऑपरेशन सुरक्षित रूप से शुरू किया जा सकता है।'

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

मैं सहमत हूँ, कॉमरेड। अब मामला आगे बढ़ सकता है। मैं आवश्यक निर्देश जारी करूँगा।' कठोर, अधिकारपूर्ण आवाज़ नरम पड़ गई। 'आपके सहयोग के लिए आभारी हूँ।'

क्रोनस्टीन ने सहमति में अपना सिर एक इंच झुकाया। वह मुड़े और धीरे से कमरे से बाहर चले गए।

सन्नाटे में, टेलीक्रिप्टन ने एक चेतावनी भरी आवाज़ निकाली और अपनी यांत्रिक खड़खड़ाहट शुरू कर दी। रोज़ा क्लेब अपनी कुर्सी पर हिली और एक टेलीफ़ोन की ओर बढ़ी। उसने एक नंबर डायल किया।

'ऑपरेशन रूम,' एक आदमी की आवाज सुनाई दी।

रोजा क्लेब की पीली आँखें, कमरे में चारों ओर टकटकी लगाए हुए, दीवार पर लगे नक्शे पर इंग्लैंड की गुलाबी आकृति पर टिक गईं। उसके गीले होंठ खुल गए।

'कर्नल क्लेब बोल रहे हैं। अंग्रेज़ जासूस बॉन्ड के खिलाफ साजिश। ऑपरेशन तुरंत शुरू होगा।'

भाग दो

फांसी

अध्याय ग्यारह

कोमल जीवन

जीवन की कोमल भुजाओं ने बॉन्ड की गर्दन जकड़ रखी थी और वे धीरे-धीरे उसका गला घोंट रही थीं। वह एक योद्धा था और जब लंबे समय तक युद्ध नहीं हुआ, तो उसका मनोबल गिरने लगा।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

उनके व्यवसाय में लगभग एक वर्ष से शांति का माहौल था। और यही शांति उन्हें मार रही थी।

गुरुवार, 12 अगस्त की सुबह 7:30 बजे, बॉन्ड किंग्स रोड के पास चिनार के पेड़ों से घिरे चौक में स्थित अपने आरामदायक फ्लैट में जागा और यह देखकर बेहद निराश हुआ कि आने वाला दिन उसके लिए पूरी तरह से उबाऊ था। जिस प्रकार, कम से कम एक धर्म में, असाध्यता को प्रमुख पापों में से पहला माना जाता है, उसी प्रकार ऊब, और विशेष रूप से ऊब के साथ जागने की अविश्वसनीय स्थिति, बॉन्ड के लिए एकमात्र ऐसा अवगुण था जिसकी वह घोर निंदा करता था।

बॉन्ड ने हाथ बढ़ाकर घंटी को दो बार बजाया, जिससे उसकी प्रिय स्कॉटिश नौकरानी मे को यह संकेत मिला कि वह नाश्ते के लिए तैयार है। फिर उसने अचानक अपने नंगे शरीर से चादर हटा दी और अपने पैर ज़मीन पर पटक दिए।

ऊब से निपटने का एक ही तरीका था - खुद को उससे बाहर निकालना। बॉन्ड अपने हाथों के बल नीचे बैठ गया और बीस धीमी गति से पुश-अप्स किए, हर पुश-अप पर थोड़ा रुका रहा ताकि उसकी मांसपेशियों को आराम न मिले। जब उसकी बाहों में असहनीय दर्द होने लगा, तो वह पीठ के बल लेट गया और अपने हाथों को बगल में रखकर, सीधे पैर ऊपर उठाने का अभ्यास तब तक किया जब तक कि उसके पेट की मांसपेशियां दर्द से चीख न उठें। वह खड़ा हुआ और बीस बार अपने पैर की उंगलियों को छूने के बाद, उसने बांहों और छाती के व्यायाम के साथ-साथ गहरी सांसें लेना शुरू कर दिया, जब तक कि उसे चक्कर न आने लगे। परिश्रम से हांफते हुए, वह बड़े सफेद टाइलों वाले बाथरूम में गया और कांच के शॉवर कैबिनेट में बहुत गर्म और फिर ठंडे पानी के नीचे पांच मिनट तक खड़ा रहा।

अंततः, दाढ़ी बनाने और बिना आस्तीन वाली गहरे नीले रंग की सी आइलैंड कॉटन शर्ट और नेवी ब्लू ट्रॉपिकल वूलन ट्राउजर पहनने के बाद, उसने अपने नंगे पैरों में काले चमड़े के सैंडल पहने और शयनकक्ष से होते हुए लंबी, बड़ी खिड़कियों वाले बैठक कक्ष में चला गया, इस संतुष्टि के साथ कि उसने कम से कम कुछ समय के लिए अपने शरीर से ऊब को पसीने के जरिए बाहर निकाल दिया था।

मे, लोहे जैसे भूरे बालों और एक सुंदर भावहीन चेहरे वाली एक बुजुर्ग स्कॉटिश महिला, ट्रे लेकर अंदर आई और उसे खिड़की के पास वाली मेज पर द टाइम्स अखबार के साथ रख दिया, जो

बॉन्ड द्वारा पढ़ा जाने वाला एकमात्र अखबार था।

बॉन्ड ने उन्हें सुप्रभात कहा और नाश्ता करने बैठ गए।

सुप्रभात। (बॉन्ड के लिए, मे की एक मनमोहक विशेषता यह थी कि वह किसी भी पुरुष को 'सर' कहकर संबोधित नहीं करती थी।)

सिवाय—बॉन्ड ने सालों पहले इस बारे में उसे चिढ़ाया था—अंग्रेज़ी राजाओं और विंस्टन चर्चिल के। असाधारण सम्मान के प्रतीक के रूप में, वह बॉन्ड के शब्दों के अंत में कभी-कभार 'स' का हल्का सा संकेत देती थी। बॉन्ड जब अपना अखबार मोड़कर बीच का समाचार पृष्ठ खोल रहा था, तब वह मेज के पास खड़ी थी।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

'वो आदमी कल रात फिर टेलीविजन के सिलसिले में यहाँ आया था।'

'वह कौन आदमी था?' बॉन्ड ने सुर्खियों पर नजर डाली।

वो आदमी तो हमेशा आता रहता है। जून से अब तक छह बार आकर मुझे परेशान कर चुका है। पहली बार जब मैंने उसे उस पापपूर्ण चीज़ के बारे में बताया था, उसके बाद तो लगता ही होगा कि वो हमें उसे बेचने की कोशिश करना छोड़ देगा। वो भी किश्तों में, अगर आप चाहें तो!

'ये सेल्समैन तो बड़े जिद्दी हैं।' बॉन्ड ने अपना अखबार नीचे रखा और कॉफी पॉट की ओर हाथ बढ़ाया।

मैंने कल रात उसे खूब खरी-खोटी सुनाई। लोगों को उनके खाने के समय परेशान कर रहा था। मैंने उससे पूछा कि क्या उसके पास कोई कागजात हैं—कुछ भी जिससे पता चले कि वह कौन है।

मुझे लगता है कि इससे उसकी समस्या हल हो गई होगी।' बॉन्ड ने अपने बड़े कप को काली कॉफी से पूरा भर लिया।

बिलकुल नहीं। उसने अपना यूनियन कार्ड लहराया। कहा कि उसे अपनी रोजी-रोटी कमाने का पूरा अधिकार है। वो भी इलेक्ट्रिशियन यूनियन का सदस्य। वही तो कम्युनिस्ट यूनियन है, है ना?

“हाँ, सही कहा,” बॉन्ड ने अस्पष्ट स्वर में कहा। उसका दिमाग तेज़ी से सोचने लगा। क्या ऐसा हो सकता है कि वे उस पर नज़र रख रहे हों? उसने कॉफ़ी का एक घूंट लिया और कप नीचे रख दिया। “उस आदमी ने क्या कहा था, मे?” उसने अपनी आवाज़ को भावहीन रखते हुए, लेकिन उसकी ओर देखते हुए पूछा।

उसने कहा कि वह खाली समय में कमीशन पर टेलीविज़न सेट बेचता है। और क्या हमें वाकई एक नहीं चाहिए? उसका कहना है कि हम इस इलाके के उन गिने-चुने लोगों में से हैं जिनके पास टीवी नहीं है। मुझे लगता है कि उसने देखा होगा कि घर पर वो एंटीना नहीं लगा है। वो हमेशा

पूछता रहता है कि क्या आप घर पर हैं ताकि वो इस बारे में आपसे बात कर सके। उसकी बेशर्मी तो देखो! मुझे हैरानी है कि उसने आपको घर आते-जाते पकड़ने की कोशिश क्यों नहीं की।

वह हमेशा मुझसे पूछता रहता है कि क्या मैं तुम्हारे घर आने की उम्मीद कर रही हूँ। स्वाभाविक रूप से, मैं उसे तुम्हारे आने-जाने के बारे में कुछ नहीं बताती।

अगर वह इतना जिद्दी न होता तो वह एक सम्मानित, शांत स्वभाव का व्यक्ति होता।

बॉन्ड ने सोचा, हो सकता है। मालिक घर पर है या बाहर, यह जानने के कई तरीके हैं। नौकर का हावभाव और प्रतिक्रियाएँ—खुले दरवाजे से एक नज़र। खैर, आप अपना समय बर्बाद कर रहे हैं। (ABC Amber LIT Converter द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

अगर फ्लैट खाली होता, तो यही आम प्रतिक्रिया होती कि 'वह बाहर गया हुआ है।' क्या उसे सुरक्षा विभाग को बताना चाहिए? बॉन्ड ने चिड़चिड़ाते हुए कंधे उचका दिए। छोड़ो भी। शायद इसमें कुछ भी नहीं था। उन्हें उसमें दिलचस्पी क्यों होगी? और अगर कुछ था भी, तो सुरक्षा विभाग उसे फ्लैट बदलने के लिए मजबूर कर सकता था।

मुझे लगता है कि इस बार तुमने उसे डराकर भगा दिया होगा।' बॉन्ड ने मे की ओर मुस्कुराते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि तुमने उसके बारे में आखिरी बार सुना होगा।'

"जी हां," मे ने संशय से कहा। खैर, उसने अपने आदेश का पालन करते हुए उसे बताया था कि अगर उसे कोई भी इधर-उधर घूमता हुआ दिखे तो उसे सूचित करे। अगस्त की भीषण गर्मी में भी वह जो पुराने जमाने की काली वर्दी पहने रहती थी, उसे फुसफुसाते हुए वह वहां से चली गई।

बॉन्ड अपना नाश्ता करने वापस लौट गया। आम तौर पर ऐसी छोटी-छोटी बातें ही उसके मन में एक अनसुलझी सी हलचल पैदा कर देती थीं, और आम दिनों में तो वह तब तक चैन से नहीं बैठता था जब तक कि वह कम्युनिस्ट यूनियन के उस आदमी की समस्या का हल न निकाल लेता जो बार-बार घर आता रहता था। लेकिन अब, महीनों की निष्क्रियता और निष्क्रियता के कारण, तलवार म्यान में जंग खा चुकी थी और बॉन्ड का मानसिक संतुलन बिगड़ चुका था।

बॉन्ड का सबसे पसंदीदा नाश्ता था। जब वह लंदन में तैनात थे, तब उनका नाश्ता हमेशा एक जैसा ही होता था। इसमें न्यू ऑक्सफोर्ड स्ट्रीट स्थित डी ब्राय की बहुत कड़क कॉफी होती थी, जिसे वह एक अमेरिकी केमेक्स में बनाते थे और दो बड़े कप बिना चीनी के पीते थे। एक अंडा, ऊपर सोने की अंगूठी वाले गहरे नीले अंडे के कप में, तीन मिनट और एक तिहाई मिनट तक उबाला जाता था।

यह मे के किसी दोस्त के पास मौजूद फ्रेंच मारन्स मुर्गियों का एक बहुत ही ताजा, चित्तीदार भूरा अंडा था। (बॉन्ड को सफेद अंडे पसंद नहीं थे और छोटी-छोटी चीजों में सनकी होने के कारण, उन्हें यह मानना मजेदार लगता था कि एक परफेक्ट उबला अंडा भी होता है।) फिर गेहूं के टोस्ट के दो मोटे स्लाइस, गहरे पीले रंग का जर्सी बटर का एक बड़ा टुकड़ा और टिप्ट्रे लिटिल स्कारलेट से भरे तीन छोटे कांच के जार थे।

स्ट्रॉबेरी जैम; कूपर्स विंटेज ऑक्सफोर्ड मार्मलेड और फोर्टनम का नॉर्वेजियन हीदर हनी।

कॉफी पॉट और ट्रे पर रखी चांदी की प्लेटें क्वीन ऐनी ब्रांड की थीं, और चीनी मिट्टी के बर्तन मिंटन ब्रांड के थे, जिनका रंग अंडे के कप के समान ही गहरा नीला, सुनहरा और सफेद था।

उस सुबह, जब बॉन्ड शहद के साथ अपना नाश्ता खत्म कर रहा था, तो उसे अपनी सुस्ती और उदासी का तात्कालिक कारण समझ में आ गया। सबसे पहले, टिफ़नी केस, जिसके साथ उसने कई खुशहाल महीने बिताए थे, उसे छोड़कर चली गई थी और कुछ हफ़्तों तक एक होटल में रहकर दर्द झेलने के बाद जुलाई के अंत में अमेरिका के लिए रवाना हो गई थी। वह उसे बहुत याद कर रहा था और उसका ख्याल अब भी उसके मन से नहीं निकल पा रहा था। अगस्त का महीना था और लंदन में गर्मी और उमस थी। उसे छुट्टी मिलनी थी, लेकिन अकेले जाने या टिफ़नी की जगह किसी और को साथ ले जाने की हिम्मत या इच्छा उसमें नहीं थी। इसलिए वह सीक्रेट सर्विस के आधे खाली मुख्यालय में ही रुका रहा और पुराने कामों में लगा रहा, अपनी सेक्रेटरी पर गुस्सा करता रहा और अपने साथियों को कोसता रहा।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

नीचे वाले तल पर बैठे उस चिड़चिड़े और पिंजरे में बंद शेर से आखिरकार एम भी तंग आ गया था, और इसी सप्ताह के सोमवार को उसने बॉन्ड को एक कड़ा पत्र भेजकर उसे पेमास्टर कैप्टन टूप के अधीन एक जांच समिति में नियुक्त कर दिया। पत्र में लिखा था कि अब समय आ गया है कि बॉन्ड, सेवा में एक वरिष्ठ अधिकारी होने के नाते, प्रमुख प्रशासनिक समस्याओं में हस्तक्षेप करे। वैसे भी, कोई और उपलब्ध नहीं था। मुख्यालय में कर्मचारियों की कमी थी और 00 सेक्शन में सन्नाटा छाया हुआ था। बॉन्ड को उसी दोपहर 2:30 बजे कमरा नंबर 412 में रिपोर्ट करना था।

बॉन्ड ने दिन की अपनी पहली सिगरेट जलाते हुए सोचा, "टूप ही वह व्यक्ति था जो उसकी असंतुष्टि का सबसे बड़ा और तात्कालिक कारण था।"

हर बड़े व्यवसाय में एक ऐसा व्यक्ति होता है जो कार्यालय का तानाशाह और आतंक फैलाने वाला होता है और जिसे सभी कर्मचारी नापसंद करते हैं। यह व्यक्ति कार्यालय की आम नफरतों और आशंकाओं को एक तरह से प्रकाशमान करके अनजाने में ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वास्तव में, वह उन्हें एक साझा लक्ष्य प्रदान करके उनके विघटनकारी प्रभाव को कम कर देता है। यह व्यक्ति आमतौर पर महाप्रबंधक या प्रशासनिक प्रमुख होता है। वह वह अपरिहार्य व्यक्ति होता है जो छोटी-छोटी बातों पर नजर रखता है - नकद खर्च, हीटिंग और बिजली, शौचालयों में तौलिए और साबुन, स्टेशनरी, कैंटीन, छुट्टियों का रोस्टर, कर्मचारियों की समयबद्धता। कार्यालय के आराम और सुविधाओं पर उसका वास्तविक प्रभाव होता है और उसका अधिकार संगठन के कर्मचारियों की निजता और व्यक्तिगत आदतों तक फैला होता है। ऐसी नौकरी पाने और उसके लिए आवश्यक योग्यता रखने के लिए, उस व्यक्ति में ठीक वही गुण होने चाहिए जो दूसरों को परेशान और विचलित करते हैं। उसे एक सख्त अनुशासक होना चाहिए और दूसरों की राय की परवाह नहीं करनी चाहिए। उसे थोड़ा तानाशाह होना चाहिए। सभी सुचारू रूप से चलने वाले व्यवसायों में ऐसा एक व्यक्ति होता है। सीक्रेट सर्विस में, वह पेमास्टर कैप्टन टूप, आर.एन. हैं।

सेवानिवृत्त, प्रशासनिक प्रमुख, जिनका काम, उनके अपने शब्दों में, 'जगह को सुव्यवस्थित और ब्रिस्टल के फैशन के अनुरूप रखना' है।

यह अपरिहार्य था कि कैप्टन ट्रूप के कर्तव्यों के कारण उनका संगठन के अधिकांश सदस्यों के साथ टकराव होगा, लेकिन यह विशेष रूप से दुर्भाग्यपूर्ण था कि एम इस विशेष समिति के अध्यक्ष के रूप में ट्रूप के अलावा किसी और को नहीं चुन सका।

यह उन जांच समितियों में से एक और थी जो बर्गेस और मैक्लीन मामले की पेचीदगियों और उससे सीखे जा सकने वाले सबकों से निपट रही थीं। एम ने इस समिति की कल्पना की थी, उस मामले पर अपनी फाइल बंद करने के पांच साल बाद, विशुद्ध रूप से सुरक्षा सेवाओं की प्रिवी काउंसिल जांच को खुश करने के लिए, जिसका आदेश प्रधानमंत्री ने 1955 में दिया था।

बॉन्ड और ट्रूप के बीच गुप्त सेवा में बुद्धिजीवियों की नियुक्ति को लेकर एक निरर्थक विवाद छिड़ गया।

विचित्रता से, और यह जानते हुए कि इससे नाराज़गी होगी, बॉन्ड ने यह प्रस्ताव रखा था कि, यदि एम.आई.5 और एबीसी एम्बर एलआईटी कनवर्टर द्वारा उत्पन्न, http://www.processtext.com/abclit.html

अगर गुप्त सेवा को परमाणु युग के 'बुद्धिमान जासूस' से गंभीरता से निपटना था, तो उन्हें उनका मुकाबला करने के लिए कुछ बुद्धिजीवियों को नियुक्त करना ही पड़ता। बॉन्ड ने कहा था, 'भारतीय सेना के सेवानिवृत्त अधिकारी बर्गेस या मैक्लीन की सोच को समझ ही नहीं सकते। उन्हें तो यह भी नहीं पता होगा कि ऐसे लोग मौजूद हैं - उनके गुटों में जाना और उनके दोस्तों और उनके रहस्यों को जानना तो दूर की बात है। एक बार बर्गेस और मैक्लीन रूस चले गए, तो उनसे दोबारा संपर्क करने का और शायद जब वे रूस से ऊब जाएं, तो उन्हें रूसियों के खिलाफ दोहरे एजेंट बनाने का एकमात्र तरीका यही होता कि उनके सबसे करीबी दोस्तों को मॉस्को, प्राग और बुडापेस्ट भेजा जाए और उन्हें आदेश दिया जाए कि वे तब तक इंतजार करें जब तक कि उनमें से कोई एक चुपके से बाहर न आ जाए और उनसे संपर्क न कर ले। और उनमें से कोई एक, शायद बर्गेस, अपने अकेलेपन और किसी को अपनी कहानी सुनाने की तड़प के कारण संपर्क करने के लिए मजबूर हो जाता।' [नोट: *मार्च 1956 में लिखा गया। आई. एफ.] लेकिन वे निश्चित रूप से किसी ऐसे व्यक्ति के सामने खुद को प्रकट करने का जोखिम नहीं उठाएंगे जिसके पास ट्रेंच-कोट, घुड़सवार सेना की मूंछें और बीटा-माइनस दिमाग हो।

“अरे सच में?” ट्रूप ने बर्फीले शांत स्वर में कहा। “तो आपका सुझाव है कि हमें संगठन में लंबे बालों वाले विकृत लोगों को नियुक्त करना चाहिए। यह तो बिल्कुल मौलिक विचार है। मुझे लगा था कि हम सब इस बात पर सहमत हैं कि समलैंगिक सबसे बड़ा सुरक्षा खतरा हैं। मुझे नहीं लगता कि अमेरिकी परमाणु रहस्यों को इत्र में डूबे हुए इतने सारे समलैंगिकों को सौंपेंगे।”

सभी बुद्धिजीवी समलैंगिक नहीं होते। और उनमें से कई गंजे होते हैं। मैं बस इतना कह रहा हूँ कि...', और इस तरह पिछले तीन दिनों की सुनवाई के दौरान यह बहस रुक-रुक कर चलती रही, और समिति के अन्य सदस्य भी कमोबेश ट्रूप के पक्ष में थे। अब, आज, उन्हें अपनी सिफारिशें तैयार करनी थीं और बॉन्ड सोच रहे थे कि क्या अल्पमत रिपोर्ट पेश करने का

अलोकप्रिय कदम उठाया जाए।

नौ बजे जब बॉन्ड अपने फ्लैट से बाहर निकलकर सीढ़ियों से नीचे अपनी कार की ओर बढ़ा, तो वह सोचने लगा कि वह इस पूरे मामले को कितनी गंभीरता से ले रहा है? क्या वह सिर्फ छोटी सोच और हठधर्मिता दिखा रहा था? क्या उसने खुद को अकेले ही एक विरोधी के रूप में खड़ा कर लिया था, सिर्फ इसलिए कि उसे कुछ चबाने को मिल जाए? क्या वह इतना ऊब गया था कि उसे अपने ही संगठन में उपद्रव मचाने के अलावा और कुछ बेहतर करने को नहीं सूझ रहा था? बॉन्ड अपना मन नहीं बना पा रहा था। वह बेचैन और अनिर्णायक महसूस कर रहा था, और इन सबके पीछे एक ऐसी बेचैनी थी जिसे वह ठीक से समझ नहीं पा रहा था।

जैसे ही उसने ऑटोमैटिक स्टार्टर दबाया और बेंटले के दोनों एग्जॉस्ट अपनी फड़फड़ाती गर्जना के साथ जाग उठे, बॉन्ड के दिमाग में अचानक एक अजीबोगरीब कहावत कौंध गई।

जिन्हें देवता नष्ट करना चाहते हैं, उन्हें वे पहले ऊबा देते हैं।

अध्याय बारह

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

केक का एक टुकड़ा

अंततः, बॉन्ड को समिति की अंतिम रिपोर्ट पर कभी कोई निर्णय नहीं लेना पड़ा।

उन्होंने अपनी सचिव को नई ग्रीष्मकालीन पोशाक के लिए बधाई दी थी, और रात के दौरान आए संकेतों की फाइल को आधा पढ़ चुके थे, तभी लाल टेलीफोन की एक धीमी, आदेशात्मक आवाज आई, जिसका मतलब केवल एम या उनके चीफ-ऑफ-स्टाफ ही हो सकता था।

बॉन्ड ने रिसीवर उठाया। '007।'

'क्या आप ऊपर आ सकते हैं?' यह चीफ-ऑफ-स्टाफ का सवाल था।

`एम?'

हां। और ऐसा लगता है कि यह एक लंबा सत्र होगा। मैंने ट्रूप को बता दिया है कि आप समिति में शामिल नहीं हो पाएंगे।

क्या आपको पता है कि यह किस बारे में है?

चीफ ऑफ स्टाफ मुस्कुराया। "खैर, मैंने तो किया ही है। लेकिन बेहतर होगा कि आप इसके बारे में उससे ही सुनें।"

यह आपको चौंका देगा। इसमें काफी तेज मोड़ है।'

जैसे ही बॉन्ड ने अपना कोट पहना और गलियारे में बाहर निकला, दरवाज़ा ज़ोर से बंद करते हुए, उसे यह पक्का यकीन हो गया कि शुरुआत हो चुकी है और बुरे दिन खत्म हो गए हैं। लिफ्ट से सबसे ऊपरी मंज़िल तक का सफर और एम के छोटे से दफ्तर के दरवाज़े तक लंबे, शांत गलियारे से गुज़रना भी उन सभी मौकों की तरह ही महत्वपूर्ण लग रहा था, जब लाल टेलीफोन की घंटी ने उसे एक भरी हुई गोली की तरह दुनिया भर में एम के चुने हुए किसी दूर के लक्ष्य की ओर भेज दिया था। और एम की निजी सचिव, मिस मोनेपेनी की आँखों में वही पुरानी उत्तेजना और गुप्त ज्ञान की झलक थी, जब उसने मुस्कुराते हुए बॉन्ड की ओर देखा और इंटरकॉम का बटन दबाया।

'007 यहाँ है, महोदय।'

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

'उसे अंदर भेजो,' धातु जैसी आवाज़ ने कहा, और दरवाजे के ऊपर गोपनीयता की लाल बत्ती

जल उठी।

बॉन्ड दरवाजे से अंदर गया और उसे धीरे से बंद कर दिया। कमरा ठंडा था, या शायद वेनेशियन ब्लाइंड्स की वजह से ठंडक का एहसास हो रहा था। वे गहरे हरे रंग के कालीन पर रोशनी और छाया की लकीरें बना रहे थे, जो बड़ी केंद्रीय मेज के किनारे तक जा रही थीं। वहाँ धूप रुक जाती थी, जिससे मेज के पीछे बैठा शांत व्यक्ति हल्की हरी छाया में बैठा हुआ लग रहा था। मेज के ठीक ऊपर छत में, एक बड़ा दो ब्लेड वाला उष्णकटिबंधीय पंखा, जो एम के कमरे में हाल ही में लगाया गया था, धीरे-धीरे घूम रहा था, जिससे अगस्त की तूफानी हवा चल रही थी, जो रीजेंट्स पार्क के ऊपर भी, एक हफ्ते की लू के बाद भारी और बासी हो गई थी।

एम ने लाल चमड़े की मेज के पार अपने सामने रखी कुर्सी की ओर इशारा किया। बॉन्ड बैठ गया और उस शांत, झुर्रियों वाले नाविक के चेहरे को देखने लगा, जिसे वह प्यार करता था, सम्मान करता था और जिसकी आज्ञा का पालन करता था।

'क्या आपको बुरा लगेगा अगर मैं आपसे एक निजी सवाल पूछूं, जेम्स?' एम अपने कर्मचारियों से कभी निजी सवाल नहीं पूछता था और बॉन्ड कल्पना भी नहीं कर सकता था कि आगे क्या होने वाला है।

नहीं, महोदय।

एम ने तांबे की बड़ी राखदानी से अपना पाइप निकाला और उसे भरने लगा, ध्यान से अपनी उंगलियों को तंबाकू भरते हुए देख रहा था। उसने कड़े स्वर में कहा: 'तुम्हें जवाब देने की ज़रूरत नहीं है, लेकिन बात तुम्हारी, उह, दोस्त, मिस केस से है। जैसा कि तुम जानती हो, मुझे आम तौर पर इन मामलों में दिलचस्पी नहीं होती, लेकिन मैंने सुना है कि हीरे के उस सौदे के बाद से तुम दोनों, उह, एक-दूसरे से काफ़ी मिल रहे हो। यहाँ तक कि कुछ लोगों को यह भी लग रहा है कि तुम शादी करने वाले हो।' एम ने बॉन्ड की तरफ देखा और फिर नज़रें नीचे कर लीं। उसने भरा हुआ पाइप अपने मुँह में डाला और माचिस जला दी। जलती हुई लौ से कश लेते हुए उसने मुँह के कोने से कहा: 'क्या तुम मुझे इसके बारे में कुछ बताना चाहोगी?'

अब क्या? बॉन्ड ने सोचा। इन दफ्तर की गपशपों को धिक्कार है। उसने रूखेपन से कहा, 'खैर, हमारी अच्छी बनती थी।'

और कुछ लोगों को लगा कि हम शादी कर लेंगे। लेकिन फिर उसकी मुलाकात अमेरिकी दूतावास में एक युवक से हो गई।

मिलिट्री अटैची के स्टाफ में। मरीन कॉर्प्स में मेजर। और मुझे पता चला है कि वो उससे शादी करने वाली है। असल में, दोनों ही वापस अमेरिका चले गए हैं। शायद यही बेहतर है। मिश्रित विवाह अक्सर सफल नहीं होते। मुझे पता चला है कि वो काफी अच्छा इंसान है। शायद लंदन में रहने से बेहतर है कि वो उसके साथ रहे। वो यहाँ ठीक से बस नहीं पाई। अच्छी लड़की है, लेकिन थोड़ी सनकी है। हमारे बीच बहुत झगड़े होते थे। शायद मेरी ही गलती थी।

खैर, अब तो सब खत्म हो गया है।'

एम ने एक हल्की सी मुस्कान दी, जिससे उसकी आँखें उसके होंठों से ज़्यादा चमक उठीं। "मुझे माफ़ करना अगर कुछ गलत हुआ हो, जेम्स," उसने कहा। एम की आवाज़ में ज़रा भी सहानुभूति नहीं थी। वह बॉन्ड के 'औरतों के प्रति आकर्षण' को नापसंद करता था, जैसा कि उसने कहा। (एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

उसने यह बात अपने मन में ही कह दी, हालांकि उसे यह एहसास था कि उसका पूर्वाग्रह विक्टोरियन युग की परवरिश का अवशेष था। लेकिन, बॉन्ड के प्रमुख के रूप में, वह बिल्कुल नहीं चाहता था कि बॉन्ड हमेशा के लिए एक महिला के वश में हो जाए।

शायद यही अच्छा है। इस धंधे में सनकी औरतों के चक्कर में पड़ना ठीक नहीं है। वे तो बस बंदूक के पीछे पड़ी रहती हैं, अगर आप समझ रहे हों तो। इसके बारे में पूछने के लिए मुझे माफ़ करना। आपको बताने से पहले मुझे इसका जवाब जानना ज़रूरी था। यह बड़ा अजीब धंधा है। अगर आप शादी करने की सोच रहे हों या इस तरह की कोई और बात हो, तो आपको इसमें शामिल करना मुश्किल होगा।

बॉन्ड ने कहानी सुनने की प्रतीक्षा करते हुए अपना सिर हिलाया।

“ठीक है, फिर,” एम ने कहा। उनकी आवाज़ में राहत का भाव था। वे अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गए और पाइप को जलाने के लिए कई कश लगाए। “यह सब हुआ है। कल इस्तांबुल से एक लंबा सिग्नल आया था। लगता है मंगलवार को स्टेशन टी के प्रमुख को एक गुमनाम टाइप किया हुआ संदेश मिला जिसमें उन्हें रात 8 बजे गलाटा ब्रिज से बोस्फोरस के मुहाने तक और वापस आने वाली फेरी स्टीमर का राउंड टिकट लेने के लिए कहा गया था। बस इतना ही। टी के प्रमुख साहसी किस्म के व्यक्ति हैं, और ज़ाहिर है उन्होंने स्टीमर ले लिया। वे रेलिंग के पास आगे खड़े हो गए और इंतज़ार करने लगे। लगभग पंद्रह मिनट बाद एक लड़की आई और उनके बगल में खड़ी हो गई, एक रूसी लड़की, बहुत सुंदर, उन्होंने कहा, और जब उन्होंने नज़ारे वगैरह के बारे में थोड़ी बातचीत की, तो अचानक उसका अंदाज़ बदल गया और उसी सहज बातचीत के लहजे में उसने उन्हें एक असाधारण कहानी सुनाई।”

एम ने अपनी पाइप में एक और माचिस जलाने के लिए थोड़ी देर रुककर कहा, "टी का प्रमुख कौन है, महोदय? मैंने कभी तुर्की में काम नहीं किया है।"

'केरीम नाम का आदमी, डार्को केरीम। तुर्की पिता और अंग्रेज़ माँ। कमाल का आदमी। युद्ध से पहले से ही टी का प्रमुख रहा है। हमारे यहाँ मौजूद सबसे बेहतरीन लोगों में से एक। शानदार काम करता है। उसे अपना काम बहुत पसंद है। बहुत बुद्धिमान है और उस इलाके के बारे में उसे पूरी जानकारी है।' एम ने अपनी पाइप को एक झटके से हिलाते हुए केरीम को विदा किया। खैर, लड़की की कहानी यह थी कि वह एमजीबी में एक कॉर्पोरल थी। स्कूल छोड़ने के बाद से ही शो में थी और अभी हाल ही में उसका तबादला इस्तांबुल केंद्र में एक सिफर अधिकारी के रूप में हुआ था।

उसने यह तबादला इसलिए करवाया क्योंकि वह रूस से निकलकर यहाँ आना चाहती थी।

बॉन्ड ने कहा, 'यह तो अच्छी बात है। उनकी गुप्तचर लड़कियों में से एक का होना उपयोगी हो सकता है। लेकिन वह यहाँ क्यों आना चाहती है?'

एम ने मेज के उस पार बॉन्ड की ओर देखा। 'क्योंकि वह प्यार में है।' बॉन्ड रुका और धीरे से बोला, 'वह कहती है कि वह तुमसे प्यार करती है।'

क्या तुम मुझसे प्यार करते हो?

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

'हां, तुम्हारे साथ। वो यही कहती है। उसका नाम तातियाना रोमानोवा है। क्या तुमने उसके बारे में कभी सुना है?'

हे भगवान! नहीं! मेरा मतलब है, बिल्कुल नहीं। बॉन्ड के चेहरे पर मिले-जुले भावों को देखकर एम मुस्कुराया। "लेकिन उसका मतलब क्या है? क्या वह मुझसे कभी मिली है? उसे कैसे पता कि मेरा अस्तित्व है?"

एम ने कहा, "खैर, यह सब कुछ बिल्कुल हास्यास्पद लगता है। लेकिन यह इतना अजीब है कि शायद यह सच हो सकता है।"

यह लड़की चौबीस साल की है। जब से वह एमजीबी में शामिल हुई है, तब से वह उनके सेंट्रल इंडेक्स में काम कर रही है, ठीक वैसे ही जैसे

हमारे रिकॉर्ड विभाग में। और वह इसके अंग्रेजी अनुभाग में काम कर रही है। वह वहां छह साल से है। जिन फाइलों से उसे निपटना पड़ा उनमें से एक आपकी भी थी।'

बॉन्ड ने टिप्पणी की, 'मैं उसे देखना चाहूंगा।'

'उसकी कहानी यह है कि सबसे पहले उसे आपकी तस्वीरें पसंद आईं। आपके रूप-रंग की वह तारीफ करती थी, वगैरह।' एम के होंठ ऐसे नीचे की ओर मुड़ गए जैसे उसने अभी-अभी नींबू चूसा हो। 'उसने आपके सारे मामले पढ़े। और उसने तय किया कि आप बहुत ही शानदार आदमी हैं।'

बॉन्ड ने तिरछी नज़र से देखा। एम के चेहरे पर कोई भाव नहीं था।

उसने कहा कि आप उसे खास तौर पर इसलिए पसंद आए क्योंकि आप उसे लेर्मोंटोव नाम के एक रूसी लेखक की किताब के नायक की याद दिलाते थे। जाहिर है, वह किताब उसकी पसंदीदा थी। वह नायक जुआ खेलने का शौकीन था और अपना सारा समय झगड़ों में उलझने और उनसे निकलने में बिताता था। खैर, आप उसे उसी नायक की याद दिलाते थे। वह कहती है कि उसके दिमाग में बस यही चलता था कि उसे और कुछ नहीं सूझता था, और एक दिन उसके मन में यह विचार आया कि अगर उसका तबादला उनके किसी विदेशी केंद्र में हो जाए तो वह आपसे संपर्क कर सकती है और आप आकर उसे बचा लेंगे।

मैंने ऐसी अजीबोगरीब कहानी पहले कभी नहीं सुनी, महोदय। यकीनन टी के प्रमुख ने इस पर विश्वास नहीं किया होगा।

'ज़रा रुकिए,' एम की आवाज़ चिड़चिड़ी थी। 'सिर्फ़ इसलिए जल्दबाज़ी मत कीजिए क्योंकि आपको कुछ ऐसा मिल गया है जो आपने पहले कभी नहीं देखा। मान लीजिए कि आप इस पेशे में होने के बजाय एक फ़िल्म स्टार होते। तो आपको दुनिया भर की लड़कियों से स्वर्ग के बारे में लिखे गए बेतुके पत्र मिलते।'

मुझे पता है कि तुम्हारे बिना जी न पाने जैसी बातें कितनी बकवास होती हैं। देखो, ये बेवकूफ लड़की मॉस्को में सेक्रेटरी का काम कर रही है। शायद पूरा डिपार्टमेंट ही औरतों से भरा है, जैसे हमारा रिकॉर्ड्स डिपार्टमेंट। कमरे में देखने के लिए कोई मर्द नहीं है, और ये रही, तुम्हारे, मतलब, आकर्षक चेहरे वाली फाइल के सामने, जिसकी समीक्षा बार-बार होती रहती है। और उसे इन तस्वीरों पर क्रश हो जाता है, ठीक वैसे ही जैसे दुनिया भर की सेक्रेटरीज़ को मैगज़ीन में छपे इन भयानक चेहरों पर क्रश हो जाता है। एम ने अपनी पाइप को एक तरफ हिलाकर इन घिनौनी औरतों की आदतों के बारे में अपनी अनभिज्ञता ज़ाहिर की। 'भगवान जाने मुझे इन सब चीजों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन तुम्हें मानना पड़ेगा कि ऐसा होता है।'

बॉन्ड ने मदद की गुहार सुनकर मुस्कुरा दिया। 'खैर, सच कहूँ तो, महोदय, मुझे अब इसमें कुछ सच्चाई नज़र आने लगी है। एक रूसी लड़की भी उतनी ही नादान क्यों न हो जितनी एक अंग्रेज़ लड़की। लेकिन उसने जो किया, उसके लिए उसमें हिम्मत तो होनी ही चाहिए। क्या हेड ऑफ टी ने बताया कि अगर उसका भेद खुल गया तो उसे इसके अंजाम का अंदाज़ा था?'

एम ने कहा, 'उसने बताया कि वह बुरी तरह डरी हुई थी। नाव पर पूरा समय वह इधर-उधर देखती रही कि कहीं कोई उसे देख तो नहीं रहा। लेकिन लगता है कि वे आम किसान और यात्री थे जो इन नावों से सफर करते हैं, और चूंकि नाव देर से चल रही थी, इसलिए वैसे भी ज्यादा यात्री नहीं थे। लेकिन एक मिनट रुको। तुमने अभी आधी कहानी भी नहीं सुनी है।' एम ने अपने पाइप से एक लंबा कश लिया और अपने सिर के ऊपर धीरे-धीरे घूम रहे पंखे की तरफ धुएं का एक बादल उड़ाया। बॉन्ड ने धुएं को पंखे के ब्लेड में फंसकर गायब होते देखा। 'उसने केरीम को बताया कि तुम्हारे लिए उसका यह जुनून धीरे-धीरे एक डर में बदल गया। उसे रूसी पुरुषों को देखना भी नापसंद हो गया। समय के साथ यह नफरत शासन के प्रति और खासकर उनके लिए और एक तरह से तुम्हारे खिलाफ किए जा रहे काम के प्रति नफरत में बदल गई। इसलिए उसने विदेश तबादले के लिए आवेदन किया, और चूंकि उसकी भाषाएँ बहुत अच्छी थीं - अंग्रेजी और फ्रेंच - इसलिए उसे सिफर विभाग में शामिल होने पर इस्तांबुल का प्रस्ताव दिया गया, जिसका मतलब था वेतन में कटौती।' संक्षेप में कहें तो, छह महीने की ट्रेनिंग के बाद, वह लगभग तीन हफ्ते पहले इस्तांबुल पहुँची। फिर उसने छानबीन की और जल्द ही हमारे आदमी, करीम का नाम पता कर लिया। वह वहाँ इतने लंबे समय से है कि अब तुर्की में हर कोई जानता है कि वह क्या करता है। उसे कोई आपत्ति नहीं है, और इससे लोगों का ध्यान उन खास आदमियों से हट जाता है जिन्हें हम समय-समय पर भेजते हैं। इन जगहों पर एक बिचौलिया रखने में कोई बुराई नहीं है। अगर ग्राहकों को पता होता कि कहाँ जाना है और किससे बात करनी है, तो काफी सारे ग्राहक हमारे पास आते।

बॉन्ड ने टिप्पणी की: 'सार्वजनिक एजेंट अक्सर उस व्यक्ति से बेहतर प्रदर्शन करता है जिसे गुप्त

रूप से काम करने में बहुत समय और ऊर्जा खर्च करनी पड़ती है।'

तो उसने केरीम को चिट्ठी भेजी। अब वो जानना चाहती है कि क्या वो उसकी मदद कर सकता है।' एम रुका और सोच-विचार करते हुए अपने पाइप से कश लिया। 'बेशक, केरीम की पहली प्रतिक्रियाएँ बिल्कुल तुम्हारी जैसी ही थीं, और उसने जाल बिछाने की कोशिश की। लेकिन उसे समझ नहीं आ रहा था कि इस लड़की को हमारे पास भेजने से रूसियों को क्या फायदा होगा। इस बीच स्टीमर बोस्फोरस में और आगे बढ़ता जा रहा था और जल्द ही इस्तांबुल वापस लौटने वाला था। और जैसे-जैसे केरीम उसकी कहानी जानने की कोशिश करता गया, लड़की और भी ज़्यादा बेताब होती गई। फिर,' एम की आँखें बॉन्ड की ओर हल्की सी चमक उठीं, 'आखिरी सुराग मिल गया।'

एम की आंखों में वो चमक, बॉन्ड ने सोचा। वो उन पलों को कितनी अच्छी तरह जानता था जब एम की ठंडी आंखें उत्साह और लालच को उजागर कर देती थीं।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

उसके पास खेलने के लिए आखिरी दांव बचा था। और वह जानती थी कि यह तुरुप का इक्का है। अगर वह हमारे पास आ सकती, तो वह अपनी कोड मशीन भी साथ लाती। यह एक बिल्कुल नई स्पेक्टर मशीन है। ऐसी चीज़ जिसे पाने के लिए हम अपनी आंखें भी दे सकते हैं।

“हे भगवान!” बॉन्ड ने धीरे से कहा, इनाम की विशालता देखकर उसका दिमाग चकरा गया। स्पेक्टर! वह मशीन जो उन्हें सभी के अति गोपनीय संदेशों को समझने में सक्षम बनाएगी। इसे हासिल करना, भले ही इसके खो जाने का तुरंत पता चल जाए और इसकी सेटिंग्स बदल दी जाएं, या रूसी दूतावासों और दुनिया भर के जासूसी केंद्रों से इसे हटा दिया जाए, एक अमूल्य जीत होगी। बॉन्ड को क्रिप्टोग्राफी के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी, और सुरक्षा के लिहाज से, अगर वह कभी पकड़ा गया, तो वह इसके रहस्यों के बारे में जितना हो सके कम जानना चाहता था, लेकिन कम से कम वह यह जानता था कि रूसी गुप्त सेवा में, स्पेक्टर का खो जाना एक बड़ी आपदा मानी जाएगी।

बॉन्ड मान गया। उसने तुरंत ही लड़की की कहानी पर एम के पूरे विश्वास को स्वीकार कर लिया, चाहे वह कितनी भी अजीब क्यों न हो। एक रूसी का उनके लिए यह उपहार लाना और इतना बड़ा जोखिम उठाना, केवल हताशा का ही संकेत हो सकता था – अगर आप चाहें तो इसे हताश मोह भी कह सकते हैं। लड़की की कहानी सच हो या झूठ, दांव इतना बड़ा था कि इसे ठुकराना संभव नहीं था।

'देखा, 007?' एम ने धीरे से कहा। बॉन्ड की आंखों में दिख रही उत्तेजना से उसके मन की बात समझना मुश्किल नहीं था।

आप समझ रहे हैं ना मेरा मतलब?

बॉन्ड ने टालमटोल किया। 'लेकिन क्या उसने बताया कि वह यह कैसे कर सकती है?'

'बिल्कुल नहीं। लेकिन करीम का कहना है कि वह पूरी तरह आश्वस्त थी। रात्रि ड्यूटी को लेकर कुछ बात थी। जाहिर है, वह हफ्ते की कुछ रातों में अकेले ड्यूटी पर रहती है और दफ्तर में कैंप बेड पर सोती है। उसे इस बारे में कोई संदेह नहीं था, हालांकि उसे पता था कि अगर किसी को भी उसकी योजना का पता चल गया तो उसे तुरंत गोली मार दी जाएगी। उसे इस बात की भी चिंता थी कि करीम यह सब मुझे बता देगा। उसने उससे वादा करवाया कि वह सिग्नल को खुद एन्कोड करेगा और उसे एक बार इस्तेमाल होने वाले पैड पर भेजेगा और उसकी कोई कॉपी अपने पास नहीं रखेगा। स्वाभाविक रूप से उसने वैसा ही किया जैसा उसने कहा था। जैसे ही उसने स्पेक्टर का जिक्र किया, करीम समझ गया कि वह युद्ध के बाद से हमारे हाथ आने वाले सबसे महत्वपूर्ण तख्तापलट का पता लगा सकता है।'

उसके बाद क्या हुआ, महोदय?

स्टीमर ओर्टाकोय नामक स्थान पर आ रहा था। उसने कहा कि वह वहीं उतरने वाली है। केरीम ने उस रात सिग्नल भेजने का वादा किया। उसने संपर्क में रहने के लिए कोई व्यवस्था करने से इनकार कर दिया। (एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

उसने कहा कि अगर हम अपना वादा निभाएंगे तो वह भी अपना वादा निभाएगी। उसने शुभ रात्रि कहा और नीचे उतरने वाली तख्ती पर सवार भीड़ में शामिल हो गई, और यही आखिरी बार था जब केरीम ने उसे देखा था।

एम अचानक अपनी कुर्सी पर आगे की ओर झुक गया और बॉन्ड को घूरकर देखने लगा। 'लेकिन ज़ाहिर है, वह इस बात की गारंटी नहीं दे सकता था कि हम उसके साथ सौदा कर लेंगे।'

बॉन्ड ने कुछ नहीं कहा। उसे लगा कि वह आने वाली स्थिति का अंदाजा लगा सकता है।

'यह लड़की ये सब काम सिर्फ एक शर्त पर करेगी।' एम की आँखें इतनी सिकुड़ गईं कि वे तीखी और अर्थपूर्ण दरारों जैसी दिखने लगीं। 'कि तुम इस्तांबुल जाओ और उसे और मशीन को वापस इंग्लैंड ले आओ।'

बॉन्ड ने अपने कंधे उचका दिए। इससे कोई दिक्कत नहीं थी। लेकिन... उसने बेबाकी से एम की तरफ देखा।

'यह तो बहुत आसान होना चाहिए, महोदय। जहाँ तक मुझे लगता है, बस एक ही अड़चन है। उसने मेरी सिर्फ़ तस्वीरें देखी हैं और मेरे बारे में कई रोमांचक कहानियाँ पढ़ी हैं। मान लीजिए कि जब वह मुझसे आमने-सामने मिलेगी, तो मैं उसकी उम्मीदों पर खरा नहीं उतरूँगा।'

एम ने गंभीर स्वर में कहा, 'यहीं पर काम की बात आती है।' 'इसीलिए मैंने मिस केस के बारे में वे सवाल पूछे थे।'

यह आप पर निर्भर करता है कि आप उसकी अपेक्षाओं पर खरे उतरें।

अध्याय तेरह

`बी.ई.ए. आपको वहां ले जाता है...'

चौकोर सिरे वाले चार छोटे प्रोपेलर धीरे-धीरे एक-एक करके घूमने लगे और चार सरसराहट करते हुए पानी के कुंड बन गए।

टर्बो-जेट्स की धीमी गूंज एक तीखी, मधुर सरसराहट में बदल गई। शोर की गुणवत्ता और कंपन की पूर्ण अनुपस्थिति, बॉन्ड द्वारा अब तक उड़ाए गए सभी विमानों की लड़खड़ाती गर्जना और ज़ोरदार हॉर्सपावर से बिल्कुल अलग थी। जैसे ही विस्काउंट लंदन हवाई अड्डे के जगमगाते पूर्व-पश्चिम रनवे पर आसानी से मुड़ा, बॉन्ड को ऐसा लगा मानो वह किसी महंगे यांत्रिक खिलौने में बैठा हो।

मुख्य पायलट ने चारों टर्बो-जेट इंजनों को चीखती हुई रफ्तार में भर दिया, जिससे कुछ पल का विराम छा गया, और फिर अचानक ब्रेक छूटने के साथ ही 10.30 बी.ई.ए.

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

रोम, एथेंस और इस्तांबुल जाने वाली फ्लाइट 130 ने रफ्तार पकड़ी और तेजी से रनवे पर दौड़ते हुए ऊपर की ओर एक त्वरित और सहज चढ़ाई शुरू कर दी।

दस मिनट में वे 20,000 फीट की ऊंचाई पर पहुँच गए और इंग्लैंड से भूमध्यसागरीय यातायात के लिए बने चौड़े हवाई मार्ग से दक्षिण की ओर बढ़ रहे थे। जेट विमानों की तेज़ आवाज़ धीमी, सुस्त सीटी में बदल गई। बॉन्ड ने अपनी सीट बेल्ट खोली और सिगरेट जलाई। उसने अपने बगल में ज़मीन पर पड़े पतले, महंगे दिखने वाले अटैची केस की ओर हाथ बढ़ाया और एरिक एम्बलर की किताब 'द मास्क ऑफ दिमित्रियोस' निकाली और उस अटैची को, जो अपने आकार के बावजूद काफी भारी थी, अपने बगल वाली सीट पर रख दिया। उसने सोचा कि अगर लंदन हवाई अड्डे पर टिकट क्लर्क ने इसे 'ओवरनाइट बैग' समझकर बिना जांचे जाने देने के बजाय तौला होता, तो वह कितनी हैरान होती। और अगर सीमा शुल्क अधिकारियों को इसके वजन से जिज्ञासा होती, तो जब इसे निरीक्षण के लिए ले जाया जाता, तो वे कितने उत्सुक होते।

क्यू ब्रांच ने इस आकर्षक दिखने वाले थैले को बड़े करीने से बनाया था, जिसमें स्वेन और एडेनी की सावधानीपूर्वक कारीगरी को तोड़कर चमड़े और रीढ़ की हड्डी की अस्तर के बीच दो सपाट पंक्तियों में .25 कैलिबर की पचास गोलियां भरी गई थीं। दोनों तरफ एक-एक सपाट फेंकने वाला चाकू था, जिसे तलवार बनाने वाले विल्किंसन ने बनाया था, और उनके हैंडल के ऊपरी हिस्से को कोनों पर सिलाई से चतुराई से छिपाया गया था। बॉन्ड के इसे हंसी में उड़ाने के प्रयासों के बावजूद, क्यू के कारीगरों ने थैले के हैंडल में एक गुप्त डिब्बा बनाने पर जोर दिया था, जो एक निश्चित बिंदु पर दबाव डालने पर साइनाइड की गोली उसकी हथेली में पहुंचा देता था। (जैसे ही बॉन्ड को थैला मिला, उसने उस गोली को शौचालय में बहा दिया।) इससे भी महत्वपूर्ण बात यह थी कि इस साधारण से दिखने वाले स्पंज-बैग में पाल्मोलिव शेविंग क्रीम की मोटी ट्यूब थी। इसका पूरा ऊपरी हिस्सा खुल जाता था, जिससे बेरेटा का साइलेंसर दिखाई देता था, जो रुई में

लिपटा हुआ था। यदि नकदी की आवश्यकता होती, तो अटैची के ढक्कन में पचास सोने के सिक्के रखे होते थे। इन्हें ढक्कन पर बनी एक उभरी हुई पट्टी को खिसकाकर निकाला जा सकता था।

जटिल उपकरणों से लदे उस थैले ने बॉन्ड का मनोरंजन किया, लेकिन उसे यह भी स्वीकार करना पड़ा कि आठ पाउंड वजन होने के बावजूद, यह थैला उसके काम के औजारों को ले जाने का एक सुविधाजनक तरीका था, जिन्हें अन्यथा उसे अपने शरीर में छिपाकर रखना पड़ता।

विमान में केवल बारह ही अन्य यात्री थे। बॉन्ड यह सोचकर मुस्कुराया कि अगर लियोलिया पोंसनबी को पता चलता कि कुल यात्रियों की संख्या तेरह हो गई है, तो उसे कितना आश्चर्य होता। एक दिन पहले, जब वह एम से विदा होकर अपनी उड़ान की व्यवस्था करने के लिए अपने कार्यालय लौटा था, तो उसकी सचिव ने तेरह तारीख, शुक्रवार को उसकी यात्रा के विचार का कड़ा विरोध किया था।

“लेकिन तेरह तारीख को यात्रा करना हमेशा सबसे अच्छा होता है,” बॉन्ड ने धैर्यपूर्वक समझाया। “उस दिन लगभग कोई यात्री नहीं होते, यात्रा अधिक आरामदायक होती है और आपको बेहतर सेवा मिलती है। जब भी संभव होता है, मैं हमेशा तेरह तारीख को ही चुनता हूँ।”

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

“खैर,” उसने हताशा से कहा, “यह तो तुम्हारी ही मर्ज़ी है। लेकिन मैं पूरा दिन तुम्हारे बारे में चिंता करती रहूंगी। और भगवान के लिए, आज दोपहर सीढ़ियों के नीचे या ऐसी किसी भी बेवकूफी भरी हरकत में मत जाना। तुम्हें अपनी किस्मत को इस तरह आज़माना नहीं चाहिए। मुझे नहीं पता कि तुम तुर्की क्यों जा रहे हो, और मैं जानना भी नहीं चाहती। लेकिन मुझे अंदर से कुछ महसूस हो रहा है।”

आह, वो खूबसूरत हड्डियाँ!’ बॉन्ड ने उसे चिढ़ाते हुए कहा था। ‘वापस आते ही मैं उन्हें रात के खाने पर ले जाऊँगा।’

'तुम ऐसा कुछ नहीं करोगे,' उसने ठंडे लहजे में कहा था। बाद में उसने अचानक गर्मजोशी से उसे अलविदा कहते हुए चूमा, और बॉन्ड ने सौवीं बार सोचा कि जब उसकी सबसे प्यारी सेक्रेटरी है तो वह दूसरी महिलाओं के चक्कर में क्यों पड़ता है।

विमान लगातार ऊपर उड़ता रहा, ऊपर आसमान में मलाईदार बादलों का एक विशाल सागर छाया हुआ था, जो इतने ठोस लग रहे थे कि इंजन फेल होने पर भी उन पर उतरा जा सकता था। बादल छंट गए और बाईं ओर दूर नीले धुंध में पेरिस दिखाई दिया। एक घंटे तक वे फ्रांस के जले हुए खेतों के ऊपर से उड़ते रहे, फिर डिजॉन के बाद, ज़मीन का रंग हल्के हरे से गहरे हरे रंग में बदल गया और वह जुरा पर्वतमाला की ओर ढलान पर चढ़ गई।

दोपहर का भोजन आ गया। बॉन्ड ने अपनी किताब और उन विचारों को एक तरफ रख दिया जो उसे पढ़ने से रोक रहे थे, और खाते हुए उसने जिनेवा झील के शांत पानी को निहारा। जैसे ही चीड़ के जंगल आल्प्स की सुंदर, चिकनी चोटियों के बीच बर्फ के टुकड़ों की ओर बढ़ने लगे, उसे

अपने बचपन की स्कीइंग की छुट्टियाँ याद आ गईं। विमान कुछ सौ गज बाईं ओर स्थित मोंट ब्लैंक की विशाल चोटी के पास से गुजरा, और बॉन्ड ने ग्लेशियरों की खुरदरी, धूसर, चिकनी सतह को देखा और खुद को फिर से देखा - एक किशोर युवक, जिसकी कमर में रस्सी का सिरा बंधा था, और वह एगुइल्स रूज पर्वतमाला की एक चट्टानी चिमनी के ऊपर सहारा लिए खड़ा था, जबकि जिनेवा विश्वविद्यालय के उसके दो साथी धीरे-धीरे चिकनी चट्टान पर उसकी ओर बढ़ रहे थे।

और अब? बॉन्ड ने पारदर्शी शीशे में अपनी परछाई को देखकर व्यंग्यात्मक मुस्कान बिखेरी, जैसे ही विमान पहाड़ों से निकलकर लोम्बार्डी के हरे-भरे मैदानों के ऊपर से गुजरा। अगर वही युवा जेम्स बॉन्ड सड़क पर उससे मिलता और बात करता, तो क्या वह उस सत्रह वर्षीय साफ-सुथरे, उत्साही युवक को पहचान पाता जो वह कभी था? और वह युवक उसके बारे में क्या सोचता, उस गुप्त एजेंट के बारे में, उस बूढ़े जेम्स बॉन्ड के बारे में? क्या वह वर्षों के विश्वासघात, क्रूरता और भय से कलंकित इस व्यक्ति के भीतर खुद को पहचान पाता – उस व्यक्ति को जिसकी ठंडी, घमंडी आँखें थीं, गाल पर एक निशान था और बाईं बगल के नीचे एक उभरा हुआ हिस्सा था? अगर वह युवक उसे पहचान भी लेता, तो उसका क्या विचार होता? वह बॉन्ड के वर्तमान कार्य के बारे में क्या सोचता? वह उस साहसी गुप्त एजेंट के बारे में क्या सोचता जो दुनिया भर में एक नई और सबसे रोमांटिक भूमिका निभाने निकला था – इंग्लैंड के लिए दलाली करने?

बॉन्ड ने अपने बीते हुए बचपन के ख्यालों को मन से निकाल दिया। कभी पीछे मुड़कर मत देखो। जो हो सकता था, उस पर सोचना समय की बर्बादी है। अपने भाग्य का अनुसरण करो, उससे संतुष्ट रहो, और इस बात से प्रसन्न रहो कि तुम न तो सेकंड हैंड मोटर वाहन विक्रेता हो, न ही शराब और निकोटीन में डूबा हुआ पीली पत्रकारिता करने वाला पत्रकार, न ही अपाहिज—या मृत।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

जेनोआ के धूप से तपते फैलाव और भूमध्य सागर के शांत नीले पानी को निहारते हुए, बॉन्ड ने अपने दिमाग को अतीत से बंद कर दिया और उसे निकट भविष्य पर केंद्रित किया - इस व्यवसाय पर, जैसा कि उसने खुद को कड़वे शब्दों में वर्णित किया, 'इंग्लैंड के लिए दलाली' करने के व्यवसाय पर।

इसे चाहे जैसे भी वर्णित किया जाए, वह यही करने जा रहा था - एक ऐसी लड़की को बहकाना, और बहुत जल्दी बहकाना, जिसे उसने पहले कभी नहीं देखा था, जिसका नाम उसने कल ही पहली बार सुना था।

और इस पूरे समय, चाहे वह कितनी भी आकर्षक क्यों न हो—और हेड ऑफ टी ने उसे 'बेहद खूबसूरत' बताया था—बॉन्ड का पूरा ध्यान इस बात पर होना चाहिए था कि वह क्या है, बल्कि इस बात पर कि उसके पास क्या है—वह दहेज जो वह अपने साथ ला रही है। यह किसी अमीर औरत से उसके पैसे के लिए शादी करने जैसा होगा। क्या वह यह भूमिका निभा पाएगा? शायद वह सही चेहरे बना ले और सही बातें कह दे, लेकिन क्या उसका शरीर उसके गुप्त विचारों से खुद को अलग कर पाएगा और प्रभावी रूप से उस प्यार को साकार कर पाएगा जिसका वह इज़हार

करेगा? जब पुरुषों का पूरा ध्यान महिला के बैंक बैलेंस पर केंद्रित होता है, तो वे बिस्तर पर कैसे विश्वसनीय व्यवहार कर सकते हैं? शायद सोने की बोरी को लूटने के विचार में एक कामुक उत्तेजना हो। लेकिन एक सिफर मशीन?

एल्बा पर्वतमाला उनके नीचे से गुज़री और विमान रोम की ओर पचास मील प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ने लगा। सियाम्पिनी हवाई अड्डे के शोरगुल भरे लाउडस्पीकरों के बीच आधा घंटा बीता, दो बेहतरीन अमेरिकानो कॉफी पीने का समय था, और वे फिर से अपने रास्ते पर चल पड़े, इटली के दक्षिणी छोर की ओर स्थिर गति से नीचे उतरते हुए, और बॉन्ड का दिमाग उस मुलाकात की छोटी से छोटी बारीकियों पर विचार करने में लग गया जो तीन सौ मील प्रति घंटे की रफ्तार से करीब आ रही थी।

क्या यह सब एमजीबी की कोई जटिल साजिश थी जिसकी कुंजी उसे नहीं मिल पा रही थी? क्या वह किसी ऐसे जाल में फंस रहा था जिसे एम का पेचीदा दिमाग भी नहीं समझ पा रहा था? भगवान ही जानता था कि एम ऐसे जाल की संभावना को लेकर चिंतित था। सबूतों के हर पहलू की, पक्ष और विपक्ष दोनों में, बारीकी से जांच की गई थी - न केवल एम द्वारा, बल्कि अनुभाग प्रमुखों की एक विस्तृत बैठक में भी, जो पिछली दोपहर और शाम भर चली थी। लेकिन, मामले की चाहे जिस तरह से भी जांच की गई हो, कोई भी यह नहीं बता पाया कि रूसियों को इससे क्या फायदा हो सकता है। वे बॉन्ड का अपहरण करके उससे पूछताछ करना चाहते होंगे। लेकिन बॉन्ड ही क्यों? वह एक ऑपरेशनल एजेंट था, सेवा के सामान्य कामकाज से उसका कोई लेना-देना नहीं था, उसके दिमाग में रूसियों के लिए उपयोगी कुछ भी नहीं था सिवाय उसकी वर्तमान ड्यूटी के विवरण और कुछ पृष्ठभूमि जानकारी के जो किसी भी तरह से महत्वपूर्ण नहीं हो सकती थी। या वे बदला लेने के लिए बॉन्ड को मारना चाहते होंगे। फिर भी दो साल से उसका उनसे सामना नहीं हुआ था। अगर वे उसे मारना चाहते, तो उन्हें बस लंदन की सड़कों पर, या उसके फ्लैट में उसे गोली मारनी थी, या उसकी कार में बम रखना था।

बॉन्ड के विचारों में एयर होस्टेस की आवाज़ से खलल पड़ा। 'कृपया अपनी सीट बेल्ट बांध लें।' उसके बोलते ही विमान तेज़ी से नीचे गिरा और जेट इंजनों की कर्कश आवाज़ के साथ फिर से ऊपर उठा। बाहर का आसमान अचानक काला हो गया। खिड़कियों पर ज़ोरदार बारिश हो रही थी। नीली और सफेद रोशनी की एक चकाचौंध भरी चमक आई और ऐसा लगा जैसे किसी विमानरोधी गोले ने उन पर हमला किया हो, और विमान एड्रियाटिक सागर के मुहाने से निकले बिजली के तूफान के बीच बुरी तरह हिलने-डुलने लगा।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

बॉन्ड को खतरे की आहट महसूस हुई। यह सचमुच की आहट थी, कुछ-कुछ वैसी ही जैसे किसी मनोरंजन पार्क में पसीने और बिजली की मिली-जुली गंध होती है। एक बार फिर बिजली खिड़कियों पर गिरी। धमाका! ऐसा लगा जैसे वे गरज के केंद्र में हों। अचानक विमान बेहद छोटा और कमज़ोर सा लगने लगा। तेरह यात्री! शुक्रवार, तेरह तारीख! बॉन्ड को लोएलिया पोंसनबी के शब्द याद आए और कुर्सी की भुजाओं पर रखे उसके हाथ गीले हो गए। उसने सोचा, यह विमान कितना पुराना है? इसने कितने घंटे उड़ान भरी है? क्या धातु की थकान नाम के कीड़े ने इसके पंखों में प्रवेश कर लिया है? इसने इसकी कितनी ताकत खा ली है?

शायद वह इस्तांबुल पहुँच ही न पाए। शायद कोरिंथ की खाड़ी में एक भयानक दुर्घटना ही उसका भाग्य हो, जिसके बारे में वह एक घंटे पहले दार्शनिक ढंग से सोच रहा था।

बॉन्ड के कमरे के बीचोंबीच एक तूफ़ान-रोधी कमरा था, जो उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के पुराने ज़माने के घरों में पाए जाने वाले किलेनुमा ढाँचे जैसा था। ये कमरे घर के मध्य में, भूतल के बीचोंबीच बने छोटे, मज़बूत कक्ष होते हैं, और कभी-कभी तो नींव तक खोदे जाते हैं। तूफ़ान से घर के तबाह होने का खतरा होने पर मालिक और उसका परिवार इस कक्ष में शरण लेते हैं और खतरा टलने तक वहीं रहते हैं। बॉन्ड अपने तूफ़ान-रोधी कमरे में तभी जाता था जब स्थिति उसके नियंत्रण से बाहर हो जाती थी और कोई दूसरा उपाय संभव नहीं होता था। अब वह इस किलेनुमा ढाँचे में लौट आया, शोर और तेज़ हलचल के नरक से अपना ध्यान हटा लिया और अपने सामने वाली सीट की पीठ पर हो रही एक झनझनाहट पर ध्यान केंद्रित किया, और बी.ई.ए. फ्लाइट नंबर 130 के लिए भाग्य ने जो भी फैसला किया था, उसका बेसब्री से इंतज़ार करने लगा।

देखते ही देखते केबिन में उजाला हो गया। पारदर्शी खिड़की पर बारिश की बूँदें थम गईं और जेट विमानों का शोर शांत होकर अपनी मधुर सीटी की आवाज़ में बदल गया। बॉन्ड ने अपने तूफ़ान-रोधी कमरे का दरवाज़ा खोला और बाहर कदम रखा। उसने धीरे से अपना सिर घुमाया और उत्सुकता से खिड़की से बाहर देखा, जहाँ कोरिंथ की खाड़ी के शांत पानी पर विमान की छोटी सी परछाई तेज़ी से नीचे जा रही थी।

उसने एक गहरी साँस ली और अपनी कमर की जेब में हाथ डालकर अपना गनमेटल सिगरेट केस निकाला। लाइटर निकालते ही उसके हाथ एकदम स्थिर हो गए और उसने तीन सोने की अंगूठियों वाली मोरलैंड सिगरेट जला ली, यह देखकर उसे सुकून मिला। क्या उसे लिल को बताना चाहिए कि शायद वह लगभग सही थी? उसने सोचा कि अगर उसे इस्तांबुल में कोई अश्लील सा पोस्टकार्ड मिल गया तो वह ज़रूर बताएगा।

बाहर का दिन मरते हुए डॉल्फ़िन के रंगों में फीका पड़ गया और शाम के धुंधलके में माउंट हाइमेटस उनके सामने नीला दिखाई देने लगा। नीचे एथेंस का जगमगाता फैलाव था और फिर विस्काउंट विमान झुके हुए विंडसॉक और अजीबोगरीब नाचते अक्षरों में लिखे नोटिसों वाले मानक कंक्रीट हवाई पट्टी पर चक्कर लगा रहा था, जिन्हें बॉन्ड ने स्कूल के बाद से शायद ही कभी देखा था।

बॉन्ड कुछ पीले-पीले, चुप यात्रियों के साथ विमान से बाहर निकला और ट्रांजिट लाउंज से होते हुए बार तक गया। उसने एक गिलास ऊज़ो मंगवाया और उसे गटक लिया, फिर एक घूंट बर्फ का पानी पी लिया। उस मीठे से स्वाद में एक तीखापन था और बॉन्ड को लगा जैसे पेय उसके गले और पेट में हल्की सी जलन पैदा कर रहा हो। उसने अपना गिलास नीचे रखा और दूसरा गिलास मंगवाया।

जब लाउडस्पीकरों ने उसे दोबारा पुकारा, तब तक शाम हो चुकी थी और आधा चाँद आसमान में साफ और ऊँचा दिखाई दे रहा था। (एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

शहर की जगमगाती रोशनी के ऊपर। शाम की हवा में फूलों की हल्की खुशबू फैली हुई थी और

झींगुरों की लगातार भिनभिनाहट सुनाई दे रही थी – झिंग-झिंग-झिंग – और दूर से किसी आदमी के गाने की आवाज़ आ रही थी। आवाज़ साफ़ और उदास थी और गाने में विलाप का भाव था। हवाई अड्डे के पास एक कुत्ता किसी अनजान इंसान की गंध से उत्तेजित होकर भौंका। बॉन्ड को अचानक एहसास हुआ कि वह पूरब में आ गया है जहाँ रखवाली करने वाला कुत्ता रात भर भौंकता रहता है। किसी कारणवश इस एहसास से उसके दिल में खुशी और उत्साह की लहर दौड़ गई।

उन्हें एजियन सागर और मरमारा सागर के पार इस्तांबुल के लिए केवल नब्बे मिनट की उड़ान भरनी थी। दो ड्राई मार्टिनी और कैल्वेट क्लैरेट की आधी बोतल के साथ शानदार डिनर ने बॉन्ड की तेरह तारीख, शुक्रवार को उड़ान भरने की आशंकाओं और अपने असाइनमेंट को लेकर चिंताओं को भुला दिया और उनकी जगह सुखद प्रत्याशा का भाव ला दिया।

फिर वे वहाँ पहुँच गए और विमान के चारों प्रोपेलर इस्तांबुल से एक घंटे की दूरी पर स्थित आधुनिक और शानदार हवाई अड्डे येसिलकोय के बाहर आकर रुक गए। बॉन्ड ने एयर होस्टेस को अलविदा कहा और अच्छी उड़ान के लिए धन्यवाद दिया, अपना भारी छोटा अटैची बैग पासपोर्ट चेक से होते हुए कस्टम्स में ले गए और अपने सूटकेस के विमान से उतरने का इंतजार करने लगे।

तो ये काले, बदसूरत, साफ-सुथरे छोटे अधिकारी ही आधुनिक तुर्क थे। उसने उनकी आवाज़ें सुनीं, जो चौड़े स्वरों, धीमी सीटी जैसी ध्वनियों और बदले हुए 'उ' ध्वनियों से भरी थीं, और उसने उन गहरी आँखों को देखा जो उनकी कोमल, विनम्र आवाज़ों के विपरीत थीं। वे चमकीली, क्रोधित, क्रूर आँखें थीं जो हाल ही में पहाड़ों से नीचे आई थीं।

बॉन्ड को लगा कि वह उन आँखों का इतिहास जानता है। सदियों से ये आँखें भेड़ों की रखवाली करने और दूर क्षितिज पर होने वाली छोटी-छोटी हलचलों को समझने के लिए प्रशिक्षित थीं। ये आँखें बिना किसी आशय के चाकू लिए हाथ पर नज़र रखती थीं, आटे के दानों और सिक्कों के छोटे-छोटे अंशों को गिनती थीं और व्यापारी की उंगलियों की हल्की सी हरकत को भी भांप लेती थीं। ये कठोर, अविश्वासी और ईर्ष्यालु आँखें थीं। बॉन्ड को ये आँखें पसंद नहीं आईं।

कस्टम के बाहर, झुकी हुई काली मूंछों वाला एक लंबा-चौड़ा आदमी अंधेरे से बाहर निकला। उसने एक शानदार डस्ट-कोट और ड्राइवर की टोपी पहन रखी थी। उसने सलाम किया और बॉन्ड से उसका नाम पूछे बिना, उसका सूटकेस लिया और उसे एक चमचमाती आलीशान कार की ओर ले गया - एक पुरानी काली रोल्स रॉयस कूपे-डी-विले, जिसे देखकर बॉन्ड को लगा कि यह 1920 के दशक के किसी करोड़पति के लिए बनी होगी।

जब कार हवाई अड्डे से निकल रही थी, तो उस व्यक्ति ने मुड़कर, बेहतरीन अंग्रेज़ी में, विनम्रतापूर्वक कंधे के ऊपर से कहा, "करीम बे ने सोचा कि आप आज रात आराम करना पसंद करेंगे, महोदय। मैं कल सुबह नौ बजे आपसे मिलने आऊंगा। आप किस होटल में ठहरे हैं, महोदय?"

'द क्रिस्टल पैलेस।'

'बहुत बढ़िया, महोदय।' कार चौड़ी आधुनिक सड़क पर धीरे से आगे बढ़ गई।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

उनके पीछे, हवाई अड्डे की पार्किंग की हल्की छाया में, बॉन्ड को धुंधली सी एक मोटर स्कूटर के स्टार्ट होने की आवाज सुनाई दी। यह आवाज उसके लिए कुछ मायने नहीं रखती थी और वह आराम से बैठकर ड्राइव का आनंद लेने लगा।

अध्याय चौदह

डार्को केरीम

जेम्स बॉन्ड पेरा की पहाड़ियों पर स्थित क्रिस्टल पैलेस में अपने अंधेरे कमरे में सुबह जल्दी जागा और अनजाने में अपना हाथ नीचे करके अपनी दाहिनी जांघ के बाहरी हिस्से पर हो रही तेज गुदगुदी को महसूस करने लगा।

रात में किसी चीज ने उसे काट लिया था। चिड़चिड़ाकर उसने उस जगह को खुजलाया। शायद उसे इसकी उम्मीद थी।

पिछली रात जब वह पहुंचा, तो पतलून और बिना कॉलर वाली कमीज पहने एक चिड़चिड़े चौकीदार ने उसका स्वागत किया। उसने तांबे के गमलों में लगे मक्खियों से सने ताड़ के पौधों और फीकी पड़ चुकी मूरिश टाइलों से सजे प्रवेश कक्ष का सरसरी तौर पर निरीक्षण किया था और उसे पता चल गया था कि उसके साथ क्या होने वाला है। उसने किसी दूसरे होटल में जाने का सोचा था। आलस्य और पुराने जमाने के कॉन्टिनेंटल होटलों से जुड़े घटिया रोमांस के प्रति एक अजीब से लगाव ने उसे वहीं रुकने का फैसला करने पर मजबूर कर दिया। उसने अपना खाता खोला और उस आदमी के पीछे-पीछे पुरानी रस्सी और गुरुत्वाकर्षण वाली लिफ्ट से तीसरी मंजिल तक चला गया।

उसका कमरा, जिसमें पुराने फर्नीचर के कुछ टुकड़े और एक लोहे का पलंग था, वैसा ही था जैसा उसने सोचा था। उसने चौकीदार को विदा करने से पहले बस यह देखा कि पलंग के पीछे की दीवार पर कुचले हुए कीड़ों के खून के धब्बे तो नहीं हैं।

उसने जल्दबाजी कर दी थी। जब वह बाथरूम में गया और गर्म पानी का नल खोला, तो नल से एक गहरी आह निकली, फिर एक निराशाजनक खांसी आई, और अंत में एक छोटा सा कनखजूरा बेसिन में गिर गया। बॉन्ड ने उदास मन से ठंडे नल से बहते भूरे पानी की पतली धार से कनखजूरे को धो डाला। उसने व्यंग्यपूर्वक सोचा, होटल का नाम उसे मजेदार लगा था और वह बड़े होटलों की आरामदायक जिंदगी से दूर जाना चाहता था, इसलिए उसने होटल चुना था, और यही सब उसकी फिजूलखर्ची थी।

लेकिन वह अच्छी तरह सोया था, और अब, इस आशंका के साथ कि उसे कुछ कीटनाशक खरीदना होगा, उसने अपने आराम को भूलकर दिन के काम में जुट जाने का फैसला किया।

बॉन्ड बिस्तर से उठा, भारी लाल मखमली पर्दों को पीछे खींचा और लोहे की रेलिंग पर झुक गया। (एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

दुनिया के सबसे प्रसिद्ध नज़ारों में से एक पर नज़र गड़ाए हुए थी – दाईं ओर गोल्डन हॉर्न का शांत जल, बाईं ओर खुले बोस्फोरस की लहरें, और इनके बीच पेरा की ढहती छतें, ऊँची मीनारें और झुकी हुई मस्जिदें। आखिरकार, उसका चुनाव अच्छा ही था। इस नज़ारे ने खटमलों और असुविधा की भरपाई कर दी।

बॉन्ड दस मिनट तक खड़े होकर यूरोप और एशिया के बीच स्थित चमचमाती जलधारा को निहारते रहे, फिर धूप से जगमगाते कमरे में लौट आए और नाश्ते के लिए फोन किया। उनकी अंग्रेज़ी समझ में नहीं आई, लेकिन उनकी फ्रेंच आखिरकार समझ में आ गई। उन्होंने ठंडे पानी से नहाने का टब भरा और धैर्यपूर्वक ठंडे पानी से शेव की और उम्मीद की कि उन्होंने जो अनोखा नाश्ता मंगवाया है, वह खराब न निकले।

उन्हें निराशा नहीं हुई। नीले चीनी मिट्टी के कटोरे में रखा दही गहरे पीले रंग का था और गाढ़ी मलाई जैसा था। पहले से छिले हुए हरे अंजीर पूरी तरह पके हुए थे, और तुर्की कॉफी एकदम काली थी और उसमें जले हुए स्वाद से पता चलता था कि उसे अभी-अभी पीसा गया था। बॉन्ड ने खुली खिड़की के पास लगी मेज पर बैठकर स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। उन्होंने अपने सामने फैले दो समुद्रों को पार करते हुए स्टीमर और छोटी नावों को देखा और केरीम के बारे में सोचने लगे कि क्या कोई नई खबर हो सकती है।

ठीक नौ बजे, शानदार रोल्स रॉयस उन्हें लेने आई और तकसीम चौक से होते हुए भीड़भाड़ वाली इस्तिकलाल सड़क से गुज़रकर एशिया से बाहर ले गई। मर्चेंट मरीन के आकर्षक क्रॉस एंकरों से सजे इंतज़ार कर रहे स्टीमरों का घना काला धुआँ गलाटा पुल के पहले हिस्से पर फैल गया और दूसरे किनारे को छुपा दिया, जिसकी ओर रोल्स रॉयस साइकिलों और ट्रामों के बीच से आगे बढ़ती गई। प्राचीन बल्ब हॉर्न की हल्की सी गड़गड़ाहट पैदल चलने वालों को उसके पहियों के नीचे आने से बचाती रही। फिर रास्ता साफ़ हो गया और आधे मील लंबे चौड़े पुल के अंत में इस्तांबुल का पुराना यूरोपीय हिस्सा जगमगा उठा, जहाँ पतली मीनारें आसमान को छू रही थीं और मस्जिदों के गुंबद उनके पैरों के पास झुके हुए, बड़े और सुडौल स्तनों की तरह लग रहे थे। यह अरेबियन नाइट्स की कहानी जैसा होना चाहिए था, लेकिन बॉन्ड को, ट्रामों के ऊपर और नदी के किनारे आधुनिक विज्ञापनों के विशाल निशानों के ऊपर इसे पहली बार देखकर, यह एक समय का खूबसूरत थिएटर सेट जैसा लगा जिसे आधुनिक तुर्की ने इस्तांबुल-हिल्टन होटल के स्टील और कंक्रीट के सपाट लोहे के पक्ष में त्याग दिया था, जो पेरा की ऊंचाइयों पर उसके पीछे चमक रहा था।

पुल पार करने के बाद, कार दाहिनी ओर मुड़कर तट के समानांतर एक संकरी, पथरीली गली में चली गई और एक ऊंचे लकड़ी के बरामदे के बाहर रुक गई।

एक सख्त दिखने वाला चौकीदार, जिसका चेहरा गठीला और मुस्कुराता हुआ था, फटी हुई खाकी वर्दी पहने हुए, चौकीदार के कमरे से बाहर आया और सलाम किया। उसने कार का दरवाजा खोला और बॉन्ड को अपने पीछे आने का इशारा किया। वह बॉन्ड को अपने कमरे में ले गया और एक दरवाजे से होते हुए एक छोटे से आंगन में पहुँचा, जहाँ करीने से साफ की हुई बजरी की क्यारी थी। बीच में एक टेढ़ा-मेढ़ा यूकेलिप्टस का पेड़ था, जिसकी जड़ों में दो सफेद कबूतर चोंच मार रहे थे। कस्बे का शोर दूर से गड़गड़ाहट की तरह सुनाई दे रहा था और चारों ओर शांति और सुकून था।

वे बजरी पर चलकर एक और छोटे दरवाजे से अंदर गए और बॉन्ड खुद को एक विशाल गुंबददार गोदाम के एक छोर पर पाया, जिसमें ऊँची गोलाकार खिड़कियाँ थीं, जिनसे धूल भरी धूप की किरणें तिरछी होकर अंदर आ रही थीं।

चारों ओर माल के गट्ठों और ढेरों का नजारा था। मसालों और कॉफी की एक ठंडी, बासी सी गंध थी और जैसे ही बॉन्ड चौकीदार के पीछे-पीछे केंद्रीय गलियारे से गुजरा, अचानक पुदीने की तेज खुशबू महसूस हुई।

लंबे गोदाम के अंत में एक ऊँचा चबूतरा था जिसके चारों ओर रेलिंग लगी थी। उस पर आधा दर्जन युवक-युवती ऊँची कुर्सियों पर बैठे मोटे, पुराने ज़माने के बहीखातों में तेज़ी से लिख रहे थे। यह किसी डिकेंसियन लेखा-गृह जैसा लग रहा था और बॉन्ड ने गौर किया कि हर ऊँची मेज पर स्याही की दवात के बगल में एक पुराना अबैकस रखा था। बॉन्ड के उनके बीच से गुज़रते समय किसी भी क्लर्क ने ऊपर नहीं देखा, लेकिन दुबले-पतले चेहरे और अप्रत्याशित रूप से नीली आँखों वाला एक लंबा, सांवला आदमी सबसे दूर वाली मेज से आगे आया और चौकीदार से बॉन्ड को ले लिया। उसने बॉन्ड को देखकर गर्मजोशी से मुस्कुराया, अपने बेहद सफ़ेद दाँत दिखाते हुए, और उसे चबूतरे के पीछे ले गया। उसने येल लॉक वाले एक सुंदर महोगनी के दरवाजे पर दस्तक दी और बिना किसी जवाब का इंतज़ार किए, दरवाजा खोलकर बॉन्ड को अंदर आने दिया और उसके पीछे धीरे से दरवाजा बंद कर दिया।

'आह, मेरे दोस्त। अंदर आओ। अंदर आओ।' एक बहुत लंबा-चौड़ा आदमी, जिसने क्रीम रंग का खूबसूरत सूट पहना हुआ था, महोगनी की मेज से उठा और हाथ बढ़ाते हुए उससे मिलने आया।

ऊँची और दोस्ताना आवाज़ में छिपी थोड़ी सी अधिकारिकता ने बॉन्ड को याद दिलाया कि यह स्टेशन टी का प्रमुख था, और बॉन्ड किसी दूसरे व्यक्ति के क्षेत्र में था और कानूनी तौर पर उसके अधीन था। यह महज़ शिष्टाचार की बात थी, लेकिन याद रखने योग्य बात थी।

डार्को केरीम का हाथ मिलाने का तरीका बेहद गर्मजोशी भरा और सहज था। यह पश्चिमी देशों की मज़बूत और क्रियाशील उंगलियों की पकड़ थी – पूरब के उस बेस्वाद हाथ मिलाने जैसा नहीं, जिसे देखकर मन करता है कि उंगलियाँ कोट के पिछले हिस्से पर पोंछ लें। और उस विशाल हाथ में ऐसी शक्ति थी मानो वह आपके हाथ को इतना कसकर दबा सकता था कि अंत में आपकी हड्डियाँ टूट जाएँ।

बॉन्ड छह फीट लंबा था, लेकिन यह आदमी उससे कम से कम दो इंच लंबा था और देखने में बॉन्ड से दुगना चौड़ा और दुगना मोटा लग रहा था। बॉन्ड ने ऊपर देखा तो उसे टूटी हुई नाक वाले एक बड़े, चिकने भूरे चेहरे पर दो दूर-दूर स्थित मुस्कुराती हुई नीली आँखें दिखाई दीं। आँखें नम थीं और उनमें लाल नसें उभरी हुई थीं, जैसे किसी ऐसे शिकारी कुत्ते की आँखें जो अक्सर आग के बहुत पास बैठा रहता हो। बॉन्ड ने उन्हें उग्र व्यभिचार की आँखें समझ लिया।

चेहरे पर दिख रहा था मानो किसी बंजारे का नाम हो, उसकी प्रचंड गर्व भरी अदा, घने घुंघराले काले बाल और टेढ़ी नाक। दाहिने कान में पहनी पतली सी सोने की अंगूठी ने उस घुमक्कड़ भाड़े के सैनिक की छवि को और भी पुख्ता कर दिया था। चेहरा बेहद नाटकीय था, जीवंत, क्रूर और भ्रष्ट, लेकिन उसकी नाटकीयता से कहीं ज़्यादा ध्यान खींचने वाली बात थी उसमें जीवन की चमक। बॉन्ड ने सोचा कि उसने किसी इंसान के चेहरे में इतनी जीवंतता और गर्माहट पहले कभी नहीं देखी थी। मानो वह सूरज के करीब हो। बॉन्ड ने अपना सूखा हाथ छोड़ दिया और केरीम को देखकर मुस्कुराया, उसके चेहरे पर वैसी ही मित्रता थी जैसी वह किसी अजनबी के लिए शायद ही कभी महसूस करता था।

'कल रात मुझे लेने के लिए कार भेजने के लिए धन्यवाद।'

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

'हा!' करीम प्रसन्न हुआ। 'आपको हमारे दोस्तों का भी शुक्रिया अदा करना चाहिए। दोनों तरफ से आपका स्वागत हुआ। जब भी मेरी कार एयरपोर्ट जाती है, वे हमेशा उसका पीछा करते हैं।'

क्या यह वेस्पा थी या लैम्बरेटा?

आपने ध्यान दिया? एक लैम्बरेटा। उनके पास तो ऐसे ही छोटे-मोटे गुंडों का पूरा बेड़ा है, जिन्हें मैं "चेहरेविहीन" कहता हूँ। ये सब इतने एक जैसे दिखते हैं कि हम कभी इन्हें पहचान नहीं पाए। छोटे-मोटे गुंडे, ज्यादातर बदबूदार बल्गेरियाई, जो उनके लिए गंदे काम करते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि यह वाला काफी पीछे रहा होगा। उस दिन के बाद से ये रोल्स रॉयस के पास नहीं आते, जब मेरे ड्राइवर ने अचानक ब्रेक लगाया और फिर पूरी ताकत से रिवर्स किया। पेंट खराब हो गया और चेसिस के निचले हिस्से पर खून लग गया, लेकिन इससे बाकी सबको सबक मिल गया।

केरीम अपनी कुर्सी पर गया और मेज के दूसरी ओर रखी वैसी ही एक कुर्सी की ओर इशारा किया। उसने सिगरेट का एक चपटा सफेद डिब्बा खिसकाया और बॉन्ड बैठ गया। उसने एक सिगरेट निकाली और उसे जलाया। यह अब तक की सबसे बेहतरीन सिगरेट थी जिसका स्वाद उसने चखा था - पतली, लंबी, अंडाकार नली में बंद, सबसे हल्की और मीठी तुर्की तंबाकू, जिस पर एक सुंदर सुनहरा अर्धचंद्र बना हुआ था।

जब केरीम एक सिगरेट को निकोटीन के दाग वाले लंबे हाथीदांत के होल्डर में फिट कर रहा था, तो बॉन्ड ने कमरे के चारों ओर नज़र डालने का मौका लिया, जिसमें पेंट और वार्निश की तेज़ गंध आ रही थी, मानो इसे अभी-अभी फिर से सजाया गया हो।

यह कमरा बड़ा, चौकोर और पॉलिश की हुई महोगनी की लकड़ी से बना था, सिवाय करीम की कुर्सी के पीछे के हिस्से के, जहाँ छत से एक लंबा प्राच्य परदे का टुकड़ा लटका हुआ था और हवा में धीरे-धीरे हिल रहा था, मानो उसके पीछे कोई खुली खिड़की हो। लेकिन ऐसा होना असंभव लग रहा था क्योंकि दीवारों में ऊपर बनी तीन गोलाकार खिड़कियों से रोशनी आ रही थी।

शायद, टेपेस्ट्री के पीछे एक बालकनी थी जहाँ से गोल्डन हॉर्न दिखाई देता था, जिसकी लहरों की आवाज़ बॉन्ड को नीचे की दीवारों से टकराती सुनाई दे रही थी। दाहिनी दीवार के बीचोंबीच, एनीगोनी द्वारा बनाई गई महारानी की तस्वीर की सोने के फ्रेम वाली प्रतिकृति टंगी थी। ठीक सामने, उसी भव्य फ्रेम में, सेसिल बीटन की युद्धकालीन तस्वीर थी जिसमें विंस्टन चर्चिल कैबिनेट कार्यालय में अपनी मेज से एक तिरस्कारपूर्ण बुलडॉग की तरह ऊपर देख रहे थे। एक दीवार के सहारे एक चौड़ी किताबों की अलमारी थी और उसके सामने एक आरामदायक गद्देदार चमड़े का सोफा था। कमरे के बीचोंबीच, पॉलिश किए हुए पीतल के हैंडल वाली बड़ी मेज चमक रही थी। बिखरी हुई मेज पर तीन चांदी के फोटो फ्रेम थे, और बॉन्ड ने तिरछी नज़र से दो मेंशन इन डिस्पैचेस और ओ.बी.ई. के सैन्य विभाजन की तांबे की प्लेट पर लिखी हुई लिखावट देखी।

केरीम ने अपनी सिगरेट जलाई। उसने अपना सिर पीछे की ओर घुमाकर पर्दे की ओर देखा। उसने लापरवाही से कहा, 'कल हमारे दोस्त मुझसे मिलने आए थे। उन्होंने बाहर की दीवार पर एक लिम्पेट बम लगा दिया था। उन्होंने फ्यूज को इस तरह सेट किया था कि मैं अपने डेस्क पर ही फूँक मारूँ। सौभाग्य से, मैंने कुछ मिनट का समय निकालकर वहाँ सोफे पर एक युवा रोमानियाई लड़की के साथ आराम किया था, जो अब भी मानती है कि प्यार के बदले में एक आदमी अपने राज़ बता देगा। बम फट गया। (जनरेटेड बाय ABC Amber LIT कन्वर्टर, http:// www.processtext.com/abclit.html)

यह एक अहम पल था। मैंने खुद को विचलित नहीं होने दिया, लेकिन मुझे डर है कि लड़की के लिए यह अनुभव असहनीय था। जब मैंने उसे छोड़ा, तो वह हिस्टीरिया के दौरे पड़ने लगे। मुझे लगता है कि उसने यह मान लिया था कि मेरा प्रेम-प्रसंग बहुत हिंसक है।

उसने माफी मांगते हुए सिगरेट होल्डर हिलाया। 'लेकिन आपके आने से पहले कमरे को ठीक करने की जल्दी थी। खिड़कियों और मेरी तस्वीरों के लिए नए शीशे लगवाने पड़े, और पूरे कमरे में पेंट की बदबू आ रही है। खैर...' करीम अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गया। उसके चेहरे पर हल्की सी शिकन थी। 'मुझे यह समझ नहीं आ रहा कि शांति भंग करने का यह अचानक का तरीका क्या है। हम इस्तांबुल में बहुत सौहार्दपूर्ण ढंग से साथ रहते हैं। हम सभी को अपना-अपना काम करना है। यह बिल्कुल अनसुना है कि मेरे प्रिय सहकर्मी इस तरह अचानक युद्ध की घोषणा कर दें। यह बहुत चिंताजनक है। इससे हमारे रूसी दोस्तों के लिए मुसीबत ही खड़ी होगी। मुझे उस आदमी को फटकार लगानी पड़ेगी जिसने यह किया है, जब मुझे उसका नाम पता चल जाएगा।' करीम ने सिर हिलाया। 'यह बहुत उलझन भरा है। मुझे उम्मीद है कि इसका हमारे इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है।'

लेकिन क्या मेरे आगमन को इतना सार्वजनिक करना ज़रूरी था?' बॉन्ड ने नरमी से पूछा। 'मैं आपको इस सब में शामिल नहीं करना चाहता। रोल्स रॉयस को हवाई अड्डे क्यों भेजा? इससे तो आप मुझसे और भी जुड़ जाएँगे।'

केरीम की हंसी में थोड़ी नरमी थी। 'मेरे दोस्त, मुझे तुम्हें एक बात समझानी है जो तुम्हें पता होनी चाहिए। हम, रूसी और अमेरिकी, सभी होटलों में अपने-अपने किराए के आदमी रखते हैं। और हम सबने मुख्यालय में गुप्त पुलिस के एक अधिकारी को रिश्वत दी है और हमें हर दिन हवाई, रेल या समुद्री मार्ग से देश में प्रवेश करने वाले सभी विदेशियों की सूची की कार्बन कॉपी मिलती है। अगर कुछ और दिन मिल जाते तो मैं तुम्हें ग्रीक सीमा के रास्ते चुपके से अंदर ला सकता था। लेकिन किसलिए? तुम्हारी मौजूदगी की जानकारी दूसरी तरफ होनी चाहिए ताकि हमारी दोस्त तुमसे संपर्क कर सके। उसने यह शर्त रखी है कि मुलाकात का इंतजाम वह खुद करेगी। शायद उसे हमारी सुरक्षा पर भरोसा नहीं है। कौन जाने? लेकिन वह इस बारे में पक्की थी और उसने कहा, मानो मुझे पता ही न हो, कि तुम्हारे आने की सूचना तुरंत उसके केंद्र को दे दी जाएगी।' केरीम ने अपने चौड़े कंधे उचका दिए। 'तो फिर उसके लिए मुश्किलें क्यों खड़ी करूं? मैं तो बस तुम्हारे लिए सब कुछ आसान और आरामदायक बनाना चाहता हूं ताकि तुम कम से कम अपने प्रवास का आनंद ले सको - भले ही वह व्यर्थ ही क्यों न हो।'

बॉन्ड हँसा। मैं अपनी सारी बातें वापस लेता हूँ। मैं बाल्कन का फॉर्मूला भूल गया था। खैर, मैं यहाँ आपके आदेशों का पालन कर रहा हूँ।

आप मुझे बताइए कि क्या करना है और मैं वही करूंगा।

केरीम ने बात टाल दी। और अब, चूंकि हम आपके आराम की बात कर ही रहे हैं, तो आपका होटल कैसा है? मुझे आश्चर्य हुआ कि आपने पैलेस होटल चुना। यह एक अव्यवस्थित घर से कुछ बेहतर नहीं है - जिसे फ्रांसीसी लोग बैसोड्रोम कहते हैं। और यह रूसियों का पसंदीदा अड्डा है। वैसे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

यह उतना बुरा नहीं है। मैं बस इस्तांबुल-हिल्टन या किसी अन्य आलीशान जगह पर नहीं रुकना चाहता था।'

'पैसे?' करीम ने दराज में हाथ डाला और नए हरे नोटों का एक चपटा पैकेट निकाला। 'ये लो एक हजार तुर्की पाउंड। इनकी वास्तविक कीमत और काला बाजार में इनकी दर लगभग बीस प्रति पाउंड है। आधिकारिक दर सात है। जब ये खत्म हो जाएं तो मुझे बता देना, मैं तुम्हें जितने चाहो उतने और दे दूंगा। खेल के बाद हम हिसाब-किताब कर लेंगे। वैसे भी ये बेकार की चीजें हैं। जब से पहले करोड़पति क्रोएसस ने सोने के सिक्के बनाए हैं, तब से पैसे का मूल्य घटता जा रहा है। और सिक्के की गुणवत्ता भी खराब होती जा रही है।' (ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

इसकी कीमत जितनी तेज़ी से बढ़ी, उतनी ही तेज़ी से इसका मूल्य भी बढ़ा। पहले सिक्कों पर देवताओं के चेहरे थे। फिर राजाओं के चेहरे। फिर राष्ट्रपतियों के चेहरे।

अब तो इस पर कोई चेहरा ही नहीं दिखता। इसे देखो!' करीम ने बॉन्ड की तरफ पैसे फेंक दिए। 'आज तो ये सिर्फ कागज हैं, जिन पर एक सरकारी इमारत की तस्वीर और एक कैशियर के हस्ताक्षर हैं। छी! चमत्कार तो ये है कि इससे अभी भी चीजें खरीदी जा सकती हैं। खैर। और क्या? सिगरेट? सिर्फ यही पियो। मैं तुम्हारे होटल में कुछ सौ सिगरेट भिजवा दूंगा। ये सबसे अच्छी होती हैं। राजनयिकों की सिगरेट। ये आसानी से नहीं मिलतीं। इनमें से ज्यादातर मंत्रालयों और दूतावासों में जाती हैं। काम शुरू करने से पहले और कुछ? अपने खाने-पीने और आराम की चिंता मत करो। मैं दोनों का ख्याल रखूंगा। मुझे इसका आनंद आएगा और अगर तुम मुझे माफ करोगे, तो मैं तुम्हारे यहां रहने के दौरान तुम्हारे करीब रहना चाहता हूं।'

बॉन्ड ने कहा, 'और कुछ नहीं। सिवाय इसके कि आपको एक दिन लंदन आना होगा।'

'बिल्कुल नहीं,' केरीम ने दृढ़ता से कहा। 'मौसम और औरतें दोनों ही हद से ज़्यादा ठंडी हैं। और मुझे आपको यहाँ पाकर गर्व है। यह मुझे युद्ध की याद दिलाता है। अब,' उसने अपनी मेज पर रखी घंटी बजाई। 'आपको अपनी कॉफ़ी सादी पसंद है या मीठी? तुर्की में हम कॉफ़ी या राकी के बिना गंभीरता से बात नहीं कर सकते और अभी राकी पीने का समय नहीं हुआ है।'

'साधारण।'

बॉन्ड के पीछे का दरवाजा खुला। करीम ने आदेश दिया। दरवाजा बंद होते ही करीम ने एक दराज खोली और उसमें से एक फाइल निकालकर अपने सामने रख ली। उसने उस पर ज़ोर से हाथ पटका।

उन्होंने गंभीर स्वर में कहा, 'मेरे मित्र, मुझे इस मामले के बारे में कुछ भी कहना नहीं आता।'

वह कुर्सी पर पीछे झुक गया और अपने हाथों को गर्दन के पीछे जोड़ लिया। 'क्या कभी आपके मन में यह ख्याल आया है कि हमारा काम किसी फिल्म की शूटिंग जैसा है? अक्सर ऐसा होता है कि सभी लोग लोकेशन पर होते हैं और मुझे लगता है कि मैं काम शुरू कर सकता हूँ। फिर मौसम की बात आती है, फिर कलाकारों की, और फिर दुर्घटनाएँ। और फिल्म बनाने में एक और बात भी होती है। प्यार किसी न किसी रूप में पनप ही जाता है, सबसे बुरी स्थिति में, जैसा कि अभी है, दोनों सितारों के बीच। मेरे लिए इस मामले में यही सबसे उलझन भरा और सबसे रहस्यमय पहलू है। क्या यह लड़की वाकई आपसे प्यार करती है, जैसा कि उसने आपके बारे में सोचा है? क्या वह आपको देखकर आपसे प्यार करेगी? क्या आप उससे इतना प्यार कर पाएंगे कि वह आपके पास आ जाए?'

बॉन्ड ने कोई टिप्पणी नहीं की। दरवाजे पर दस्तक हुई और मुख्य क्लर्क ने सोने की नक्काशी से सजा हुआ एक चीनी मिट्टी का अंडा-छिलका उन दोनों के सामने रख दिया और बाहर चला गया। बॉन्ड ने अपनी कॉफी की एक घूंट ली और उसे नीचे रख दिया। कॉफी अच्छी थी, लेकिन उसमें दाने ज़्यादा थे। करीम ने अपनी कॉफी एक ही झटके में पी ली और सिगरेट होल्डर में सिगरेट लगाकर जला ली।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

“लेकिन इस प्रेम मामले में हम कुछ नहीं कर सकते,” केरीम ने लगभग खुद से ही कहा। “हम बस इंतजार कर सकते हैं और देख सकते हैं। इस बीच और भी चीजें हैं।” वह डेस्क पर झुक गया और बॉन्ड की ओर देखा, उसकी आँखें अचानक बहुत कठोर और तीक्ष्ण हो गईं।

मेरे दोस्त, दुश्मन के खेमे में कुछ चल रहा है। यह सिर्फ मुझे हटाने की कोशिश नहीं है।

यहां आना-जाना लगा रहता है। मेरे पास कुछ ही तथ्य हैं,’ उन्होंने अपनी बड़ी तर्जनी उंगली ऊपर उठाई और उसे अपनी नाक के पास रखा, ‘लेकिन मेरे पास यह है।’ उन्होंने अपनी नाक के किनारे को ऐसे थपथपाया जैसे किसी कुत्ते को सहला रहे हों। ‘लेकिन यह मेरा एक अच्छा दोस्त है और मुझे उस पर भरोसा है।’ उन्होंने धीरे से और महत्वपूर्ण ढंग से अपना हाथ मेज पर नीचे किया और धीरे से कहा, ‘और अगर दांव इतना बड़ा न होता, तो मैं तुमसे कहता, “घर जाओ मेरे दोस्त। घर जाओ। यहां कुछ ऐसा है जिससे दूर भागना जरूरी है।”’

केरीम पीछे हट गया। उसकी आवाज़ से तनाव गायब हो गया। वह ज़ोर से हँसा। 'लेकिन हम बूढ़ी औरतें नहीं हैं। और यह हमारा काम है। तो चलिए मेरी नाक को भूलकर काम पर लग जाते हैं। सबसे पहले, क्या मैं आपको कुछ ऐसा बता सकता हूँ जो आप नहीं जानते? मेरे संकेत के बाद से लड़की ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है और मेरे पास कोई अन्य जानकारी नहीं है। लेकिन शायद आप मुझसे मुलाकात के बारे में कुछ सवाल पूछना चाहें।'

बॉन्ड ने सपाट लहजे में कहा, 'मुझे बस एक ही बात जाननी है।' 'इस लड़की के बारे में तुम्हारा क्या ख्याल है? क्या तुम उसकी कहानी पर यकीन करते हो या नहीं? मेरे बारे में उसकी कहानी

पर? बाकी कुछ मायने नहीं रखता। अगर उसे मुझ पर किसी तरह का पागलपन भरा प्यार नहीं है, तो सारा मामला धराशायी हो जाता है और यह कोई जटिल एमजीबी साजिश है जिसे हम समझ नहीं सकते। अभी। क्या तुमने उस लड़की पर यकीन किया?' बॉन्ड की आवाज़ में बेचैनी थी और उसकी निगाहें दूसरे आदमी के चेहरे पर टिकी हुई थीं।

आह, मेरे दोस्त,' करीम ने अपना सिर हिलाया। उसने अपनी बाहें फैला दीं। 'यही सवाल मैंने तब खुद से पूछा था, और तब से लेकर अब तक मैं यही सवाल खुद से पूछता आ रहा हूँ। लेकिन कौन बता सकता है कि कोई औरत इन बातों में झूठ बोल रही है या नहीं? उसकी आँखें चमक रही थीं—वे खूबसूरत मासूम आँखें। उसके होंठ नम थे और उस दिव्य मुख में खुले हुए थे।'

उसकी आवाज़ में घबराहट और डर साफ झलक रहा था, मानो वह जो कर रही थी और कह रही थी, उसे लेकर वह बेचैन थी। जहाज़ की रेलिंग पर उसके हाथ के जोड़ सफ़ेद पड़ गए थे। लेकिन उसके दिल में क्या था?' करीम ने अपने हाथ ऊपर उठाए, 'यह तो सिर्फ़ भगवान ही जानते हैं।' उसने निराशा से अपने हाथ नीचे कर लिए। उसने उन्हें मेज पर सीधा रखा और बॉन्ड की ओर देखा। 'यह जानने का सिर्फ़ एक ही तरीका है कि कोई औरत आपसे सच में प्यार करती है या नहीं, और वह तरीका भी सिर्फ़ एक माहिर ही समझ सकता है।'

"हां," बॉन्ड ने संदेह भरे लहजे में कहा। "मैं समझ गया तुम्हारा मतलब क्या है। बिस्तर में।"

अध्याय पंद्रह

एक जासूस की पृष्ठभूमि

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

फिर कॉफी आई, और फिर और कॉफी, और बड़ा कमरा सिगरेट के धुएं से भर गया क्योंकि दोनों आदमी सबूत के हर टुकड़े को बारीकी से जांचते और अलग रखते गए। एक घंटे के अंत में वे वहीं लौट आए जहां से उन्होंने शुरुआत की थी। अब बॉन्ड को इस लड़की की समस्या सुलझानी थी और अगर वह उसकी कहानी से संतुष्ट होता, तो उसे और मशीन को देश से बाहर निकालना था।

केरीम ने प्रशासनिक समस्याओं को संभालने का जिम्मा लिया। पहले कदम के तौर पर उन्होंने फोन उठाया और अपने ट्रैवल एजेंट से बात की और अगले सप्ताह के लिए बी.ई.ए., एयर फ्रांस, एस.ए.एस. और तुर्कएयर की सभी उड़ानों में दो-दो सीटें आरक्षित करवा लीं।

और अब आपके पास पासपोर्ट होना चाहिए,' उन्होंने कहा। एक ही काफी होगा। वह आपकी पत्नी बनकर यात्रा कर सकती है। मेरा एक आदमी आपकी तस्वीर लेगा और वह किसी ऐसी लड़की की तस्वीर ढूंढेगा जो उससे मिलती-जुलती हो। दरअसल, गार्बो की कोई पुरानी तस्वीर भी काम आ जाएगी। उनमें कुछ समानता है। वह अखबारों के रिकॉर्ड से एक तस्वीर निकाल सकता है। मैं महावाणिज्यदूत से बात करूंगा। वह एक बेहतरीन आदमी है जिसे मेरी छोटी-मोटी गुप्त योजनाएँ पसंद आती हैं। पासपोर्ट आज शाम तक तैयार हो जाएगा। आप क्या नाम रखना चाहेंगे?'

'एक पर्ची निकालो।'

समरसेट। मेरी माँ वहीं से थीं। डेविड समरसेट। पेशा, कंपनी निदेशक। इसका कोई मतलब नहीं। और वो लड़की? मान लीजिए कैरोलीन। वो कैरोलीन जैसी दिखती है। दो चुस्त-दुरुस्त नौजवान अंग्रेज, जिन्हें घूमने-फिरने का शौक है। वित्तीय नियंत्रण प्रपत्र? उसे मुझ पर छोड़ दीजिए। मान लीजिए उसमें अस्सी पाउंड के ट्रैवलर्स चेक और बैंक की रसीद होगी, जिससे पता चलेगा कि आपने तुर्की में पचास पाउंड बदले थे। सीमा शुल्क? वे कभी कुछ नहीं देखते। अगर किसी ने देश में कुछ खरीदा हो तो उन्हें बहुत खुशी होती है। आप कुछ टर्किश डिलाइट घोषित कर दीजिएगा - लंदन में अपने दोस्तों के लिए उपहार। अगर आपको जल्दी निकलना पड़े, तो अपना होटल बिल और सामान मुझ पर छोड़ दीजिएगा। पैलेस में वे मुझे अच्छी तरह जानते हैं।

और कुछ?'

मुझे कुछ भी समझ नहीं आ रहा है।

केरीम ने अपनी घड़ी देखी। 'बारह बज गए। गाड़ी आपको वापस आपके होटल ले जाने के लिए बस थोड़ा ही समय बचा है। कोई संदेश हो सकता है। और अपने सामान को अच्छी तरह से देख लें कि कहीं कोई ताक-झांक तो नहीं कर रहा है।'

उसने घंटी बजाई और मुख्य क्लर्क को निर्देश दिए, जो केरीम पर अपनी पैनी निगाहें गड़ाए खड़ा था और उसका दुबला सिर एक कोड़े जैसे कुत्ते की तरह आगे की ओर झुका हुआ था।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

केरीम बॉन्ड को दरवाजे तक ले गया। फिर से वही गर्मजोशी भरा और मजबूत हाथ थामने का आभास हुआ। 'गाड़ी आपको दोपहर के भोजन के लिए ले जाएगी,' उसने कहा। 'मसाला बाजार में एक छोटी सी जगह पर।' उसकी आँखें खुशी से बॉन्ड की आँखों में देख रही थीं। 'और मुझे आपके साथ काम करके खुशी हो रही है। हम साथ मिलकर अच्छा करेंगे।' उसने बॉन्ड का हाथ छोड़ दिया। 'और अब मुझे बहुत सारे काम बहुत जल्दी करने हैं। हो सकता है कि वे गलत काम हों, लेकिन फिर भी,' वह चौड़ी मुस्कान के साथ बोला, 'जोउओन्स माल, मैस जोउओन्स वीट!'

मुख्य क्लर्क, जो केरीम का कोई खास सलाहकार लग रहा था, बॉन्ड को ऊंचे चबूतरे की दीवार में बने एक और दरवाजे से अंदर ले गया। सभी के सिर अभी भी बहीखातों पर झुके हुए थे। आगे एक छोटा सा गलियारा था जिसके दोनों ओर कमरे थे। वह आदमी आगे-आगे एक कमरे में गया और बॉन्ड ने खुद को एक बेहद सुसज्जित अंधेरे कमरे और प्रयोगशाला में पाया। दस मिनट में वह फिर से सड़क पर आ गया। रोल्स रॉयस संकरी गली से निकलकर फिर से गलाटा पुल पर आ गई।

क्रिस्टल पैलेस में एक नया दरबान ड्यूटी पर था, एक छोटा, विनम्र व्यक्ति जिसकी पीली रंगत वाली आँखों में अपराधबोध झलक रहा था। वह डेस्क के पीछे से बाहर आया, अपने हाथ माफी के भाव से फैलाए हुए। "एफ़ेंडी, मुझे बहुत खेद है। मेरे सहकर्मी ने आपको एक अनुपयुक्त कमरा दिखाया। यह बात समझ में नहीं आई कि आप केरीम बे के मित्र हैं।"

आपका सामान कमरा नंबर 12 में भेज दिया गया है। यह होटल का सबसे अच्छा कमरा है। दरअसल,' दरबान ने चिढ़कर कहा, 'यह हनीमून मनाने वाले जोड़ों के लिए आरक्षित कमरा है। हर तरह की सुविधा उपलब्ध है। क्षमा करें, एफेंडी। दूसरा कमरा खास मेहमानों के लिए नहीं है।' उस व्यक्ति ने तेल लगे हाथों से झुककर अभिवादन किया।

अगर बॉन्ड को किसी बात से सख्त नफरत थी, तो वह थी अपने जूतों को चाटने की आवाज़। उसने चौकीदार की आँखों में देखा और कहा, "उह।" चौकीदार ने नज़रें फेर लीं। "मुझे यह कमरा देखने दीजिए। हो सकता है मुझे यह पसंद न आए। मैं जहाँ था, वहाँ काफी आरामदायक महसूस कर रहा था।"

"ज़रूर, एफ़ेंडी," उस आदमी ने बॉन्ड को लिफ़्ट की ओर झुककर अभिवादन किया। "लेकिन अफ़सोस, प्लंबर आपके पुराने कमरे में हैं। पानी की सप्लाई...।" आवाज़ धीमी पड़ गई। लिफ़्ट लगभग दस फीट ऊपर उठी और पहली मंज़िल पर रुक गई।

बॉन्ड ने सोचा, "खैर, प्लंबरों की कहानी समझ में आती है। और वैसे भी, होटल में सबसे अच्छा कमरा मिलने में कोई बुराई नहीं थी।"

चौकीदार ने एक ऊंचे दरवाजे की ताला खोला और पीछे हट गया।

बॉन्ड को मंज़ूरी देनी ही थी। चौड़ी दोहरी खिड़कियों से सूरज की रोशनी अंदर आ रही थी, जो एक छोटी सी बालकनी की ओर खुलती थीं। सजावट का रंग गुलाबी और धूसर था और शैली नकली फ्रांसीसी साम्राज्य की थी, जो समय की मार झेल चुकी थी, लेकिन फिर भी सदी के मोड़ की सारी शान बरकरार थी। लकड़ी के फर्श पर बढ़िया बोखारा कालीन बिछे थे। अलंकृत छत से एक जगमगाता झूमर लटका हुआ था। दाहिनी दीवार से लगा बिस्तर बहुत बड़ा था। उसके पीछे की दीवार के अधिकांश हिस्से पर सोने के फ्रेम वाला एक बड़ा दर्पण लगा था। (बॉन्ड को हंसी आ गई। हनीमून का कमरा!)

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

(छत पर भी एक दर्पण होना चाहिए था।) बगल का बाथरूम टाइलों से बना था और उसमें बिडेट और शॉवर समेत सभी सुविधाएं मौजूद थीं। बॉन्ड के शेविंग के सामान करीने से रखे हुए थे।

दरबान बॉन्ड के पीछे-पीछे बेडरूम में गया, और जब बॉन्ड ने कहा कि वह कमरा ले लेगा, तो उसने कृतज्ञतापूर्वक झुककर कमरा छोड़ दिया।

क्यों नहीं? बॉन्ड फिर से कमरे में घूमा। इस बार उसने दीवारों और बिस्तर व टेलीफोन के आसपास के इलाके का ध्यान से निरीक्षण किया। कमरा क्यों न ले लिया जाए? यहाँ माइक्रोफोन या गुप्त दरवाजे क्यों होंगे? इनका क्या मतलब होगा?

उसका सूटकेस दराजों वाली अलमारी के पास एक बेंच पर रखा था। वह घुटनों के बल बैठ गया। ताले के आसपास कोई खरोंच नहीं थी।

बैग के कुंडी में फंसा हुआ थोड़ा सा रुआं अभी भी वहीं था। उसने सूटकेस खोला और उसमें से छोटा सा लॉकेट निकाला। फिर से उसमें किसी तरह की छेड़छाड़ का कोई निशान नहीं था। बॉन्ड ने लॉकेट बंद किया और खड़ा हो गया।

उसने हाथ-मुँह धोया और कमरे से बाहर निकलकर सीढ़ियों से नीचे चला गया। नहीं, एफ़ेंडी के लिए कोई संदेश नहीं आया था। चौकीदार ने रोल्स रॉयस का दरवाज़ा खोलते हुए झुककर अभिवादन किया। क्या उन आँखों में मंडराते स्थायी अपराधबोध के पीछे किसी साजिश का संकेत था? बॉन्ड ने तय किया कि अगर ऐसा था भी तो उसे परवाह नहीं करनी चाहिए। खेल, चाहे जो भी हो, उसे पूरा होना ही था। अगर कमरों का बदलना ही शुरुआती चाल थी, तो और भी अच्छा। खेल की शुरुआत कहीं न कहीं से तो होनी ही थी।

जैसे ही कार पहाड़ी से नीचे की ओर तेज़ी से बढ़ने लगी, बॉन्ड के विचार डार्को केरीम की ओर मुड़ गए। स्टेशन टी के प्रमुख के लिए क्या उपयुक्त व्यक्ति है! इस देश में, जहाँ सभी लोग छिपकर रहते हैं और छोटे कद के होते हैं, केवल उनका कद ही उन्हें अधिकार प्रदान करता है, और उनकी विशाल ऊर्जा और जीवन के प्रति प्रेम हर किसी को उनका मित्र बना देता है। यह उत्साही और चतुर समुद्री डाकू कहाँ से आया था? और वह सेना में कैसे शामिल हुआ? वह उस दुर्लभ प्रकार का व्यक्ति था जिसे बॉन्ड पसंद करता था, और बॉन्ड पहले से ही केरीम को उन गिने-चुने सच्चे दोस्तों में शामिल करने के लिए तैयार था जिन्हें बॉन्ड, जिसका कोई परिचित नहीं

था, अपने दिल में जगह देना चाहता था।

कार गलाटा पुल के ऊपर से वापस गुजरी और स्पाइस बाजार के मेहराबदार गलियारों के बाहर आकर रुक गई।

ड्राइवर धीरे-धीरे घिसी-पिटी सीढ़ियों से ऊपर चढ़ता हुआ, अजीबोगरीब खुशबुओं के धुंध में घुस गया, और भिखारियों व बोरियों से लदे कुलियों को कोसता हुआ आगे बढ़ा। प्रवेश द्वार के अंदर पहुँचकर ड्राइवर भीड़-भाड़ से निकलते हुए बाईं ओर मुड़ा और बॉन्ड को मोटी दीवार में बना एक छोटा सा मेहराब दिखाया। बुर्ज जैसी पत्थर की सीढ़ियाँ ऊपर की ओर मुड़ती हुई जा रही थीं।

ऐफ़ेंडी, आपको करीम बे बाईं ओर के आखिरी कमरे में मिलेंगे। आपको बस पूछना है। उन्हें सब जानते हैं।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

बॉन्ड ठंडी सीढ़ियाँ चढ़कर एक छोटे से प्रतीक्षालय में पहुँचा, जहाँ एक वेटर ने बिना उसका नाम पूछे ही उसे अपने साथ ले जाकर रंगीन टाइलों से सजे मेहराबदार छोटे-छोटे कमरों के भूलभुलैया से होते हुए उस जगह पहुँचाया जहाँ बाज़ार के प्रवेश द्वार के ऊपर एक कोने की मेज पर केरीम बैठा था। केरीम ने उत्साहपूर्वक उसका अभिवादन किया और बर्फ से भरे दूध के गिलास को लहराया।

'लो मेरे दोस्त! अब जल्दी से थोड़ी राकी लाओ। घूमने-फिरने के बाद तुम थक गए होगे।' उसने वेटर को आदेश देते हुए कहा।

बॉन्ड एक आरामदायक कुर्सी पर बैठ गया और वेटर द्वारा दिए गए छोटे गिलास को ले लिया। उसने गिलास को करीम की ओर बढ़ाया और उसे चखा। वह बिल्कुल ऊज़ो जैसा था। उसने उसे पी लिया। तुरंत ही वेटर ने उसका गिलास फिर से भर दिया।

और अब अपने लंच का ऑर्डर देने का समय आ गया है। तुर्की में लोग बासी जैतून के तेल में पकाए गए अंगों के अलावा कुछ नहीं खाते। कम से कम मिसिर कार्सारसी में मिलने वाला अंग तो सबसे अच्छा है।

मुस्कुराते हुए वेटर ने सुझाव दिए।

‘वह कहता है कि आज डोनर कबाब बहुत अच्छा है। मुझे उसकी बात पर यकीन नहीं है, पर हो सकता है। यह बहुत छोटे मेमने का मांस है जिसे कोयले पर भूनकर स्वादिष्ट चावल के साथ परोसा जाता है। इसमें ढेर सारे प्याज होते हैं। या आपको कुछ और पसंद है? पुलाव या वो भरवां मिर्च जो ये लोग यहाँ खाते हैं? ठीक है। और शुरुआत में कुछ सार्डिन मछली ज़रूर मंगवाइए जो पैपिलोट स्टाइल में ग्रिल की गई हों। वो खाने लायक होती हैं।’ करीम ने वेटर पर चिल्लाते हुए कहा। वेटर पीछे हटकर बॉन्ड को देखकर मुस्कुराया। ‘इन बदकिस्मत लोगों के साथ यही एक तरीका है। इन्हें गालियां और लात खाना पसंद है। बस यही इनकी समझ है। ये इनके खून में है। लोकतंत्र का ये ढोंग इन्हें मार रहा है। इन्हें सुल्तान, युद्ध, बलात्कार और मौज-मस्ती चाहिए।

बेचारे जानवर, अपने धारीदार सूट और टोपी में। ये बहुत दुखी हैं।'

बस उन्हें देख लीजिए। खैर, भाड़ में जाएं वो सब। कोई खबर है?

बॉन्ड ने अपना सिर हिलाया। उसने केरीम को कमरे में हुए बदलाव और बिना छुए हुए सूटकेस के बारे में बताया।

केरीम ने एक गिलास राकी पीकर अपने हाथ के पिछले हिस्से से अपना मुंह पोंछा। उसने बॉन्ड के विचार को दोहराया। 'खैर, खेल तो कभी न कभी शुरू होना ही है। मैंने कुछ छोटे-मोटे कदम उठाए हैं। अब हमें बस इंतजार करना होगा और देखना होगा। दोपहर के भोजन के बाद हम दुश्मन के इलाके में थोड़ा सा घुसपैठ करेंगे। मुझे लगता है कि इसमें आपकी दिलचस्पी होगी।'

ओह, हमें कोई देख नहीं पाएगा। हम अंधेरे में, ज़मीन के नीचे से निकलेंगे।' करीम अपनी चतुराई पर खुशी से हँस पड़ा। और अब चलिए कुछ और बातें करते हैं। आपको तुर्की कैसा लगा? नहीं, मैं जानना नहीं चाहता।

और क्या?'

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

उनके पहले व्यंजन के आने से उनकी बातचीत में रुकावट आ गई। बॉन्ड की सार्डिन एन पैपिलॉट (एक प्रकार की तली हुई सार्डिन) का स्वाद अन्य तली हुई सार्डिन जैसा ही था। करीम ने एक बड़ी प्लेट उठाई जिसमें कच्ची मछली की पट्टियाँ जैसी कुछ दिख रही थीं। उसने बॉन्ड की उत्सुकता भरी नज़र देखी। 'कच्ची मछली,' उसने कहा। इसके बाद मैं कच्चा मांस और सलाद खाऊँगा और फिर एक कटोरी दही लूँगा। मैं कोई सनकी नहीं हूँ, लेकिन एक समय मैं पेशेवर पहलवान बनने का प्रशिक्षण ले चुका हूँ। तुर्की में यह एक अच्छा पेशा है। जनता उन्हें पसंद करती है। और मेरे प्रशिक्षक ने ज़ोर देकर कहा था कि मुझे केवल कच्चा खाना ही खाना चाहिए। मुझे इसकी आदत पड़ गई है। यह मेरे लिए अच्छा है, लेकिन,' उसने अपना कांटा हिलाते हुए कहा, 'मैं यह दावा नहीं करता कि यह सबके लिए अच्छा है।'

मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि दूसरे लोग क्या खाते हैं, बस उन्हें खाने में मजा आना चाहिए। मुझे उदास होकर खाने वाले और उदास होकर पीने वाले लोग बिल्कुल पसंद नहीं हैं।

आपने ताकतवर आदमी न बनने का फैसला क्यों किया? आप इस धंधे में कैसे आ गए?

केरीम ने मछली का एक टुकड़ा उठाया और उसे दांतों से नोंचने लगा। उसने आधा गिलास राकी गटक लिया। उसने एक सिगरेट जलाई और कुर्सी पर पीछे झुककर बैठ गया। "अच्छा," उसने चिड़चिड़ी मुस्कान के साथ कहा, "चलो बाकी सब बातों के बजाय मेरे बारे में ही बात करते हैं। और आप सोच रहे होंगे कि 'यह बड़ा सनकी आदमी सेना में कैसे आ गया?' मैं आपको बताऊंगा, लेकिन संक्षेप में, क्योंकि यह एक लंबी कहानी है। अगर आपको बोरियत होने लगे तो मुझे रोक देना। ठीक है?"

'ठीक है।' बॉन्ड ने एक सिगरेट जलाई। वह कोहनियों के बल आगे की ओर झुक गया।

मैं ट्रेबिज़ोंड से आया हूँ।' करीम ने सिगरेट के धुएँ को ऊपर उठते हुए देखा। 'हमारा परिवार बहुत बड़ा था, जिसमें कई माताएँ थीं। मेरे पिता ऐसे पुरुष थे जिनसे महिलाएँ खुद को रोक नहीं पातीं। सभी महिलाएँ चाहती हैं कि कोई उन्हें अपने वश में कर ले। वे अपने सपनों में चाहती हैं कि कोई पुरुष उन्हें कंधे पर उठाकर गुफा में ले जाए और उनके साथ बलात्कार करे।'

उनका यही तरीका था। मेरे पिता एक महान मछुआरे थे और उनकी प्रसिद्धि पूरे काला सागर में फैली हुई थी। वे तलवार मछली का शिकार करते थे। उन्हें पकड़ना और उनसे लड़ना मुश्किल होता है और वे हमेशा इन मछलियों को पकड़ने में दूसरों से आगे रहते थे। महिलाओं को अपने पुरुष नायक जैसे पसंद होते हैं। वे तुर्की के एक कोने में एक तरह के नायक थे, जहाँ पुरुषों का मजबूत होना एक परंपरा है। वे एक बड़े, रोमांटिक स्वभाव के व्यक्ति थे। इसलिए वे जिस भी महिला को चाहते, उसे पा सकते थे। वे सभी महिलाओं को चाहते थे और कभी-कभी उन्हें पाने के लिए दूसरे पुरुषों को मार भी डालते थे। स्वाभाविक रूप से उनके कई बच्चे थे। हम सभी एक बड़े, पुराने, खंडहर हो चुके घर में एक दूसरे के ऊपर रहते थे।

चाचियों ने रहने लायक माहौल बना दिया। चाचियाँ सचमुच एक हरम जैसी थीं। उनमें से एक इस्तांबुल की अंग्रेज़ गवर्नेस थी, जिसे मेरे पिता ने सर्कस देखते हुए देखा था। उन्हें वह पसंद आ गई और उसे भी, और उसी शाम उन्होंने उसे अपनी मछली पकड़ने वाली नाव पर बिठाया और बोस्फोरस में यात्रा करते हुए ट्रेबिज़ोंड लौट आए। मुझे नहीं लगता कि उसे कभी इसका पछतावा हुआ। मुझे लगता है कि वह उनके सिवा दुनिया को पूरी तरह भूल गई थी। युद्ध के तुरंत बाद उसकी मृत्यु हो गई। वह साठ वर्ष की थी। मेरे सामने जो बच्चा है, वह एक इतालवी लड़की का बेटा था और लड़की ने उसका नाम बियांको रखा था। वह गोरा था।

मैं सांवला था। मुझे डार्को कहकर बुलाया जाता था। हम पंद्रह बच्चे थे और हमारा बचपन बहुत अच्छा बीता। हमारी चाचियाँ अक्सर लड़ती थीं और हम भी। यह किसी बंजारे की बस्ती जैसा था। इसे मेरे पिता संभाले रखते थे, जो हमें, चाहे औरतें हों या बच्चे, तब पीटते थे जब हम कोई उपद्रव करते थे। लेकिन जब हम शांत और आज्ञाकारी होते थे, तब वे हमारे साथ अच्छा व्यवहार करते थे। आप ऐसे परिवार को समझ नहीं सकते?

जिस तरह से आप इसका वर्णन करते हैं, मैं समझ सकता हूँ।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

खैर, ऐसा ही हुआ। मैं अपने पिता के लगभग बराबर लंबा-चौड़ा हो गया, लेकिन उनसे कहीं ज़्यादा पढ़ा-लिखा। मेरी माँ ने इसका पूरा ध्यान रखा। मेरे पिता ने हमें सिर्फ़ साफ़-सफ़ाई रखना, दिन में एक बार शौचालय जाना और दुनिया की किसी भी बात पर शर्म न करना सिखाया था। मेरी माँ ने मुझे इंग्लैंड के प्रति सम्मान भी सिखाया, लेकिन ये तो बस यूँ ही है। बीस साल की उम्र तक मेरे पास अपनी नाव थी और मैं पैसे कमा रहा था। लेकिन मैं मनमौजी था। मैंने बड़ा घर छोड़ दिया और तट पर दो छोटे कमरों में रहने चला गया। मैं अपनी औरतों के साथ ऐसी जगह रहना चाहता था जहाँ मेरी माँ को पता न चले। एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी। मुझे एक छोटी सी

बेस्सारबियाई लड़की मिली। मैंने उसे इस्तांबुल के पीछे पहाड़ियों में कुछ जिप्सियों से लड़ाई में जीता था। वे मेरे पीछे आए, लेकिन मैं उसे नाव पर ले आया। मुझे पहले उसे बेहोश करना पड़ा। जब हम ट्रेबिज़ोंड वापस पहुँचे, तब भी वह मुझे मारने की कोशिश कर रही थी, इसलिए मैं उसे अपने घर ले गया और उसके सारे कपड़े उतार दिए और उसे नग्न अवस्था में मेज़ के नीचे जंजीरों से बाँध कर रखा। जब मैं खाना खाता था, तो मैं कुत्ते की तरह मेज के नीचे से जूठा खाना उसे फेंक देता था। उसे यह सीखना था कि मालिक कौन है। इससे पहले कि ऐसा हो पाता, मेरी माँ ने एक ऐसा काम किया जो पहले कभी नहीं हुआ था। वह बिना बताए मेरे घर आ गईं। वह मुझे यह बताने आई थीं कि मेरे पिता मुझसे तुरंत मिलना चाहते हैं। उन्हें वह लड़की मिल गई। मेरी माँ मुझसे पहली बार बहुत नाराज़ हुईं। नाराज़? वह तो आग बबूला हो गईं। मैं एक निर्दयी और निकम्मा था और उन्हें मुझे बेटा कहने में शर्म आती थी। उस लड़की को तुरंत उसके परिवार वालों के पास वापस भेजना था। मेरी माँ घर से अपने कुछ कपड़े उसके लिए लाईं। लड़की ने उन्हें पहन लिया, लेकिन जब समय आया, तो उसने मुझे छोड़ने से इनकार कर दिया।' डार्को करीम ज़ोर से हँसे। मेरे प्यारे दोस्त, यह स्त्री मनोविज्ञान का एक दिलचस्प सबक है। हालाँकि, उस लड़की की समस्या एक अलग कहानी है। जब मेरी माँ उसके लिए परेशान हो रही थीं और उन्हें बदले में सिर्फ़ जिप्सी गालियाँ मिल रही थीं, तब मैं अपने पिता से बात कर रहा था, जिन्होंने इस सब के बारे में कुछ नहीं सुना था और न ही कभी सुना था। मेरी माँ ऐसी ही थीं। मेरे पिता के साथ एक और आदमी था, लंबा, शांत अंग्रेज, जिसकी एक आंख पर काली पट्टी बंधी थी। वे रूसियों के बारे में बात कर रहे थे। अंग्रेज जानना चाहता था कि वे अपनी सीमा पर क्या कर रहे हैं, ट्रेबिज़ोंड से मात्र पचास मील दूर स्थित उनके बड़े तेल और नौसैनिक अड्डे बटौम में क्या चल रहा है। वह जानकारी के लिए अच्छी खासी रकम देने को तैयार था। मुझे अंग्रेजी और रूसी आती थी। मेरी आंखें और कान तेज़ थे। मेरे पास एक नाव थी। मेरे पिता ने तय किया था कि मैं उस अंग्रेज के लिए काम करूंगा। और वह अंग्रेज, मेरा प्रिय मित्र, मेजर डैनसी था, जो इस स्टेशन के प्रमुख के रूप में मेरा पूर्ववर्ती था। और बाकी,' करीम ने सिगरेट होल्डर से इशारा करते हुए कहा, 'आप कल्पना कर सकते हैं।'

लेकिन पेशेवर ताकतवर आदमी बनने के प्रशिक्षण का क्या?

'आह,' करीम ने चालाकी से कहा, 'वह तो बस एक मामूली काम था। हमारे घूमने वाले सर्कस ही लगभग इकलौते तुर्क थे जिन्हें सीमा पार करने की इजाज़त थी। रूसी सर्कस के बिना रह ही नहीं सकते। बात इतनी ही सरल है। मैं ही वह आदमी था जो जंजीरें तोड़ता था और दांतों के बीच रस्सी पकड़कर वज़न उठाता था। मैं रूसी गांवों में स्थानीय ताकतवर आदमियों से कुश्ती लड़ता था। और उनमें से कुछ जॉर्जियाई तो दैत्य थे। सौभाग्य से वे मूर्ख दैत्य थे और मैं लगभग हमेशा जीत जाता था। बाद में, शराब पीने के समय, हमेशा बहुत सारी बातें और गपशप होती थी। मैं मूर्ख दिखने का नाटक करता और कुछ न समझने का दिखावा करता। कभी-कभी मैं कोई मासूम सा सवाल पूछ लेता और वे मेरी मूर्खता पर हंसते और मुझे जवाब बता देते।'

दूसरा कोर्स आया, और उसके साथ कावाक्लिडेरे की एक बोतल भी, जो बाल्कन क्षेत्र की अन्य वाइन की तरह ही गाढ़ी और हल्की भूरी बरगंडी रंग की थी। कबाब स्वादिष्ट था और उसमें स्मोक्ड बेकन फैट और प्याज का स्वाद था। करीम ने एक तरह का स्टेक टार्टारे खाया – बारीक पिसे हुए कच्चे मांस का एक बड़ा चपटा हैमबर्गर, जिसमें मिर्च और हरी प्याज मिली हुई थी और अंडे की जर्दी से बांधा गया था। उसने बॉन्ड को भी एक टुकड़ा चखने को दिया। वह बहुत स्वादिष्ट था।

बॉन्ड ने भी यही कहा।

'तुम्हें इसे हर दिन खाना चाहिए,' केरीम ने गंभीरता से कहा। 'यह उन लोगों के लिए अच्छा है जो खूब प्रेम करना चाहते हैं।'

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

इसी उद्देश्य के लिए कुछ खास व्यायाम करने चाहिए। ये बातें पुरुषों के लिए महत्वपूर्ण हैं। या कम से कम मेरे लिए तो हैं। अपने पिता की तरह, मैं भी बहुत सी महिलाओं के साथ संबंध रखता हूँ। लेकिन, उनसे अलग, मैं बहुत ज़्यादा शराब और सिगरेट भी पीता हूँ, और ये चीज़ें प्रेम-संबंध बनाने के लिए अनुकूल नहीं हैं। न ही मेरा काम। बहुत तनाव और बहुत ज़्यादा सोच-विचार। इससे खून प्रेम-संबंध बनाने के लिए ज़रूरी जगह के बजाय दिमाग में चला जाता है। लेकिन मैं जीवन के लिए लालची हूँ। मैं हर चीज़ में हद से ज़्यादा करता हूँ। अचानक एक दिन मेरा दिल काम करना बंद कर देगा। लोहे का केकड़ा मुझे भी वैसे ही पकड़ लेगा जैसे उसने मेरे पिता को पकड़ा था। लेकिन मुझे केकड़े से डर नहीं लगता। कम से कम मैं एक सम्मानजनक बीमारी से मरूँगा। शायद मेरी कब्र पर लिखा होगा, "यह आदमी हद से ज़्यादा जीने के कारण मरा।"

बॉन्ड हँसा। 'डार्को, इतनी जल्दी मत जाओ,' उसने कहा। 'एम बहुत नाराज़ होंगे। वे तुम्हें बहुत मानते हैं।'

‘क्या सच में?’ केरीम ने बॉन्ड के चेहरे को ध्यान से देखा कि क्या वह सच कह रहा है। बॉन्ड खुशी से हँस पड़ा। ‘अगर ऐसा है तो मैं अभी ‘द क्रैब’ को अपना शरीर नहीं लेने दूँगा।’ उसने अपनी घड़ी देखी। ‘चलो, जेम्स,’ उसने कहा। ‘अच्छा हुआ कि तुमने मुझे मेरे कर्तव्य की याद दिला दी। हम दफ्तर में कॉफ़ी पिएंगे। समय बर्बाद करने के लिए ज़्यादा समय नहीं है। हर दिन 2:30 बजे रूसियों की युद्ध परिषद होती है। आज हम दोनों उनकी चर्चाओं में उपस्थित होकर उन्हें सम्मानित करेंगे।’

अध्याय सोलह

चूहों की सुरंग

ठंडे दफ्तर में वापस आकर, जब वे कॉफी का इंतज़ार कर रहे थे, करीम ने दीवार में बनी अलमारी खोली और इंजीनियरों के नीले ओवरऑल निकाले। करीम ने अपने कपड़े उतारकर सिर्फ शॉर्ट्स पहन लिए और एक सूट पहनकर रबर के जूते पहन लिए। बॉन्ड ने भी अपने नाप का एक सूट और जूते चुने और पहन लिए।

कॉफी के साथ, मुख्य क्लर्क दो शक्तिशाली टॉर्च लेकर आया और उन्हें डेस्क पर रख दिया।

जब क्लर्क कमरे से चला गया, तो करीम ने कहा, "यह मेरा बेटा है - सबसे बड़ा। बाकी सब मेरे बच्चे हैं। ड्राइवर और चौकीदार मेरे चाचा हैं। खून का रिश्ता सबसे अच्छी सुरक्षा है। और यह मसालों का कारोबार हम सबके लिए अच्छा सहारा है। एम ने मुझे इसमें लगाया था। उसने लंदन शहर में अपने दोस्तों से बात की थी। मैं अब तुर्की का सबसे बड़ा मसाला व्यापारी हूँ। मैंने एम को बहुत पहले ही पैसे चुका दिए थे।" (एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

यह मुझे उधार दिया गया था। मेरे बच्चे व्यवसाय में शेयरधारक हैं। उनका जीवन सुखमय है। जब कोई गुप्त कार्य करना होता है और मुझे मदद की ज़रूरत होती है, तो मैं उस बच्चे को चुनता हूँ जो सबसे उपयुक्त होता है। उन सभी को अलग-अलग गुप्त चीजों का प्रशिक्षण मिला है। वे चतुर और बहादुर हैं। कुछ ने तो मेरे लिए हत्या भी की है। वे सभी मेरे लिए और एम के लिए अपनी जान दे देंगे। मैंने उन्हें सिखाया है कि वह भगवान से थोड़ा ही नीचे है।' करीम ने तिरस्कारपूर्ण ढंग से हाथ हिलाया। 'लेकिन यह तो बस आपको यह बताने के लिए है कि आप सुरक्षित हाथों में हैं।' मैंने इससे अलग कुछ सोचा ही नहीं था।

'हा!' केरीम ने बेपरवाही से कहा। उसने मशालें उठाईं और एक बॉन्ड को थमा दी। 'अब काम पर लग जाओ।'

केरीम चौड़ी कांच की अलमारी के पास गया और अपना हाथ उसके पीछे रखा। एक क्लिक की आवाज़ आई और अलमारी चुपचाप और आसानी से दीवार के साथ बाईं ओर खिसक गई। उसके पीछे दीवार से सटा हुआ एक छोटा सा दरवाज़ा था। केरीम ने दरवाज़े के एक तरफ़ दबाया और वह अंदर की ओर खुल गया, जिससे एक अंधेरी सुरंग दिखाई दी जिसमें पत्थर की सीढ़ियाँ सीधे नीचे जा रही थीं। कमरे में एक सीलन भरी गंध, हल्की सी चिड़ियाघर की बदबू के साथ, फैल गई।

'तुम पहले जाओ,' केरीम ने कहा। 'सीढ़ियों से नीचे जाकर इंतजार करो। मुझे दरवाजा ठीक करना है।'

बॉन्ड ने अपनी टॉर्च जलाई और खुले स्थान से अंदर कदम रखते हुए सावधानी से सीढ़ियों से नीचे उतरा। टॉर्च की रोशनी में नई चिनाई दिखाई दे रही थी, और बीस फीट नीचे पानी की एक हल्की सी झलक दिख रही थी। जब बॉन्ड तल पर पहुँचा तो...

उन्होंने पाया कि वह झिलमिलाहट एक प्राचीन पत्थर की दीवारों वाली सुरंग के फर्श में बनी एक केंद्रीय नाली से बहती हुई एक छोटी सी धारा थी, जो दाईं ओर तेजी से ऊपर की ओर ढलान वाली थी। बाईं ओर, सुरंग नीचे की ओर जाती थी और उनका अनुमान था कि वह गोल्डन हॉर्न की सतह के नीचे जाकर समाप्त होगी।

बॉन्ड की रोशनी की सीमा से बाहर, एक धीमी, लगातार सरसराहट की आवाज़ आ रही थी, और अँधेरे में लाल रोशनी के सैकड़ों छोटे-छोटे बिंदु टिमटिमाते और हिलते-डुलते दिखाई दे रहे थे। ऊपर और नीचे, हर जगह यही हाल था। बीस गज दूर, दोनों ओर, हज़ारों चूहे बॉन्ड को देख रहे थे। वे उसकी गंध सूंघ रहे थे। बॉन्ड ने कल्पना की कि उनके दाँतों से मूंछें थोड़ी सी उठ रही हैं। एक पल के लिए उसके मन में यह ख्याल आया कि अगर उसकी टॉर्च बुझ गई तो वे क्या करेंगे।

केरीम अचानक उसके बगल में आ गया। 'यह एक लंबी चढ़ाई है। पंद्रह मिनट लगेंगे। मुझे उम्मीद है कि आपको जानवर पसंद हैं।'

केरीम की ज़ोरदार हंसी सुरंग में गूंज उठी। चूहे आपस में भिड़ गए और हलचल करने लगे। दुर्भाग्य से हमारे पास कोई चारा नहीं है। चूहे और चमगादड़। उनके दस्ते, टुकड़ियां—पूरी वायुसेना और सेना। और हमें उन्हें अपने आगे खदेड़ना ही होगा। चढ़ाई के अंत में काफी भीड़भाड़ हो जाती है। चलिए शुरू करते हैं।

हवा अच्छी है। नदी के दोनों किनारों पर ज़मीन सूखी है। लेकिन सर्दियों में बाढ़ आती है और तब हमें गोताखोरों वाले सूट पहनने पड़ते हैं। अपनी टॉर्च मेरे पैरों पर रखना। अगर कोई चमगादड़ तुम्हारे बालों में आ जाए तो उसे झाड़ देना। ऐसा बार-बार नहीं होगा। उनका रडार बहुत अच्छा है।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

वे खड़ी ढलान पर चढ़ने लगे। चूहों और चमगादड़ों की बीट की दुर्गंध बहुत तेज़ थी—बंदरों के बाड़े और मुर्गियों के बाड़े की मिली-जुली गंध। बॉन्ड को लगा कि इससे छुटकारा पाने में कई दिन लग जाएंगे।

चमगादड़ों के झुंड छत से सूखे अंगूरों के गुच्छों की तरह लटके हुए थे और जब कभी-कभार करीम या बॉन्ड का सिर उनसे टकराता, तो वे चहचहाते हुए अंधेरे में गायब हो जाते। जैसे-जैसे वे ऊपर चढ़ते गए, उनके आगे चीखते-चिल्लाते, आपस में लड़ते लाल बिंदुओं का जंगल था जो केंद्रीय नाली के दोनों ओर घना होता जा रहा था। कभी-कभी करीम अपनी टॉर्च आगे की ओर चमकाता और रोशनी एक धूसर मैदान पर पड़ती जो चमकीले दांतों और झिलमिलाती मूंछों से भरा हुआ था। ऐसा होने पर चूहों में एक अलग ही उन्माद छा जाता और जो सबसे पास होते वे भागने के लिए दूसरों की पीठ पर कूद पड़ते। इस बीच, लड़ते हुए, लुढ़कते हुए धूसर शरीर केंद्रीय नाली से नीचे आते जा रहे थे और जैसे-जैसे सुरंग में ऊपर की ओर भीड़ का दबाव बढ़ता गया, झागदार पिछला समूह करीब आता गया।

दोनों व्यक्तियों ने अपनी मशालों को तोपों की तरह पीछे की पंक्तियों पर ताने रखा, जब तक कि लगभग पंद्रह मिनट की चढ़ाई के बाद वे अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच गए।

सुरंग के किनारे पर ईंटों से बना एक गहरा आले जैसा स्थान था। उस आले की छत से एक मोटी तिरपाल से ढकी हुई वस्तु लटक रही थी, जिसके दोनों ओर दो-दो बेंचें थीं।

वे अंदर चले गए। बॉन्ड ने सोचा, कुछ और कदम चढ़ने पर सुरंग में दूर मौजूद हजारों चूहों में अफरा-तफरी मच जाती। पूरा झुंड पलट जाता। जगह की कमी के कारण, चूहे रोशनी की परवाह किए बिना, दो चमकती आँखों और खतरनाक गंध के बावजूद, उन दोनों घुसपैठियों पर टूट पड़ते।

'देखो,' केरीम ने कहा।

कुछ पल सन्नाटा छा गया। सुरंग में आगे जाकर चूहों की चीखें बंद हो गईं, मानो किसी आदेश पर रुक गई हों। फिर अचानक सुरंग में एक फुट गहरे पानी में चूहों की एक विशाल लहर दौड़ पड़ी, जो तेजी से भागते हुए भूरे रंग के शरीरों से भरी हुई थी। तेज चीख के साथ चूहे मुड़े और ढलान से नीचे की ओर तेजी से भागने लगे।

कुछ मिनटों तक चिकनी, धूसर नदी उस आले के बाहर झागदार ढंग से बहती रही, जब तक कि अंत में उनकी संख्या कम नहीं हो गई और केवल बीमार या घायल चूहों की एक छोटी सी धारा लंगड़ाते हुए और सुरंग के फर्श पर अपना रास्ता तलाशते हुए नीचे आने लगी।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

पक्षियों के झुंड की चीख धीरे-धीरे नदी की ओर गायब हो गई, जब तक कि चारों ओर सन्नाटा छा गया, सिवाय कभी-कभार उड़ते हुए चमगादड़ की चहचहाहट के।

केरीम ने बेपरवाही से 'हम्म' किया। 'एक दिन ये चूहे मरने लगेंगे। तब इस्तांबुल में फिर से महामारी फैल जाएगी। कभी-कभी मुझे इस बात का पछतावा होता है कि मैंने अधिकारियों को इस सुरंग के बारे में नहीं बताया ताकि वे इसे साफ कर सकें। लेकिन जब तक रूसी यहाँ हैं, मैं ऐसा नहीं कर सकता।' उसने छत की ओर सिर हिलाया। उसने अपनी घड़ी देखी। 'पाँच मिनट बचे हैं। वे अपनी कुर्सियाँ खींचकर बैठेंगे और कागज़ों में हाथ बँटाएँगे। तीन स्थायी आदमी होंगे - एम.जी.बी., या उनमें से एक सेना खुफिया विभाग से हो सकता है, जी.आर.यू.। और शायद तीन और होंगे। दो लोग दो हफ्ते पहले आए थे, एक ग्रीस के रास्ते और दूसरा फारस के रास्ते। एक और सोमवार को आया। भगवान जाने वे कौन हैं, या वे यहाँ किसलिए आए हैं। और कभी-कभी लड़की, तातियाना, एक इशारा करके आती है और फिर चली जाती है। उम्मीद है कि हम उसे आज देखेंगे। आप प्रभावित होंगे। वह कमाल की है।'

केरीम ने ऊपर हाथ बढ़ाकर तिरपाल का आवरण खोला और उसे नीचे खींच लिया। बॉन्ड समझ गया। आवरण ने पनडुब्बी के पेरिस्कोप के चमकदार पिछले हिस्से को ढक रखा था, जो पूरी तरह से बाहर निकाला हुआ था। खुले हुए निचले जोड़ पर लगी गाढ़ी ग्रीस पर नमी चमक रही थी। बॉन्ड मुस्कुराया। 'डार्को, ये तुम्हें कहाँ से मिला?'

'तुर्की नौसेना। युद्ध के बाद बचा हुआ सामान।' करीम की आवाज़ में आगे कोई सवाल नहीं था। 'अब लंदन में क्यू ब्रांच इस चीज़ में साउंड वायरिंग का कोई जुगाड़ करने की कोशिश कर रही है। यह आसान नहीं होने वाला। इसके ऊपर का लेंस सिगरेट लाइटर से भी छोटा है। जब मैं इसे

उठाता हूँ, तो यह उनके कमरे में फर्श तक आ जाता है।'

कमरे के जिस कोने में यह सब आता है, वहाँ हमने एक छोटा सा चूहेदानी का छेद बनाया। हमने इसे अच्छे से बनाया। एक बार जब मैं देखने आया, तो सबसे पहले मुझे एक बड़ा चूहेदानी दिखाई दिया जिस पर पनीर का एक टुकड़ा रखा था। कम से कम लेंस से तो वह बड़ा ही दिख रहा था।' करीम थोड़ी देर हँसा। 'लेकिन लेंस के बगल में एक संवेदनशील पिक-अप लगाने के लिए ज़्यादा जगह नहीं है। और उनकी वास्तुकला में और छेड़छाड़ करने के लिए दोबारा अंदर जाने की कोई उम्मीद नहीं है। इस चीज़ को लगाने का एकमात्र तरीका यह था कि लोक निर्माण मंत्रालय में मेरे दोस्तों ने रूसियों को कुछ दिनों के लिए बाहर निकाल दिया। कहानी यह थी कि पहाड़ी पर जाने वाली ट्रामें घरों की नींव हिला रही थीं। एक सर्वेक्षण करना ज़रूरी था। सही जेब वालों को कुछ सौ पाउंड देने पड़े। लोक निर्माण विभाग ने इस घर के दोनों ओर आधा दर्जन घरों का निरीक्षण किया और जगह को सुरक्षित घोषित कर दिया। तब तक, मैं और मेरा परिवार अपना निर्माण कार्य पूरा कर चुके थे। रूसी बहुत ज़्यादा शक़ी थे।' मुझे पता चला है कि वापस आने पर उन्होंने पूरे इलाके की बारीकी से छानबीन की, माइक्रोफोन, बम वगैरह की तलाश की। लेकिन हम यह चाल दोबारा नहीं चल सकते। जब तक क्यू ब्रांच कोई बहुत ही चालाकी भरा तरीका नहीं सोच लेती, मुझे उन पर नज़र रखने से ही संतोष करना पड़ेगा। किसी दिन वे कुछ न कुछ उपयोगी जानकारी ज़रूर देंगे। वे किसी ऐसे व्यक्ति से पूछताछ कर रहे होंगे जिसमें हमारी दिलचस्पी है या कुछ इसी तरह का।

आले की छत में पेरिस्कोप के मैट्रिक्स के बगल में धातु का एक लटकता हुआ फफोला था, जो फुटबॉल से दोगुना बड़ा था। 'यह क्या है?' बॉन्ड ने कहा।

एक बम का निचला हिस्सा—एक बड़ा बम। अगर मुझे कुछ हो जाता है, या रूस के साथ युद्ध छिड़ जाता है, तो वह बम मेरे कार्यालय से रेडियो नियंत्रण द्वारा विस्फोटित किया जाएगा। यह दुखद है [केरीम दुखी नहीं दिख रहा था] लेकिन मुझे डर है कि रूसियों के अलावा कई निर्दोष लोग भी मारे जाएंगे। जब खून खौल रहा होता है, तो इंसान ऐसा ही व्यवहार करता है। (एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

प्रकृति की तरह गैर-चयनात्मक।

केरीम पेरिस्कोप के आधार के दोनों ओर निकले हुए दो हैंडल-बार के बीच लगे हुए ढक्कन वाले नेत्रगोलकों को चमका रहा था। अब उसने अपनी घड़ी पर नज़र डाली और झुककर दोनों हैंडल पकड़े और धीरे-धीरे उन्हें अपनी ठुड्डी के स्तर तक ऊपर उठाया। हाइड्रोलिक की एक हल्की सी सरसराहट सुनाई दी जब पेरिस्कोप का चमकदार तना आले की छत में लगे अपने स्टील के आवरण में ऊपर सरका। केरीम ने अपना सिर झुकाया और नेत्रगोलकों में देखा और धीरे-धीरे हैंडल को ऊपर उठाया जब तक कि वह सीधा खड़ा नहीं हो गया। उसने धीरे से शरीर को घुमाया। उसने लेंस को केंद्र में किया और बॉन्ड को इशारा किया। 'बस हम छह लोग।'

बॉन्ड आगे बढ़ा और उसने हैंडल पकड़ लिए।

'इन्हें ध्यान से देखो,' केरीम ने कहा। 'मैं इन्हें जानता हूँ, लेकिन बेहतर होगा कि तुम इनके चेहरे

अपने दिमाग में बिठा लो।'

टेबल के मुखिया उनके रेजिडेंट डायरेक्टर हैं। उनके बाईं ओर उनके दो कर्मचारी हैं। उनके सामने तीन नए कर्मचारी हैं। सबसे नया कर्मचारी, जो काफी महत्वपूर्ण व्यक्ति प्रतीत होता है, डायरेक्टर के दाईं ओर है। मुझे बताइए कि क्या वे बात करने के अलावा कुछ और करते हैं?

बॉन्ड की पहली प्रतिक्रिया केरीम को इतना शोर न मचाने के लिए कहने की थी। ऐसा लग रहा था मानो वह रूसियों के साथ कमरे में बैठा हो, मानो वह कोने में कुर्सी पर बैठा हो, शायद कोई सचिव हो, जो सम्मेलन की संक्षिप्त जानकारी लिख रहा हो।

विमानों और सतही जहाजों दोनों को देखने के लिए डिज़ाइन किए गए चौड़े, चारों ओर देखने वाले लेंस ने उसे एक विचित्र तस्वीर दिखाई - मेज के आगे के किनारे के नीचे पैरों के जंगल का एक चूहे की नज़र से दृश्य, और पैरों से जुड़े सिरों के विभिन्न पहलू। निर्देशक और उनके दो सहकर्मी स्पष्ट थे - गंभीर, नीरस रूसी चेहरे जिनकी विशेषताओं को बॉन्ड ने ध्यान में रखा। निर्देशक का अध्ययनशील, पेशेवर चेहरा था - मोटे चश्मे, उभरा हुआ जबड़ा, बड़ा माथा और पीछे की ओर कंघी किए हुए पतले बाल। उनके बाईं ओर एक चौकोर, लकड़ी का चेहरा था जिसकी नाक के दोनों ओर गहरी दरारें थीं, सुनहरे बाल और बाएँ कान पर एक छोटा सा कट लगा हुआ था।

स्थायी कर्मचारियों में से तीसरे सदस्य का चेहरा धूर्त अर्मेनियाई था, जिसकी आँखें बादाम की तरह चमकीली और चालाक थीं। वह अब बात कर रहा था। उसके चेहरे पर बनावटी विनम्रता झलक रही थी। उसके मुँह में सोने की चमक थी।

बॉन्ड तीनों आगंतुकों को ठीक से नहीं देख पा रहा था। उनकी पीठ उसकी ओर थी और केवल सबसे नज़दीकी, और संभवतः सबसे कनिष्ठ व्यक्ति का चेहरा ही स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था। इस व्यक्ति की त्वचा भी काली थी। वह भी दक्षिणी गणराज्यों में से किसी एक का निवासी होगा। उसकी ठुड्डी बेतरतीब ढंग से मुंडी हुई थी और घनी काली भौंहों के नीचे उसकी आँख बैल जैसी और भोंवी लग रही थी। नाक मांसल और छिद्रयुक्त थी। ऊपरी होंठ एक उदास मुँह और दोहरी ठुड्डी की शुरुआत के ऊपर लंबा था। उसके कड़े काले बाल बहुत छोटे कटे हुए थे, जिससे गर्दन का अधिकांश पिछला हिस्सा कानों की नोक तक नीला दिखाई दे रहा था। यह एक सैन्य हेयरकट था, जो मशीनी कतरनी से किया गया था।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

अगले व्यक्ति के बारे में केवल दो ही सुराग मिले: एक मोटी, गंजी गर्दन के पिछले हिस्से पर एक लालिमा लिए हुए फोड़ा, एक चमकदार नीला सूट और चमकीले भूरे जूते। बॉन्ड की निगरानी के दौरान वह व्यक्ति पूरी तरह स्थिर रहा और जाहिर तौर पर उसने कभी कुछ नहीं बोला।

अब रेजिडेंट डायरेक्टर के दाहिनी ओर बैठे वरिष्ठ अतिथि पीछे झुककर बात करने लगे। उनका चेहरा मजबूत और गठीला था, हड्डियाँ बड़ी थीं और ठुड्डी उभरी हुई थी, जिसके नीचे स्टालिन शैली की घनी भूरी मूंछें थीं। बॉन्ड को उनकी घनी भौंहों के नीचे एक ठंडी धूसर आँख और नीचे

झुका हुआ माथा दिखाई दिया, जिस पर पतले भूरे-भूरे बाल थे। यही एक व्यक्ति था जो सिगरेट पी रहा था। वह एक छोटी सी लकड़ी की पाइप से लगातार कश ले रहा था, जिसके कटोरे में आधी सिगरेट थी। वह बीच-बीच में पाइप को हिलाता था जिससे राख ज़मीन पर गिर जाती थी। उनका चेहरा बाकी सभी चेहरों से कहीं अधिक प्रभावशाली था और बॉन्ड ने अनुमान लगाया कि वह मॉस्को से भेजा गया कोई वरिष्ठ अधिकारी था।

बॉन्ड की आँखें थक रही थीं। उसने धीरे से हैंडल घुमाए और ऑफिस में चारों ओर देखा, जहाँ तक उस छोटी सी सुरंग की धुंधली, टेढ़ी-मेढ़ी दीवारों से नज़र जा सकती थी। उसे कुछ भी दिलचस्प नहीं दिखा – दो जैतून के हरे रंग की फाइलिंग अलमारियाँ, दरवाजे के पास एक टोपी रखने का स्टैंड, जिस पर उसने लगभग एक जैसी छह धूसर रंग की टोपियाँ गिनीं, और एक साइडबोर्ड जिस पर पानी का एक भारी जग और कुछ गिलास रखे थे। बॉन्ड आईपिस से दूर खड़ा हो गया और अपनी आँखें मलने लगा।

"काश हम सुन पाते," केरीम ने उदास होकर सिर हिलाते हुए कहा। "यह हीरे के बराबर होता।"

“इससे कई समस्याएं हल हो जाएंगी,” बॉन्ड ने सहमति जताते हुए कहा। फिर, “वैसे डार्को, तुम्हें इस सुरंग के बारे में कैसे पता चला? इसे किसलिए बनाया गया था?”

केरीम झुका और दूरबीन के लेंस में एक सरसरी नजर डाली और सीधा खड़ा हो गया।

उन्होंने कहा, 'यह हॉल ऑफ पिलर्स का एक खोया हुआ नाला है।' हॉल ऑफ पिलर्स अब पर्यटकों के लिए एक लोकप्रिय स्थान है। यह इस्तांबुल की पहाड़ियों पर, सेंट सोफिया के पास, हमारे ऊपर स्थित है। एक हजार साल पहले इसे घेराबंदी की स्थिति में जलाशय के रूप में बनाया गया था। यह एक विशाल भूमिगत महल है, जो सौ गज लंबा और लगभग आधा चौड़ा है। इसे लाखों गैलन पानी रखने के लिए बनाया गया था। लगभग चार सौ साल पहले गिलियस नामक एक व्यक्ति ने इसे फिर से खोजा था। एक दिन मैं उसकी खोज का वृत्तांत पढ़ रहा था। उन्होंने कहा कि सर्दियों में यह एक विशाल पाइप से भर जाता था, जिससे बहुत शोर होता था। मेरे मन में यह विचार आया कि यदि शहर दुश्मन के कब्जे में आ जाए तो इसे जल्दी खाली करने के लिए शायद कोई और "विशाल पाइप" हो। मैं स्तंभों के हॉल में गया और चौकीदार को रिश्वत दी और अपने एक साथी के साथ एक रबर की नाव में बैठकर पूरी रात स्तंभों के बीच घूमता रहा। हमने एक हथौड़ा और एक इको-साउंडर लेकर दीवारों की जाँच की। एक छोर पर, सबसे संभावित स्थान पर, एक खोखली सी आवाज़ आई। मैंने लोक निर्माण मंत्री को और पैसे दिए और उन्होंने उस जगह को एक सप्ताह के लिए "सफाई" के लिए बंद कर दिया। मेरी छोटी सी टीम काम में जुट गई। करीम ने दूरबीन से देखने के लिए फिर से नीचे झुककर आगे बताया। "हमने पानी के स्तर से ऊपर दीवार में खुदाई की और एक मेहराब के शीर्ष पर पहुँचे। वह मेहराब एक सुरंग की शुरुआत थी।"

हम सुरंग में दाखिल हुए और उसमें नीचे उतरते चले गए। यह काफी रोमांचक था, क्योंकि हमें पता नहीं था कि हम कहाँ निकलेंगे।

और, ज़ाहिर है, यह सीधे पहाड़ी से नीचे चला गया – किताबों की गली के नीचे जहाँ रूसियों का अपना कार्यालय है। (जनरेटेड बाय एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर, http://

www.processtext.com/abclit.html)

उस जगह से निकलकर, गोल्डन हॉर्न में, गलाटा पुल के पास, मेरे गोदाम से बीस गज की दूरी पर। तो हमने हॉल ऑफ पिलर्स में अपना गड्ढा भर दिया और अपनी तरफ से खुदाई शुरू कर दी। यह दो साल पहले की बात है। रूसियों के ठीक नीचे पहुँचने में हमें एक साल और बहुत सारा सर्वेक्षण कार्य करना पड़ा।' करीम हँसा। और अब मुझे लगता है कि एक दिन रूसी अपने कार्यालय बदलने का फैसला करेंगे। तब तक मुझे उम्मीद है कि कोई और टी का प्रमुख होगा।'

केरीम रबर के आईपीस की ओर झुका। बॉन्ड ने उसे अकड़ते हुए देखा। केरीम ने हड़बड़ी में कहा, 'दरवाजा खुल रहा है। जल्दी करो। कमान संभालो। वह आ रही है।'

अध्याय सत्रह

समय की बरबादी

उसी शाम सात बज रहे थे और जेम्स बॉन्ड अपने होटल लौट आया था। उसने गर्म पानी से स्नान किया और ठंडे पानी से शावर लिया। उसे लगा कि आखिरकार उसने चिड़ियाघर की गंध को अपनी त्वचा से पूरी तरह से निकाल दिया है।

वह अपने कमरे की एक खिड़की पर बैठा था, केवल शॉर्ट्स पहने हुए, वोडका और टॉनिक की चुस्कियाँ ले रहा था और गोल्डन हॉर्न के ऊपर डूबते सूरज के मनमोहक दृश्य को निहार रहा था। लेकिन उसकी नज़र उस फटे हुए सुनहरे और खून से सने कपड़े पर नहीं पड़ी जो मीनारों वाले मंच के पीछे लटका हुआ था, जिसके नीचे उसने पहली बार तातियाना रोमानोवा को देखा था।

वह उस लंबी, खूबसूरत लड़की के बारे में सोच रहा था, जिसकी चाल नर्तकी जैसी थी और जो हाथ में कागज़ का एक टुकड़ा लिए उस सादे दरवाजे से अंदर आई थी। वह अपने सरदार के बगल में खड़ी हुई और उसे कागज़ थमा दिया। सभी पुरुष उसकी ओर देखने लगे। वह शरमा गई और नज़रें नीचे कर लीं। पुरुषों के चेहरों पर उस भाव का क्या मतलब था? यह महज़ किसी खूबसूरत लड़की को देखने का पुरुषों का तरीका नहीं था। उन्होंने जिज्ञासा दिखाई थी। यह स्वाभाविक था। वे जानना चाहते थे कि उस संकेत में क्या था, उन्हें क्यों परेशान किया जा रहा था। लेकिन और क्या? उसमें धूर्तता और तिरस्कार भी था - ठीक वैसे ही जैसे लोग वेश्याओं को घूरते हैं।

यह एक विचित्र, रहस्यमय दृश्य था। यह एक अत्यंत अनुशासित अर्धसैनिक संगठन का हिस्सा था।

ये सभी सेवारत अधिकारी थे, जिनमें से प्रत्येक दूसरे से सावधान रहता था। और यह लड़की भी उन्हीं कर्मचारियों में से एक थी, एक कॉर्पोरल के पद पर, जो अब अपनी सामान्य दिनचर्या का पालन कर रही थी। वे सब इतनी बेपरवाही से उसे इस जिज्ञासु तिरस्कार भरी निगाहों से क्यों देख रहे थे—लगभग मानो वह कोई जासूस हो जिसे पकड़ा गया हो और जिसे फांसी दी जाने वाली हो? क्या उन्हें उस पर शक था? क्या उसने खुद ही अपनी पहचान उजागर कर दी थी? लेकिन जैसे-जैसे घटनाक्रम आगे बढ़ा, यह कम ही संभव लग रहा था। रेजिडेंट डायरेक्टर ने संकेत पढ़ा और बाकी लोगों की निगाहें लड़की से हटकर उन पर टिक गईं। उन्होंने कुछ कहा, संभवतः संकेत का पाठ दोहराया, और बाकी लोग उदास होकर उनकी ओर देखने लगे मानो उन्हें इस मामले में कोई दिलचस्पी न हो। फिर रेजिडेंट डायरेक्टर ने लड़की की ओर देखा और बाकी निगाहें भी उनके पीछे-पीछे गईं। उन्होंने दोस्ताना, जिज्ञासु भाव से कुछ कहा। (जनरेटेड बाय एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)

लड़की ने सिर हिलाकर संक्षिप्त उत्तर दिया। बाकी पुरुष अब दिलचस्पी से देख रहे थे। निर्देशक ने एक शब्द कहा जिसके अंत में प्रश्नचिह्न लगा था। लड़की शर्म से लाल हो गई और आज्ञाकारी भाव से उनकी आँखों में देखते हुए सिर हिलाया। बाकी पुरुषों ने प्रोत्साहन भरी मुस्कान दी, शायद चालाकी से, लेकिन स्वीकृति के साथ। उनमें कोई संदेह नहीं था।

कोई निंदा नहीं हुई। दृश्य निर्देशक के कुछ वाक्यों के साथ समाप्त हुआ, जिस पर लड़की ने मानो 'जी सर' कहा और मुड़कर कमरे से बाहर चली गई। उसके जाने के बाद, निर्देशक ने व्यंग्य भरे भाव से कुछ कहा, जिस पर सभी लोग ज़ोर से हँसे और उनके चेहरे पर वही शरारती भाव लौट आया, मानो उन्होंने कुछ अश्लील कहा हो। फिर वे अपने काम पर लौट गए।

तब से, सुरंग से वापस आते समय, और बाद में केरीम के कार्यालय में जब वे बॉन्ड द्वारा देखी गई चीजों पर चर्चा कर रहे थे, बॉन्ड इस मूर्खतापूर्ण क्रैम्बो के पागलपन भरे हिस्से का समाधान खोजने के लिए अपना दिमाग खपा रहा था और अब, डूबते सूरज को बिना ध्यान केंद्रित किए देखते हुए, वह अभी भी रहस्य में डूबा हुआ था।

बॉन्ड ने अपना पेय समाप्त किया और एक और सिगरेट जलाई। उसने उस समस्या को भुला दिया और अपना ध्यान उस लड़की की ओर लगाया।

तात्याना रोमानोवा। एक रोमानोव। खैर, वह सचमुच एक रूसी राजकुमारी जैसी दिखती थी, या यूं कहें कि पारंपरिक रूसी राजकुमारी जैसी। लंबा, सुडौल शरीर जो इतनी खूबसूरती से चलता था और इतना सलीके से खड़ा होता था। कंधों तक लहराते घने बाल और चेहरे की शांत गरिमा। गार्बो जैसी खूबसूरत शक्ल, जिसमें एक अजीब सी शर्मीली शांति थी। बड़ी, गहरी नीली आंखों की मासूमियत और चौड़े होंठों के जोशीले वादे के बीच का अंतर। और जिस तरह से वह शरमाई थी और जिस तरह से उसकी लंबी पलकें झुकी हुई आंखों पर आ गई थीं। क्या यह किसी कुंवारी लड़की की शर्म थी? बॉन्ड को ऐसा नहीं लगता था। उसके उभरे हुए स्तनों और बेपरवाह ढंग से लहराते नितंबों में प्यार पाने का आत्मविश्वास था - एक ऐसे शरीर का दावा जो जानता है कि वह क्या कर सकता है।

बॉन्ड ने जो देखा था, उसके आधार पर क्या वह मान सकता था कि वह ऐसी लड़की थी जो किसी तस्वीर और फाइल से प्यार कर बैठे? भला कोई कैसे बता सकता है? ऐसी लड़की का स्वभाव बेहद रोमांटिक होता। उसकी आँखों और ज़ुबान में सपने झलक रहे थे। चौबीस साल की उम्र में, सोवियत शासन ने शायद अभी तक उसके अंदर की भावनाओं को कुचला नहीं था। रोमानोव वंश के कारण शायद उसके मन में उन पुरुषों के लिए चाहत पैदा होती जो उस तरह के आधुनिक रूसी अधिकारियों से अलग होते जिनसे वह मिलती - सख्त, ठंडे, मशीनी, मूल रूप से भावुक और पार्टी की शिक्षा के कारण बेहद नीरस।

यह सच हो सकता था। उसकी शक्ल-सूरत में ऐसा कुछ भी नहीं था जो उसकी कहानी को गलत साबित कर सके। बॉन्ड चाहता था कि यह सच हो।

टेलीफोन की घंटी बजी। यह केरीम का फोन था। 'कुछ नया नहीं?'

नहीं।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

तो मैं आपको आठ बजे लेने आऊंगा।

मैं तैयार हो जाऊंगा।'

बॉन्ड ने रिसीवर नीचे रख दिया और धीरे-धीरे अपने कपड़े पहनने लगा... करीम उस शाम को लेकर अड़ा हुआ था। बॉन्ड अपने होटल के कमरे में रुककर पहले संपर्क का इंतज़ार करना चाहता था—चाहे वो कोई संदेश हो, फ़ोन कॉल हो, या कुछ भी हो। लेकिन करीम ने मना कर दिया। लड़की अपनी मर्ज़ी पर अड़ी थी कि वो अपना समय और जगह खुद चुनेगी। बॉन्ड का उसकी सुविधा का गुलाम दिखना ठीक नहीं था। 'यह बुरी मानसिकता है, मेरे दोस्त,' करीम ने ज़ोर देकर कहा। 'कोई भी लड़की ऐसे आदमी को पसंद नहीं करती जो उसके इशारे पर भागे। अगर तुम खुद को ज़्यादा ही उपलब्ध कराओगे तो वो तुमसे नफ़रत करेगी। तुम्हारे चेहरे और तुम्हारे बारे में लिखी बातों से वो तुमसे उदासीनता—यहाँ तक कि बदतमीज़ी—की उम्मीद करेगी। वो यही चाहेगी। वो तुम्हें रिझाना चाहती है, एक चुंबन खरीदना चाहती है,'—करीम ने आँख मारी —'उस क्रूर मुँह से। वो एक छवि से प्यार कर बैठी है। उस छवि की तरह व्यवहार करो। उसी तरह बर्ताव करो।'

बॉन्ड ने कंधे उचका दिए। "ठीक है डार्को। मुझे लगता है तुम सही हो। तुम्हारा क्या सुझाव है?"

अपनी सामान्य जिंदगी जियो। अब घर जाओ, नहा लो और कुछ पी लो। स्थानीय वोदका टॉनिक वॉटर के साथ पीने पर ठीक रहेगी। अगर कुछ नहीं हुआ तो मैं तुम्हें आठ बजे लेने आऊंगा। हम मेरे एक जिप्सी दोस्त के घर खाना खाएंगे। उसका नाम वावरा है। वह एक कबीले का मुखिया है। मुझे वैसे भी आज रात उससे मिलना है।

वह मेरे सबसे भरोसेमंद सूत्रों में से एक है। वह पता लगा रहा है कि मेरे कार्यालय को उड़ाने की कोशिश किसने की। उसकी कुछ लड़कियाँ आपके लिए नृत्य करेंगी। मैं यह सुझाव नहीं दूंगा कि वे आपके साथ अधिक अंतरंगता से पेश आएँ। आपको अपनी तलवार तेज रखनी चाहिए। एक कहावत है, "एक बार राजा, हमेशा राजा। लेकिन एक बार शूरवीर बनना ही काफी है!"

बॉन्ड करीम की कही बात याद करके मुस्कुरा रहा था कि तभी फोन की घंटी बजी। उसने रिसीवर उठाया। बस कार की घंटी थी। कुछ सीढ़ियाँ उतरकर जब वह बाहर आया और इंतज़ार कर रही रोल्स रॉयस में बैठे करीम के पास पहुँचा, तो बॉन्ड ने मन ही मन माना कि उसे निराशा हुई है।

वे गोल्डन हॉर्न के ऊपर स्थित गरीब इलाकों से होते हुए दूर की पहाड़ी पर चढ़ रहे थे, तभी ड्राइवर ने अपना सिर आधा घुमाया और अनिश्चित स्वर में कुछ कहा।

केरीम ने एक शब्द में जवाब दिया, "वो कहता है कि एक लैम्बरेटा हमारा पीछा कर रही है। एक गुमनाम लैम्बरेटा। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। जब मैं चाहूँ, तो अपनी गतिविधियों को गुप्त रख सकता हूँ। कई बार तो इस कार का पीछा कई मीलों तक किया गया है, जबकि पीछे सिर्फ एक नकली व्यक्ति बैठा होता था। एक आकर्षक कार के अपने फायदे होते हैं। उन्हें पता है कि यह घुमंतू मेरा दोस्त है, लेकिन मुझे लगता है कि वे यह नहीं समझते कि क्यों। उन्हें यह जानने में कोई बुराई नहीं है कि हम आराम की रात बिता रहे हैं। शनिवार की रात, इंग्लैंड से आए एक दोस्त के साथ, इसके अलावा कुछ और होना असामान्य ही होगा।"

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/

बॉन्ड ने पीछे की खिड़की से बाहर देखा और भीड़ भरी सड़कों पर नज़र डाली। एक रुकी हुई ट्राम के पीछे से एक मोटर स्कूटर एक मिनट के लिए दिखाई दिया और फिर एक टैक्सी के पीछे छिप गया। बॉन्ड ने मुँह फेर लिया। उसने कुछ देर के लिए इस बात पर विचार किया कि रूसी अपने केंद्रों को कैसे चलाते हैं - दुनिया भर के धन और उपकरणों के साथ, जबकि गुप्त सेवा उनके खिलाफ मुट्ठी भर साहसी, कम वेतन वाले लोगों को तैनात करती है, जैसे यह आदमी, अपनी पुरानी रोल्स रॉयस और अपने बच्चों की मदद से। फिर भी केरीम पूरे तुर्की में बेखौफ था। शायद, आखिरकार, सही आदमी सही मशीन से बेहतर होता है।

सुबह साढ़े आठ बजे, इस्तांबुल के बाहरी इलाके में एक लंबी पहाड़ी पर आधे रास्ते में, फुटपाथ पर कुछ खाली मेजों वाले एक जर्जर से दिखने वाले खुले कैफे में वे रुके। उसके पीछे एक ऊंची पत्थर की दीवार के ऊपर पेड़ों की चोटियाँ दिखाई दे रही थीं। वे कार से उतरे और कार चल पड़ी। उन्होंने लैम्बरेटा का इंतज़ार किया, लेकिन उसकी भिनभिनाहट बंद हो गई थी और वह तुरंत पहाड़ी से नीचे की ओर वापस चल पड़ी। ड्राइवर की उन्हें बस एक झलक दिखाई दी - चश्मा पहने एक छोटा, गठीला आदमी।

केरीम मेजों के बीच से रास्ता बनाते हुए कैफे में दाखिल हुआ। वह खाली लग रहा था, लेकिन तभी कैश काउंटर के पीछे से एक आदमी तेज़ी से उठा। उसने अपना एक हाथ काउंटर के नीचे रखा हुआ था। जब उसने देखा कि कौन है, तो उसने केरीम को घबराहट भरी मुस्कान दी। कुछ ज़मीन पर गिरने की आवाज़ आई। वह काउंटर के पीछे से निकला और उन्हें पीछे के रास्ते से होते हुए बजरी के एक हिस्से को पार करके ऊंची दीवार में बने एक दरवाजे तक ले गया। एक बार खटखटाने के बाद उसने दरवाजा खोला और उन्हें अंदर जाने का इशारा किया।

वहाँ एक बगीचा था जिसमें पेड़ों के नीचे तख़्तों की मेज़ें बिखरी हुई थीं। बीच में टेराज़ा का एक गोलाकार नाचने का फ़र्श था। उसके चारों ओर ज़मीन में गड़े खंभों पर झालरदार बत्तियाँ लटकी हुई थीं, जो अब बुझ चुकी थीं। दूसरी तरफ़, एक लंबी मेज़ पर, लगभग बीस लोग, अलग-अलग उम्र के, खाना खा रहे थे, लेकिन उन्होंने अपने चाकू नीचे रख दिए थे और अब दरवाज़े की तरफ़ देख रहे थे। कुछ बच्चे मेज़ के पीछे घास में खेल रहे थे। वे भी अब चुप थे और देख रहे थे। चौथाई चाँद की रोशनी से सब कुछ चमकीला दिख रहा था और पेड़ों के नीचे धुंधली छाया के छोटे-छोटे घेरे बन रहे थे।

केरीम और बॉन्ड आगे बढ़े। मेज के मुखिया पर बैठे व्यक्ति ने बाकी लोगों से कुछ कहा। वह उठकर उनसे मिलने आया। बाकी लोग अपना खाना खाने लगे और बच्चे अपने खेल में मग्न हो गए।

उस व्यक्ति ने संकोच भरे लहजे में करीम का अभिवादन किया। वह कुछ क्षण खड़ा रहा और एक लंबा स्पष्टीकरण देने लगा जिसे करीम ने ध्यान से सुना और बीच-बीच में प्रश्न भी पूछता रहा।

जिप्सी व्यक्ति मैसिडोनियन पोशाक में एक प्रभावशाली और नाटकीय व्यक्तित्व वाला दिख रहा था – पूरी आस्तीन वाली सफेद कमीज, ढीली पतलून और फीतेदार मुलायम चमड़े के ऊंचे बूट।

उसके बाल काले सांपों की तरह उलझे हुए थे। उसकी बड़ी, नीचे की ओर झुकी हुई काली मूंछें उसके भरे हुए लाल होंठों को लगभग छिपा रही थीं। सिफिलिस से ग्रस्त नाक के दोनों ओर उसकी आंखें उग्र और क्रूर थीं। चांद की रोशनी उसके जबड़े की तीखी रेखा और ऊंचे गालों पर चमक रही थी।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

उनके दाहिने हाथ में, जिसके अंगूठे पर सोने की अंगूठी थी, चांदी की बारीक नक्काशी से सजी चमड़े की म्यान में रखी एक छोटी घुमावदार कटार की मूठ पर टिकी हुई थी।

जिप्सी ने अपनी बात समाप्त की। करीम ने बॉन्ड के बारे में कुछ ज़ोरदार और प्रशंसात्मक शब्द कहे, साथ ही बॉन्ड की ओर हाथ बढ़ाया, मानो किसी नाइट क्लब में कोई एंकर किसी नए प्रदर्शन की सराहना कर रहा हो। जिप्सी बॉन्ड के पास आया और उसे गौर से देखा। उसने अचानक झुककर अभिवादन किया। बॉन्ड ने भी वैसा ही किया। जिप्सी ने व्यंग्यात्मक मुस्कान के साथ कुछ शब्द कहे। करीम हँसा और बॉन्ड की ओर मुड़ गया।

वह कहता है कि अगर कभी बेरोजगार हो जाओ तो उसके पास आना। वह तुम्हें नौकरी देगा—उसकी औरतों को काबू में करना और उसके लिए हत्या करना। एक विदेशी के लिए यह बहुत बड़ी तारीफ है। तुम्हें जवाब में कुछ कहना चाहिए।

उन्हें बता दीजिए कि मुझे नहीं लगता कि इन मामलों में उन्हें किसी मदद की जरूरत है।

केरीम ने अनुवाद किया। जिप्सी ने विनम्रता से अपने दांत दिखाए। उसने कुछ कहा, फिर ताली बजाते हुए वापस मेज पर चला गया। दो महिलाएं उठीं और उसकी ओर आईं। उसने उनसे रूखेपन से बात की और वे वापस मेज पर गईं, एक बड़ी मिट्टी की थाली उठाई और पेड़ों के बीच गायब हो गईं।

केरीम ने बॉन्ड का हाथ पकड़ा और उसे एक तरफ ले गया।

'हम एक बुरी रात में आए हैं,' उसने कहा। 'रेस्तरां बंद है। यहाँ पारिवारिक समस्याएँ हैं जिन्हें सुलझाना होगा—कठोरता से, और निजी तौर पर। लेकिन मैं एक पुराना दोस्त हूँ और हमें उनके साथ भोजन करने के लिए आमंत्रित किया गया है। यह घिनौना होगा, लेकिन मैंने राकी मंगवा ली है। फिर हम देख सकते हैं—लेकिन इस शर्त पर कि हम दखल नहीं देंगे। मुझे उम्मीद है कि आप समझेंगे, मेरे दोस्त।' करीम ने बॉन्ड के हाथ पर और दबाव डाला। 'जो कुछ भी तुम देखो, तुम्हें हिलना या टिप्पणी नहीं करनी है। अभी-अभी एक अदालत लगी है और न्याय होना है—उनका अपना न्याय। यह प्रेम और ईर्ष्या का मामला है। कबीले की दो लड़कियाँ उसके एक बेटे से प्यार करती हैं। चारों ओर मौत का साया मंडरा रहा है। दोनों उसे पाने के लिए एक-दूसरे को जान से मारने की धमकी दे रही हैं। अगर वह किसी एक को चुनता है, तो असफल लड़की ने उसे और लड़की को जान से मारने की कसम खाई है। यह एक गतिरोध है। कबीले में बहुत बहस चल रही है।'

तो बेटे को पहाड़ियों पर भेज दिया गया है और दोनों लड़कियाँ आज रात यहीं पर मौत तक

लड़ेंगी। बेटे ने विजेता को अपने साथ ले जाने की सहमति दे दी है। महिलाओं को अलग-अलग काफिलों में बंद कर दिया गया है। यह कमज़ोर दिल वालों के लिए नहीं होगा, लेकिन यह एक अद्भुत नज़ारा होगा। यह हमारे लिए बहुत बड़ा सौभाग्य है कि हम यहाँ मौजूद हैं। समझे? हम गजो हैं। क्या तुम शिष्टाचार भूल जाओगे? क्या तुम दखल नहीं दोगे? अगर तुमने ऐसा किया तो वे तुम्हें और शायद मुझे भी मार डालेंगे।

“डार्को,” बॉन्ड ने कहा। “मेरा एक फ्रांसीसी दोस्त है। मैथिस नाम का एक आदमी, जो डेक्सिएम का प्रमुख है। उसने एक बार मुझसे कहा था, ‘मुझे तीव्र संवेदनाएँ पसंद हैं।’ मैं उसी की तरह हूँ। मैं तुम्हें शर्मिंदा नहीं करूँगा। पुरुषों का महिलाओं से लड़ना एक बात है। महिलाओं का महिलाओं से लड़ना दूसरी बात है। लेकिन उस बम का क्या? वह बम जिसने तुम्हारा दफ्तर उड़ा दिया। उसने उसके बारे में क्या कहा?”

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

यह बेनाम गिरोह का सरगना था। उसने इसे खुद वहाँ लगाया था। वे नाव से गोल्डन हॉर्न से नीचे आए और वह सीढ़ी चढ़कर दीवार पर इसे लगा गया। बदकिस्मती से वह मुझे नहीं मार पाया। यह ऑपरेशन बहुत सोच-समझकर किया गया था। वह आदमी एक गुंडा है। एक बल्गेरियाई "शरणार्थी" जिसका नाम क्रिलेंकु है। मुझे उससे हिसाब चुकता करना होगा। भगवान जाने वे अचानक मुझे क्यों मारना चाहते हैं, लेकिन मैं ऐसी परेशानियों को बर्दाश्त नहीं कर सकता। मैं आज रात बाद में कार्रवाई करने का फैसला कर सकता हूँ। मुझे पता है वह कहाँ रहता है। अगर वावरा को जवाब पता हो, तो मैंने अपने ड्राइवर को ज़रूरी सामान लेकर वापस आने को कहा है।

एक बेहद आकर्षक युवती, जिसने गले में सोने के सिक्कों की माला और दोनों कलाईयों पर लगभग दस पतले सोने के कंगन पहने हुए, एक मोटी, पुराने ज़माने की काली फ्रॉक पहनी हुई थी, मेज से उठी और करीम के सामने झुककर झनझनाती हुई प्रणाम किया। उसने कुछ कहा और करीम ने जवाब दिया।

‘हमें खाने की मेज पर बुलाया गया है,’ केरीम ने कहा। मुझे उम्मीद है कि आप उंगलियों से खाना खाने में माहिर हैं। मैं देख रहा हूँ कि आज रात सबने सबसे अच्छे कपड़े पहने हैं। वह लड़की शादी के लायक है। उसके पास बहुत सारा सोना है।

यह उसका दहेज है।

वे मेज की ओर चले। मुख्य जिप्सी के दोनों ओर दो-दो स्थान खाली कर दिए गए थे। करीम ने मेज पर बैठे सभी लोगों को विनम्रतापूर्वक अभिवादन किया। सबने सिर हिलाकर अभिवादन किया। वे बैठ गए। उनके सामने लहसुन की तेज़ गंध वाली किसी तरह की रगुट से भरी एक बड़ी प्लेट, राकी की एक बोतल, पानी का एक जग और एक सस्ता गिलास रखा था। मेज पर राकी की कुछ और बोतलें भी रखी थीं, जिन्हें किसी ने छुआ नहीं था। जब करीम ने अपनी बोतल उठाई और आधा गिलास भरकर राकी डाली, तो बाकी सबने भी वैसा ही किया। करीम ने थोड़ा पानी मिलाया और गिलास उठाया। बॉन्ड ने भी ऐसा ही किया। करीम ने एक छोटा लेकिन जोशीला भाषण दिया और सबने अपने गिलास उठाए और पी लिए। माहौल थोड़ा सहज हो गया। बॉन्ड के

बगल में बैठी एक बूढ़ी औरत ने उसे रोटी का एक लंबा टुकड़ा दिया और कुछ कहा। बॉन्ड मुस्कुराया और 'धन्यवाद' कहा। उसने रोटी का एक टुकड़ा तोड़ा और करीम को दे दिया, जो अंगूठे और तर्जनी से अपनी रगुट में से कुछ निकाल रहा था। केरीम ने एक हाथ से रोटी उठाई और उसी समय दूसरे हाथ से मांस का एक बड़ा टुकड़ा अपने मुंह में डाला और खाने लगा।

बॉन्ड भी ऐसा ही करने वाला था कि केरीम ने तीखे और शांत स्वर में कहा, 'दाहिने हाथ से, जेम्स। इन लोगों में बाएँ हाथ का उपयोग केवल एक ही उद्देश्य के लिए किया जाता है।'

बॉन्ड ने अपना बायां हाथ हवा में ही रोक दिया और पास रखी राकी की बोतल को पकड़ लिया। उसने अपने लिए आधा गिलास और राकी डाली और दाहिने हाथ से खाना शुरू कर दिया। राकी स्वादिष्ट तो थी, लेकिन बहुत गर्म थी।

बॉन्ड जब भी अपनी उंगलियां उसमें डालता, तो मुंह बना लेता। सभी लोग उन्हें खाते हुए देख रहे थे और समय-समय पर बूढ़ी औरत बॉन्ड के स्टू में अपनी उंगलियां डालकर उसके लिए एक टुकड़ा निकाल लेती थी।

जब उन्होंने अपनी प्लेटें साफ कर लीं, तो बॉन्ड और करीम के बीच पानी से भरा एक चांदी का कटोरा रखा गया, जिसमें गुलाब की पत्तियां तैर रही थीं, और एक साफ सूती कपड़ा भी रखा गया। बॉन्ड ने अपनी उंगलियां और अपनी चिकनी ठुड्डी धोई और अपने मेज़बान की ओर मुड़कर कर्तव्यनिष्ठा से धन्यवाद का एक छोटा सा भाषण दिया, जिसका करीम ने अनुवाद किया। मेज पर बैठे लोगों ने कृतज्ञता व्यक्त की। जिप्सी मुखिया ने बॉन्ड की ओर झुककर प्रणाम किया और करीम के अनुसार कहा कि वह सभी गज़ो से नफरत करता है। (ABC Amber LIT Converter द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

बॉन्ड को छोड़कर, जिसे वह अपना दोस्त कहने में गर्व महसूस करता था। फिर उसने ज़ोर से ताली बजाई और सब लोग मेज से उठकर बेंचों को खींचकर डांस फ्लोर के चारों ओर लगाने लगे।

केरीम मेज के चारों ओर घूमकर बॉन्ड के पास आया। वे दोनों साथ-साथ चले गए। 'तुम्हें कैसा लग रहा है? वे दोनों लड़कियों को लेने गए हैं।'

बॉन्ड ने सिर हिलाया। वह शाम का आनंद ले रहा था। दृश्य सुंदर और रोमांचकारी था - बेंचों पर बैठे लोगों के घेरे पर चमकता हुआ सफेद चाँद, किसी के हिलने-डुलने पर सोने या गहनों की झिलमिलाहट, चकाचौंध से जगमगाता टेराज़ा का मैदान और चारों ओर, शांत, प्रहरी वृक्ष अपनी काली छाया में पहरा दे रहे थे।

केरीम बॉन्ड को एक बेंच तक ले गया जहाँ जिप्सियों का मुखिया अकेला बैठा था। वे दोनों उसके दाहिनी ओर बैठ गए।

हरी आँखों वाली एक काली बिल्ली धीरे-धीरे चबूतरे पर चलकर बच्चों के एक समूह में जा पहुँची, जो चुपचाप बैठे थे मानो कोई नाचने के लिए आने वाला हो और उन्हें सबक सिखाने वाला हो। वह बैठ गई और अपनी छाती चाटने लगी।

ऊँची दीवार के उस पार एक घोड़े ने हिनहिनाया। दो जिप्सियों ने पीछे मुड़कर उस आवाज़ की ओर देखा, मानो वे घोड़े की आवाज़ को समझने की कोशिश कर रहे हों। सड़क से किसी के तेज़ी से पहाड़ी से नीचे आने की आवाज़ आई, मानो साइकिल की घंटी की सुनहरी फुहार सुनाई दी हो।

सन्नाटे में छाई खामोशी एक कुंडी के खुलने की आवाज से टूट गई।

दीवार में लगा दरवाजा जोर से पीछे की ओर गिरा और दो लड़कियां, गुस्से में भरी बिल्लियों की तरह थूकती और लड़ती हुई, घास के मैदान से होते हुए रिंग में जा गिरीं।

अध्याय अठारह

तीव्र संवेदनाएँ

जिप्सी मुखिया की आवाज लड़खड़ा गई। लड़कियाँ अनिच्छा से अलग हुईं और उसके सामने खड़ी हो गईं। (जिप्सी का चित्र ABC Amber LIT Converter द्वारा बनाया गया है, http://www.processtext.com/abclit.html)

उसने कठोर निंदा के स्वर में बोलना शुरू किया।

केरीम ने अपना हाथ मुंह पर रखा और उसके पीछे से फुसफुसाया, “वेवरा उनसे कह रहा है कि यह जिप्सियों का एक महान कबीला है और उन्होंने इसमें फूट डाल दी है। वह कहता है कि उनके बीच नफरत के लिए कोई जगह नहीं है, नफरत सिर्फ बाहर वालों के खिलाफ है। उन्होंने जो नफरत पैदा की है, उसे खत्म करना होगा ताकि कबीला फिर से शांति से रह सके। उन्हें लड़ना होगा। अगर हारने वाले को नहीं मारा गया तो उसे हमेशा के लिए कबीले से निकाल दिया जाएगा। यह मौत के बराबर होगा। ये लोग कबीले से बाहर मुरझाकर मर जाते हैं। वे हमारी दुनिया में नहीं रह सकते। यह पिंजरे में बंद जंगली जानवरों की तरह है।”

जब केरीम बोल रहा था, बॉन्ड रिंग के केंद्र में मौजूद दो खूबसूरत, चुस्त-दुरुस्त और उदास जानवरों का निरीक्षण कर रहा था।

दोनों का रंग जिप्सी जैसा गहरा था, कंधे तक लंबे मोटे काले बाल थे, और दोनों ने झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले अश्वेतों के फटे-पुराने कपड़ों का ढेर पहन रखा था – फटे-पुराने भूरे रंग के वस्त्र जो ज्यादातर जगह से फटे और पैबंद लगे हुए थे। एक का शरीर दूसरे से अधिक हष्ट-पुष्ट और स्पष्ट रूप से अधिक बलवान था, लेकिन वह उदास और सुस्त लग रही थी और फुर्तीली नहीं हो सकती थी। वह शेरनी जैसी सुंदर थी, और जब वह खड़ी होकर कबीले के मुखिया की बात अधीरता से सुन रही थी, तो उसकी भारी पलकों वाली आँखों में एक धीमी लाल चमक थी।

बॉन्ड ने सोचा, उसे जीतना चाहिए। वह आधा इंच लंबी है और ज़्यादा ताकतवर भी है।

जहां एक लड़की शेरनी जैसी थी, वहीं दूसरी लड़की पैंथर जैसी थी – फुर्तीली और तेज़, और उसकी पैनी नज़रें बोलने वाले पर नहीं, बल्कि अगल-बगल घूम रही थीं, जैसे नाप-तोल कर रही हों, और उसके हाथ पंजों की तरह मुड़े हुए थे। उसकी सुंदर टांगों की मांसपेशियां किसी पुरुष की तरह सख्त लग रही थीं। उसके स्तन छोटे थे, और दूसरी लड़की के बड़े स्तनों के विपरीत, उसकी कमीज़ को मुश्किल से ही फुला रहे थे। बॉन्ड ने सोचा, "यह लड़की खतरनाक कुतिया जैसी दिखती है। यह ज़रूर पहला वार करेगी। यह दूसरी लड़की से ज़्यादा तेज़ होगी।"

तुरंत ही वह गलत साबित हो गया। जैसे ही वावरा ने अपना आखिरी शब्द कहा, बड़ी लड़की, जिसका नाम केरीम ने फुसफुसाते हुए ज़ोरा बताया, ने बिना निशाना साधे ज़ोर से बगल में लात मारी और दूसरी लड़की के पेट पर ज़ोर से वार किया। छोटी लड़की के लड़खड़ाने पर वावरा ने उसके सिर के किनारे पर मुक्के से जोरदार प्रहार किया जिससे वह पत्थर के फर्श पर गिर पड़ी।

"ओह, विदा," भीड़ में से एक महिला ने विलाप किया। उसे चिंता करने की ज़रूरत नहीं थी। बॉन्ड भी देख सकता था कि विदा ज़मीन पर लेटी हुई, मानो साँस फूलने का नाटक कर रही हो। उसने देखा कि ज़ोरा का पैर उसकी पसलियों पर तेज़ी से आ रहा था, तभी उसकी झुकी हुई बांह के नीचे उसकी आँखें चमक उठीं।

विदा के हाथ एक साथ तेज़ी से बढ़े। उन्होंने टखने को पकड़ लिया और उसका सिर सांप की तरह पैर के तलवे पर जा टकराया। ज़ोरा दर्द से चीखी और अपने फंसे हुए पैर को ज़ोर से छुड़ाने की कोशिश करने लगी। लेकिन बहुत देर हो चुकी थी। दूसरी लड़की एक घुटने के बल उठी, फिर सीधी खड़ी हो गई, पैर अभी भी उसके हाथों में था। उसने ज़ोर से ऊपर की ओर धक्का दिया और ज़ोरा का दूसरा पैर ज़मीन से ऊपर उठ गया और वह पूरी लंबाई में ज़मीन पर गिर पड़ी।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

उस मोटी लड़की के गिरने की ज़ोरदार आवाज़ से ज़मीन हिल गई। एक पल के लिए वह थम सी गई। फिर विदा ने जानवर जैसी गुर्राहट के साथ उस पर झपट्टा मारा और उसे नोंच-नोंच कर नोंचने लगी।

हे भगवान, यह तो बहुत ही गुस्सैल है! बॉन्ड ने मन ही मन सोचा। उसके बगल में, केरीम की साँसें दाँतों के बीच से तनावपूर्ण फुफकार के साथ निकल रही थीं।

लेकिन उस हष्ट-पुष्ट लड़की ने अपनी कोहनी और घुटनों से खुद को बचाया और आखिरकार वह विदा को लात मारकर दूर करने में कामयाब हो गई।

वह लड़खड़ाते हुए खड़ी हुई और पीछे हट गई, उसके होंठ दांतों से खुले हुए थे और उसका लबादा उसके सुडौल शरीर से तार-तार होकर लटक रहा था। झट से उसने फिर से हमला किया, उसकी बाहें पकड़ बनाने के लिए आगे बढ़ीं और जैसे ही छोटी लड़की एक तरफ हटी, ज़ोरा के हाथ ने उसके लबादे का गला पकड़ लिया और उसे नीचे तक फाड़ दिया।

लेकिन तुरंत ही विदा हमलावर की पहुंचती हुई बाहों के नीचे सिमट गई और उसके मुक्के और घुटने हमलावर के शरीर पर जोरदार प्रहार करने लगे।

यह आपसी लड़ाई एक गलती थी। मजबूत भुजाओं ने छोटी लड़की को जकड़ लिया, जिससे विदा के हाथ नीचे ही फंस गए और ज़ोरा की आँखों तक नहीं पहुँच सके। धीरे-धीरे, ज़ोरा ने भी हाथ फैलाना शुरू कर दिया, जबकि विदा के पैर और घुटने नीचे बेअसर ढंग से छटपटा रहे थे।

बॉन्ड को लगा कि अब बड़ी लड़की को ही जीतना होगा। ज़ोरा को बस दूसरी लड़की पर गिरना था। विदा का सिर पत्थर पर टकराएगा और फिर ज़ोरा जो चाहे कर सकती थी। लेकिन अचानक बड़ी लड़की चीखने लगी। बॉन्ड ने देखा कि विदा का सिर दूसरी लड़की के स्तनों में धंसा हुआ था। उसके दांत काम कर रहे थे। ज़ोरा ने विदा के बालों को पकड़कर उसका सिर पीछे खींचने की कोशिश की, लेकिन उसके हाथ छूट गए।

लेकिन अब विदा के हाथ खाली थे और वे उस मोटी लड़की के शरीर को कुरेद रहे थे।

लड़कियाँ बिल्लियों की तरह एक-दूसरे से अलग होकर पीछे हट गईं, उनके चमकदार शरीर उनकी कमीज़ों के आखिरी चिथड़ों से चमक रहे थे और मोटी लड़की के खुले स्तनों पर खून दिखाई दे रहा था।

वे सतर्कतापूर्वक चारों ओर घूमने लगे, दोनों को इस बात की खुशी थी कि वे बच निकले थे, और घूमते हुए उन्होंने अपने आखिरी चिथड़े फाड़ दिए और उन्हें दर्शकों की ओर फेंक दिया।

दो चमकते, नग्न शरीरों को देखकर बॉन्ड की सांसें थम गईं, और उसे अपने बगल में करीम का शरीर तनावग्रस्त होता महसूस हुआ। जिप्सियों का घेरा उन दोनों योद्धाओं के और करीब आता प्रतीत हुआ। चांद की रोशनी उनकी चमकती आंखों पर पड़ रही थी और गर्म, हांफती सांसों की हल्की फुसफुसाहट सुनाई दे रही थी।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

फिर भी दोनों लड़कियां धीरे-धीरे चक्कर लगा रही थीं, उनके दांत बाहर निकले हुए थे और सांसें तेज चल रही थीं। उनकी उभरती हुई छातियों और पेटों तथा उनके मजबूत, लड़के जैसे कूल्हों पर रोशनी चमक रही थी। उनके पैरों ने सफेद पत्थरों पर पसीने के गहरे निशान छोड़ दिए थे।

एक बार फिर, बड़ी लड़की ज़ोरा ने ही पहला वार किया, पहलवान की तरह अचानक आगे की ओर छलांग लगाई और बाहें फैला दीं। लेकिन विदा डटी रही। उसका दाहिना पैर ज़ोरदार प्रहार की तरह चला, जिससे पिस्तौल की गोली जैसी आवाज़ आई। बड़ी लड़की दर्द से चीखी और खुद को पकड़ लिया। तुरंत ही विदा ने अपना दूसरा पैर पेट पर मारा और खुद को भी उसके पीछे झोंक दिया।

ज़ोरा के घुटनों के बल बैठते ही भीड़ में से एक धीमी सी गुर्राहट सुनाई दी। उसने अपना चेहरा बचाने के लिए हाथ ऊपर उठाए, लेकिन बहुत देर हो चुकी थी। छोटी लड़की उसके ऊपर सवार हो गई और ज़ोरा की कलाई को कसकर पकड़ लिया। ज़ोरा ने अपना पूरा वज़न उस पर डालकर उसे ज़मीन पर झुका दिया, और उसके नुकीले सफेद दांत ज़ोरा की गर्दन की ओर बढ़ रहे थे।

`बूम!'

विस्फोट ने तनाव को अखरोट की तरह चटका दिया। आग की एक लपट ने डांस फ्लोर के पीछे के अंधेरे को रोशन कर दिया और बॉन्ड के कान के पास से ईंटों का एक टुकड़ा सरसराता हुआ गुजरा। अचानक बगीचा भागते हुए आदमियों से भर गया और जिप्सी सरदार अपने हाथ में घुरी हुई कटार लहराते हुए पत्थरों पर रेंगता हुआ आगे बढ़ रहा था। केरीम उसके पीछे-पीछे जा रहा था, उसके हाथ में बंदूक थी। जैसे ही जिप्सी उन दो लड़कियों के पास से गुजरा, जो अब डरी हुई और कांपती हुई खड़ी थीं, उसने उन पर एक शब्द चिल्लाया और वे भागकर पेड़ों के बीच गायब हो गईं, जहां बाकी बची महिलाएं और बच्चे पहले से ही छाया में ओझल हो रहे थे।

बॉन्ड, अपने हाथ में अनिश्चितता से बेरेटा पकड़े हुए, धीरे-धीरे केरीम के पीछे-पीछे बगीचे की दीवार में बने चौड़े छेद की ओर बढ़ा और सोचने लगा कि आखिर हो क्या रहा है।

दीवार में बने छेद और डांस फ्लोर के बीच घास का मैदान लड़ाई-झगड़े और भागते-दौड़ते लोगों से भरा हुआ था। बॉन्ड जब लड़ाई के बीच पहुंचा, तब उसने पारंपरिक पोशाक पहने छोटे कद के बल्गेरियाई लोगों को जिप्सियों के भड़कीले कपड़ों से अलग पहचाना। ऐसा लग रहा था कि जिप्सियों की तुलना में बेनाम लोगों की संख्या लगभग दोगुनी थी। बॉन्ड जब उस संघर्षरत भीड़ में झांक रहा था, तभी एक जिप्सी युवक पेट पकड़े हुए उसमें से बाहर निकला। वह बुरी तरह खांसते हुए बॉन्ड की ओर बढ़ा। दो छोटे कद के काले आदमी उसके पीछे आए, उनके चाकू नीचे झुके हुए थे।

सहज ही बॉन्ड एक तरफ हट गया ताकि भीड़ उन दोनों आदमियों के पीछे न रहे। उसने घुटनों के ऊपर उनके पैरों पर निशाना साधा और उसके हाथ में मौजूद बंदूक से दो बार गोली चली। दोनों आदमी बिना आवाज किए, मुंह के बल घास पर गिर पड़े।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

दो गोलियां खत्म हो गईं। अब सिर्फ छह बची हैं। बॉन्ड लड़ाई के करीब पहुंच गया।

एक चाकू उसके सिर के पास से सरसराता हुआ गुजरा और नाचने की जगह पर जा गिरा।

यह वार केरीम पर किया गया था, जो दो आदमियों के साथ अंधेरे से बाहर भागा। दूसरा आदमी रुका और चाकू फेंकने के लिए उठाया, तभी बॉन्ड ने अंधाधुंध गोली चलाई और उसे गिरते हुए देखा।

दूसरा आदमी मुड़ा और पेड़ों के बीच भाग गया और केरीम बॉन्ड के बगल में एक घुटने पर बैठ गया और अपनी बंदूक से जूझने लगा।

'मुझे बचाओ!' वह चिल्लाया। 'पहली ही गोली अटक गई। ये वही खूनी बल्गेरियाई हैं। भगवान जाने ये क्या कर रहे हैं।'

एक हाथ ने बॉन्ड का मुंह पकड़कर उसे पीछे की ओर खींच लिया। ज़मीन पर गिरते समय उसे कार्बोलिक साबुन और निकोटीन की गंध आई। उसे अपनी गर्दन के पीछे एक बूट की ज़ोरदार चोट महसूस हुई। घास में करवट बदलते हुए उसे लगा कि किसी चाकू की तेज़ धार उस पर पड़ेगी। लेकिन वे तीन आदमी करीम के पीछे पड़े थे, और जैसे ही बॉन्ड एक घुटने के बल गिरा, उसने देखा कि छोटे कद के काले कपड़े पहने हुए लोग उस झुके हुए आदमी पर टूट पड़े। करीम ने अपनी बेकार बंदूक से एक वार ऊपर की ओर किया और फिर उनके नीचे गिर गया।

ठीक उसी क्षण जब बॉन्ड आगे बढ़ा और अपनी बंदूक का बट एक गोल मुंडे हुए सिर पर मारा, उसकी आँखों के सामने कुछ कौंधा और जिप्सी सरदार का घुमावदार खंजर एक हिलती हुई पीठ से बाहर निकल आया। तभी केरीम अपने पैरों पर खड़ा हो गया और तीसरा आदमी भागने लगा तथा एक आदमी दीवार में बने छेद में खड़ा होकर बार-बार एक ही शब्द चिल्ला रहा था। एक-एक करके हमलावरों ने अपनी लड़ाई रोक दी और उस आदमी की ओर झुककर उसके पास से होते हुए सड़क पर निकल गए।

“गोली चलाओ, जेम्स, गोली चलाओ!” केरीम दहाड़ा। “वह क्रिलेंकु है।” वह आगे की ओर दौड़ने लगा। बॉन्ड की बंदूक से एक बार गोली चली। लेकिन वह आदमी दीवार के पीछे से निकल गया था, और तीस गज की दूरी रात में स्वचालित बंदूक से निशाना लगाने के लिए बहुत ज़्यादा थी। जैसे ही बॉन्ड ने अपनी गर्म बंदूक नीचे की, लैम्ब्रेटा राइफलों के एक दस्ते की लगातार फायरिंग की आवाज़ आई, और बॉन्ड वहीं खड़ा होकर पहाड़ी से नीचे उड़ते हुए ततैयों के झुंड की आवाज़ सुनने लगा।

घायलों की कराहों के सिवा वहां सन्नाटा छाया हुआ था। बॉन्ड बेमन से केरीम और वावरा को दीवार में बने छेद से वापस आते और लाशों के बीच चलते हुए देखता रहा, कभी-कभी वे एक लाश को पैर से पलट देते थे। बाकी जिप्सी सड़क से वापस लौट आए और बूढ़ी औरतें अपने आदमियों की देखभाल करने के लिए छाया से बाहर भागीं।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

बॉन्ड ने खुद को झटक दिया। आखिर ये सब हुआ क्या था? दस-बारह आदमी मारे गए थे। किसलिए?

वे किसे निशाना बना रहे थे? बॉन्ड को नहीं। जब वह नीचे गिर चुका था और हत्या के लिए तैयार था, तब वे उसे छोड़कर केरीम की ओर बढ़ गए। केरीम की जान लेने की यह दूसरी कोशिश थी। क्या इसका रोमानोवा मामले से कोई संबंध था? भला इससे क्या जुड़ाव हो सकता था?

बॉन्ड तनाव में आ गया। उसकी कमर में रखी बंदूक से दो बार गोली चली। चाकू करीम की पीठ से टकराकर बेजान होकर गिर पड़ा। मुर्दों में से जी उठा वह आकृति बैले डांसर की तरह धीरे-धीरे घूमी और मुंह के बल आगे की ओर गिर पड़ी। बॉन्ड दौड़ा। वह बिलकुल सही समय पर पहुंचा था। चांद की रोशनी ने चाकू को रोक लिया था और उसे गोली चलाने का साफ मौका मिल गया था। करीम ने तड़पते हुए शरीर को नीचे देखा। वह बॉन्ड की ओर मुड़ा।

बॉन्ड अचानक रुक गया। उसने गुस्से से कहा, 'अरे बेवकूफ! तुम थोड़ी और सावधानी क्यों नहीं बरत सकते!'

'तुम्हें एक नर्स रखनी चाहिए।' बॉन्ड का अधिकांश गुस्सा इस बात से उपजा था कि उसी ने केरीम के चारों ओर मौत का साया मंडराया था।

डार्को करीम शर्मिंदा होकर मुस्कुराया। 'अब यह ठीक नहीं है, जेम्स। तुमने मेरी जान कई बार बचाई है। हम दोस्त बन सकते थे। अब हमारे बीच बहुत दूरी आ गई है। मुझे माफ कर दो, क्योंकि मैं तुम्हारा एहसान कभी नहीं चुका पाऊंगा।' उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया।

बॉन्ड ने इसे नज़रअंदाज़ कर दिया। 'बेवकूफ मत बनो, डार्को,' उसने रूखेपन से कहा। 'मेरी बंदूक ने काम किया, बस इतना ही।'

तुम्हारे वाले में तो नहीं था। बेहतर होगा कि तुम ऐसा वाला ले लो जिसमें हो। भगवान के लिए, मुझे बताओ कि आखिर ये सब क्या चल रहा है।

आज रात बहुत खून-खराबा हुआ है। मैं इससे तंग आ गया हूँ। मुझे एक ड्रिंक चाहिए। आओ और मेरी राकी खत्म करो।' उसने उस हट्टे-कट्टे आदमी का हाथ पकड़ लिया।

जैसे ही वे खाने के बचे हुए टुकड़ों से भरी मेज पर पहुँचे, बगीचे की गहराई से एक भयानक चीख सुनाई दी। बॉन्ड ने अपना हाथ अपनी बंदूक पर रख लिया। करीम ने अपना सिर हिलाया। उसने उदास स्वर में कहा, 'हमें जल्द ही पता चल जाएगा कि बेनाम लोग क्या चाहते थे। मेरे दोस्त पता लगा रहे हैं। मैं अंदाज़ा लगा सकता हूँ कि उन्हें क्या पता चलेगा। मुझे लगता है कि वे आज रात यहाँ होने के लिए मुझे कभी माफ़ नहीं करेंगे। उनके पाँच आदमी मारे गए हैं।'

बॉन्ड ने बेरुखी से कहा, 'शायद वहाँ एक मरी हुई औरत भी होती। कम से कम तुमने उसकी जान तो बचा ली। बेवकूफ़ मत बनो, डार्को। इन जिप्सियों को पता था कि जब उन्होंने बुल्गारों के खिलाफ तुम्हारे लिए जासूसी शुरू की थी तो क्या जोखिम थे। यह गिरोहों की लड़ाई थी।' उसने दो गिलास राकी में थोड़ा पानी मिलाया।

दोनों ने एक ही घूंट में गिलास खाली कर दिए। जिप्सी सरदार आगे आया और मुट्ठी भर घास पर अपनी मुड़ी हुई कटार की नोक पोंछी। वह बैठ गया और बॉन्ड से राकी का एक गिलास लिया। वह काफी खुश लग रहा था। बॉन्ड को लगा कि उसके लिए लड़ाई बहुत छोटी थी। जिप्सी ने चालाकी से कुछ कहा।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

केरीम हँस पड़ा। 'उसने कहा कि उसका फैसला सही था। तुमने बढ़िया काम किया। अब वह चाहता है कि तुम उन दो महिलाओं का सामना करो।'

उसे बता देना कि इनमें से एक भी मेरे लिए काफी होगी। लेकिन उसे यह भी बता देना कि मुझे ये दोनों खूबसूरत औरतें लगती हैं। अगर वह मुझ पर एक एहसान करे और लड़ाई को बराबरी पर खत्म कर दे तो मुझे खुशी होगी। आज रात उसके काफी लोग मारे जा चुके हैं। उसे अपने कबीले के लिए इन दोनों लड़कियों से संतान पैदा करवाने की जरूरत पड़ेगी।

केरीम ने अनुवाद किया। जिप्सी ने बॉन्ड को गुस्से से देखा और कुछ कड़वे शब्द कहे।

वह कहता है कि तुम्हें उससे इतनी कठिन विनती नहीं करनी चाहिए थी। वह कहता है कि एक अच्छे योद्धा के लिए तुम्हारा दिल बहुत नरम है। लेकिन वह कहता है कि वह तुम्हारी बात मानेगा।

जिप्सी ने बॉन्ड की धन्यवाद भरी मुस्कान को अनसुना कर दिया। वह केरीम से तेज़ी से बात करने लगा, जो ध्यान से सुन रहा था और बीच-बीच में सवाल पूछकर उसकी बातों को रोक रहा था। क्रिलेंकू का नाम अक्सर लिया जा रहा था। केरीम ने भी जवाब दिया। उसकी आवाज़ में गहरा पश्चाताप था और उसने दूसरे के विरोध से खुद को रोकने नहीं दिया। क्रिलेंकू का आखिरी बार ज़िक्र हुआ। केरीम बॉन्ड की ओर मुड़ा।

“मेरे दोस्त,” उसने रूखे स्वर में कहा। “यह एक अजीब मामला है। लगता है बुल्गारों को वावरा और उसके जितने भी आदमियों को हो सके, मारने का आदेश दिया गया था। यह तो सीधी सी

बात है। उन्हें पता था कि जिप्सी मेरे लिए काम कर रहा था।"

शायद यह कुछ ज़्यादा ही कठोर कदम था। लेकिन हत्या करने में रूसियों को कोई नज़ाकत नहीं होती। उन्हें सामूहिक मृत्यु पसंद है। वावरा उनका मुख्य निशाना था। मैं भी उनमें से एक था। मेरे खिलाफ़ व्यक्तिगत रूप से युद्ध की घोषणा को मैं समझ सकता हूँ।

लेकिन ऐसा लगता है कि आपको कोई नुकसान नहीं पहुँचाया जाना था। आपका बिल्कुल सटीक वर्णन किया गया था ताकि कोई गलती न हो। यह अजीब है। शायद यह चाहा गया था कि कोई कूटनीतिक प्रतिक्रिया न हो। कौन कह सकता है? हमला सुनियोजित था। वे घुमावदार रास्ते से पहाड़ी की चोटी पर पहुँचे और फिर बिना किसी रोक-टोक के नीचे उतर गए ताकि हमें कुछ भी सुनाई न दे। यह एक सुनसान जगह है और मीलों तक कोई पुलिसवाला नहीं है। मैं खुद को दोषी मानता हूँ कि मैंने इन लोगों को हल्के में लिया।' करीम उलझन में और दुखी लग रहा था। ऐसा लग रहा था जैसे उसने अपना मन बना लिया हो। उसने कहा, 'लेकिन अब आधी रात हो चुकी है। रोल्स रॉयस यहाँ आ जाएँगी। घर जाकर सोने से पहले एक छोटा सा काम बाकी है। और अब समय आ गया है कि हम इन लोगों को छोड़ दें। सुबह होने से पहले उन्हें बहुत कुछ करना है। कई शवों को बोस्फोरस में डालना है और दीवार की मरम्मत करनी है। सुबह होने तक इन परेशानियों का कोई निशान नहीं रहना चाहिए। हमारा दोस्त आपको शुभकामनाएँ देता है। वह कहता है कि आपको वापस लौटना होगा, और ज़ोरा और विदा तब तक आपकी हैं जब तक उनके स्तन न झुक जाएँ।' जो कुछ हुआ है, उसके लिए वह मुझे दोषी मानने से इनकार करता है। वह कहता है कि मुझे उसे बुल्गार भेजना जारी रखना है। आज रात दस लोग मारे गए। उसे कुछ और चाहिए। और अब हम उससे हाथ मिलाएंगे और चले जाएंगे। बस यही वह हमसे चाहता है। हम अच्छे दोस्त हैं, लेकिन हम गज़ो भी हैं। और मुझे लगता है कि वह नहीं चाहता कि हम उसकी महिलाओं को अपने मृतकों पर रोते हुए देखें।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

केरीम ने अपना विशाल हाथ आगे बढ़ाया। वावरा ने उसका हाथ थाम लिया और केरीम की आँखों में देखा। एक पल के लिए उसकी अपनी उग्र आँखें मानो भावहीन हो गईं। फिर उस जिप्सी ने हाथ छोड़ दिया और बॉन्ड की ओर मुड़ गया।

हाथ सूखा, खुरदरा और किसी बड़े जानवर के पंजे की तरह गद्देदार था। आँखें फिर से भावहीन हो गईं। उसने बॉन्ड का हाथ छोड़ दिया। उसने केरीम से तेज़ी से और जल्दबाज़ी में बात की और उनकी तरफ पीठ करके पेड़ों की ओर चल पड़ा।

जब केरीम और बॉन्ड दीवार में बने छेद से अंदर चढ़े, तो किसी ने भी अपने काम से नज़र नहीं हटाई। कैफे के प्रवेश द्वार के ठीक सामने, सड़क पर कुछ ही गज की दूरी पर, चांदनी में चमकती हुई रोल्स रॉयस खड़ी थी। ड्राइवर के बगल में एक युवक बैठा था। केरीम ने हाथ से इशारा करते हुए कहा, 'यह मेरा दसवां बेटा है। इसका नाम बोरिस है। मुझे लगा कि शायद मुझे इसकी ज़रूरत पड़ सकती है। और पड़ेगी भी।'

युवक ने मुड़कर कहा, 'शुभ संध्या, महोदय।' बॉन्ड ने उसे गोदाम के क्लर्कों में से एक के रूप में

पहचान लिया। वह मुख्य क्लर्क की तरह ही सांवला और दुबला-पतला था, और उसकी आँखें भी नीली थीं।

गाड़ी पहाड़ी से नीचे उतरने लगी। करीम ने ड्राइवर से अंग्रेजी में बात की। “यह हिप्पोड्रोम स्क्वायर से थोड़ी दूर एक छोटी सी गली है। वहाँ पहुँचकर हम धीरे-धीरे चलेंगे। मैं आपको बता दूँगा कि कब रुकना है। क्या आपके पास वर्दी और उपकरण हैं?”

"जी हां, श्रीमान करीम।"

ठीक है। जल्दी करो। अब हम सबको सोने का समय हो गया है।

केरीम अपनी सीट पर वापस बैठ गया। उसने एक सिगरेट निकाली। वे बैठे-बैठे सिगरेट पीने लगे। बॉन्ड ने फीकी सड़कों को देखा और सोचा कि सड़कों पर कम रोशनी किसी गरीब कस्बे की पक्की निशानी होती है।

कुछ देर बाद करीम बोला, “जिप्सी ने कहा कि हम दोनों पर मौत का साया है। उसने कहा कि मुझे बर्फ के बेटे से सावधान रहना है और तुम्हें चांद के गुलाम से।” वह ज़ोर से हँसा। “ये लोग ऐसी ही बेतुकी बातें करते हैं। लेकिन वो कहता है कि क्रिलेंकू इनमें से कोई भी नहीं है। अच्छी बात है।”

क्यों?

क्योंकि जब तक मैं उस आदमी को मार नहीं देता, मुझे नींद नहीं आएगी। मुझे नहीं पता कि आज रात जो हुआ उसका कोई असर होगा या नहीं। (एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

मुझे आपसे और आपके काम से कोई लेना-देना नहीं है। पता नहीं क्यों, मेरे खिलाफ युद्ध छेड़ दिया गया है।

अगर मैं क्रिलेंकु को नहीं मारूंगा, तो वह तीसरे प्रयास में मुझे जरूर मार डालेगा। इसलिए अब हम समारा में उससे मिलने के लिए निकल रहे हैं।'

अध्याय उन्नीस

मैरिलिन मोनरो का मुख

कार सुनसान गलियों से तेज़ी से गुज़री, धुंधली मस्जिदों के पास से गुज़री, जिनके जगमगाते मीनारें चौथाई चाँद की ओर उठी हुई थीं, खंडहर हो चुके जलसेतु के नीचे से होते हुए अतातुर्क बुलेवार्ड को पार किया और ग्रैंड बाज़ार के बंद प्रवेश द्वारों के उत्तर की ओर बढ़ी। कॉन्स्टेंटाइन के स्तंभ के पास कार ने दाएँ मुड़ा, कूड़े की बदबू से भरी संकरी घुमावदार गलियों से गुज़रते हुए, और अंत में एक लंबे सजावटी चौक में जा पहुँची, जहाँ तीन पत्थर के स्तंभ अंतरिक्ष-रॉकेटों की तरह जगमगाते आकाश में उड़ान भर रहे थे।

'धीरे चलो,' केरीम ने धीमी आवाज़ में कहा। वे चूने के पेड़ों की छाया में दबे पांव चौक के चारों ओर घूमे। पूरब की ओर एक गली में, सेराग्लियो महल के नीचे स्थित प्रकाशस्तंभ ने उन्हें एक चमकीली पीली रोशनी दिखाई।

रुको।

अंधेरे में, नींबू के पेड़ों के नीचे गाड़ी आकर रुकी। करीम ने दरवाज़े का हैंडल पकड़ा। 'जेम्स, हमें ज़्यादा देर नहीं लगेगी। तुम आगे ड्राइवर की सीट पर बैठ जाओ और अगर कोई पुलिसवाला आए तो बस इतना कहना, "बेन बे करीम'इन ओर्टागियिम"। याद रखोगे? इसका मतलब है 'मैं करीम बे का साथी हूँ'। वे तुम्हें अकेला छोड़ देंगे।'

बॉन्ड ने नाक सिकोड़ी। 'बहुत-बहुत धन्यवाद। लेकिन आपको यह जानकर हैरानी होगी कि मैं आपके साथ आ रहा हूँ। मेरे बिना आप ज़रूर मुसीबत में पड़ जाएँगे। वैसे भी, मैं यहाँ बैठकर पुलिसवालों को बेवकूफ़ बनाने की कोशिश नहीं करने वाला। एक अच्छा वाक्य सीखने का सबसे बुरा नतीजा यह होता है कि ऐसा लगता है जैसे मुझे भाषा आती हो। पुलिसवाला तुर्की भाषा में सवालों की बौछार कर देगा और जब मैं जवाब नहीं दे पाऊँगा तो उसे शक हो जाएगा। बहस मत करो, डार्को।'

“खैर, अगर आपको यह पसंद नहीं है तो मुझे दोष मत देना।” करीम की आवाज़ में शर्मिंदगी थी। “यह तो सीधे-सीधे ठंडे खून से की गई हत्या होगी। मेरे देश में सोए हुए कुत्तों को नहीं जगाते, लेकिन जब वे जागकर काटने लगते हैं, तो उन्हें गोली मार देते हैं। उनसे द्वंद्वयुद्ध नहीं करते। ठीक है?”

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

‘जो भी कहो,’ बॉन्ड ने कहा। ‘अगर तुम्हारा निशाना चूक जाए तो मेरे पास एक गोली बची है।’

‘चलो फिर,’ केरीम ने अनिच्छा से कहा। ‘हमें काफी दूर चलना है। बाकी दोनों दूसरे रास्ते से जाएंगे।’

केरीम ने ड्राइवर से एक लंबी छड़ी और एक चमड़े का सूटकेस लिया। उसने उन्हें अपने कंधे पर टांगा और वे पीली बत्ती की जगमगाहट की ओर सड़क पर चल पड़े। लोहे के शटर वाली दुकानों के अग्रभागों से उनके कदमों की आवाज़ खोखली सी गूंजती हुई वापस आ रही थी। दूर-दूर तक कोई इंसान नहीं दिख रहा था, एक बिल्ली भी नहीं, और बॉन्ड को खुशी थी कि वह उस दूर स्थित भयावह बत्ती की ओर इस लंबी सड़क पर अकेला नहीं चल रहा था।

शुरू से ही इस्तांबुल ने उसे एक ऐसे शहर के रूप में दिखाया था जहाँ रात के साथ-साथ पत्थरों से भी खौफ रेंगता हुआ निकलता है। उसे ऐसा लगता था कि सदियों से यह शहर खून और हिंसा में इतना डूबा हुआ है कि जब दिन ढल जाता है, तो यहाँ सिर्फ मृतकों की आत्माएँ ही रह जाती हैं। उसकी अंतरात्मा ने, जैसा कि अन्य यात्रियों को भी बताया है, उसे यही बताया कि इस्तांबुल एक ऐसा शहर है जहाँ से वह ज़िंदा निकल जाना चाहेगा।

वे एक संकरी, बदबूदार गली में पहुँचे जो उनके दाहिनी ओर पहाड़ी से नीचे की ओर तेज़ी से उतरती थी। करीम उसमें मुड़ा और धीरे-धीरे पत्थरों से बनी उसकी सतह पर चलने लगा। उसने धीरे से कहा, 'अपने पैरों का ध्यान रखना। मेरे प्यारे लोग अपनी सड़कों पर जो कुछ भी फेंकते हैं, उसके लिए 'कचरा' एक सभ्य शब्द है।'

नम पत्थरों से बनी नदी पर चाँद की सफ़ेद रोशनी पड़ रही थी। बॉन्ड ने अपना मुँह बंद रखा और नाक से साँस ली। उसने अपने पैर एक-एक करके ज़मीन पर सीधे रखे, घुटने मोड़े हुए, मानो वह बर्फ़ की ढलान पर चल रहा हो। उसे होटल में अपना बिस्तर और मीठी खुशबू वाले नींबू के पेड़ों के नीचे कार के आरामदायक कुशन याद आ गए, और वह सोचने लगा कि इस वर्तमान कार्य के दौरान उसे कितनी और भयानक दुर्गंधों का सामना करना पड़ेगा।

वे गली के अंत में रुक गए। करीम ने चौड़ी सफेद मुस्कान के साथ उसकी ओर मुड़ा। उसने ऊपर की ओर एक विशाल काली छायादार इमारत की ओर इशारा किया। 'सुल्तान अहमद की मस्जिद। प्रसिद्ध बीजान्टिन भित्तिचित्र।'

मुझे खेद है कि मेरे पास आपको अपने देश की और अधिक सुंदरता दिखाने का समय नहीं है।' बॉन्ड के जवाब का इंतजार किए बिना, वह दाईं ओर मुड़ गया और सस्ती दुकानों से सजी एक धूल भरी सड़क पर चल पड़ा, जो दूर चमकते हुए मरमारा सागर की ओर ढलान पर जा रही थी। दस मिनट तक वे चुपचाप चलते रहे। फिर करीम धीमा हुआ और बॉन्ड को छाया में आने का इशारा किया।

'यह एक आसान ऑपरेशन होगा,' उसने धीरे से कहा। 'क्रिलेंकु वहीं नीचे, रेलवे लाइन के किनारे रहता है।' उसने बुलेवार्ड के अंत में लाल और हरी बत्तियों के एक समूह की ओर अस्पष्ट रूप से इशारा किया। 'वह एक बिल-होर्डिंग के पीछे एक झोपड़ी में छिपा रहता है। झोपड़ी का एक सामने का दरवाजा है। होर्डिंग के माध्यम से सड़क पर जाने के लिए एक गुप्त दरवाजा भी है। उसे लगता है कि इसके बारे में किसी को पता नहीं है। मेरे दो आदमी सामने के दरवाजे से अंदर जाएंगे। वह चुपके से निकल जाएगा।'

होर्डिंग के आर-पार। फिर मैं उसे गोली मार देता हूँ। ठीक है?'

तुम कहते हो तो।'

वे दीवार के करीब चलते हुए बुलेवार्ड पर आगे बढ़ते रहे। दस मिनट बाद, उन्हें बीस फुट ऊँचा होर्डिंग दिखाई दिया, जो सड़क के निचले हिस्से में स्थित टी-चौराहे की ओर एक दीवार की तरह खड़ा था।

चांद होर्डिंग के पीछे था और उसका चेहरा छाया में था। अब करीम और भी सावधानी से चलने लगा, हर कदम धीरे से रखते हुए। होर्डिंग से लगभग सौ गज की दूरी पर छाया खत्म हो गई और चौराहे पर चांद सफेद चमकने लगा। करीम आखिरी अंधेरे दरवाजे पर रुका और बॉन्ड को अपने सामने, सीने से सटाकर खड़ा कर दिया। 'अब हमें इंतजार करना होगा,' उसने फुसफुसाते हुए कहा। बॉन्ड ने अपने पीछे करीम की कुछ आवाज़ सुनी। चमड़े के डिब्बे का ढक्कन खुलने की हल्की सी आवाज आई। लगभग दो फीट लंबी, दोनों सिरों पर उभरी हुई एक पतली, भारी स्टील की नली बॉन्ड के हाथ में थमा दी गई। 'स्नाइपरस्कोप। जर्मन मॉडल।'

केरीम ने फुसफुसाते हुए कहा, "इन्फ्रारेड लेंस। अंधेरे में भी देख सकता है। ज़रा वहाँ उस बड़े फ़िल्म विज्ञापन को देखो।"

वो चेहरा। नाक के ठीक नीचे। आपको एक गुप्त दरवाजे की रूपरेखा दिखाई देगी। सिग्नल बॉक्स से सीधी रेखा में नीचे की ओर।

बॉन्ड ने अपनी बांह दरवाजे के चौखट पर टिकाई और ट्यूब को अपनी दाहिनी आंख के पास ले गया। उसने उसे सामने मौजूद काले साये पर केंद्रित किया। धीरे-धीरे काला रंग धूसर रंग में बदल गया। एक विशालकाय महिला के चेहरे की रूपरेखा और कुछ अक्षर दिखाई दिए। अब बॉन्ड उन अक्षरों को पढ़ सकता था। उस पर लिखा था: 'नियागरा'।

'मैरिलिन मोनरो ये जोसेफ गॉटन' और उसके नीचे कार्टून फीचर, 'बोंजो'

फुटबोलौ'। बॉन्ड ने धीरे-धीरे गिलास को मर्लिन मोनरो के घने बालों, उभरे हुए माथे और दो फीट लंबी नाक से होते हुए गहरी नाक तक ले गया। पोस्टर में एक धुंधला सा चौकोर निशान दिखाई दिया। यह नाक के नीचे से शुरू होकर होठों के मोहक घुमाव तक फैला हुआ था। यह लगभग तीन फीट गहरा था। इसके बाद ज़मीन तक एक लंबी खाई थी।

बॉन्ड के पीछे हल्की क्लिक की आवाज़ें सुनाई दीं। करीम ने अपनी छड़ी आगे बढ़ाई। जैसा कि बॉन्ड ने अनुमान लगाया था, वह एक बंदूक थी, एक राइफल, जिसका बट कंकालनुमा था और साथ ही घुमावदार ब्रीच भी था। रबर की नोक की जगह एक उभरा हुआ साइलेंसर लगा हुआ था।

“नई 88 विंचेस्टर की बैरल,” केरीम ने गर्व से फुसफुसाते हुए कहा। “अंकारा के एक आदमी ने इसे मेरे लिए बनाया है। इसमें .308 कारतूस लगते हैं। छोटे वाले। तीन हैं। मुझे शीशा दो। मैं चाहता हूँ कि मेरे आदमियों के मोर्चे पर जाने से पहले मैं उस ट्रैप-डोर को ठीक से सेट कर लूँ। क्या मैं आपके कंधे का सहारा ले सकता हूँ?”

ठीक है।’ बॉन्ड ने केरीम को स्नाइपरस्कोप थमा दिया। केरीम ने उसे बंदूक की नली के ऊपर लगा दिया और बंदूक को बॉन्ड के कंधे पर सरका दिया।

‘समझ गया,’ केरीम ने फुसफुसाते हुए कहा। ‘जहां वावरा ने कहा था। वह एक अच्छा आदमी है।’ उसने अपनी बंदूक नीचे कर ली, तभी दो लोग गोली चलाते हुए दिखाई दिए। (जनरेटेड बाय एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)

चौराहे के दाहिने कोने पर पुलिसकर्मी दिखाई दिए। बॉन्ड अकड़ गया।

‘कोई बात नहीं,’ केरीम ने फुसफुसाते हुए कहा। ‘वो मेरा बेटा और ड्राइवर है।’ उसने अपनी दो उंगलियाँ मुँह में डालीं। एक पल के लिए बहुत तेज़, बहुत धीमी सीटी बजी। एक पुलिसकर्मी ने अपना हाथ अपनी गर्दन के पीछे रखा। दोनों पुलिसकर्मी मुड़े और चले गए, उनके बूटों की आवाज़ पक्की सड़क पर ज़ोर से गूंज रही थी।

'बस कुछ मिनट और,' केरीम ने फुसफुसाते हुए कहा। 'उन्हें उस होर्डिंग के पीछे से होकर जाना होगा।' बॉन्ड ने महसूस किया कि बंदूक की भारी नली उसके दाहिने कंधे पर ठीक से बैठ गई है।

चांदनी रात में छाई खामोशी होर्डिंग के पीछे लगे सिग्नल बॉक्स से लोहे की तेज आवाज से टूट गई। सिग्नल की एक भुजा नीचे गिर गई। लाल रोशनी के समूह के बीच एक हरे रंग का बिंदु दिखाई दिया। दूर से, सेराग्लियो प्वाइंट के पास बाईं ओर से एक धीमी गड़गड़ाहट सुनाई दी। यह पास आती गई और धीरे-धीरे एक भारी इंजन की आवाज और बेतरतीब ढंग से जुड़े मालवाहक ट्रकों की घिसटती आवाज में बदल गई। बाईं ओर तटबंध पर एक हल्की पीली रोशनी चमकी। इंजन होर्डिंग के ऊपर से धीरे-धीरे दिखाई देने लगा।

ट्रेन धीरे-धीरे खड़खड़ाती हुई ग्रीक सीमा की ओर सौ मील की अपनी यात्रा पर आगे बढ़ रही थी, चांदी जैसे समुद्र के बीच एक टूटी हुई काली आकृति जैसी दिख रही थी, और सस्ते ईंधन से उठने वाला घना धुआँ शांत हवा में उनकी ओर बह रहा था। जैसे ही ब्रेक वैन पर लगी लाल बत्ती एक पल के लिए चमकी और गायब हो गई, इंजन के एक मोड़ पर प्रवेश करते ही गहरी गड़गड़ाहट सुनाई दी, और फिर दो कर्कश, दुख भरी सीटी की आवाजें आईं जब वह एक मील आगे स्थित छोटे से स्टेशन बुयुक की ओर बढ़ने लगी।

ट्रेन की गड़गड़ाहट धीमी पड़ गई। बॉन्ड को महसूस हुआ कि बंदूक उसके कंधे पर और गहरी धंस रही है। उसने अपनी आँखें गड़ाकर परछाई के लक्ष्य पर टिका दीं। उसके केंद्र में, काले रंग का एक गहरा वर्ग दिखाई दिया।

बॉन्ड ने सावधानी से अपना बायां हाथ उठाकर चांद की रोशनी से अपनी आंखों को बचाया। उसके दाहिने कान के पीछे से सांस की एक हल्की सी आवाज आई। 'वह आ रहा है।'

विशाल, छायादार पोस्टर के मुख से, परमानंद में आधे खुले बड़े बैंगनी होठों के बीच से, एक आदमी की काली आकृति उभरी और एक लाश के मुंह से निकले कीड़े की तरह नीचे लटक गई।

वह आदमी नीचे गिर पड़ा। बोस्फोरस की ओर बढ़ता हुआ एक जहाज रात में चिड़ियाघर के किसी नींद से वंचित जानवर की तरह गुर्रा रहा था। बॉन्ड को अपने माथे पर पसीने की एक बूँद महसूस हुई। जैसे ही वह आदमी धीरे से फुटपाथ से उनकी ओर बढ़ा, राइफल की नली नीचे दब गई।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

बॉन्ड ने सोचा, "जब वो परछाई के किनारे पर होगा, तब भागना शुरू कर देगा। अरे मूर्ख, निशाना थोड़ा और नीचे लगाओ।"

अब। वह आदमी चकाचौंध भरी सफेद सड़क पर तेज़ी से दौड़ने के लिए झुका। वह छाया से बाहर आ रहा था। उसका दाहिना पैर आगे की ओर मुड़ा हुआ था और कंधा गति प्राप्त करने के लिए मुड़ा हुआ था।

बॉन्ड के कानों के पास कुल्हाड़ी के पेड़ के तने पर लगने की तेज़ आवाज़ सुनाई दी। वह आदमी बाहें फैलाकर आगे की ओर झपटा। उसकी ठुड्डी या माथा ज़मीन से टकराने पर एक तीखी 'टोक' की आवाज़ आई।

बॉन्ड के पैरों के पास एक खाली कारतूस गिर पड़ा। उसने अगली गोली के चैंबर में जाने की क्लिक की आवाज़ सुनी।

उस आदमी की उंगलियां कुछ देर तक पत्थरों पर खरोंचती रहीं। उसके जूतों की आवाज सड़क पर गूंजी। फिर वह एकदम शांत लेट गया।

केरीम ने हल्की सी आवाज़ निकाली। राइफल बॉन्ड के कंधे से नीचे गिर गई। बॉन्ड ने केरीम द्वारा बंदूक को समेटने और स्नाइपरस्कोप को उसके चमड़े के डिब्बे में रखने की आवाज़ें सुनीं।

बॉन्ड ने सड़क पर पड़े उस बेजान शरीर से नज़रें हटा लीं, उस आदमी के शरीर से जो कभी था, लेकिन अब नहीं रहा। उसे उस जीवन के प्रति एक पल के लिए आक्रोश हुआ जिसने उसे ये सब देखने पर मजबूर किया था। यह आक्रोश करीम के प्रति नहीं था। करीम दो बार इस आदमी का निशाना बन चुका था। एक तरह से यह एक लंबा द्वंद्व था, जिसमें उस आदमी ने दो बार गोली चलाई थी और करीम ने एक बार। लेकिन करीम ज़्यादा चतुर, शांत और भाग्यशाली था, और बस बात खत्म। लेकिन बॉन्ड ने कभी ठंडे खून से हत्या नहीं की थी, और उसे किसी और को ऐसा करते देखना और उसमें मदद करना पसंद नहीं था।

केरीम ने चुपचाप उसका हाथ पकड़ लिया। वे धीरे-धीरे घटनास्थल से दूर चले गए और उसी रास्ते से वापस लौट आए जिससे वे आए थे।

केरीम को मानो बॉन्ड के विचार भांप गए थे। उसने दार्शनिक लहजे में कहा, 'जीवन मृत्यु से भरा है, मेरे मित्र। और कभी-कभी इंसान खुद मृत्यु का साधन बन जाता है। मुझे उस आदमी को मारने का कोई पछतावा नहीं है। न ही मुझे आज उस दफ्तर में मिले उन रूसियों में से किसी को मारने का पछतावा होगा। वे कठोर लोग हैं। उनके साथ, जो ताकत से नहीं मिलता, वह दया से भी नहीं मिलता। सभी रूसी एक जैसे हैं। काश आपकी सरकार यह समझ पाती और उनके साथ सख्ती से पेश आती। बस कभी-कभार उन्हें शिष्टाचार का एक छोटा सा पाठ पढ़ा देती, जैसे मैंने उन्हें सिखाया है। (ABC Amber LIT Converter द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

आज रात।'

सत्ता की राजनीति में, डार्को, आज रात की तरह फुर्तीला और सटीक होने का मौका अक्सर नहीं मिलता। और यह मत भूलो कि तुमने उनके एक सहयोगी को ही सज़ा दी है, उन लोगों में से एक जिसे वे हमेशा अपना गंदा काम करने के लिए इस्तेमाल करते हैं। बॉन्ड ने कहा, 'ध्यान रहे, मैं रूसियों के बारे में पूरी तरह सहमत हूँ। वे गाजर का मतलब ही नहीं समझते। उन पर सिर्फ़ छड़ी का असर होता है। असल में वे आत्म-पीड़क हैं। उन्हें कोड़े खाना पसंद है।

इसीलिए वे स्टालिन के शासन में इतने खुश थे। स्टालिन ने उन्हें सब कुछ दिया था। मुझे नहीं पता कि ख्रुश्चेव और उनके साथियों द्वारा उन्हें खिलाए जा रहे गाजर के टुकड़ों पर उनकी क्या प्रतिक्रिया होगी। जहाँ तक इंग्लैंड की बात है, आज समस्या यह है कि हर किसी के लिए गाजर का चलन है। देश और विदेश दोनों जगह। हम अब अपने दांत नहीं दिखाते - सिर्फ मसूड़े दिखाते हैं।

केरीम ज़ोर से हँसा, लेकिन उसने कोई टिप्पणी नहीं की। वे बदबूदार गली से वापस ऊपर चढ़ रहे थे और बात करने का समय नहीं था। ऊपर पहुँचकर उन्होंने आराम किया और फिर धीरे-धीरे हिप्पोड्रोम स्क्वायर के पेड़ों की ओर चल पड़े।

'तो क्या आप मुझे आज के लिए माफ कर देंगे?' आमतौर पर जोशीली आवाज में उस हट्टे-कट्टे आदमी की तड़प भरी आवाज को सुनना अजीब था।

'तुम्हें माफ़ कर दूँ? किस बात को माफ़ करूँ? ये मज़ाक मत करो।' बॉन्ड की आवाज़ में स्नेह था। 'तुम्हें अपना काम करना है और तुम उसे कर रहे हो। मैं बहुत प्रभावित हुआ हूँ। तुमने यहाँ बहुत बढ़िया इंतज़ाम किया है। मुझे माफ़ी माँगनी चाहिए। लगता है मैंने तुम्हारे सिर पर बहुत सारी मुसीबतें लाद दी हैं। और तुमने उन्हें संभाल लिया है। मैं तो बस तुम्हारे पीछे-पीछे चलता रहा। और मैं अपने मुख्य काम में बिल्कुल भी आगे नहीं बढ़ पा रहा हूँ। एम बहुत अधीर हो रही होगी। शायद होटल में कोई संदेश हो।'

लेकिन जब केरीम बॉन्ड को वापस होटल ले गया और उसके साथ ऑफिस गया, तो बॉन्ड के लिए कुछ भी नहीं था। केरीम ने उसकी पीठ थपथपाई। उसने खुशी से कहा, 'चिंता मत करो, मेरे दोस्त। उम्मीद एक बढ़िया नाश्ता होती है। खूब उम्मीद रखो। मैं सुबह गाड़ी भेज दूंगा और अगर कुछ नहीं हुआ तो समय बिताने के लिए कुछ और छोटे-मोटे कारनामे सोच लूंगा। अपनी बंदूक साफ करो और सो जाओ। तुम दोनों आराम के हकदार हो।'

बॉन्ड कुछ सीढ़ियाँ चढ़कर अपने दरवाजे की कुंडी खोली और उसे बंद करके कुंडी लगा दी। चाँदनी पर्दों से छनकर अंदर आ रही थी। वह आगे बढ़ा और ड्रेसिंग टेबल पर लगी गुलाबी रंग की बत्तियाँ जला दीं। उसने अपने कपड़े उतारे और बाथरूम में जाकर कुछ मिनट तक शॉवर के नीचे खड़ा रहा। उसने सोचा कि चौदहवाँ शनिवार तेरहवें शुक्रवार से कितना अधिक रोमांचक रहा था। उसने अपने दाँत साफ किए और दिन भर की थकान मिटाने के लिए तीखे माउथवॉश से गरारे किए, फिर बाथरूम की बत्ती बंद करके वापस अपने बेडरूम में चला गया।

बॉन्ड ने एक पर्दा हटाया और लंबी खिड़कियाँ पूरी तरह खोल दीं। वह पर्दों को पकड़े खड़ा रहा

और चाँदनी रात में पानी के विशाल घुमावदार हिस्से को निहारता रहा। रात की ठंडी हवा महसूस हो रही थी। (जनरेटेड बाय ABC Amber LIT कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)

उसके नंगे शरीर पर वह बहुत ही ठंडक दे रहा था। उसने अपनी घड़ी देखी। उसमें दो बज रहे थे।

बॉन्ड ने कांपते हुए जम्हाई ली। उसने पर्दों को वापस अपनी जगह पर गिरने दिया। वह ड्रेसिंग टेबल की लाइट बंद करने के लिए झुका। अचानक वह अकड़ गया और उसकी धड़कन रुक गई।

कमरे के पिछले हिस्से में अंधेरे से एक घबराहट भरी हंसी सुनाई दी। एक लड़की की आवाज आई, 'बेचारे मिस्टर बॉन्ड। आप थके हुए होंगे। बिस्तर पर आ जाइए।'

अध्याय बीस

गुलाबी पर काला

बॉन्ड तेज़ी से घूमा। उसने बिस्तर की ओर देखा, लेकिन चाँद को निहारने से उसकी आँखें चौंधिया गई थीं। वह कमरे के उस पार गया और बिस्तर के पास लगी गुलाबी रंग की बत्ती जला दी। एक चादर के नीचे एक लंबा सा शरीर था। भूरे बाल तकिए पर फैले हुए थे। चेहरे पर चादर को थामे उंगलियों के सिरे दिखाई दे रहे थे। नीचे स्तन बर्फ से ढकी पहाड़ियों की तरह उभरे हुए थे।

बॉन्ड हल्की हंसी हंसा। वह आगे झुका और बालों को हल्के से खींचा। चादर के नीचे से हल्की सी चीख सुनाई दी। बॉन्ड बिस्तर के किनारे बैठ गया। कुछ पल की खामोशी के बाद, चादर का एक कोना सावधानी से नीचे किया गया और एक बड़ी नीली आंख ने उसे गौर से देखा।

'तुम बहुत ही अनुचित दिख रहे हो।' चादर के कारण आवाज दबी हुई थी।

आपका क्या हाल है! और आप यहाँ कैसे पहुँचे?

मैं दो मंजिल नीचे उतरा। मैं भी यहीं रहता हूँ।' आवाज़ गहरी और उत्तेजक थी। लहजे का कोई खास असर नहीं था।

ठीक है, मैं अब सोने जा रहा हूँ।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

चादर जल्दी से ठुड्डी तक नीचे आ गई और लड़की तकियों के सहारे उठ खड़ी हुई। उसके चेहरे पर शर्म झलक रही थी।

ओह नहीं। आपको ऐसा नहीं करना चाहिए।'

लेकिन ये मेरा बिस्तर है। और वैसे भी तुमने ही तो मुझे ऐसा करने को कहा था।' चेहरा बेहद खूबसूरत था। बॉन्ड ने उसे शांत भाव से देखा। शरम और गहरी हो गई।

'वह तो बस एक वाक्य था। अपना परिचय देने के लिए।'

'आपसे मिलकर मुझे बहुत खुशी हुई। मेरा नाम जेम्स बॉन्ड है।'

'मेरा नाम तातियाना रोमानोवा है।' उसने तातियाना के दूसरे 'ए' और रोमानोवा के पहले 'ए' का उच्चारण बहुत लंबा किया। 'मेरे दोस्त मुझे तानिया कहते हैं।'

दोनों एक-दूसरे को देखते हुए कुछ पल के लिए चुप रहे, लड़की जिज्ञासा और शायद राहत की भावना से देख रही थी। बॉन्ड शांत भाव से अनुमान लगा रहा था।

सबसे पहले उसने चुप्पी तोड़ी। 'तुम बिल्कुल अपनी तस्वीरों जैसे दिखते हो,' वह फिर से शरमा गई। 'लेकिन तुम्हें कुछ लगाना चाहिए। इससे मुझे परेशानी होती है।'

'तुमने भी मुझे उतना ही परेशान किया। इसे ही तो सेक्स कहते हैं। अगर मैं तुम्हारे साथ बिस्तर पर चली जाऊं तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा। वैसे, तुम क्या कर रही हो?'

उसने चादर को थोड़ा नीचे खींचकर अपने गले में लिपटी एक चौथाई इंच चौड़ी काली मखमली रिबन दिखाई। 'यह।'

बॉन्ड ने उन चिढ़ाने वाली नीली आँखों में देखा, जो अब चौड़ी हो गई थीं मानो पूछ रही हों कि क्या रिबन अपर्याप्त है। उसे लगा कि उसका शरीर बेकाबू हो रहा है।

'धिक्कार है तुम पर, तानिया। तुम्हारा बाकी सामान कहाँ है? या तुम लिफ्ट से ऐसे ही नीचे आ गई?'

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

ओह नहीं। यह तो सांस्कृतिक रूप से उचित नहीं होता। वे बिस्तर के नीचे हैं।'

अगर आपको लगता है कि आप इस कमरे से बिना... निकल जाएंगे तो...

बॉन्ड ने वाक्य अधूरा छोड़ दिया। वह बिस्तर से उठा और गहरे नीले रंग के रेशमी पायजामा कोट पहनने चला गया, जिसे वह पायजामे के बजाय पहनता था।

आप जो सुझाव दे रहे हैं वह सांस्कृतिक परंपरा नहीं है।

“अरे, है ना?” बॉन्ड ने व्यंग्य से कहा। वह वापस बिस्तर पर आया और उसके बगल में एक कुर्सी खींचकर बैठ गया। उसने मुस्कुराते हुए उसकी ओर देखा। “अच्छा, मैं तुम्हें एक सांस्कृतिक बात बताता हूँ। तुम दुनिया की सबसे खूबसूरत महिलाओं में से एक हो।”

लड़की का चेहरा फिर लाल हो गया। उसने गंभीरता से उसकी ओर देखा। "क्या आप सच कह रहे हैं? मुझे लगता है मेरा मुंह बहुत बड़ा है। क्या मैं पश्चिमी लड़कियों जितनी खूबसूरत हूं? किसी ने मुझसे कहा था कि मैं ग्रेटा गार्बो जैसी दिखती हूं। क्या सच में?"

बॉन्ड ने कहा, 'और भी खूबसूरत। तुम्हारे चेहरे पर पहले से ज्यादा चमक है। और तुम्हारा मुंह भी ज्यादा बड़ा नहीं है। बिलकुल सही आकार का है। कम से कम मेरे लिए तो यही सही है।'

'ये क्या है—“चेहरे पर रोशनी”? तुम्हारा क्या मतलब है?'

बॉन्ड का मतलब था कि वह उसे रूसी जासूस जैसी नहीं लग रही थी। उसमें जासूसों जैसी कोई झिझक नहीं थी। न ही कोई निर्ममता, न ही कोई चालाकी। उसके दिल में गर्मजोशी और खुशी झलक रही थी। ये सब उसकी आँखों से साफ झलक रहा था। उसने कोई ऐसा शब्द ढूंढने की कोशिश की जो निर्णायक न हो। उसने बेमन से कहा, 'तुम्हारी आँखों में बहुत खुशी और मस्ती

है।'

तात्याना गंभीर दिख रही थी। उसने कहा, 'यह अजीब बात है। रूस में मौज-मस्ती और उल्लास का माहौल नहीं है। इन चीजों के बारे में कोई बात नहीं करता। मुझे पहले कभी किसी ने ऐसा नहीं बताया।'

खुशी? उसने सोचा, पिछले दो महीनों के बाद? वह खुश कैसे दिख सकती है? फिर भी, हाँ, उसके दिल में एक हल्कापन था। क्या वह स्वभाव से ही चंचल थी? या इसका कुछ संबंध उस आदमी से था जिसके साथ वह थी? (ABC Amber LIT Converter द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

क्या उसने पहले कभी ऐसा नहीं देखा था? उसे जो करना था, उसके बारे में सोचकर जो पीड़ा हुई थी, उसके बाद उसके बारे में जानकर उसे राहत मिली? यह निश्चित रूप से उसकी उम्मीद से कहीं ज़्यादा आसान था। उसने इसे आसान बना दिया - इसे मज़ेदार बना दिया, जिसमें थोड़ा सा खतरा भी था। वह बेहद आकर्षक था। और वह बहुत साफ-सुथरा दिख रहा था। क्या वह उसे लंदन पहुँचने पर माफ़ कर देगा जब वह उसे बताएगी? उसे बताएगी कि उसे उसे बहकाने के लिए भेजा गया था? यहाँ तक कि वह रात भी जिस दिन उसे ऐसा करना था और कमरे का नंबर भी? यकीनन उसे ज़्यादा बुरा नहीं लगेगा। इससे उसे कोई नुकसान नहीं हो रहा था। यह तो बस उसके लिए इंग्लैंड पहुँचने और उन खबरों को देने का एक तरीका था। 'उसकी आँखों में खुशी और मस्ती थी।' भला क्यों नहीं? यह मुमकिन था। ऐसे आदमी के साथ अकेले होने में और यह जानकर कि उसे इसके लिए सज़ा नहीं मिलेगी, एक अद्भुत आज़ादी का एहसास था। यह सचमुच बेहद रोमांचक था।

'आप बहुत सुंदर हैं,' उसने कहा। उसने एक ऐसी तुलना खोजने की कोशिश की जिससे उसे खुशी मिले। 'आप किसी अमेरिकी फिल्म स्टार की तरह हैं।'

वह उसकी प्रतिक्रिया देखकर चौंक गई। 'भगवान के लिए! किसी पुरुष का इससे बुरा अपमान और क्या हो सकता है!'

उसने अपनी गलती सुधारने की जल्दी की। यह कितनी अजीब बात है कि उसकी तारीफ उसे पसंद नहीं आई। क्या पश्चिम में हर कोई फिल्म स्टार जैसा दिखना नहीं चाहता? 'मैं झूठ बोल रही थी,' उसने कहा। 'मैं तुम्हें खुशी देना चाहती थी।'

दरअसल, आप मेरे पसंदीदा नायक की तरह हैं। उनका ज़िक्र रूसी लेखक लेर्मोंटोव की किताब में है। मैं आपको उनके बारे में एक दिन ज़रूर बताऊँगा।

एक दिन... बॉन्ड ने सोचा कि अब काम पर लगने का समय आ गया है।

'अब सुनो, तानिया।' उसने तकिए पर लेटे उस खूबसूरत चेहरे की ओर न देखने की कोशिश की। उसकी निगाहें उसकी ठुड्डी पर टिक गईं। 'हमें मज़ाक करना बंद करके गंभीर होना होगा। आखिर ये सब क्या है? क्या तुम सचमुच मेरे साथ इंग्लैंड वापस आओगी?' उसने अपनी नज़रें उसकी आँखों से मिलाईं। ये घातक था। उसने फिर से अपनी भोली-भाली आँखों से आँखें खोल दी थीं।

लेकिन बिल्कुल!

ओह!' बॉन्ड उसके सीधे-सादे जवाब से चौंक गया। उसने शक भरी नजरों से उसकी ओर देखा। 'क्या तुम सच में ऐसा कह रही हो?'

'हां।' अब उसकी आंखों में सच्चाई झलक रही थी। उसने छेड़छाड़ करना बंद कर दिया था।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

क्या तुम्हें डर नहीं लगता?

उसकी आँखों में एक उदासी छा गई। लेकिन यह वह नहीं था जो उसने सोचा था। उसे याद आ गया था कि उसे एक भूमिका निभानी है। उसे अपने किए से डरना था। बहुत डरना था। यह अभिनय इतना आसान लग रहा था, लेकिन अब यह मुश्किल था। कितना अजीब! उसने समझौता करने का फैसला किया।

हां। मुझे डर लग रहा है। लेकिन अब उतना नहीं। तुम मेरी रक्षा करोगे। मुझे यही उम्मीद थी।

'जी हां, बिल्कुल आऊंगा।' बॉन्ड को रूस में उसके रिश्तेदारों का ख्याल आया। उसने तुरंत उस विचार को मन से निकाल दिया। वह क्या कर रहा था? क्या वह उसे आने से रोकने की कोशिश कर रहा था? उसने उसके लिए संभावित परिणामों के बारे में सोचना बंद कर दिया। 'चिंता की कोई बात नहीं है। मैं तुम्हारा ख्याल रखूंगा।' और अब वह सवाल जिसका वह अब तक टालमटोल कर रहा था। उसे अजीब सी शर्मिंदगी महसूस हुई। यह लड़की बिल्कुल वैसी नहीं थी जैसा उसने सोचा था। सवाल पूछना सब कुछ बिगाड़ने जैसा था। लेकिन पूछना जरूरी था।

मशीन का क्या होगा?

हाँ। ऐसा लगा जैसे उसने उसके चेहरे पर थप्पड़ मारा हो। उसकी आँखों में दर्द झलक रहा था, और आँखों में आँसू भी।

उसने अपने मुंह पर चादर खींच ली और उसके पीछे से बोली। चादर के ऊपर उसकी आंखें ठंडी थीं।

तो यही है जो आप चाहते हैं।

'अब सुनो।' बॉन्ड ने अपनी आवाज़ में बेपरवाही दिखाते हुए कहा। 'इस मशीन का तुमसे और मुझसे कोई लेना-देना नहीं है। लेकिन लंदन में मेरे लोग इसे चाहते हैं।' उसे सुरक्षा की याद आई। उसने बेपरवाही से कहा, 'यह उतना महत्वपूर्ण नहीं है।'

वे मशीन के बारे में सब कुछ जानते हैं और उन्हें लगता है कि यह एक अद्भुत रूसी आविष्कार है। वे बस एक ऐसी मशीन चाहते हैं जिसकी नकल कर सकें। जैसे आपके लोग विदेशी कैमरों और अन्य चीजों की नकल करते हैं।' हे भगवान, यह कितना बेतुका लग रहा था!

'अब तुम झूठ बोल रही हो।' उसकी एक चौड़ी नीली आंख से एक बड़ा आंसू लुढ़क कर उसके कोमल गाल से होते हुए तकिए पर गिर गया। उसने चादर को अपनी आंखों पर खींच लिया।

बॉन्ड ने हाथ बढ़ाकर चादर के नीचे उसकी बांह पर हाथ रख दिया। बांह गुस्से से झटक कर दूर हट गई।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

“धिक्कार है इस मशीन पर,” उसने अधीरता से कहा। “लेकिन भगवान के लिए, तानिया, तुम्हें पता होना चाहिए कि मुझे अपना काम करना है। बस एक बात कह दो, हम इसे भूल जाएंगे। अभी और भी बहुत सी बातें करनी हैं।”

हमें अपनी यात्रा वगैरह का इंतजाम करना होगा। बेशक मेरे लोग यही चाहते हैं, वरना वे मुझे तुम्हें घर लाने के लिए नहीं भेजते।'

तात्याना ने चादर से अपनी आँखें पोंछीं। फिर उसने चादर को झट से अपने कंधों तक खींच लिया। उसे पता था कि वह अपना काम भूल रही थी। बस... खैर छोड़ो। काश उसने कहा होता कि जब तक वह आएगी, उसे मशीन से कोई लेना-देना नहीं है। लेकिन इतनी उम्मीद करना बेकार था। वह सही था। उसे अपना काम करना था। और उसे भी।

उसने शांत भाव से उसकी ओर देखा। “मैं इसे ले आऊंगी। चिंता मत करो। लेकिन फिर कभी इसका ज़िक्र मत करना। और अब सुनो।” वह तकियों पर सीधी होकर बैठ गई। “हमें आज रात ही जाना होगा।” उसे अपना सबक याद आ गया। “यही एकमात्र मौका है। आज शाम छह बजे से मेरी ड्यूटी है। मैं दफ्तर में अकेली रहूंगी और मैं स्पेक्टर को ले जाऊंगी।”

बॉन्ड की आंखें सिकुड़ गईं। उसके दिमाग में उन समस्याओं के बारे में सोचने लगा जिनका उसे सामना करना पड़ेगा।

उसे कहाँ छिपाएँ? नुकसान का पता चलने के बाद उसे पहले विमान तक कैसे पहुँचाएँ? यह एक जोखिम भरा काम होने वाला था। उसे और स्पेक्टर को वापस लाने के लिए वे किसी भी हद तक जा सकते थे। हवाई अड्डे के रास्ते में नाकाबंदी। विमान में बम। कुछ भी।

'वाह, तानिया।' बॉन्ड की आवाज़ में सहजता थी। 'हम तुम्हें छिपाकर रखेंगे और फिर कल सुबह पहली फ्लाइट पकड़ लेंगे।'

‘मूर्ख मत बनो।’ तातियाना को पहले ही चेतावनी दी गई थी कि उसके हिस्से में कुछ कठिन पंक्तियाँ होंगी। ‘हम ट्रेन से जाएँगे। यह ओरिएंट एक्सप्रेस है। यह आज रात नौ बजे रवाना होगी। क्या तुम्हें लगता है कि मैंने इस बारे में ठीक से सोचा नहीं है? मैं इस्तांबुल में ज़रूरत से ज़्यादा एक मिनट भी नहीं रुकूँगी। हम भोर होते ही सीमा पार कर लेंगे। तुम्हें टिकट और पासपोर्ट बनवाना होगा। मैं तुम्हारी पत्नी बनकर तुम्हारे साथ यात्रा करूँगी।’ उसने खुशी से उसकी ओर देखा।

मुझे यह पसंद आएगा। उन छोटे-छोटे घरों में से एक में जिनके बारे में मैंने पढ़ा है। वे बहुत आरामदायक होंगे। पहियों पर बने एक छोटे से घर की तरह। दिन में हम बातें करेंगे और पढ़ेंगे और रात में तुम हमारे घर के बाहर गलियारे में खड़े होकर उसकी रखवाली करोगे।'

'बिल्कुल नहीं,' बॉन्ड ने कहा। 'लेकिन देखो, तानिया। यह तो पागलपन है। वे हमें पकड़ ही लेंगे।' (एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

कहीं तो जाना होगा। उस ट्रेन से लंदन जाने में चार दिन और पांच रातें लगेंगी। हमें कुछ और सोचना पड़ेगा।'

“मैं ऐसा नहीं करूंगी,” लड़की ने सपाट लहजे में कहा। “मेरे जाने का यही एकमात्र तरीका है। अगर आप चालाक हैं, तो उन्हें कैसे पता चलेगा?”

हे भगवान! उसने सोचा। उन्होंने इस ट्रेन से जाने पर इतना ज़ोर क्यों दिया? लेकिन वे पक्के इरादे वाले थे। उन्होंने कहा था कि यह प्यार के लिए अच्छी जगह है। उसे उसे अपने प्यार में फंसाने के लिए चार दिन मिलेंगे। फिर, जब वे लंदन पहुँचेंगे, तो उसकी ज़िंदगी आसान हो जाएगी। वह उसकी रक्षा करेगा। वरना, अगर वे हवाई जहाज़ से लंदन जाते, तो उसे सीधे जेल में डाल दिया जाता। ये चार दिन बहुत ज़रूरी थे। और उन्होंने उसे चेतावनी भी दी थी, ट्रेन में हमारे आदमी होंगे जो तुम्हें उतरने नहीं देंगे। इसलिए सावधान रहना और आदेशों का पालन करना। हे भगवान! हे भगवान! फिर भी अब वह उसके साथ उस छोटे से चलते-फिरते घर में बिताए उन चार दिनों के लिए तरस रही थी। कितनी अजीब बात है! उसे मजबूर करना उसका कर्तव्य था। अब यह उसकी दिली तमन्ना थी।

उसने बॉन्ड के विचारशील चेहरे को देखा। उसका मन कर रहा था कि वह उसे हाथ बढ़ाकर आश्वस्त करे कि सब ठीक हो जाएगा; कि यह उसे इंग्लैंड ले जाने की एक हानिरहित साजिश थी: कि उन दोनों में से किसी को भी कोई नुकसान नहीं हो सकता था, क्योंकि साजिश का उद्देश्य ऐसा करना नहीं था।

“खैर, मुझे अब भी यह पागलपन ही लगता है,” बॉन्ड ने कहा, यह सोचते हुए कि एम की क्या प्रतिक्रिया होगी। “लेकिन मुझे लगता है कि यह काम कर सकता है। मेरे पास पासपोर्ट है। इसके लिए युगोस्लाविया का वीज़ा चाहिए होगा,” उसने उसे सख्ती से देखते हुए कहा। “यह मत सोचो कि मैं तुम्हें ट्रेन के उस हिस्से में ले जाऊंगा जो बुल्गारिया से होकर जाता है, वरना मैं समझ जाऊंगा कि तुम मेरा अपहरण करना चाहती हो।”

“हाँ,” तातियाना खिलखिलाकर हंस पड़ी। “मैं बिल्कुल यही करना चाहती हूँ।”

अब चुप रहो, तानिया। हमें इसका हल निकालना होगा। मैं टिकट ले आता हूँ और अपने एक आदमी को साथ भेज देता हूँ। एहतियात के तौर पर। वो अच्छा आदमी है। तुम्हें वो पसंद आएगा। तुम्हारा नाम कैरोलीन समरसेट है। इसे मत भूलना।

आप ट्रेन तक कैसे पहुँचेंगे!

‘कैरोलिन सिओमरसेट,’ लड़की मन ही मन उस नाम पर विचार करने लगी। ‘यह कितना प्यारा नाम है। और आप मिस्टर सिओमरसेट हैं।’ वह खुशी से हंस पड़ी। ‘यह तो मजेदार है। मेरी चिंता मत कीजिए। मैं ट्रेन छूटने से ठीक पहले आ जाऊंगी। यह सिरकेसी स्टेशन है। मुझे पता है यह कहां है। बस इतना ही। अब हमें चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। ठीक है?’

'मान लो तुम हिम्मत हार जाओ? मान लो वे तुम्हें पकड़ लें?' अचानक बॉन्ड लड़की के आत्मविश्वास को देखकर चिंतित हो गया। वह इतनी आश्वस्त कैसे हो सकती है? शक की एक तीखी लहर उसकी रीढ़ की हड्डी में दौड़ गई।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

'तुम्हें देखने से पहले मैं डरी हुई थी। अब मैं नहीं डरती।' तातियाना ने खुद को समझाने की कोशिश की कि यही सच है।

किसी तरह लगभग हो ही गया था। 'अब मैं अपना हौसला नहीं खोऊँगी, जैसा कि तुम कहते हो। और वे मुझे पकड़ नहीं सकते। मैं अपना सामान होटल में छोड़ दूँगी और अपना रोज़ का बैग लेकर ऑफिस जाऊँगी। मैं अपना फर कोट पीछे नहीं छोड़ सकती। मुझे यह बहुत प्यारा है। लेकिन आज रविवार है और यह ऑफिस में इसे पहनकर आने का बहाना होगा। आज रात साढ़े आठ बजे मैं बाहर जाऊँगी और स्टेशन के लिए टैक्सी ले लूँगी। और अब तुम्हें इतना चिंतित दिखना बंद करना होगा।'

मजबूरीवश, उसने अचानक ही उसकी ओर हाथ बढ़ाया। 'कहो कि तुम प्रसन्न हो।'

बॉन्ड बिस्तर के किनारे पर आ गया। उसने उसका हाथ पकड़ा और उसकी आँखों में देखा। हे भगवान, उसने सोचा।

मुझे उम्मीद है सब ठीक होगा। मुझे उम्मीद है कि यह अजीबोगरीब योजना कामयाब होगी। क्या यह खूबसूरत लड़की धोखेबाज है? क्या वह सच्ची है? क्या वह सच में मौजूद है?

आँखों ने उसे बस इतना ही बताया कि लड़की खुश थी, चाहती थी कि वह उससे प्यार करे, और जो कुछ उसके साथ हो रहा था उससे वह हैरान थी। तातियाना का दूसरा हाथ ऊपर उठा और उसकी गर्दन के चारों ओर लिपटकर उसे ज़ोर से अपनी ओर खींच लिया। पहले तो उसके होंठ उसके नीचे काँप रहे थे, और फिर जैसे ही जुनून ने उसे अपने वश में किया, उसके होंठ एक अंतहीन चुंबन में डूब गए।

बॉन्ड ने अपने पैर बिस्तर पर रख लिए। उसका मुंह उसे चूमता रहा, और इसी बीच उसका हाथ उसके बाएं स्तन पर गया और उसे थाम लिया, उसकी उंगलियों के नीचे उसकी उत्तेजना से सख्त उभार महसूस हुआ। उसका हाथ धीरे-धीरे उसके सपाट पेट पर चला गया। उसके पैर सुस्ती से हिलने लगे। वह धीरे से कराह उठी और उसका मुंह उसके मुंह से हट गया। बंद आंखों के नीचे उसकी लंबी पलकें गुनगुनाते पक्षी के पंखों की तरह कांप रही थीं।

बॉन्ड ने हाथ बढ़ाकर चादर का किनारा पकड़ा और उसे नीचे खींचकर विशाल बिस्तर के छोर से

नीचे फेंक दिया। उसने गले में बंधी काली रिबन और घुटनों तक चढ़ी काली रेशमी मोज़ों के अलावा कुछ नहीं पहना था। उसकी बाहें उसे ढूंढने के लिए ऊपर उठीं।

उनके ऊपर, और उन दोनों को बिना बताए, बिस्तर के ऊपर दीवार पर लगे सोने के फ्रेम वाले नकली दर्पण के पीछे, एसएमईआरएसएच के दो फोटोग्राफर तंग जासूसी कक्ष में एक साथ बैठे थे, जैसे उनसे पहले, मालिक के कई दोस्त क्रिस्टल पैलेस के स्टेटरूम में हनीमून की रात बिता चुके थे।

और व्यू-फाइंडर ठंडेपन से उन दो शरीरों के बीच बन रहे भावुक नृत्यों को निहार रहे थे, जो बार-बार टूटते और फिर से बनते थे, और सिने-कैमरों का घड़ी की कल की तरह चलने वाला तंत्र धीरे-धीरे चलता रहता था, जबकि दोनों पुरुषों के खुले मुंह से सांसें खरखराहट के साथ निकलती थीं और उत्तेजना का पसीना उनके फूले हुए चेहरों से रिसकर उनके सस्ते कॉलर पर गिरता था।

अध्याय इक्कीस

ओरिएंट एक्सप्रेस

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

यूरोप भर में बड़ी-बड़ी ट्रेनें एक-एक करके बंद हो रही हैं, लेकिन फिर भी, सप्ताह में तीन बार, ओरिएंट एक्सप्रेस इस्तांबुल और पेरिस के बीच 1,400 मील लंबे चमकदार स्टील ट्रैक पर शानदार ढंग से गरजती हुई दौड़ती है।

तेज रोशनी में, लंबे चेसिस वाला जर्मन इंजन अस्थमा से मरते हुए अजगर की तरह धीमी, भारी साँसें ले रहा था। हर भारी साँस आखिरी लग रही थी। फिर एक और साँस आई। डिब्बों के बीच के जोड़ों से भाप के हल्के-हल्के गुबार उठे और अगस्त की गर्म हवा में जल्दी ही गायब हो गए। इस्तांबुल के मुख्य स्टेशन की बदसूरत, घटिया वास्तुकला वाली इमारत में ओरिएंट एक्सप्रेस इकलौती चलती हुई ट्रेन थी।

अन्य लाइनों पर ट्रेनें बिना इंजन के और बिना किसी कर्मचारी के खड़ी थीं – कल का इंतजार कर रही थीं। केवल ट्रैक नंबर 3 और उसका प्लेटफार्म ही विदाई की दुखद कविता से गूंज रहा था।

गहरे नीले रंग के कोच के किनारे पर लगे भारी कांसे के चिह्न पर लिखा था,

'इंटरनेशनल स्लीपिंग एंड ग्रैंड एक्सप्रेस कंपनी'

यूरोपियन।

कोड के ऊपर, धातु के खांचों में फिट किया हुआ, एक सपाट लोहे का चिन्ह था जिस पर सफेद पृष्ठभूमि पर काले बड़े अक्षरों में "ओरिएंट एक्सप्रेस" लिखा था, और उसके नीचे तीन पंक्तियों में लिखा था:

इस्तांबुल - थेसालोनिकी - बीओग्राड

वेनिस – मिलान

लॉज़ेन – पेरिस

जेम्स बॉन्ड ने दुनिया के सबसे रोमांटिक साइनबोर्ड में से एक को बेमन से देखा। दसवीं बार उसने अपनी घड़ी देखी। 8.51 बज रहे थे। उसकी नज़र फिर से साइनबोर्ड पर पड़ी। मिलान को छोड़कर सभी शहरों के नाम देश की भाषा में लिखे थे। मिलानो क्यों नहीं? बॉन्ड ने अपना रुमाल निकाला और अपना चेहरा पोंछा।

वो लड़की आखिर कहाँ थी? क्या वो पकड़ी गई थी? क्या उसने अपना इरादा बदल लिया था?

क्या उसने कल रात, या बल्कि आज सुबह, बड़े बिस्तर पर उसके साथ कुछ ज्यादा ही सख्ती की थी?

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

8.55. इंजन की धीमी आवाज़ बंद हो गई थी। एक गूंजती हुई सरसराहट सुनाई दी, जैसे ही स्वचालित सुरक्षा वाल्व ने अतिरिक्त भाप छोड़ी। सौ गज दूर, भीड़ के बीच से, बॉन्ड ने स्टेशन मास्टर को इंजन चालक और अग्निशामक को हाथ उठाकर इशारा करते हुए देखा और वह धीरे-धीरे ट्रेन से पीछे हटने लगा, आगे के तीसरे दर्जे के डिब्बों के दरवाज़े ज़ोर से बंद करता हुआ। यात्री, जिनमें से अधिकांश किसान थे जो तुर्की में अपने रिश्तेदारों के साथ सप्ताहांत बिताकर ग्रीस लौट रहे थे, खिड़कियों से बाहर झाँक रहे थे और नीचे मुस्कुराती हुई भीड़ से बातें कर रहे थे।

उससे आगे, जहां धुंधली पड़ चुकी रोशनी रुक गई और स्टेशन के अर्धचंद्राकार द्वार से गहरी नीली रात और तारे दिखाई देने लगे, बॉन्ड ने एक लाल बिंदु को हरे रंग में बदलते देखा।

स्टेशन मास्टर पास आया। भूरे रंग की वर्दी पहने वैगन-लाइट अटेंडेंट ने बॉन्ड के हाथ पर थपथपाया। 'एन वोइचर, सिल वू प्ले।' दोनों अमीर दिखने वाले तुर्कों ने अपनी प्रेमिकाओं को चूमा —वे पत्नियाँ बनने के लिए बहुत सुंदर थीं—और हँसते हुए कई बार मना करते हुए, छोटे लोहे के चबूतरे पर चढ़े और दो ऊँची सीढ़ियाँ चढ़कर डिब्बे में चले गए। प्लेटफार्म पर वैगन-लाइट में कोई और यात्री नहीं था। कंडक्टर ने लंबे अंग्रेज पर अधीरता भरी नज़र डाली, लोहे का चबूतरा उठाया और उसे लेकर ट्रेन में चढ़ गया।

स्टेशन मास्टर आत्मविश्वास से आगे बढ़ गया। दो और डिब्बे, प्रथम और द्वितीय श्रेणी के डिब्बे, और फिर जब वह गार्ड के डिब्बे पर पहुंचेगा, तो वह गंदा हरा झंडा उठाएगा।

गुइचेट से प्लेटफार्म पर कोई जल्दबाजी में आता हुआ व्यक्ति नहीं दिखाई दिया। गुइचेट के ठीक ऊपर, स्टेशन की छत के पास, बड़ी रोशन घड़ी की मिनट की सुई एक इंच आगे बढ़ी और बोली...

`नौ'।

बॉन्ड के सिर के ऊपर एक खिड़की ज़ोर से बंद हो गई। बॉन्ड ने ऊपर देखा। उसकी पहली प्रतिक्रिया यह थी कि काला घूंघट बहुत चौड़ा था। आकर्षक होंठों और उत्तेजित नीली आँखों को छिपाने का प्रयास अनुभवहीन था।

जल्दी करो।

ट्रेन चलने लगी थी। बॉन्ड ने रेलिंग पकड़ी और सीढ़ी पर चढ़ गया। अटेंडेंट अभी भी दरवाजा खोले खड़ा था। बॉन्ड आराम से अंदर चला गया।

'मैडम को देर हो गई थी,' परिचारक ने कहा। 'वह गलियारे से आई थीं। वह शायद आखिरी

दरवाजे से अंदर आई होंगी।' (जनरेटेड बाय एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)

सवारी डिब्बा।'

बॉन्ड कालीन बिछे गलियारे से होते हुए बीच वाले कमरे में गया। सफेद धातु के हीरे के आकार के दरवाजे पर काले रंग का 7 और उसके ऊपर काला 8 बना हुआ था। दरवाजा थोड़ा खुला हुआ था। बॉन्ड अंदर गया और उसे बंद कर दिया। लड़की ने अपना घूंघट और काली भूसी की टोपी उतार दी थी। वह खिड़की के पास कोने में बैठी थी। एक लंबा, चिकना सेबल कोट खुला हुआ था, जिसके नीचे प्राकृतिक रंग की शंटुंग की पोशाक थी, जिसमें प्लीटेड स्कर्ट, शहद के रंग के नायलॉन स्टॉकिंग्स और काले मगरमच्छ की चमड़ी का बेल्ट और जूते थे। वह शांत दिख रही थी।

'तुम्हारे पास कोई विश्वास नहीं है, जेम्स।'

बॉन्ड उसके बगल में बैठ गया। उसने कहा, 'तानिया, अगर थोड़ी और जगह होती तो मैं तुम्हें अपनी गोद में बिठाकर थप्पड़ मारता। तुमने तो मुझे लगभग दिल का दौरा ही दे दिया था। क्या हुआ?'

तातियाना ने मासूमियत से कहा, 'कुछ नहीं। क्या हो सकता है? मैंने कहा था कि मैं यहाँ रहूँगी, और मैं यहाँ हूँ। आपको मुझ पर विश्वास नहीं है। मुझे पूरा यकीन है कि आपको मुझसे ज़्यादा मेरी दहेज में दिलचस्पी है, इसलिए दहेज तो ऊपर ही है।'

बॉन्ड ने लापरवाही से ऊपर देखा। उसके सूटकेस के बगल में रैक पर दो छोटे सूटकेस रखे थे। उसने उसका हाथ पकड़ा और कहा, 'भगवान का शुक्र है कि तुम सुरक्षित हो।'

उसकी आँखों में कुछ ऐसा था, शायद अपराधबोध की झलक, जब उसने खुद से स्वीकार किया कि उसे मशीन से ज़्यादा लड़की में दिलचस्पी थी, जिसने उसे आश्वस्त कर दिया। उसने उसका हाथ अपने हाथ में रखा और संतुष्टि से अपने कोने में वापस बैठ गई।

ट्रेन धीरे-धीरे सेराग्लियो पॉइंट के चारों ओर घूमी। लाइटहाउस की रोशनी रेलवे लाइन के किनारे बनी सुनसान झोपड़ियों की छतों पर पड़ रही थी। बॉन्ड ने अपने खाली हाथ से एक सिगरेट निकाली और उसे जलाया। उसने सोचा कि वे जल्द ही उस विशाल बिलबोर्ड के पीछे से गुजरेंगे जहाँ क्रिलेंकू चौबीस घंटे से भी कम समय पहले तक रहता था। बॉन्ड को वह दृश्य फिर से साफ-साफ दिखाई दिया। सफेद चौराहा, परछाई में खड़े दो आदमी, और बैंगनी रंग के किनारों से फिसलकर निकलता हुआ वह बदकिस्मत आदमी।

लड़की ने कोमलता से उसके चेहरे को देखा। यह आदमी क्या सोच रहा था? उन ठंडी, सपाट, धूसर-नीली आँखों के पीछे क्या चल रहा था जो कभी कोमल हो जाती थीं और कभी-कभी, जैसा कि पिछली रात उसकी बाहों में उसके जुनून के जलने से पहले हुआ था, हीरे की तरह चमक उठती थीं। अब वे विचारों में डूबी हुई थीं। क्या वह उन दोनों के बारे में चिंतित था? उनकी सुरक्षा के बारे में चिंतित था? काश वह उसे बता पाती कि डरने की कोई बात नहीं है, कि वह तो बस इंग्लैंड जाने का उसका पासपोर्ट है - वह और वह भारी सूटकेस जो रेजिडेंट डायरेक्टर ने उसे उस शाम ऑफिस में दिया था। डायरेक्टर ने भी यही कहा था। 'यह रहा आपका इंग्लैंड का पासपोर्ट,'

“कवयस्क,” उसने खुशी से कहा। “देखो,” उसने बैग की ज़िप खोली: “एकदम नया स्पेक्टर। ध्यान रखना कि जब तक तुम दूसरे छोर पर न पहुँच जाओ, तब तक बैग को दोबारा न खोलना और न ही इसे अपने डिब्बे से बाहर निकालना। वरना यह अंग्रेज इसे तुमसे छीन लेगा और तुम्हें कूड़े के ढेर पर फेंक देगा। उन्हें यही मशीन चाहिए। उन्हें इसे तुमसे छीनने मत देना, वरना तुम अपने कर्तव्य में असफल हो जाओगे। समझे?”

खिड़की के बाहर नीले धुंधलके में एक सिग्नल बॉक्स उभर आया। तातियाना ने बॉन्ड को उठते और खिड़की नीचे करते हुए अंधेरे में झांकते देखा। उसका शरीर उसके करीब था। उसने अपना घुटना थोड़ा हिलाया ताकि वह उसे छू ले। यह कितना अद्भुत था, वह भावुक कोमलता जो उसे तब से भर रही थी जब उसने पिछली रात उसे खिड़की पर नग्न खड़े देखा था, उसके हाथ पर्दे को थामे हुए थे, उसके बिखरे हुए काले बालों के नीचे उसका चेहरा चांदनी में गंभीर और पीला दिख रहा था। और फिर उनकी आँखों और शरीरों का अद्भुत मिलन। वह लौ जो अचानक उनके बीच जल उठी थी - दो गुप्त एजेंटों के बीच, जो एक दूसरे से बिल्कुल अलग दुनिया के दुश्मन शिविरों से एक साथ आए थे, प्रत्येक दूसरे के देश के खिलाफ अपनी-अपनी साजिश में शामिल था, पेशे से विरोधी थे, फिर भी अपनी-अपनी सरकारों के आदेशों से प्रेमी बन गए थे।

तात्याना ने हाथ बढ़ाकर कोट का किनारा पकड़ा और उसे खींचा। बॉन्ड ने खिड़की ऊपर की और मुड़कर देखा। उसने मुस्कुराते हुए तात्याना की आँखों में देख लिया। वह झुका और अपने हाथ उसके स्तनों पर लगे फर पर रखकर उसके होठों पर ज़ोर से चुंबन किया। तात्याना पीछे की ओर झुकी और उसे भी अपने साथ खींच लिया।

दरवाजे पर हल्की सी दो बार दस्तक हुई। बॉन्ड उठ खड़ा हुआ। उसने अपना रुमाल निकाला और जल्दी से अपने होठों पर लगा लाली पोंछ ली। 'मेरा दोस्त करीम होगा,' उसने कहा। 'मुझे उससे बात करनी है। मैं कंडक्टर से बिस्तर ठीक करने को कहता हूँ। जब तक वह ठीक कर रहा है, तुम यहीं रुको। मुझे ज़्यादा देर नहीं लगेगी। मैं दरवाजे के बाहर ही हूँगा।' वह आगे झुका और उसका हाथ छुआ, उसकी चौड़ी आँखों और उसके उदास, आधे खुले होठों को देखा। 'पूरी रात हम साथ रहेंगे। पहले मुझे यह देखना होगा कि तुम सुरक्षित हो।' उसने दरवाजा खोला और बाहर निकल गया।

डार्को करीम का विशालकाय शरीर गलियारे को अवरुद्ध कर रहा था। वह पीतल की रेलिंग पर टिका हुआ सिगरेट पी रहा था और उदास निगाहों से मरमारा सागर की ओर देख रहा था, जो लंबी ट्रेन के तट से दूर होकर अंतर्देशीय और उत्तर की ओर मुड़ने के साथ ही दूर होता जा रहा था। बॉन्ड भी उसके बगल में रेलिंग पर टिका हुआ था। करीम ने अंधेरी खिड़की में बॉन्ड के चेहरे के प्रतिबिंब को देखा। उसने धीरे से कहा, 'खबर अच्छी नहीं है। ट्रेन में उनमें से तीन लोग हैं।'

आह!’ बॉन्ड की रीढ़ की हड्डी में बिजली सी दौड़ गई।

ये वही तीन अजनबी हैं जिन्हें हमने उस कमरे में देखा था। ज़ाहिर है, उन्हें तुम पर और उस लड़की पर शक है।’ करीम ने तेज़ी से बगल में देखा। ‘इसका मतलब है कि वो तुम्हारी हमशक्ल है। या नहीं?’

बॉन्ड का दिमाग शांत था। तो लड़की सिर्फ एक मोहरा थी। और फिर भी, और फिर भी। नहीं,

धिक्कार है। वह अभिनय नहीं कर रही हो सकती।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

यह मुमकिन नहीं था। क्या वो कोड मशीन थी? शायद वो उस बैग में नहीं थी। 'एक मिनट रुको,' उसने कहा। वह मुड़ा और धीरे से दरवाज़े पर दस्तक दी। उसने सुना कि उसने दरवाज़ा खोला और चेन हटाई। वह अंदर गया और दरवाज़ा बंद कर दिया। वह हैरान दिखी। उसने सोचा था कि शायद कंडक्टर बिस्तर ठीक करने आया है।

वह खिलखिलाती मुस्कान के साथ बोली, 'क्या आपका काम पूरा हो गया?'

'बैठ जाओ, तातियाना। मुझे तुमसे बात करनी है।'

अब उसने उसके चेहरे पर उदासी देखी और उसकी मुस्कान गायब हो गई। वह आज्ञाकारी भाव से अपने हाथ गोद में रखकर बैठ गई।

बॉन्ड उसके ऊपर खड़ा था। क्या उसके चेहरे पर अपराधबोध या डर था? नहीं, केवल आश्चर्य और एक ऐसी शीतलता थी जो बॉन्ड के चेहरे की ही तरह थी।

'अब सुनो, तातियाना,' बॉन्ड की आवाज़ जानलेवा थी। 'कुछ बात सामने आई है। मुझे उस बैग में देखना होगा और पता लगाना होगा कि मशीन उसमें है या नहीं।'

उसने बेपरवाही से कहा, 'इसे नीचे उतारो और देखो।' उसने अपनी गोद में रखे हाथों को गौर से देखा। अब वो होने वाला था जो डायरेक्टर ने कहा था। वे मशीन को ले जाकर उसे एक तरफ फेंक देंगे, शायद उसे ट्रेन से उतार देंगे। हे भगवान! ये आदमी उसके साथ ऐसा करने वाला था।

बॉन्ड ने हाथ बढ़ाकर भारी सूटकेस को नीचे उतारा और सीट पर रख दिया। उसने ज़िप को एक तरफ से फाड़ा और अंदर देखा। जी हाँ, एक भूरे रंग का जापानी धातु का सूटकेस जिसमें तीन पंक्तियों में छोटी-छोटी चाबियाँ थीं, बिल्कुल टाइपराइटर की तरह। उसने बैग को उसकी ओर खोलकर पूछा, 'क्या यह स्पेक्टर है?'

उसने खुले हुए बैग में लापरवाही से एक नज़र डाली। 'हाँ।'

बॉन्ड ने बैग की ज़िप बंद की और उसे वापस रैक पर रख दिया। वह लड़की के बगल में बैठ गया। 'ट्रेन में तीन एमजीबी आदमी हैं। हम जानते हैं कि वे वही लोग हैं जो सोमवार को तुम्हारे केंद्र पर आए थे। वे यहाँ क्या कर रहे हैं, तातियाना?' बॉन्ड की आवाज़ धीमी थी। उसने उसे ध्यान से देखा, अपनी पूरी इंद्रियों से उसे टटोला।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

उसने ऊपर देखा। उसकी आँखों में आँसू थे। क्या ये किसी पकड़े गए बच्चे के आँसू थे? लेकिन उसके चेहरे पर अपराधबोध का कोई निशान नहीं था। वह बस किसी बात से डरी हुई लग रही

थी।

उसने हाथ बढ़ाया और फिर पीछे खींच लिया। 'अब जब तुम्हें मशीन मिल गई है, तो क्या तुम मुझे ट्रेन से नहीं फेंकोगे?'

“बिल्कुल नहीं,” बॉन्ड ने अधीरता से कहा। “मूर्खता मत करो। लेकिन हमें यह जानना होगा कि ये लोग क्या कर रहे हैं।”

ये सब क्या है? क्या तुम्हें पता था कि वे ट्रेन में होंगे?’ उसने उसके चेहरे के भावों में कुछ सुराग ढूंढने की कोशिश की। उसे बस गहरी राहत दिखाई दी। और क्या? कोई सोच-विचार? या संकोच? हाँ, वह कुछ छिपा रही थी। लेकिन क्या?

तात्याना ने मानो अपना मन बना लिया था। उसने झट से अपने हाथ के पिछले हिस्से से अपनी आँखों को पोंछा। उसने आगे बढ़कर अपना हाथ बॉन्ड के घुटने पर रख दिया। हाथ के पिछले हिस्से पर आँसुओं की लकीरें साफ़ दिख रही थीं। उसने बॉन्ड की आँखों में देखा, मानो उसे अपनी बात पर यकीन दिलाने की कोशिश कर रही हो।

“जेम्स,” उसने कहा। “मुझे नहीं पता था कि ये लोग ट्रेन में हैं। मुझे बताया गया था कि वे आज जर्मनी के लिए रवाना हो रहे हैं। मैंने सोचा था कि वे हवाई जहाज से जाएंगे। मैं आपको बस इतना ही बता सकती हूँ। जब तक हम इंग्लैंड नहीं पहुँच जाते, जहाँ से मेरे लोग हमसे दूर हो जाते हैं, तब तक आप मुझसे और कुछ न पूछें। मैंने अपना वादा निभाया है। मैं यहाँ मशीन के साथ हूँ।”

मुझ पर भरोसा रखो। हमारे लिए डरो मत। मुझे पूरा यकीन है कि ये लोग हमें कोई नुकसान नहीं पहुँचाना चाहते। बिलकुल यकीन है। भरोसा रखो।’ (क्या वह इतनी आश्वस्त थी, तातियाना सोचने लगी? क्या क्लेब नाम की उस औरत ने उसे सब सच बता दिया था? लेकिन उसे भरोसा भी रखना था – उसे दिए गए आदेशों पर भरोसा। ये लोग ज़रूर गार्ड होंगे ताकि वह ट्रेन से न उतरे। उनका कोई बुरा इरादा नहीं हो सकता। बाद में, जब वे लंदन पहुँचेंगे, तो यह आदमी उसे स्मर्श की पहुँच से दूर छिपा देगा और वह उसे सब कुछ बता देगी जो वह जानना चाहता है। उसने मन ही मन यह तय कर लिया था। लेकिन भगवान ही जानता था कि अगर उसने अभी उन्हें धोखा दिया तो क्या होगा। वे किसी न किसी तरह उसे और उसे पकड़ लेंगे। वह जानती थी। इन लोगों से कुछ भी छिपा नहीं था। और वे ज़रा भी दया नहीं दिखाएंगे। जब तक वह अपनी भूमिका निभाती रहेगी, सब ठीक रहेगा।) तातियाना ने बॉन्ड के चेहरे पर नज़र डाली कि क्या उसे उस पर विश्वास है।

बॉन्ड ने कंधे उचका दिए। वह खड़ा हो गया। ‘मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या सोचूँ, तातियाना,’ उसने कहा। ‘तुम मुझसे कुछ छिपा रही हो, लेकिन मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में तुम्हें पता नहीं है कि यह कितना महत्वपूर्ण है। और मुझे विश्वास है कि तुम सोचती हो कि हम सुरक्षित हैं। शायद हम सुरक्षित हों। हो सकता है कि यह महज़ एक संयोग हो कि ये लोग ट्रेन में हैं। मुझे केरीम से बात करनी होगी और तय करना होगा कि क्या करना है। चिंता मत करो। हम तुम्हारा ख्याल रखेंगे। लेकिन अब हमें बहुत सावधान रहना होगा।’

बॉन्ड ने डिब्बे में चारों ओर देखा। उसने बगल वाले डिब्बे से जुड़ने वाले दरवाजे को आज़माया। वह बंद था। उसने कंडक्टर के जाने के बाद उसे खोलने का फैसला किया। गलियारे के दरवाजे के साथ भी वह ऐसा ही करेगा। और उसे जागते रहना होगा। पहियों पर हनीमून का तो बस नाम ही रह गया! बॉन्ड ने मन ही मन उदास मुस्कान के साथ कंडक्टर को बुलाया। तातियाना घबराकर उसकी ओर देख रही थी। 'चिंता मत करो, तानिया,' उसने फिर कहा। 'किसी बात की चिंता मत करो। कंडक्टर के जाने के बाद सो जाओ। जब तक तुम्हें पता न हो कि मैं हूँ, तब तक दरवाजा मत खोलना। मैं आज रात जागकर निगरानी रखूंगा। शायद कल आसान होगा।'

केरीम के साथ मिलकर योजना बनाओ। वह एक अच्छा आदमी है।'

कंडक्टर ने दरवाजा खटखटाया। बॉन्ड ने उसे अंदर आने दिया और गलियारे में चला गया। केरीम अभी भी वहीं बाहर की ओर देख रहा था।

ट्रेन ने रफ्तार पकड़ ली थी और रात के अंधेरे में तेज़ी से आगे बढ़ रही थी। उसकी कर्कश, उदास सीटी की गूंज एक गहरी खाई की दीवारों से टकराकर वापस आ रही थी, जिसके किनारों पर रोशन खिड़कियाँ टिमटिमा रही थीं और नाच रही थीं। करीम हिला नहीं, लेकिन खिड़की के शीशे में उसकी आँखें चौकस थीं।

बॉन्ड ने उसे उस बातचीत के बारे में बताया। केरीम को यह समझाना आसान नहीं था कि उसने उस लड़की पर इतना भरोसा क्यों किया।

जब वह उसकी आँखों में जो कुछ पढ़ा था और उसकी अंतरात्मा ने उसे जो बताया था, उसे बताने की कोशिश कर रहा था, तो उसने खिड़की में बने होंठों को व्यंग्यपूर्ण ढंग से मुड़ते हुए देखा।

केरीम ने हताशा से आह भरी। 'जेम्स,' उसने कहा, 'अब तुम कमान संभाल रहे हो। इस ऑपरेशन में तुम्हारी ही भूमिका है। आज हम इनमें से ज़्यादातर बातों पर चर्चा कर चुके हैं - ट्रेन का खतरा, मशीन को राजनयिक बैग में घर ले जाने की संभावना, और इस लड़की की ईमानदारी, या बेईमानी। ऐसा लगता है कि उसने तुम्हारे सामने बिना शर्त आत्मसमर्पण कर दिया है। साथ ही, तुम भी यह स्वीकार करते हो कि तुमने उसके सामने आत्मसमर्पण कर दिया है।'

शायद आंशिक रूप से ही। लेकिन आपने उस पर भरोसा करने का फैसला कर लिया है। आज सुबह एम से हुई फोन बातचीत में उसने कहा कि वह आपके फैसले का समर्थन करेगा। उसने फैसला आप पर छोड़ दिया। ठीक है। लेकिन उसे नहीं पता था कि हमारे साथ तीन एमजीबी आदमी भी होंगे। हमें भी नहीं पता था। और मुझे लगता है कि इससे हम सभी के विचार बदल जाते। है ना?

हां।

तो फिर एक ही उपाय बचता है कि इन तीनों आदमियों को हटा दिया जाए। इन्हें ट्रेन से उतार दिया जाए। भगवान जाने ये यहाँ किसलिए आए हैं। मैं भी आपकी तरह संयोगों पर विश्वास नहीं करता। लेकिन एक बात पक्की है। हम इन आदमियों के साथ ट्रेन में सफर नहीं करेंगे। ठीक है?

बिल्कुल।'

तो फिर इसे मुझ पर छोड़ दो। कम से कम आज रात के लिए। यह अभी भी मेरा देश है और इसमें मेरी कुछ शक्तियां हैं। और खूब पैसा भी है। मैं उन्हें मार नहीं सकता। ट्रेन लेट हो जाएगी। तुम और वह लड़की भी इसमें उलझ सकते हो। लेकिन मैं कुछ इंतज़ाम कर लूंगा। उनमें से दो के पास सोने के लिए बर्थ हैं। मूंछों वाला और छोटी सी पाइप पीने वाला वह बुजुर्ग आदमी तुम्हारे बगल वाले कमरे में है – यहीं, नंबर 6 में।' उसने सिर हिलाकर पीछे की ओर इशारा किया।

वह "मेल्चियोर बेंज, सेल्समैन" के नाम से जर्मन पासपोर्ट पर यात्रा कर रहा है। सांवला आदमी, अर्मेनियाई, 12 नंबर के डिब्बे में है। उसके पास भी जर्मन पासपोर्ट है - "कर्ट गोल्डफार्ब, निर्माण इंजीनियर"। उनके पास पेरिस के लिए सीधे टिकट हैं। मैंने उनके दस्तावेज़ देखे हैं। मेरे पास पुलिस कार्ड है। कंडक्टर ने कोई परेशानी नहीं की। उसके केबिन में सभी टिकट और पासपोर्ट हैं। तीसरा आदमी, जिसकी गर्दन के पीछे फोड़ा है, उसके चेहरे पर भी फोड़े हैं। एक मूर्ख, बदसूरत दिखने वाला दरिंदा। मैंने उसका पासपोर्ट नहीं देखा है। वह मेरे बगल वाले डिब्बे में, प्रथम श्रेणी में बैठा यात्रा कर रहा है। उसे ऐसा करने की कोई आवश्यकता नहीं है। (जनरेटेड बाय ABC Amber LIT कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)

सीमा तक अपना पासपोर्ट जमा करा दो। लेकिन उसने अपना टिकट जमा करा दिया है।' जादूगर की तरह, करीम ने अपनी कोट की जेब से एक पीला प्रथम श्रेणी का टिकट निकाला। फिर उसे वापस जेब में रख लिया। उसने बॉन्ड की ओर देखकर गर्व से मुस्कुराया।

'यह सब कैसे संभव है?'

केरीम खिलखिलाकर हँसा। 'रात को सोने से पहले, यह बेवकूफ बैल शौचालय गया। मैं गलियारे में खड़ा था और अचानक मुझे याद आया कि बचपन में हम कैसे चुपके से ट्रेन में सफर करते थे। मैंने उसे एक मिनट का समय दिया। फिर मैं पास गया और शौचालय का दरवाजा खटखटाया। मैंने हैंडल को बहुत कसकर पकड़ रखा था।'

मैंने ऊँची आवाज़ में कहा, "टिकट संग्रहकर्ता! कृपया टिकट दीजिए।" मैंने यह बात फ्रेंच में और फिर जर्मन में भी कही।

अंदर से कुछ बुदबुदाहट सुनाई दी। मुझे लगा जैसे वह दरवाजा खोलने की कोशिश कर रहा हो। मैंने उसे कसकर पकड़ लिया ताकि उसे लगे कि दरवाजा अटक गया है। "महोदय, आप परेशान न हों," मैंने विनम्रता से कहा। "टिकट को दरवाजे के नीचे से अंदर डाल दीजिए।"

दरवाजे के हैंडल से और छेड़छाड़ की आवाजें आईं और मुझे भारी साँसें सुनाई दीं। फिर थोड़ी देर का सन्नाटा छा गया और दरवाजे के नीचे से सरसराहट की आवाज आई। टिकट वहीं था। मैंने बहुत ही विनम्रता से कहा, "धन्यवाद, महोदय।" मैंने टिकट उठाया और कपलिंग पार करके अगले डिब्बे में चला गया। करीम ने लापरवाही से हाथ हिलाया। 'वह मूर्ख अब तक चैन से सो रहा होगा। वह सोचेगा कि सीमा पर उसे उसका टिकट वापस मिल जाएगा। वह गलतफहमी में है। टिकट राख हो जाएगा और राख चारों दिशाओं में उड़ जाएगी,' करीम ने बाहर के अंधेरे की ओर इशारा किया। 'मैं देखूंगा कि उस आदमी को ट्रेन से उतार दिया जाए, चाहे उसके पास कितना भी पैसा हो। उसे बताया जाएगा कि परिस्थितियों की जांच होनी चाहिए, उसके बयानों की पुष्टि टिकट एजेंसी से की जानी चाहिए। उसे बाद की ट्रेन में जाने की अनुमति दी जाएगी।'

बॉन्ड ने केरीम की प्राइवेट स्कूल वाली ट्रिक खेलते हुए तस्वीर देखकर मुस्कुराया। 'तुम तो कमाल हो, डार्को। बाकी दो के बारे में क्या?'

डार्को केरीम ने अपने विशाल कंधों को उचकाते हुए कहा, 'मुझे कुछ सूझेगा। रूसियों को पकड़ने का तरीका है उन्हें मूर्ख बनाना। उन्हें शर्मिंदा करना। उन पर हंसना। वे इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते।'

हम किसी भी तरह इन लोगों को पसीना बहाने पर मजबूर करेंगे। फिर हम एमजीबी को उनके कर्तव्य में विफल रहने के लिए उन्हें दंडित करने का काम सौंप देंगे। निःसंदेह, उन्हें उनके ही लोग गोली मार देंगे।'

जब वे बात कर रहे थे, तभी कंडक्टर नंबर 7 से बाहर आ गया। करीम ने बॉन्ड की ओर मुड़कर उसके कंधे पर हाथ रखा। उसने उत्साह से कहा, 'घबराओ मत, जेम्स। हम इन लोगों को हरा देंगे। अपनी प्रेमिका के पास जाओ। हम सुबह फिर मिलेंगे। आज रात हमें ज्यादा नींद नहीं आएगी, लेकिन इसमें कुछ नहीं किया जा सकता। हर दिन अलग होता है। शायद कल हमें नींद आ जाए।'

बॉन्ड ने उस विशालकाय व्यक्ति को हिलते-डुलते गलियारे में आसानी से आगे बढ़ते देखा। उसने गौर किया कि ट्रेन की गति के बावजूद, केरीम के कंधे गलियारे की दीवारों से नहीं टकराए। बॉन्ड को उस सख्त, हंसमुख पेशेवर जासूस के लिए स्नेह की लहर महसूस हुई।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

केरीम कंडक्टर के केबिन में चला गया। बॉन्ड मुड़ा और उसने नंबर 7 के दरवाजे पर धीरे से दस्तक दी।

अध्याय बाईस

तुर्की से बाहर

ट्रेन रात भर चीखती-चिल्लाती रही। बॉन्ड बैठा रहा और चांदनी रात में तेजी से बदलते परिदृश्य को देखता रहा और जागते रहने पर ध्यान केंद्रित करता रहा।

हर चीज़ उसे सुलाने की कोशिश कर रही थी – पहियों की तेज़ धातुई सरपट दौड़, चांदी के रंग के टेलीग्राफ तारों की सम्मोहक सरसराहट, बीच-बीच में भाप की सीटी की उदास, सुकून देने वाली आवाज़ जो उनके रास्ते को साफ़ करती थी, गलियारे के दोनों सिरों पर लगे जोड़ों की सुस्त धातुई खड़खड़ाहट, छोटे से कमरे में लकड़ी के काम की लोरी जैसी चरमराहट। यहाँ तक कि दरवाज़े के ऊपर लगी रात की बत्ती की गहरी बैंगनी झिलमिलाहट भी मानो कह रही हो, 'मैं तुम्हारी रक्षा करूँगा। जब तक मैं जल रहा हूँ, कुछ नहीं हो सकता। अपनी आँखें बंद करो और सो जाओ, सो जाओ।'

लड़की का सिर उसकी गोद में गर्म और भारी था। जाहिर है, उसके लिए उस एक चादर के नीचे सरकने और उसके करीब आने के लिए बस थोड़ी सी जगह थी, उसकी जांघों का अगला हिस्सा उसकी जांघों के पिछले हिस्से से सटा हुआ था और उसका सिर तकिए पर फैले उसके बालों के पर्दे में था।

बॉन्ड ने अपनी आँखें सिकोड़ीं और फिर खोलीं। उसने सावधानी से अपनी कलाई उठाई। चार बज रहे थे। तुर्की सीमा तक बस एक घंटा और। शायद वह दिन में सो पाएगा। वह उसे बंदूक दे देगा और दरवाज़े फिर से बंद कर देगा, और वह देखती रहेगी।

उसने सोई हुई उस खूबसूरत लड़की के चेहरे पर नज़र डाली। रूसी गुप्त सेवा की यह लड़की कितनी मासूम लग रही थी – उसकी पलकें उसके कोमल गालों को छू रही थीं, उसके होंठ खुले हुए थे और जैसे किसी बात से बेखबर हों, उसके माथे पर बिखरे बालों की एक लंबी लट थी जिसे वह करीने से संवार कर बाकी बालों में मिलाना चाहता था, और उसकी गर्दन पर धड़कती नाड़ी की धीमी और स्थिर धड़कन। उसके मन में कोमलता का एक सैलाब उमड़ आया और उसे अपनी बाहों में भरकर कसकर गले लगाने की तीव्र इच्छा हुई। वह चाहता था कि वह शायद किसी सपने से जाग जाए, ताकि वह उसे चूम सके और कह सके कि सब ठीक है, और उसे खुशी-खुशी वापस सोते हुए देख सके।

लड़की ने इसी तरह सोने की ज़िद की थी। उसने कहा था, 'जब तक तुम मुझे गोद में नहीं लोगे, मैं सोऊंगी नहीं। मुझे यह जानना ज़रूरी है कि तुम हर समय मेरे साथ हो। जागने पर तुम्हें न छू पाना कितना भयानक होगा। प्लीज़ जेम्स।'

कृपया दुश्का। बॉन्ड ने अपना कोट और टाई उतार दी थी और कोने में अपने सूटकेस पर पैर रखकर बैठ गया था, और बेरेटा पिस्तौल तकिए के नीचे उसकी पहुँच में रखी थी। उसने कोई टिप्पणी नहीं की। (एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

बंदूक के बारे में। उसने अपने गले में बंधी काली पट्टी को छोड़कर अपने सारे कपड़े उतार दिए थे और बेशर्मी से बिस्तर पर चढ़कर खुद को आरामदायक स्थिति में लाने की कोशिश करते हुए उसने उत्तेजक होने का नाटक नहीं किया था। उसने अपनी बाहें उसकी ओर उठाईं। बॉन्ड ने उसके बालों से उसका सिर पीछे खींचा और उसे एक बार लंबे और बेरहमी से चूमा। फिर उसने उसे सोने के लिए कहा और पीछे झुककर ठंडेपन से अपने शरीर के अलग होने का इंतजार करने लगा। नींद में बड़बड़ाते हुए, उसने खुद को आराम से लिटाया, एक हाथ उसकी जांघों पर रखा। पहले तो उसने उसे कसकर पकड़ रखा था, लेकिन धीरे-धीरे उसका हाथ ढीला पड़ गया और फिर वह सो गई।

बॉन्ड ने अचानक उसके बारे में सोचना बंद कर दिया और आगे की यात्रा पर ध्यान केंद्रित किया।

जल्द ही वे तुर्की से निकल जाएंगे। लेकिन क्या ग्रीस में हालात कुछ बेहतर होंगे? ग्रीस और इंग्लैंड के बीच कोई मेल-मिलाप नहीं था। और यूगोस्लाविया? टीटो किसके पक्ष में थे? शायद दोनों के। एमजीबी के तीनों आदमियों के आदेश चाहे जो भी रहे हों, या तो उन्हें पहले से ही पता था कि बॉन्ड और तातियाना ट्रेन में हैं या उन्हें जल्द ही पता चल जाएगा।

वह और लड़की चार दिन तक खिड़कियों पर पर्दे लगे डिब्बे में नहीं बैठ सकते थे। उनकी मौजूदगी की खबर इस्तांबुल तक पहुँच जाती, किसी स्टेशन से फोन आ जाता, और सुबह तक स्पेक्टर ट्रेन के गायब होने का पता चल जाता। फिर क्या होता? एथेंस या बेलग्रेड में रूसी दूतावास के ज़रिए जल्दबाज़ी में कार्रवाई की जाती? क्या लड़की को चोर समझकर ट्रेन से उतार दिया जाता? या यह सब इतना आसान था? और अगर मामला ज़्यादा पेचीदा था—अगर यह सब किसी रहस्यमयी साज़िश, किसी पेचीदा रूसी षड्यंत्र का हिस्सा था—तो क्या उसे इससे बचना चाहिए था? क्या उसे और लड़की को किसी किनारे के स्टेशन पर, पटरी के दूसरी तरफ, ट्रेन से उतरकर कार किराए पर लेकर किसी तरह लंदन के लिए हवाई जहाज़ पकड़ लेना चाहिए था?

बाहर, चमकीली सुबह की रोशनी दौड़ते पेड़ों और चट्टानों को नीले रंग से ढकने लगी थी। बॉन्ड ने अपनी घड़ी देखी। पाँच बज रहे थे। वे जल्द ही उज़ुनकोप्रू पहुँच जाएँगे। उसके पीछे वाली ट्रेन में क्या हो रहा था?

केरीम ने क्या हासिल किया था?

बॉन्ड आराम से बैठ गया। आख़िरकार, उसकी समस्या का एक सीधा-सादा, व्यावहारिक समाधान था। अगर वे तीनों एमजीबी एजेंटों से जल्दी छुटकारा पा लेते, तो वे ट्रेन से अपने मूल प्लान पर कायम रहते। अगर नहीं, तो बॉन्ड लड़की और गाड़ी को ग्रीस में कहीं ट्रेन से उतारकर घर लौटने के लिए दूसरा रास्ता अपना लेता। लेकिन, अगर हालात सुधरते, तो बॉन्ड आगे बढ़ने के लिए तैयार था। वह और करीम दोनों ही बहुत समझदार थे। करीम का बेलग्रेड में एक एजेंट था जो ट्रेन से मिलने वाला था। दूतावास तो हमेशा विकल्प था ही।

बॉन्ड का दिमाग तेज़ी से फायदे और नुकसान का हिसाब लगा रहा था। अपने तर्क के पीछे, बॉन्ड ने शांत भाव से खुद से स्वीकार किया कि उसके मन में इस खेल को खेलकर इसके असली रहस्य को जानने की तीव्र इच्छा थी। वह इन लोगों से मुकाबला करके रहस्य को सुलझाना चाहता था और अगर यह किसी तरह की साजिश थी, तो उसे नाकाम करना चाहता था। एम ने उसे

ज़िम्मेदारी सौंपी थी। लड़की और मशीन दोनों उसके नियंत्रण में थे। घबराहट क्यों? घबराहट की क्या बात थी? भाग जाना तो पागलपन होगा, क्योंकि शायद एक जाल से बचकर दूसरे में फंस जाना ही बेहतर होता।

ट्रेन ने एक लंबी सीटी बजाई और अपनी गति कम करने लगी।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

अब पहले दौर की बारी। अगर करीम असफल हो गया। अगर तीनों आदमी ट्रेन में ही रह गए...।

कुछ मालगाड़ियाँ, एक भारी इंजन के साथ, कतार में आगे बढ़ीं। शेडों की परछाईं कुछ पल के लिए दिखाई दी। एक झटके और जोड़ों की तेज़ आवाज़ के साथ, ओरिएंट एक्सप्रेस ने गति पकड़ी और मुख्य पटरी से अलग हो गई। खिड़की के बाहर घास से ढकी चार पटरियाँ और नीचे का खाली प्लेटफार्म दिखाई दिया। एक मुर्गे ने बांग दी। एक्सप्रेस धीमी होकर पैदल चलने की गति पर आ गई और अंत में, वैक्यूम ब्रेक की हल्की सी आवाज़ और भाप निकलने की तेज़ आवाज़ के साथ, रुक गई। लड़की नींद में करवट बदली।

बॉन्ड ने धीरे से अपना सिर तकिए पर रखा और उठकर दरवाजे से बाहर निकल गई।

यह बाल्कन क्षेत्र का एक आम स्टेशन था – नुकीले पत्थरों से बनी इमारतों का एक भव्य अग्रभाग, धूल से भरा विशाल प्लेटफार्म, जो ऊंचा नहीं बल्कि ज़मीन के बराबर था, जिससे ट्रेन से उतरने के लिए एक लंबी सीढ़ी थी, कुछ मुर्गियां दाना चुग रही थीं और कुछ नीरस अधिकारी निष्क्रिय खड़े थे, बिना दाढ़ी बनाए, महत्व दिखाने की कोशिश भी नहीं कर रहे थे। ट्रेन के सस्ते हिस्से की ओर, गठ्ठों और टोकरियों से लदे किसानों का एक समूह सीमा शुल्क और पासपोर्ट नियंत्रण का इंतज़ार कर रहा था ताकि वे ट्रेन में चढ़कर अंदर मौजूद भीड़ में शामिल हो सकें।

बॉन्ड के ठीक सामने प्लेटफार्म के पार एक बंद दरवाजा था जिस पर 'पुलिस' लिखा हुआ था। दरवाजे के बगल वाली गंदी खिड़की से बॉन्ड को लगा कि उसने केरीम का सिर और कंधे देखे हैं।

'पासपोर्ट। सीमा शुल्क!'

सादे कपड़ों में एक व्यक्ति और गहरे हरे रंग की वर्दी पहने दो पुलिसकर्मी, जिनकी काली कमर पर पिस्तौल के होल्स्टर लगे थे, गलियारे में दाखिल हुए। उनके आगे-आगे रोशनी से जगमगाता कंडक्टर दरवाजों पर दस्तक देता हुआ चल रहा था।

नंबर 12 के दरवाजे पर कंडक्टर ने तुर्की भाषा में गुस्से भरी बातें कीं, टिकटों और पासपोर्टों का गट्ठा दिखाते हुए उन्हें ताश के पत्तों की तरह लहराया। भाषण खत्म होने के बाद, सादे कपड़ों में मौजूद व्यक्ति ने दो पुलिसकर्मियों को आगे आने का इशारा किया और दरवाजे पर जोर से दस्तक दी। दरवाजा खुलते ही वह अंदर चला गया। दोनों पुलिसकर्मी उसके पीछे पहरा देते रहे।

बॉन्ड गलियारे में धीरे-धीरे आगे बढ़ा। उसे टूटी-फूटी जर्मन भाषा की अस्पष्ट आवाज़ें सुनाई दे रही थीं। एक आवाज़ ठंडी थी, दूसरी डरी हुई और उत्तेजित। श्री कर्ट गोल्डफार्ब का पासपोर्ट और

टिकट गायब थे। क्या श्री गोल्डफार्ब ने उन्हें कंडक्टर के केबिन से निकाल लिया था? बिलकुल नहीं। क्या श्री गोल्डफार्ब ने सचमुच कभी अपने कागजात कंडक्टर को सौंपे थे? बिल्कुल। तो फिर यह दुर्भाग्यपूर्ण मामला था। एक जांच होनी ही थी। इसमें कोई शक नहीं कि इस्तांबुल स्थित जर्मन दूतावास इस मामले को सुलझा देगा (बॉन्ड इस सुझाव पर मुस्कुराया)। इस बीच, यह खेदजनक था कि श्री गोल्डफार्ब अपनी यात्रा जारी नहीं रख सके। इसमें कोई शक नहीं कि वह

कल आगे की कार्यवाही हो सकेगी। श्री गोल्डफार्ब तैयार हो जाएंगे। उनका सामान प्रतीक्षाकक्ष में पहुँचा दिया जाएगा।

गलियारे में अचानक घुसने वाला एमजीबी का आदमी सांवला, गोरे रंग का था, आगंतुकों में सबसे छोटा। उसका पीला चेहरा डर से पीला पड़ गया था। उसके बाल बिखरे हुए थे और उसने सिर्फ़ पजामा का निचला हिस्सा पहना हुआ था। लेकिन गलियारे में उसकी बेतहाशा भागदौड़ में कोई हास्य नहीं था। वह बॉन्ड के पास से गुज़रा। नंबर 6 के दरवाज़े पर रुका और खुद को संभाला। उसने तनाव भरे अंदाज़ में दस्तक दी। दरवाज़ा जंजीर से खुला और बॉन्ड को उसकी मोटी नाक और मूंछ का कुछ हिस्सा दिखाई दिया। जंजीर हटाई गई और गोल्डफ़ार्ब अंदर चला गया। सन्नाटा छा गया, इस दौरान सादे कपड़ों में मौजूद उस आदमी ने पहले 9 और 10 नंबर के कमरे में रहने वाली दो बुज़ुर्ग फ्रांसीसी महिलाओं के कागज़ात देखे और फिर बॉन्ड के कागज़ात।

अधिकारी ने बॉन्ड के पासपोर्ट पर सरसरी नज़र डाली। उसने पासपोर्ट बंद किया और कंडक्टर को सौंप दिया। 'आप करीम बे के साथ यात्रा कर रहे हैं?' उसने फ्रेंच में पूछा। उसकी आँखों में कोई भाव नहीं था।

हां।

'धन्यवाद, महोदय। आपकी यात्रा मंगलमय हो।' उस व्यक्ति ने अभिवादन किया। वह मुड़ा और छठे मकान के दरवाजे पर जोर से दस्तक दी।

दरवाजा खुला और वह अंदर चला गया।

पांच मिनट बाद दरवाजा ज़ोर से खुला। सादे कपड़ों में मौजूद व्यक्ति, जो अब अधिकारपूर्वक सीधा खड़ा था, ने पुलिसकर्मियों को आगे आने का इशारा किया। उसने उनसे तुर्की भाषा में कठोर शब्दों में बात की। वह वापस कोठरी की ओर मुड़ा। "अपने आप को गिरफ्तार समझो, श्रीमान। तुर्की में अधिकारियों को रिश्वत देने का प्रयास एक गंभीर अपराध है।" गोल्डफ़ार्ब की टूटी-फूटी जर्मन में गुस्से भरी चीख सुनाई दी। रूसी भाषा में एक कठोर वाक्य ने उसे रोक दिया। एक अलग ही गोल्डफ़ार्ब, पागलों जैसी आँखों वाला गोल्डफ़ार्ब, बाहर आया और अंधाधुंध गलियारे से होते हुए नंबर 12 में चला गया। एक पुलिसकर्मी दरवाजे के बाहर खड़ा इंतजार कर रहा था।

और आपके कागजात, महोदय। कृपया आगे आइए। मुझे इस तस्वीर की पुष्टि करनी है।' सादे कपड़ों में मौजूद व्यक्ति ने हरे रंग की जिल्द वाले जर्मन पासपोर्ट को प्रकाश में उठाया। 'कृपया आगे आइए।'

अनिच्छा से, क्रोध से पीला पड़ा भारी चेहरा लिए, एमजीबी का वह आदमी, जो खुद को बेंज

कहता था, चमकीले नीले रेशमी ड्रेसिंग-गाउन में गलियारे में बाहर निकला। उसकी कठोर भूरी आँखें बॉन्ड की आँखों में सीधे देख रही थीं, मानो उसे अनदेखा कर रही हों।

सादे कपड़ों में मौजूद व्यक्ति ने पासपोर्ट को बंद किया और कंडक्टर को सौंप दिया। 'आपके कागजात ठीक हैं, महोदय। और अब, कृपया, सामान रख दीजिए।' वह अंदर चला गया, उसके पीछे दूसरा पुलिसकर्मी भी गया।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

एमजीबी के उस आदमी ने बॉन्ड की ओर पीठ करके तलाशी को देखा।

बॉन्ड ने ड्रेसिंग गाउन की बाईं बांह के नीचे उभराव और कमर के चारों ओर बेल्ट की लकीर को देखा।

वह सोचने लगा कि क्या उसे सादे कपड़ों वाले पुलिसवाले को सूचना दे देनी चाहिए। उसने चुप रहना ही बेहतर समझा। कहीं उसे गवाह के तौर पर पेश न कर लिया जाए।

तलाशी खत्म हो गई थी। सादे कपड़ों में मौजूद व्यक्ति ने ठंडे लहजे में सलाम किया और गलियारे में आगे बढ़ गया। एमजीबी का आदमी वापस कमरा नंबर 6 में गया और दरवाजा जोर से बंद कर दिया।

अफसोस, बॉन्ड ने सोचा। एक बच निकला।

बॉन्ड खिड़की की ओर मुड़ा। एक भारी-भरकम आदमी, जिसने ग्रे रंग की होम्बर्ग टोपी पहन रखी थी और जिसकी गर्दन के पिछले हिस्से पर एक बड़ा सा फोड़ा था, उसे 'पुलिस' लिखे दरवाजे से अंदर ले जाया जा रहा था। गलियारे में एक दरवाजा ज़ोर से बंद हुआ। गोल्डफ़ार्ब, पुलिसकर्मी के साथ, ट्रेन से नीचे उतरा। सिर झुकाए वह धूल भरे प्लेटफार्म पर चला और उसी दरवाजे से अंदर चला गया।

इंजन ने सीटी बजाई, एक नई तरह की सीटी, किसी यूनानी इंजन-चालक की साहसी और तीखी सीटी। रोशनी से जगमगाते डिब्बे का दरवाज़ा ज़ोर से बंद हो गया। सादे कपड़ों में एक आदमी और दूसरा पुलिसकर्मी स्टेशन की ओर चलते हुए दिखाई दिए। ट्रेन के पीछे खड़ा गार्ड अपनी घड़ी देखकर झंडा लहराने लगा। इंजन से एक झटका लगा और धमाके की आवाज़ धीरे-धीरे कम होती गई, और ओरिएंट एक्सप्रेस का अगला हिस्सा चलने लगा। वह हिस्सा जो लौह पर्दे के बीच से उत्तरी मार्ग से होकर गुज़रेगा—बुल्गारियाई सीमा पर स्थित स्विलेंग्राद से होकर, जो केवल पचास मील दूर था—धूल भरे प्लेटफार्म के किनारे इंतज़ार करता रह गया।

बॉन्ड ने खिड़की नीचे की और तुर्की सीमा पर आखिरी नज़र डाली, जहाँ दो आदमी एक खाली कमरे में मौत की सजा के तहत बैठे होंगे। दो निशाने पर, उसने सोचा। तीन में से दो। हालात कुछ बेहतर लग रहे थे।

वह धूल से भरे सुनसान प्लेटफार्म को देखता रहा, जिस पर मुर्गियाँ और पहरेदार की छोटी काली

आकृति खड़ी थी, जब तक कि लंबी ट्रेन अचानक रुककर मुख्य पटरी पर ज़ोर से नहीं चढ़ गई। उसने उस बंजर, बदसूरत ग्रामीण इलाके की ओर देखा, जहाँ तुर्की के मैदान से सुनहरे सूरज की किरणें निकल रही थीं। आज का दिन खूबसूरत होने वाला था।

बॉन्ड ने ठंडी, मीठी सुबह की हवा से अपना सिर बाहर निकाला। उसने खिड़की को ज़ोर से ऊपर खींच लिया।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

उसने मन बना लिया था। वह ट्रेन में ही रहेगा और पूरी घटना को देखेगा।

अध्याय तेईस

ग्रीस से बाहर

पिथियन के छोटे से बुफे से गरमागरम कॉफी (दोपहर तक कोई रेस्टोरेंट नहीं होगा), ग्रीक सीमा शुल्क और पासपोर्ट नियंत्रण की आसान प्रक्रिया, और फिर बर्थों को समेटकर ट्रेन एजियन सागर के मुहाने पर स्थित एनेज़ की खाड़ी की ओर तेज़ी से दक्षिण की ओर बढ़ गई। बाहर, अधिक रोशनी और रंग थे। हवा अधिक शुष्क थी। छोटे स्टेशनों और खेतों में काम करने वाले पुरुष आकर्षक थे। सूरजमुखी, मक्का, अंगूर की बेलें और तंबाकू के गट्ठे धूप में पक रहे थे। जैसा कि डार्को ने कहा था, यह एक और दिन था।

तातियाना की मुस्कुराती निगाहों के सामने बॉन्ड ने नहाया और दाढ़ी बनाई। तातियाना को यह बात अच्छी लगी कि उसने अपने बालों में तेल नहीं लगाया। उसने कहा, 'यह एक गंदी आदत है। मुझे बताया गया है कि कई यूरोपीय लोगों में यह आदत होती है। हम रूस में ऐसा करने के बारे में सोच भी नहीं सकते। इससे तकिए गंदे हो जाते हैं। लेकिन यह अजीब बात है कि आप पश्चिम में लोग इत्र का इस्तेमाल नहीं करते। हमारे सभी पुरुष तो करते ही हैं।'

बॉन्ड ने रूखेपन से कहा, 'हम धोते हैं।'

उसके विरोध के बीच, दरवाजे पर दस्तक हुई। यह करीम था। बॉन्ड ने उसे अंदर आने दिया। करीम ने लड़की की ओर झुककर अभिवादन किया। दरवाजे के पास कोने में बैठते हुए उसने प्रसन्नतापूर्वक कहा, 'कितना प्यारा घरेलू दृश्य है! मैंने शायद ही कभी इतने सुंदर जासूसों की जोड़ी देखी हो।'

तात्याना ने उसे घूरकर देखा। उसने ठंडे लहजे में कहा, 'मुझे पश्चिमी चुटकुलों की आदत नहीं है।'

केरीम की हंसी दिल को छू लेने वाली थी। 'तुम सीख जाओगी, मेरी प्यारी। इंग्लैंड में लोग मज़ाक करने में माहिर होते हैं। वहाँ हर बात पर मज़ाक करना उचित समझा जाता है। मैंने भी मज़ाक करना सीख लिया है। इससे काम आसान हो जाता है। आज सुबह से मैं खूब हंस रहा हूँ। उज़ुनकोप्रू के उन बेचारे लोगों का क्या हाल हुआ! काश मैं वहाँ होता जब पुलिस इस्तांबुल में जर्मन दूतावास को फोन करती। ये सबसे घटिया जाली पासपोर्ट हैं। इन्हें बनाना मुश्किल नहीं है, लेकिन जन्म प्रमाण पत्र को जाली बनाना लगभग नामुमकिन है - उस देश की फाइलों में जिसने इन्हें जारी किया है। मुझे डर है कि तुम्हारे दोनों साथियों का करियर दुखद अंत पर पहुँच गया है, श्रीमती समरसेट।'

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

'तुमने ये कैसे किया?' बॉन्ड ने अपनी टाई बांधी।

पैसा और रसूख। कंडक्टर को पाँच सौ डॉलर। पुलिस से बड़ी-बड़ी बातें। किस्मत अच्छी थी कि हमारे दोस्त ने रिश्वत देने की कोशिश की। अफसोस, बगल वाला चालाक बेनक्ड इसमें शामिल

नहीं हुआ। मैं पासपोर्ट वाली चाल दोबारा नहीं चल सकता। हमें उसे किसी और तरीके से पकड़ना होगा। फोड़े वाला आदमी आसान था। उसे जर्मन नहीं आती थी और बिना टिकट यात्रा करना गंभीर मामला है। खैर, दिन की शुरुआत अच्छी हुई है। हमने पहला दौर जीत लिया है, लेकिन अब हमारा बगल वाला दोस्त बहुत सावधान रहेगा। उसे पता है कि उसे क्या करना है। शायद यही अच्छा है। पूरे दिन तुम दोनों को छुपकर रखना झंझट भरा होता। अब हम घूम सकते हैं - साथ में दोपहर का खाना भी खा सकते हैं, बशर्ते तुम अपने निजी सामान साथ लेकर आओ। हमें देखना होगा कि वह किसी स्टेशन पर फोन करता है या नहीं।

लेकिन मुझे शक है कि वह ग्रीक टेलीफोन एक्सचेंज को संभाल पाएगा। वह शायद युगोस्लाविया पहुँचने तक इंतज़ार करेगा। लेकिन वहाँ मेरे पास मेरी मशीन है। ज़रूरत पड़ने पर हम और मशीनें मंगवा सकते हैं। यह एक बहुत ही दिलचस्प सफ़र होगा। ओरिएंट एक्सप्रेस में हमेशा रोमांच होता है,' करीम खड़ा हो गया। उसने दरवाज़ा खोला, और रोमांस भी।' उसने डिब्बे में मुस्कुराते हुए कहा, 'मैं दोपहर के खाने के समय तुम्हें बुलाऊँगा!'

ग्रीक खाना तुर्की खाने से भी बदतर है, लेकिन मेरा पेट भी रानी की सेवा में है।'

बॉन्ड उठा और उसने दरवाजा बंद कर दिया। तातियाना ने झल्लाकर कहा, 'तुम्हारा दोस्त सांस्कृतिक नहीं है। अपनी रानी के बारे में इस तरह बात करना बेवफाई है।'

बॉन्ड उसके बगल में बैठ गया। उसने धैर्यपूर्वक कहा, 'तानिया, वह एक अद्भुत व्यक्ति है। वह एक अच्छा दोस्त भी है।'

जहां तक मेरी बात है, वो जो चाहे कह सकता है। वो मुझसे जलता है। वो तुम्हारे जैसी लड़की पाना चाहता है। इसलिए वो तुम्हें चिढ़ाता है। ये एक तरह का फ्लर्ट है। तुम्हें इसे तारीफ समझनी चाहिए।

'क्या तुम्हें ऐसा लगता है?' उसने अपनी बड़ी-बड़ी नीली आँखें उसकी ओर घुमाईं। 'लेकिन उसने अपने पेट और तुम्हारे राज्य के मुखिया के बारे में जो कहा, वह तुम्हारी रानी के प्रति असभ्यता थी। रूस में ऐसी बात कहना बहुत ही बुरा माना जाता है।'

जब ट्रेन धूप से तपते, मक्खियों से भरे एलेक्जेंड्रोपोलिस स्टेशन पर आकर रुकी, तब भी वे बहस कर रहे थे। बॉन्ड ने गलियारे का दरवाजा खोला और सूरज की रोशनी एक धुंधले, दर्पण जैसे समुद्र पर पड़ रही थी, जो लगभग क्षितिजहीन होकर ग्रीक ध्वज के रंग के आकाश में विलीन हो रहा था।

उन्होंने दोपहर का भोजन किया, भारी बैग बॉन्ड के पैरों के बीच मेज के नीचे रखा था। करीम ने जल्दी ही उस लड़की से दोस्ती कर ली। एमजीबी का आदमी, जिसे बेंज कहा जाता था, रेस्टोरेंट वाली गाड़ी से बच निकला। उन्होंने उसे प्लेटफार्म पर चलते-फिरते बुफे से सैंडविच और बीयर खरीदते देखा। करीम ने सुझाव दिया कि वे उससे ब्रिज खेलने के लिए कहें। बॉन्ड को अचानक बहुत थकान महसूस हुई और उसकी थकान ने उसे ऐसा महसूस कराया जैसे वे इस खतरनाक यात्रा को पिकनिक में बदल रहे हों। तातियाना ने उसकी चुप्पी देखी। वह उठी और बोली कि उसे आराम करना है। जैसे ही वे वैगन-रेस्टोरेंट से बाहर निकले, उन्होंने करीम को ब्रांडी और सिगार के

लिए खुशी से पुकारते सुना।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

डिब्बे में वापस आकर, तातियाना ने दृढ़ता से कहा, 'अब सोने की बारी तुम्हारी है।' उसने पर्दा गिरा दिया और दोपहर की तेज़ धूप, मक्के और तंबाकू के अंतहीन सूखे खेतों और मुरझाते सूरजमुखी के फूलों को अंदर आने से रोक दिया। डिब्बा एक गहरे हरे रंग की भूमिगत गुफा जैसा बन गया। बॉन्ड ने दरवाज़े बंद कर दिए, उसे अपनी बंदूक दी और उसकी गोद में सिर रखकर लेट गया और तुरंत सो गया।

लंबी रेलगाड़ी ग्रीस के उत्तर में रोडोप पर्वतमाला की तलहटी के नीचे से होकर गुज़र रही थी। ज़ांथी, फिर ड्रामा, फिर सेराई आए, और फिर वे मैसेडोनिया के ऊंचे इलाकों में पहुंच गए और रेलगाड़ी दक्षिण की ओर मुड़कर सैलानिका की तरफ बढ़ गई।

जब बॉन्ड उसकी गोद की कोमल गोद में जागा तो अंधेरा हो चुका था। मानो वह इसी पल का इंतज़ार कर रही हो, तातियाना ने तुरंत उसका चेहरा अपने हाथों में लिया और उसकी आँखों में देखते हुए जल्दबाजी से कहा,

'दुश्का, यह कब तक चलेगा?'

'काफी देर तक।' बॉन्ड के विचार अभी भी नींद के नशे में डूबे हुए थे।

लेकिन कब तक?

बॉन्ड ने ऊपर सुंदर, चिंतित आँखों में देखा। उसने नींद को दिमाग से निकाल दिया। ट्रेन में अगले तीन दिनों से आगे, लंदन पहुँचने से आगे, कुछ भी देखना असंभव था। उसे इस सच्चाई का सामना करना ही था कि यह लड़की दुश्मन की एजेंट थी। उसकी भावनाओं में उसकी सेवा और मंत्रालयों के पूछताछकर्ताओं की कोई दिलचस्पी नहीं होगी। अन्य खुफिया एजेंसियां भी यह जानना चाहेंगी कि यह लड़की उस तंत्र के बारे में क्या बताती है जिसके लिए उसने काम किया था। शायद डोवर में उसे गिल्डफोर्ड के पास स्थित उस कड़ी सुरक्षा वाले निजी घर 'द केज' में ले जाया जाएगा, जहाँ उसे एक आरामदायक, लेकिन बेहद आधुनिक उपकरणों से लैस कमरे में रखा जाएगा। और सादे कपड़ों में कुशल लोग एक-एक करके आएंगे और उसके साथ बैठकर बात करेंगे, और नीचे के कमरे में रिकॉर्डर चलता रहेगा और रिकॉर्ड को लिखकर उसमें से नए तथ्यों के अंशों को छाँटा जाएगा - और, निश्चित रूप से, उन विरोधाभासों को भी जिनमें वे उसे फंसाएंगे। शायद वे किसी मुखबिर को भेज दें—एक अच्छी रूसी लड़की जो तातियाना के साथ हुए दुर्व्यवहार पर सहानुभूति जताए और बचने के तरीके सुझाए, जैसे कि दोहरा रूप धारण करना और अपने माता-पिता तक 'हानिरहित' जानकारी पहुँचाना। यह सिलसिला हफ़्तों या महीनों तक चल सकता है। इस बीच, बॉन्ड को चतुराई से उससे दूर रखा जाएगा, जब तक कि पूछताछ करने वालों को यह न लगे कि वह उनके आपसी प्रेम का फायदा उठाकर और भी राज़ निकलवा सकता है।

फिर क्या? बदला हुआ नाम, कनाडा में नई ज़िंदगी का प्रस्ताव, गुप्त कोष से मिलने वाले हज़ार

पाउंड प्रति वर्ष? और जब वह इन सब से बाहर आएगी, तब वह कहाँ होगा? शायद दुनिया के दूसरे कोने में। या, अगर वह अभी भी लंदन में है, तो पूछताछ की मशीन की मार झेलने के बाद उसके लिए उसकी कितनी भावनाएँ बची होंगी? इन सब से गुज़रने के बाद वह अंग्रेजों से कितनी नफ़रत या घृणा करेगी? और, इस बात पर, उसके अपने दिल की कितनी गर्म लौ बची होगी?

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

तातियाना ने अधीरता से दोहराया, 'दुश्का, कितना समय लगेगा?'

जब तक संभव हो। यह हम पर निर्भर करेगा। बहुत से लोग दखल देंगे। हम अलग-थलग रहेंगे। हमेशा इस छोटे से कमरे में ऐसा नहीं रहेगा। कुछ दिनों में हमें दुनिया में कदम रखना होगा। यह आसान नहीं होगा। आपको इसके अलावा कुछ और बताना मूर्खता होगी।

तात्याना के चेहरे पर खुशी झलक उठी। उसने मुस्कुराते हुए उसकी ओर देखा। 'तुम सही कह रहे हो। मैं अब और कोई मूर्खतापूर्ण सवाल नहीं पूछूंगी।'

लेकिन हमें इन दिनों को और बर्बाद नहीं करना चाहिए।' उसने उसका सिर हिलाया और उठकर उसके बगल में लेट गई।

एक घंटे बाद, जब बॉन्ड गलियारे में खड़ा था, अचानक डार्को केरीम उसके बगल में आ गया। उसने बॉन्ड के चेहरे को गौर से देखा। उसने शरारती लहजे में कहा, 'तुम्हें इतनी देर तक नहीं सोना चाहिए था। तुम उत्तरी ग्रीस के ऐतिहासिक परिदृश्य को देखने से चूक गए हो। और अब प्रीमियर सेवा का समय हो गया है।'

बॉन्ड ने कहा, 'तुम सिर्फ खाने के बारे में सोचते हो।' उसने सिर हिलाकर पीछे की ओर इशारा किया। 'हमारे दोस्त का क्या?'

'वह हिला तक नहीं। कंडक्टर मेरा इंतज़ार कर रहा था। वह आदमी वैगन-लाइट कंपनी का सबसे अमीर कंडक्टर बनेगा। गोल्डफार्ब के कागज़ात के लिए पाँच सौ डॉलर, और अब सफ़र के अंत तक हर दिन सौ डॉलर का वेतन।' करीम हँस पड़ा। मैंने उसे बताया है कि उसे तुर्की के लिए उसकी सेवाओं का पदक भी मिल सकता है। उसे लगता है कि हम किसी तस्करी गिरोह का पीछा कर रहे हैं। वे हमेशा इस ट्रेन का इस्तेमाल तुर्की अफ़ीम को पेरिस भेजने के लिए करते हैं। उसे आश्चर्य नहीं है, बल्कि इतनी अच्छी तनख्वाह मिलने से वह खुश है।

और अब, क्या आपको उस रूसी राजकुमारी से कुछ और पता चला है जो आपके पास है? मुझे अभी भी बेचैनी हो रही है। सब कुछ बहुत शांत है। जिन दो आदमियों को हम पीछे छोड़ आए हैं, वे शायद बिल्कुल निर्दोष होकर बर्लिन जा रहे थे, जैसा कि लड़की कहती है। यह बेंज शायद अपने कमरे में इसलिए बैठा है क्योंकि वह हमसे डरा हुआ है। हमारी यात्रा ठीक चल रही है। और फिर भी, और फिर भी... करीम ने अपना सिर हिलाया। 'ये रूसी लोग बड़े शतरंज खिलाड़ी हैं। जब वे कोई साजिश रचना चाहते हैं, तो उसे शानदार ढंग से अंजाम देते हैं। खेल की योजना बारीकी से बनाई जाती है, दुश्मन की चालों का पहले से ही अनुमान लगा लिया जाता है। उनका पूर्वानुमान लगाया जाता है और उनका मुकाबला किया जाता है। मेरे मन में कहीं न कहीं,'

खिड़की में करीम का चेहरा उदास था, 'मुझे ऐसा लग रहा है कि तुम, मैं और यह लड़की एक बहुत बड़े बोर्ड पर मोहरे हैं - हमें अपनी चालें चलने की अनुमति इसलिए दी जा रही है क्योंकि वे रूसी खेल में दखल नहीं देतीं।'

लेकिन इस साजिश का मकसद क्या है?' बॉन्ड ने अंधेरे में देखा। उसने खिड़की में दिख रही अपनी परछाई से कहा। 'वे क्या हासिल करना चाहते हैं? हम हमेशा इसी बात पर लौट आते हैं। बेशक हम सभी को किसी न किसी तरह की साजिश का आभास हुआ है। और हो सकता है कि उस लड़की को पता भी न हो कि वह इसमें शामिल है। मुझे पता है कि वह कुछ छिपा रही है, लेकिन मुझे लगता है कि यह कोई छोटा सा राज़ है जिसे वह महत्वहीन समझती है। वह कहती है कि लंदन पहुँचते ही वह मुझे सब कुछ बता देगी। सब कुछ? उसका क्या मतलब है? वह तो बस इतना कहती है कि मुझे विश्वास रखना चाहिए – कि कोई खतरा नहीं है। तुम्हें मानना ही होगा, डार्को,' बॉन्ड ने ऊपर उसकी धीमी, चालाक आँखों में पुष्टि के लिए देखा, 'कि उसने अपनी कहानी को सच साबित कर दिया है।'

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

केरीम की आंखों में कोई उत्साह नहीं था। उसने कुछ नहीं कहा।

बॉन्ड ने कंधे उचकाए। मैं मानता हूँ कि मुझे उससे प्यार हो गया है। लेकिन मैं बेवकूफ नहीं हूँ, डार्को। मैं हर सुराग, हर उस चीज़ पर नज़र रख रहा था जो मदद कर सके। तुम्हें पता है, जब कुछ रुकावटें हट जाती हैं तो बहुत कुछ पता चल जाता है। खैर, वो हट गई हैं, और मुझे पता है कि वो सच बोल रही है। कम से कम नब्बे प्रतिशत तो ज़रूर। और मुझे पता है कि उसे लगता है कि बाकी सब मायने नहीं रखता। अगर वो धोखा दे रही है, तो उसे भी धोखा दिया जा रहा है। तुम्हारे शतरंज वाले उदाहरण के हिसाब से, ऐसा मुमकिन है।

लेकिन फिर वही सवाल उठता है कि आखिर यह सब किसलिए किया जा रहा है।' बॉन्ड की आवाज सख्त हो गई। 'और अगर आप जानना ही चाहते हैं, तो मैं बस इतना ही चाहता हूं कि जब तक हमें पता न चल जाए, तब तक खेल जारी रखें।'

बॉन्ड के चेहरे पर दिख रहे हठ को देखकर केरीम मुस्कुराया। फिर अचानक हंस पड़ा।

अगर मैं होता, मेरे दोस्त, तो मैं सैलानिका में ट्रेन से उतर जाता—मशीन के साथ, और अगर तुम चाहो तो लड़की के साथ भी, हालाँकि यह इतना ज़रूरी नहीं है। मैं एथेंस के लिए एक किराए की कार लेता और लंदन के लिए अगली फ्लाइट पकड़ लेता। लेकिन मुझे "खेलकूद" के लिए पाला-पोसा नहीं गया है।' करीम ने व्यंग्य भरे शब्दों में कहा। 'यह मेरे लिए खेल नहीं है। यह एक धंधा है। तुम्हारे लिए यह अलग है। तुम जुआरी हो। एम भी जुआरी है। ज़ाहिर है, वह है, वरना वह तुम्हें खुली छूट नहीं देता। वह भी इस पहेली का जवाब जानना चाहता है। ठीक है। लेकिन मैं सुरक्षित खेलना पसंद करता हूँ, पूरी तरह से आश्वस्त रहना चाहता हूँ, जितना हो सके किस्मत पर निर्भर रहना चाहता हूँ। तुम्हें लगता है कि हालात सही हैं, कि वे तुम्हारे पक्ष में हैं?' डार्को करीम मुड़ा और बॉन्ड की ओर देखा। उसकी आवाज़ दृढ़ हो गई। 'सुनो, मेरे दोस्त,' उसने बॉन्ड के कंधे पर अपना बड़ा हाथ रखा। 'यह एक बिलियर्ड टेबल है। एक आसान, सपाट, हरी बिलियर्ड टेबल।'

आपने अपनी सफेद गेंद मारी है और वह आसानी से और चुपचाप लाल गेंद की ओर बढ़ रही है। पॉकेट बगल में ही है। दुर्भाग्य से, निश्चित रूप से, आप लाल गेंद को ही मारेंगे और लाल गेंद उस पॉकेट में जाएगी। यह बिलियर्ड टेबल का नियम है, बिलियर्ड रूम का नियम है। लेकिन, इन सब बातों से परे, एक जेट पायलट बेहोश हो गया है और उसका विमान सीधे उस बिलियर्ड रूम की ओर गोता लगा रहा है, या गैस पाइपलाइन फटने वाली है, या बिजली गिरने वाली है। और इमारत आपके ऊपर और बिलियर्ड टेबल के ऊपर गिर जाती है। तो फिर उस सफेद गेंद का क्या हुआ जो लाल गेंद को नहीं चूक सकती थी, और उस लाल गेंद का क्या हुआ जो पॉकेट को नहीं चूक सकती थी? बिलियर्ड टेबल के नियमों के अनुसार सफेद गेंद चूक नहीं सकती थी। लेकिन बिलियर्ड टेबल के नियम ही एकमात्र नियम नहीं हैं, और इस ट्रेन की प्रगति और आपके गंतव्य तक पहुंचने के नियम भी इस विशेष खेल में एकमात्र नियम नहीं हैं।

केरीम रुका। उसने कंधे उचकाते हुए अपनी लंबी-चौड़ी बातें खत्म कीं। उसने माफी मांगते हुए कहा, 'ये सब बातें तो तुम जानते ही हो, मेरे दोस्त। और मैंने ये सब घिसी-पिटी बातें करते-करते प्यास बुझा ली है। लड़की को जल्दी करो, हम खाने चलते हैं। लेकिन सावधान रहना, मेरी तुमसे विनती है।' उसने अपनी उंगली से अपने कोट के बीचोंबीच एक क्रॉस का निशान बनाया। 'मैं कसम नहीं खाता। ये तो बहुत गंभीर बात हो जाएगी। लेकिन मैं पेट पर हाथ रखता हूँ, जो मेरे लिए एक महत्वपूर्ण कसम है। हम दोनों के लिए रास्ते में कई चौंकाने वाली बातें हैं। जिप्सी ने कहा था कि सावधान रहना।'

अब मैं भी यही कहता हूँ। हम बिलियर्ड टेबल पर खेल सकते हैं, लेकिन हम दोनों को बिलियर्ड रूम के बाहर की दुनिया से सावधान रहना चाहिए। मेरी नाक,' उसने अपनी नाक पर हाथ रखते हुए कहा, 'मुझे यही बताती है।'

केरीम के पेट से एक अजीब सी आवाज़ आई, मानो कोई फ़ोन का रिसीवर कहीं पड़ा रह गया हो और दूसरी तरफ़ कोई नाराज़ कॉलर हो। उसने बड़ी चिंता से कहा, 'लो! मैंने क्या कहा था? हमें जाकर खाना खाना चाहिए।'

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

जैसे ही ट्रेन थेसालोनिकी के बदसूरत आधुनिक जंक्शन पर पहुँची, उन्होंने अपना खाना खत्म कर लिया। बॉन्ड भारी छोटा बैग लिए हुए था, वे ट्रेन में वापस नीचे उतरे और रात के लिए अलग हो गए। 'हमें जल्द ही फिर से परेशान किया जाएगा,' केरीम ने चेतावनी दी। 'एक बजे सीमा है। यूनानियों से कोई परेशानी नहीं होगी, लेकिन वे युगोस्लाव लोग किसी भी आराम से यात्रा करने वाले को जगाना पसंद करते हैं। अगर वे आपको परेशान करें, तो मुझे बुला लेना। उनके देश में भी कुछ ऐसे नाम हैं जिनका मैं जिक्र कर सकता हूँ। मैं अगले डिब्बे के दूसरे कंपार्टमेंट में हूँ। मैं वहाँ अकेला हूँ। कल मैं अपने दोस्त गोल्डफार्ब के 12 नंबर वाले कमरे में चला जाऊँगा। फिलहाल, फर्स्ट क्लास में रहना ठीक है।'

बॉन्ड नींद में ऊँघता रहा, क्योंकि ट्रेन चाँदनी रात में जगमगाती वर्दार घाटी से होते हुए युगोस्लाविया के दक्षिणी छोर की ओर बढ़ रही थी। तातियाना फिर से उसकी गोद में सिर रखकर सो रही थी। वह डार्को की कही बातों के बारे में सोच रहा था। वह सोच रहा था कि क्या बेलग्रेड

से सुरक्षित निकल जाने के बाद उसे उस बड़े आदमी को इस्तांबुल वापस नहीं भेज देना चाहिए।

उसे यूरोप भर में घसीटकर एक ऐसे साहसिक कार्य में ले जाना उचित नहीं था जो उसके अधिकार क्षेत्र से बाहर था और जिसके प्रति उसकी कोई सहानुभूति नहीं थी। डार्को को स्पष्ट रूप से संदेह था कि बॉन्ड उस लड़की के प्रति आसक्त हो गया था और अब वह इस योजना को ठीक से नहीं समझ पा रहा था। खैर, इसमें कुछ सच्चाई तो थी। ट्रेन से उतरकर घर लौटने का दूसरा रास्ता अपनाना निश्चित रूप से अधिक सुरक्षित होता। लेकिन, बॉन्ड ने मन ही मन स्वीकार किया कि अगर यह कोई साजिश थी, तो वह इससे भागने का विचार भी सहन नहीं कर सकता था। अगर यह साजिश नहीं थी, तो वह तातियाना के साथ बिताए तीन और दिन कुर्बान करने का विचार भी सहन नहीं कर सकता था। और एम ने यह निर्णय उस पर छोड़ दिया था। जैसा कि डार्को ने कहा था, एम भी इस खेल को अंत तक देखना चाहता था। अजीब बात यह थी कि एम भी यह देखना चाहता था कि यह सारा झंझट किस बारे में है।

बॉन्ड ने इस समस्या को नजरअंदाज कर दिया। यात्रा अच्छी चल रही थी। फिर, घबराने की क्या जरूरत थी?

ग्रीक सीमा चौकी इडोमेनी पहुँचने के दस मिनट बाद ही दरवाजे पर ज़ोर से दस्तक हुई। इससे लड़की जाग गई। बॉन्ड उसके सिर के नीचे से निकला। उसने अपना कान दरवाजे पर लगाया। 'जी?'

'महाशय, कंडक्टर। एक दुर्घटना हो गई है। आपका मित्र करीम बे।'

“रुको,” बॉन्ड ने गुस्से से कहा। उसने बेरेटा को उसके होल्स्टर में रखा और अपना कोट पहना। उसने दरवाजा तोड़कर खोल दिया।

यह क्या है?

गलियारे की रोशनी में कंडक्टर का चेहरा पीला पड़ गया था। 'आओ।' वह दौड़कर गलियारे से होते हुए प्रथम श्रेणी की ओर चला गया।

अधिकारी दूसरे डिब्बे के खुले दरवाजे के चारों ओर जमा थे। वे खड़े होकर घूर रहे थे।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

कंडक्टर ने बॉन्ड के लिए रास्ता बनाया। बॉन्ड दरवाजे तक पहुंचा और अंदर झांका।

उसके सिर के बाल धीरे से हिले। दाहिनी ओर की सीट पर दो शव पड़े थे। वे एक भयावह मौत की जद्दोजहद में जकड़े हुए थे, मानो किसी फिल्म के लिए पोज दे रहे हों।

नीचे केरीम था, उठने की आखिरी कोशिश में उसके घुटने ऊपर उठे हुए थे। गर्दन की नस के पास एक खंजर का टेप से लिपटा हुआ हैंडल बाहर निकला हुआ था। उसका सिर पीछे की ओर झुका हुआ था और उसकी खाली, लाल आँखें रोशनी की ओर टकटकी लगाए हुए थीं।

मुंह गुस्से से सिकुड़ा हुआ था। ठुड्डी से खून की एक पतली धार बह रही थी।

बेंज नाम के एमजीबी आदमी का भारी-भरकम शरीर उसके ऊपर आधा पड़ा हुआ था, करीम की बाईं बांह उसकी गर्दन के चारों ओर जकड़ी हुई थी। बॉन्ड को स्टालिन जैसी मूंछों का एक कोना और काले पड़े चेहरे का एक हिस्सा दिखाई दे रहा था। करीम की दाहिनी बांह उस आदमी की पीठ पर लगभग लापरवाही से पड़ी थी। हाथ की मुट्ठी बंद थी और उसमें चाकू की मूठ का सिरा था, और हाथ के नीचे कोट पर एक बड़ा दाग था।

बॉन्ड ने अपनी कल्पना को सुना। यह किसी फिल्म को देखने जैसा था। सोता हुआ डार्को, चुपचाप दरवाजे से अंदर आता हुआ आदमी, दो कदम आगे बढ़ना और गर्दन पर तेज वार। फिर मरते हुए आदमी की आखिरी हिंसक तड़प जब उसने एक हाथ ऊपर उठाया और अपने हत्यारे को जकड़ लिया और चाकू को उसकी पांचवीं पसली की ओर घोंपा।

यह अद्भुत व्यक्ति, जो अपने साथ सूर्य को लिए फिरता था, अब पूरी तरह से नष्ट हो चुका था।

बॉन्ड ने अचानक मुड़कर उस व्यक्ति की नजरों से ओझल हो गया, जिसने उसके लिए अपनी जान दे दी थी।

उन्होंने सावधानीपूर्वक, अनिर्णयात्मक लहजे में, प्रश्नों के उत्तर देना शुरू किया।

अध्याय चौबीस

क्या आप खतरे से बाहर हैं?

ओरिएंट एक्सप्रेस दोपहर तीन बजे धीमी गति से बेलग्रेड पहुंची, जो आधे घंटे की देरी थी।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

ट्रेन के दूसरे हिस्से के बुल्गारिया से लौह-पर्दे को पार करके आने में आठ घंटे की देरी होगी। बॉन्ड भीड़ की ओर देख रहा था और दरवाजे पर दस्तक का इंतज़ार कर रहा था, जो केरीम के आदमी की होगी। तातियाना अपने सेबल कोट में लिपटी दरवाजे के पास बैठी बॉन्ड को देख रही थी, और सोच रही थी कि क्या वह उसके पास वापस आएगा।

उसने खिड़की से यह सब देखा था - ट्रेन में लाई जा रही लंबी टोकरियाँ, पुलिस फोटोग्राफर के कैमरों की फ्लैश, औपचारिकताओं को जल्दी निपटाने की कोशिश कर रहा हावभाव दिखाता हुआ ट्रेन का मुखिया, और कसाई के चाकू की तरह सीधा, कठोर और ठंडा, लंबा जेम्स बॉन्ड का आना-जाना।

बॉन्ड वापस आ गया था और उसे घूरता हुआ बैठा था। उसने तीखे और बेरहम सवाल पूछे। उसने पूरी ताकत से उनका विरोध किया, अपनी बात पर अड़ी रही, यह जानते हुए कि अगर उसने उसे सब कुछ बता दिया, जैसे कि यह कि स्मर्श इसमें शामिल था, तो वह उसे हमेशा के लिए खो देगी।

अब वह बैठी हुई थी और डरी हुई थी, उस जाल से डरी हुई थी जिसमें वह फंसी हुई थी, उन झूठों के पीछे क्या हो सकता था जो उसे मॉस्को में बताए गए थे, उससे डरी हुई थी - सबसे बढ़कर इस बात से डरी हुई थी कि कहीं वह उस आदमी को खो न दे जो अचानक उसके जीवन की रोशनी बन गया था।

दरवाजे पर दस्तक हुई। बॉन्ड उठा और दरवाजा खोला। करीम जैसी नीली आँखों और भूरे चेहरे पर उलझे सुनहरे बालों वाला एक मजबूत, हंसमुख, रबर जैसा आदमी डिब्बे में घुस आया।

“आपकी सेवा में स्टीफ़न ट्रेम्पो हाज़िर हैं,” बड़ी मुस्कान के साथ दोनों ने कहा। “वे मुझे ‘टेम्पो’ कहते हैं। शेफ़ कहाँ हैं?”

बॉन्ड ने कहा, 'बैठ जाओ।' उसने मन ही मन सोचा, 'मैं जानता हूँ। यह डार्को का एक और बेटा है।'

उस आदमी ने उन दोनों को तीखी निगाहों से देखा। वह सावधानी से उन दोनों के बीच बैठ गया। उसका चेहरा भावहीन हो गया।

अब उसकी चमकीली आँखें बॉन्ड को भयानक तीव्रता से घूर रही थीं, जिनमें भय और संदेह दोनों थे। उसका दाहिना हाथ सहजता से उसके कोट की जेब में चला गया।

जब बॉन्ड ने अपनी बात खत्म की, तो वह आदमी खड़ा हो गया। उसने कोई सवाल नहीं पूछा। उसने कहा, 'धन्यवाद महोदय। क्या आप कृपया मेरे साथ चलेंगे? हम मेरे अपार्टमेंट में चलेंगे। बहुत काम है।' वह गलियारे में चला गया और उनकी तरफ पीठ करके खड़ा हो गया, रेलिंग के पार देखता रहा। जब लड़की बाहर आई तो वह पीछे मुड़े बिना गलियारे में आगे बढ़ गया। बॉन्ड भारी बैग और अपना छोटा सा अटैची केस लिए हुए लड़की के पीछे-पीछे चला गया।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

वे प्लेटफार्म से चलकर स्टेशन चौक पर पहुँचे। हल्की-हल्की बारिश शुरू हो चुकी थी। खस्ताहाल टैक्सियों की छिटपुट कतार और नीरस आधुनिक इमारतों के नज़ारे से भरा यह दृश्य निराशाजनक था। उस आदमी ने एक जर्जर मॉरिस ऑक्सफोर्ड सैलून का पिछला दरवाज़ा खोला। वह आगे बैठा और स्टीयरिंग व्हील संभाला। वे पत्थरों से होते हुए फिसलन भरी डामर की सड़क पर आगे बढ़े और चौड़ी, खाली सड़कों पर पंद्रह मिनट तक गाड़ी चलाते रहे। उन्हें कुछ ही पैदल यात्री और मुट्ठी भर से ज़्यादा गाड़ियाँ नहीं दिखीं।

वे एक पथरीली गली में आधे रास्ते में रुक गए। टेम्पो उन्हें एक चौड़े अपार्टमेंट के दरवाज़े से अंदर ले गया और दो सीढ़ियाँ ऊपर चढ़ाया जहाँ बाल्कन की गंध थी—पुराने पसीने, सिगरेट के धुएँ और पत्तागोभी की गंध। उसने एक दरवाज़ा खोला और उन्हें दो कमरों वाले एक फ्लैट में ले गया जिसमें साधारण सा फर्नीचर था और भारी लाल मखमली पर्दे हटे हुए थे जिससे गली के दूसरी ओर की खाली खिड़कियाँ दिखाई दे रही थीं। एक साइडबोर्ड पर कई बंद बोतलें, गिलास और फलों और बिस्कुटों से भरी प्लेटें रखी थीं—डार्को और उसके दोस्तों का स्वागत।

टेम्पो ने ड्रिंक्स की ओर हल्के से इशारा किया। 'जी महोदय, आप और महोदया आराम से बैठिए। यहाँ बाथरूम है। आप दोनों को स्नान करना अच्छा लगेगा। अगर आप मुझे अनुमति दें, तो मुझे फ़ोन करना है!' चेहरे का कठोर मुखौटा टूटने ही वाला था। वह आदमी जल्दी से बेडरूम में गया और दरवाज़ा बंद कर लिया।

इसके बाद दो घंटे का खाली समय बीता, जिसमें बॉन्ड खिड़की से सामने वाली दीवार को देखता रहा। बीच-बीच में वह उठता और इधर-उधर टहलता, फिर बैठ जाता। पहले घंटे में तातियाना बैठी रही और पत्रिकाओं के ढेर में से कुछ देखने का नाटक करती रही। फिर वह अचानक बाथरूम में चली गई और बॉन्ड को बाथटब में पानी गिरने की हल्की-सी आवाज़ सुनाई दी।

लगभग छह बजे, टेम्पो बेडरूम से बाहर आया। उसने बॉन्ड से कहा कि वह बाहर जा रहा है। 'रसोई में खाना रखा है। मैं नौ बजे वापस आऊंगा और आपको ट्रेन तक छोड़ दूंगा। कृपया मेरे फ्लैट को अपना ही समझिएगा।'

बॉन्ड के जवाब का इंतज़ार किए बिना, वह बाहर चला गया और धीरे से दरवाज़ा बंद कर दिया। बॉन्ड ने सीढ़ियों पर उसके कदमों की आहट, सामने के दरवाज़े की क्लिक की आवाज़ और मॉरिस कार के ऑटोमैटिक स्टार्ट होने की आवाज़ सुनी।

बॉन्ड बेडरूम में गया और बिस्तर पर बैठ गया, फिर उसने टेलीफोन उठाया और जर्मन भाषा में

लॉन्ग-डिस्टेंस एक्सचेंज से बात की।

आधे घंटे बाद एम की धीमी आवाज सुनाई दी।

बॉन्ड ने यूनिवर्सल एक्सपोर्ट के प्रबंध निदेशक से एक यात्रा करने वाले विक्रेता की तरह बात की। उन्होंने कहा कि उनके साथी की तबीयत बहुत खराब हो गई है। क्या कोई नए निर्देश आए हैं?

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

'बहुत बीमार हो?'

जी हाँ, बिलकुल।

दूसरी कंपनी के बारे में क्या ख्याल है?

'हमारे साथ तीन लोग थे, महोदय। उनमें से एक को भी वही बीमारी हो गई। बाकी दो तुर्की से निकलते समय बीमार पड़ गए। उन्होंने हमें उज़ुनकोप्रू में छोड़ दिया - वही सीमा है।'

तो क्या दूसरी कंपनी ने अपना काम बंद कर दिया है?

बॉन्ड जानकारी छानते हुए एम का चेहरा देख सकता था। वह सोच रहा था कि क्या छत में पंखा धीरे-धीरे घूम रहा है, क्या एम के हाथ में कोई पाइप है, या क्या चीफ ऑफ स्टाफ दूसरे तार पर उसकी बातें सुन रहा है।

आपके क्या विचार हैं? क्या आप और आपकी पत्नी घर लौटने के लिए कोई दूसरा रास्ता अपनाना चाहेंगे?

महोदय, बेहतर होगा कि आप ही फैसला करें। मेरी पत्नी ठीक हैं। नमूना अच्छी स्थिति में है। मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई खराबी आएगी। मैं अब भी यात्रा पूरी करने के लिए उत्सुक हूं। अन्यथा यह अनछुआ क्षेत्र ही रह जाएगा। हमें पता नहीं चलेगा कि आगे क्या संभावनाएं हैं।

'क्या आप चाहेंगे कि हमारे अन्य सेल्समैन आपकी मदद करें?' 'इसकी आवश्यकता नहीं होनी चाहिए, महोदय। जैसा आपको ठीक लगे।'

सोचो ज़रा। तो क्या तुम वाकई इस बिक्री अभियान को पूरा करना चाहते हो?' बॉन्ड देख सकता था कि एम की आँखों में वही विचित्र जिज्ञासा और जानने की वही तीव्र इच्छा झलक रही थी, जो उसे खुद महसूस हो रही थी। 'जी हाँ, महोदय। अब जब मैं आधा रास्ता तय कर चुका हूँ, तो पूरा रास्ता तय न करना अफसोस की बात होगी।'

ठीक है। मैं सोचूंगा कि आपको मदद के लिए एक और सेल्समैन दे दूं।' अंत में थोड़ी देर का विराम था। ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

लाइन के बारे में। 'क्या आपके दिमाग में और कुछ नहीं है?'

नहीं, महोदय।

तो फिर अलविदा।

अलविदा महोदय।

बॉन्ड ने रिसीवर नीचे रख दिया। वह बैठ गया और उसे देखने लगा। अचानक उसे लगा कि काश उसने एम की बात मानकर अतिरिक्त सैनिक भेज दिए होते, ताकि ज़रूरत पड़ने पर काम आ सकें। वह बिस्तर से उठ गया। कम से कम वे जल्द ही इस बाल्कन से निकलकर इटली पहुँच जाएँगे। फिर स्विट्ज़रलैंड, फ्रांस – दोस्ताना लोगों के बीच, उन गुप्त इलाकों से दूर।

और उस लड़की का क्या? क्या वह केरीम की मौत के लिए उसे दोषी ठहरा सकता था? बॉन्ड अगले कमरे में गया और खिड़की के पास खड़ा होकर बाहर देखने लगा, सोचने लगा, क्रिस्टल पैलेस में उस रात उसकी आवाज़ सुनने के बाद से उसने जो कुछ भी किया था, उसके हर हावभाव और हर इशारे पर फिर से विचार करने लगा। नहीं, वह जानता था कि वह उसे दोषी नहीं ठहरा सकता। अगर वह एजेंट थी, तो वह एक अचेतन एजेंट थी। दुनिया में उसकी उम्र की कोई भी लड़की इस भूमिका को, अगर वह कोई भूमिका निभा रही थी, तो खुद को धोखा दिए बिना नहीं निभा सकती थी। और वह उसे पसंद करता था। और उसे अपनी अंतरात्मा पर भरोसा था। इसके अलावा, केरीम की मौत के साथ, क्या साजिश, जो भी थी, अपने आप पूरी नहीं हो गई? एक दिन उसे पता चल जाएगा कि साजिश क्या थी। फिलहाल वह निश्चित था। तातियाना इस साजिश का सचेत हिस्सा नहीं थी।

मन बना लेने के बाद, बॉन्ड बाथरूम के दरवाजे तक गया और खटखटाया। वह बाहर आई और उसने उसे बाहों में भर लिया, गले लगाया और चूमा। वह उससे लिपट गई। वे खड़े रहे और अपने बीच उस अंतरंग गर्माहट को फिर से महसूस किया, मानो वह गर्माहट करीम की मौत की ठंडी याद को पीछे धकेल रही हो।

तात्याना अलग हो गई। उसने बॉन्ड के चेहरे की ओर देखा। उसने हाथ बढ़ाकर उसके माथे से काले बालों की लट को हटाया।

उसका चेहरा खिल उठा था। 'मुझे खुशी है कि तुम वापस आ गए हो, जेम्स,' उसने कहा। और फिर, सहज भाव से, 'और अब हमें खाना-पीना चाहिए और अपना जीवन फिर से शुरू करना चाहिए।'

बाद में, स्लीवोविक, स्मोक्ड हैम और आड़ू खाने के बाद, टेम्पो आया और उन्हें स्टेशन ले गया, जहाँ चबूतरे की तेज़ रोशनी में एक्सप्रेस ट्रेन उनका इंतज़ार कर रही थी। उसने जल्दी से और बेरुखी से अलविदा कहा और प्लेटफार्म पर चलते हुए अपनी अंधेरी दुनिया में गायब हो गया।

ठीक नौ बजे नए इंजन ने अपनी अनोखी आवाज़ निकाली और लंबी ट्रेन को सावा घाटी में रात भर के सफर पर ले गया। बॉन्ड कंडक्टर के केबिन में उसे पैसे देने और नए यात्रियों के पासपोर्ट देखने के लिए गया।

बॉन्ड जाली पासपोर्टों में दिखने वाले अधिकांश संकेतों को जानता था, जैसे धुंधली लिखावट, और बहुत सटीक छापें। (एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

रबर की मुहरों के निशान, तस्वीर के किनारों पर पुराने गोंद के धब्बे, पन्नों पर हल्की पारदर्शिता जहाँ कागज के रेशों से छेड़छाड़ करके कोई अक्षर या संख्या बदली गई थी, लेकिन पाँच नए पासपोर्ट—तीन अमेरिकी और दो स्विस—निर्दोष प्रतीत हो रहे थे। रूसी जालसाजों के पसंदीदा स्विस दस्तावेज़ सत्तर वर्ष से अधिक आयु के एक पति-पत्नी के थे, और बॉन्ड ने अंततः उन्हें सौंप दिया और वापस डिब्बे में चला गया और तातियाना का सिर अपनी गोद में रखकर एक और रात बिताने की तैयारी करने लगा।

विन्कोवसी आया और फिर, धधकती सुबह की रोशनी में, ज़ाग्रेब का बदसूरत फैलाव दिखाई दिया। ट्रेन जर्मनों से छीने गए जंग लगे इंजनों की कतारों के बीच आकर रुक गई, जो अभी भी साइडिंग पर घास और खरपतवारों के बीच अकेले खड़े थे। बॉन्ड ने उनमें से एक पर लगी प्लेट पढ़ी - बर्लिनर मशीनेनबाउ

जैसे ही वे लोहे के कब्रिस्तान से बाहर निकले, जीएमबीएच (विमान का गोला) दिखाई दिया। उसकी लंबी काली नली मशीनगन की गोलियों से छलनी हो गई थी। बॉन्ड ने गोता लगाने वाले बमवर्षक विमान की चीख सुनी और चालक के ऊपर उठे हुए हाथ देखे। एक पल के लिए उसने पुराने युद्ध के रोमांच और उथल-पुथल के बारे में उदासीन और अतार्किक रूप से सोचा, जिसकी तुलना उसने युद्ध के ठंडे पड़ने के बाद से अपने भूमिगत संघर्षों से की।

वे स्लोवेनिया के पहाड़ों में जा पहुँचे जहाँ सेब के पेड़ और झोपड़ियाँ लगभग ऑस्ट्रियाई शैली की थीं। ट्रेन धीरे-धीरे ल्युब्लियाना से गुज़री। लड़की की नींद खुली। उन्होंने तले हुए अंडे, सख्त भूरी रोटी और चिकोरी से बनी कॉफ़ी का नाश्ता किया। रेस्तरां वाला डिब्बा एड्रियाटिक तट से आए हंसमुख अंग्रेज़ और अमेरिकी पर्यटकों से भरा हुआ था, और बॉन्ड के दिल में एक खुशी का भाव आया कि दोपहर तक वे सीमा पार करके पश्चिमी यूरोप में पहुँच जाएँगे और एक और खतरनाक रात बीत जाएगी।

वह सेज़ाना तक सोता रहा। सख्त चेहरे वाले युगोस्लावियाई सादे कपड़ों वाले लोग जहाज पर चढ़े। फिर युगोस्लाविया पीछे छूट गया और पोग्गियोरियाले आ गया, और इतालवी अधिकारियों की खुशमिजाज बातों और स्टेशन पर मौजूद लोगों के बेफिक्र चेहरों के साथ सुखमय जीवन की पहली झलक दिखाई दी। नए डीजल-इलेक्ट्रिक इंजन ने एक जोरदार सीटी बजाई, भूरे हाथों का मैदान फड़फड़ाया, और वे आसानी से वेनेज़िया की ओर बढ़ रहे थे, दूर चमकते ट्रिएस्टे और एड्रियाटिक सागर के नीले रंग की ओर।

बॉन्ड ने सोचा, "हम कामयाब हो गए। मुझे सच में लगता है कि हम कामयाब हो गए हैं।" उसने पिछले तीन दिनों की यादों को अपने मन से दूर धकेल दिया। तातियाना ने देखा कि उसके चेहरे की तनाव रेखाएँ नरम पड़ गईं। उसने आगे बढ़कर उसका हाथ पकड़ लिया। वह भी उसके पास आकर बैठ गया। वे कॉर्निश पर बने रंगीन विलाओं, नौकाओं और वाटर स्कीइंग करते लोगों को देखने लगे।

ट्रेन कुछ खटारों से गुज़री और धीरे से चमकते हुए ट्रिएस्ट स्टेशन पर आकर रुक गई। बॉन्ड उठा और खिड़की नीचे कर ली, और वे दोनों साथ-साथ खड़े होकर बाहर देखने लगे। अचानक बॉन्ड को खुशी महसूस हुई। उसने लड़की की कमर में हाथ डाला और उसे कसकर गले लगा लिया।

वे नीचे छुट्टी मनाने आए लोगों की भीड़ को निहार रहे थे। स्टेशन की ऊंची, साफ खिड़कियों से सूरज की सुनहरी किरणें अंदर आ रही थीं। यह जगमगाता दृश्य उन देशों के अंधेरे और गंदगी को और भी उभार रहा था, जहां से ट्रेन आई थी। बॉन्ड लगभग कामुक आनंद के साथ रंग-बिरंगे कपड़े पहने लोगों को धूप में से होते हुए प्रवेश द्वार की ओर जाते हुए देख रहा था, और धूप से झुलसे हुए लोग, जो अपनी छुट्टियां मनाकर लौटे थे, ट्रेन में अपनी सीटें पाने के लिए प्लेटफार्म पर तेजी से चढ़ रहे थे।

सूरज की एक किरण एक ऐसे व्यक्ति के सिर पर पड़ी जो इस खुशहाल, खेल-खेल की दुनिया का एक विशिष्ट उदाहरण लग रहा था। टोपी के नीचे सुनहरे बालों और एक युवा सुनहरी मूंछ पर रोशनी पल भर के लिए चमकी। ट्रेन पकड़ने के लिए अभी काफी समय था। वह व्यक्ति आराम से चल रहा था। बॉन्ड के मन में आया कि वह एक अंग्रेज है। शायद गहरे हरे रंग की कंगोल टोपी का जाना-पहचाना आकार, या बेज रंग का, काफी इस्तेमाल किया हुआ रेनकोट, ये सब बातें बॉन्ड को अंग्रेज की याद दिला रही थीं। (ABC Amber LIT Converter द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

शायद यह अंग्रेज़ पर्यटक की पहचान थी, या हो सकता है कि उसकी धूसर फलालैन की पैंट या घिसे हुए भूरे जूते। लेकिन बॉन्ड की नज़रें उस पर टिक गईं, मानो वह कोई जाना-पहचाना व्यक्ति हो, जैसे ही वह आदमी प्लेटफार्म पर उसकी ओर बढ़ा।

वह आदमी एक जर्जर रेवेलेशन सूटकेस लिए हुए था और दूसरे हाथ के नीचे एक मोटी किताब और कुछ अखबार दबाए बैठा था। बॉन्ड ने सोचा, वह किसी एथलीट जैसा दिखता है। उसके चौड़े कंधे और स्वस्थ, आकर्षक, सांवला चेहरा किसी पेशेवर टेनिस खिलाड़ी जैसा है जो विदेशी टूर्नामेंटों के एक दौर के बाद घर लौट रहा हो।

वह आदमी करीब आया। अब वह सीधे बॉन्ड को देख रहा था। क्या पहचान के साथ? बॉन्ड ने अपने दिमाग में सोचा। क्या वह इस आदमी को जानता था? नहीं। अगर जानता होता तो उसे वे आँखें याद होतीं जो पीली पलकों के नीचे से इतनी ठंडी निगाहों से घूर रही थीं। वे धुंधली, लगभग बेजान थीं। किसी डूबे हुए आदमी की आँखें। लेकिन उनमें उसके लिए कोई संदेश था। क्या था वह? पहचान? चेतावनी? या फिर बॉन्ड की घूरती निगाहों की रक्षात्मक प्रतिक्रिया?

वह आदमी वैगन की लाइट लेकर आया। उसकी निगाहें अब ट्रेन पर टिकी हुई थीं। वह बिना आवाज़ किए आगे बढ़ गया, उसके चमड़े के तले वाले जूतों से कोई आवाज़ नहीं हुई। बॉन्ड ने उसे रेलिंग पकड़ते और आसानी से सीढ़ियों से चढ़कर प्रथम श्रेणी के डिब्बे में जाते देखा।

अचानक बॉन्ड समझ गया कि उस नज़र का क्या मतलब था, वह आदमी कौन था। बिलकुल! यह आदमी सेना से था। आख़िरकार एम ने एक अतिरिक्त सहायक भेजने का फ़ैसला किया था। उन अजीब आँखों का यही संदेश था।

बॉन्ड को पूरा यकीन था कि वह आदमी जल्द ही संपर्क करने के लिए आ जाएगा।

एम की आदत है कि वह पूरी तरह से सुनिश्चित हो जाता है!

अध्याय पच्चीस

विंडसर नॉट वाली टाई

संपर्क को आसान बनाने के लिए, बॉन्ड बाहर गया और गलियारे में खड़ा हो गया। उसने दिन के कोड की बारीकियों को दोहराया, कुछ हानिरहित वाक्यांश, जो हर महीने की पहली तारीख को बदले जाते थे और अंग्रेजी एजेंटों के बीच एक सरल पहचान संकेत के रूप में काम करते थे।

ट्रेन को एक झटका लगा और वह धीरे-धीरे धूप में निकल आई। गलियारे के अंत में ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

दरवाजा जोर से बंद हो गया। कदमों की कोई आवाज नहीं आई, लेकिन अचानक खिड़की में लाल और सुनहरे रंग का चेहरा दिखाई दिया।

क्षमा कीजिए। क्या मैं आपसे एक माचिस उधार ले सकता हूँ?

मैं लाइटर का इस्तेमाल करता हूँ।' बॉन्ड ने अपना पुराना रॉनसन लाइटर निकाला और उसे सौंप दिया।

इससे भी बेहतर।

जब तक कि वे गलत न हो जाएं।

बॉन्ड ने उस आदमी के चेहरे की ओर देखा, और उम्मीद कर रहा था कि बचकाने अंदाज़ में 'वहाँ कौन है? पास, दोस्त' वाली रस्म पूरी होने पर वह मुस्कुराएगा।

मोटे होंठ क्षण भर के लिए फड़फड़ाए। अत्यंत फीकी नीली आँखों में कोई चमक नहीं थी।

उस आदमी ने अपना रेनकोट उतार दिया था। उसने एक पुराना लाल-भूरा ट्वीड कोट, फलालैन की पतलून, हल्के पीले रंग की वियेला समर शर्ट और रॉयल आर्टिलरी की गहरे नीले और मैरून रंग की ज़िगज़ैग टाई पहनी हुई थी। टाई विंडसर नॉट से बंधी थी। बॉन्ड को विंडसर नॉट से टाई बांधने वाले किसी भी व्यक्ति पर भरोसा नहीं था।

इसमें हद से ज़्यादा घमंड झलक रहा था। अक्सर यह एक धूर्त व्यक्ति की निशानी होती है। बॉन्ड ने अपने पूर्वाग्रह को भुलाने का फैसला किया। रेलिंग को पकड़े हुए दाहिने हाथ की छोटी उंगली पर एक सोने की अंगूठी चमक रही थी, जिस पर एक अस्पष्ट चिह्न बना हुआ था। आदमी के कोट की जेब से लाल रुमाल का एक कोना बाहर लटक रहा था। उसकी बाईं कलाई पर एक पुरानी चमड़े की पट्टी वाली चांदी की घड़ी थी, जो घिसी-पिटी थी।

बॉन्ड ऐसे लोगों को जानता था – एक छोटे से सरकारी स्कूल में पढ़ा और फिर युद्ध में फंस गया। शायद फील्ड सिक्योरिटी में। बाद में क्या करना है, यह समझ नहीं आया, इसलिए कब्ज़ा करने वाली सेनाओं के साथ ही रुक गया। पहले वह मिलिट्री पुलिस में रहा होगा, फिर जैसे-जैसे वरिष्ठ

अधिकारी घर लौटते गए, उसे सुरक्षा सेवाओं में से किसी एक में पदोन्नति मिल गई। ट्रिएस्ट चला गया, जहाँ उसने अच्छा काम किया। वहीं रहना चाहता था और इंग्लैंड की कठिनाइयों से बचना चाहता था। शायद उसकी कोई प्रेमिका थी, या उसने किसी इतालवी से शादी कर ली थी। वापसी के बाद ट्रिएस्ट में खाली हुई छोटी सी चौकी के लिए गुप्त सेवा को एक आदमी की ज़रूरत थी। यह आदमी उपलब्ध था। उन्होंने उसे भर्ती कर लिया।

उसे नियमित काम करने होंगे – इतालवी और यूगोस्लाव पुलिस और उनके खुफिया नेटवर्क में कुछ निचले स्तर के सूत्र रखने होंगे। सालाना एक हजार डॉलर। एक अच्छा जीवन, उससे ज्यादा उम्मीदें नहीं होंगी।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

फिर अचानक यह सब हो गया। उसे तुरंत कार्रवाई का संकेत मिलना ज़रूर एक बड़ा झटका रहा होगा। वह शायद बॉन्ड से थोड़ा झिझकता होगा। अजीब सा चेहरा। आँखें कुछ पागलपन भरी लग रही थीं। लेकिन विदेशों में गुप्त काम करने वाले ज़्यादातर लोगों की आँखें ऐसी ही होती हैं। ऐसा काम करने के लिए थोड़ा पागल होना तो ज़रूरी ही है। ताकतवर आदमी, शायद थोड़ा बेवकूफ, लेकिन इस तरह की सुरक्षा के काम के लिए काफ़ी उपयोगी। एम ने पास के एक आदमी को पकड़ा और उसे ट्रेन में चढ़ने को कहा।

बॉन्ड के मन में ये सब बातें चल रही थीं जब वह उस आदमी के कपड़ों और सामान्य रूप-रंग की एक तस्वीर खींच रहा था। फिर उसने कहा, 'आपको देखकर खुशी हुई। ये सब कैसे हुआ?'

मुझे एक सिग्नल मिला। कल देर रात। एम का निजी संदेश था। मैं तो हिल ही गया था, सच कहूँ तो, बूढ़े आदमी।

अजीब लहजा। ये क्या था? थोड़ी सी बनावटी बोली—सस्ती बनावटी बोली। और कुछ ऐसा भी था जिसे बॉन्ड समझ नहीं पाया।

शायद विदेश में लंबे समय तक रहने और लगातार विदेशी भाषाएँ बोलने की वजह से ऐसा हुआ। और अंत में वो भयानक बूढ़ा आदमी। शर्म।

बॉन्ड ने सहानुभूति जताते हुए कहा, 'ज़रूर होगा।' 'उसमें क्या लिखा था?'

मुझे अभी-अभी बताया गया है कि आज सुबह ओरिएंट ट्रेन में चढ़ो और आगे वाली बोगी में बैठे एक आदमी और एक लड़की से संपर्क करो। उन्होंने लगभग तुम्हारे चेहरे-मोहरे का वर्णन किया है। फिर मुझे तुम्हारे साथ रहना है और तुम दोनों को गे पेरिस तक पहुँचाना है।

बस इतना ही, बूढ़े आदमी।

क्या आवाज में बचाव का भाव था? बॉन्ड ने बगल में देखा। पीली आँखें घूमकर उसकी आँखों से मिलीं।

उनकी आँखों में एक पल के लिए लाल चमक दिखाई दी। ऐसा लगा जैसे किसी भट्टी का सुरक्षा द्वार खुल गया हो। आग बुझ गई। उस आदमी के भीतर का द्वार ज़ोर से बंद हो गया। अब आँखें फिर से धुंधली हो गईं - एक अंतर्मुखी व्यक्ति की आँखें, एक ऐसे व्यक्ति की आँखें जो शायद ही कभी बाहरी दुनिया की ओर देखता है, बल्कि हमेशा अपने भीतर के दृश्य का अवलोकन करता रहता है।

बॉन्ड उसे देखकर चौंक गया और सोचने लगा, "वहाँ तो पागलपन के लक्षण साफ दिख रहे हैं। शायद सदमे से मर गया हो, या फिर सिज़ोफ्रेनिया से। बेचारा, उस शानदार शरीर के साथ। एक दिन तो वह ज़रूर टूट जाएगा। पागलपन उस पर हावी हो जाएगा। बॉन्ड को कार्मिक विभाग से बात करनी चाहिए। उसके मेडिकल की जाँच करवानी चाहिए। वैसे, उसका नाम क्या था?"

मुझे खुशी है कि तुम मेरे साथ हो। शायद तुम्हारे पास करने के लिए ज़्यादा कुछ नहीं होगा। शुरुआत में तीन रेडलैंड के आदमी हमारा पीछा कर रहे थे। उन्हें तो हमने भगा दिया है, लेकिन ट्रेन में और भी हो सकते हैं। या कुछ और भी चढ़ सकते हैं। और मुझे इस लड़की को बिना किसी परेशानी के लंदन पहुँचाना है। अगर तुम थोड़ा इंतज़ार करो तो अच्छा होगा। आज रात हम साथ रहें और बारी-बारी से पहरा दें। यह आखिरी रात है और मैं कोई जोखिम नहीं लेना चाहता। (ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

मेरा नाम जेम्स बॉन्ड है। मैं डेविड समरसेट बनकर यात्रा कर रहा हूँ। और वो कैरोलिन समरसेट हैं।'

उस व्यक्ति ने अपनी अंदरूनी जेब में हाथ डाला और एक पुराना नोटों का बक्सा निकाला जिसमें काफी पैसे भरे हुए प्रतीत हो रहे थे। उसने उसमें से एक मुलाकात का कार्ड निकाला और बॉन्ड को दे दिया। उस पर 'कैप्टन नॉर्मन नैश' लिखा था और बाईं ओर नीचे कोने में 'रॉयल ऑटोमोबाइल क्लब' लिखा था।

बॉन्ड ने कार्ड को अपनी जेब में रखते हुए उस पर उंगली फिराई। उस पर कुछ खुदा हुआ था। 'धन्यवाद,' उसने कहा।

अच्छा, नैश, आओ और श्रीमती समरसेट से मिलो। कोई कारण नहीं है कि हम कमोबेश साथ में यात्रा न करें।'

उन्होंने उत्साहवर्धक मुस्कान दी।

लाल चमक फिर से झट से बुझ गई। युवा सुनहरी मूंछों के नीचे होंठ मरोड़ रहे थे।

'बहुत प्रसन्न हुए, बूढ़े आदमी।'

बॉन्ड दरवाजे की ओर मुड़ा और धीरे से दस्तक देकर अपना नाम बोला।

दरवाजा खुला। बॉन्ड ने नैश को अंदर आने का इशारा किया और उसके पीछे दरवाजा बंद कर दिया।

लड़की हैरान दिखी।

'ये कैप्टन नैश हैं, नॉर्मन नैश। इन्हें हम पर नज़र रखने के लिए कहा गया है।'

'आप कैसी हैं?' लड़की ने हिचकिचाते हुए हाथ बढ़ाया। उस आदमी ने उसे हल्के से छुआ। उसकी निगाहें टिकी हुई थीं। उसने कुछ नहीं कहा। लड़की ने शर्मिंदगी भरी हल्की हंसी हंसते हुए कहा, 'क्या आप बैठेंगे नहीं?'

“अरे, धन्यवाद।” नैश बेंच के किनारे पर अकड़कर बैठ गया। उसे कुछ याद आया, कुछ ऐसा जो तब आता है जब कहने को कुछ नहीं होता। उसने अपने कोट की जेब में हाथ डाला और प्लेयर्स सिगरेट का एक पैकेट निकाला। “क्या आप एक, अह, सिगरेट लेंगी?” उसने अपने साफ़-सुथरे अंगूठे के नाखून से पैकेट का ढक्कन खोला, उस पर लगा चांदी का कागज़ हटाया और सिगरेट बाहर निकाल दीं। लड़की ने एक सिगरेट ले ली। नैश ने दूसरे हाथ से मोटर विक्रेता की तरह तेज़ी से लाइटर आगे बढ़ाया।

नैश ने ऊपर देखा। बॉन्ड दरवाजे से टेक लगाकर खड़ा था और सोच रहा था कि इस अनाड़ी की मदद कैसे करे। (ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

शर्मिंदा आदमी। नैश ने सिगरेट और लाइटर ऐसे आगे बढ़ाए मानो वह किसी आदिवासी सरदार को कांच के मोती भेंट कर रहा हो। 'आपका क्या ख्याल है, बूढ़े आदमी?'

“धन्यवाद,” बॉन्ड ने कहा। उन्हें वर्जीनिया का तंबाकू बिल्कुल पसंद नहीं था, लेकिन उस आदमी को सहज महसूस कराने के लिए वे कुछ भी करने को तैयार थे। उन्होंने एक सिगरेट निकाली और उसे जलाया। आजकल सेना में कुछ अजीबोगरीब लोग तो होते ही हैं। आखिर यह आदमी ट्रिएस्टे के उस अर्ध-राजनयिक समाज में कैसे घुल-मिल जाता होगा?

बॉन्ड ने बेजान ढंग से कहा, 'नैश, तुम बहुत फिट दिखते हो। टेनिस खेलते हो?'

तैराकी।

'क्या आप ट्रिएस्ट में लंबे समय से हैं?'

एक पल के लिए लालिमा छा गई। लगभग तीन साल।

दिलचस्प काम?

कभी-कभी। आप जानते ही हैं, बूढ़े आदमी।

बॉन्ड सोच रहा था कि वह नैश को उसे 'बूढ़ा आदमी' कहने से कैसे रोक सकता है। उसे कोई उपाय सूझ नहीं रहा था। सन्नाटा छा गया।

नैश को स्पष्ट रूप से लगा कि अब उसकी बारी है। उसने अपनी जेब में हाथ डाला और अखबार की एक कतरन निकाली। यह कोरिएरे डेला सेरा का मुखपृष्ठ था। उसने इसे बॉन्ड को सौंप दिया।

'यह देखा है, बूढ़े आदमी?' आँखें चमक उठीं और फिर बुझ गईं।

यह अखबार के पहले पन्ने की मुख्य खबर थी। सस्ते कागज पर मोटे काले अक्षरों में छपे ये लेख अभी गीले ही थे। शीर्षक में लिखा था:

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

इस्तांबुल में भीषण विस्फोट

नष्ट हुआ सोवियत कार्यालय

वहाँ मौजूद सभी लोग मारे गए

बॉन्ड बाकी बातें समझ नहीं पाया। उसने कटा हुआ कागज़ मोड़कर वापस कर दिया। इस आदमी को कितना ही ज्ञान था? बेहतर यही होगा कि उसे सिर्फ एक तगड़े आदमी की तरह ही समझा जाए, और कुछ नहीं। 'बुरा हुआ,' उसने कहा। 'शायद गैस पाइपलाइन में कुछ गड़बड़ है।'

बॉन्ड ने सुरंग के आले की छत से लटकते बम के घिनौने पेट को फिर से देखा, वे तार जो नम दीवार से नीचे की ओर जाते हुए करीम की मेज की दराज में रखे प्लंजर तक जा रहे थे। कल दोपहर जब टेम्पो अंदर घुसा था, तब प्लंजर किसने दबाया था? क्या वह 'मुख्य क्लर्क' था? या उन्होंने लॉटरी निकाली थी और फिर खड़े होकर देखते रहे थे कि कैसे हाथ नीचे गया और ऊपर पहाड़ी पर स्थित 'स्ट्रीट ऑफ बुक्स' में ज़ोरदार गर्जना गूंजी। वे सब वहीं ठंडे कमरे में मौजूद होते। नफरत से चमकती आँखों के साथ। आँसू रात के लिए बचाकर रखे जाते। बदला सबसे पहले लिया जाता। और चूहे? सुरंग में कितने हज़ार चूहे धमाके में मारे गए होंगे? समय क्या हुआ होगा? लगभग चार बजे। क्या रोज़ाना की बैठक चल रही थी? कमरे में तीन मरे हुए। बाकी इमारत में कितने और? शायद तातियाना के दोस्त। उसे यह कहानी उससे छुपानी होगी।

क्या डार्को देख रहा था? वलहल्ला की किसी खिड़की से? बॉन्ड को उसकी दीवारों में गूंजती विजय की जोरदार हंसी सुनाई दे रही थी। खैर, केरीम अपने साथ बहुत कुछ ले गया था।

नैश उसकी ओर देख रहा था। उसने बिना किसी रुचि के कहा, 'हाँ, मुझे लगता है कि यह गैस पाइपलाइन थी।'

गलियारे में एक घंटी की झंकार सुनाई दी, जो पास आती जा रही थी। 'दूसरी सीटिंग। दूसरी सीटिंग। कृपया अपनी-अपनी सीटों पर बैठ जाएं।'

बॉन्ड ने तातियाना की ओर देखा। उसका चेहरा पीला पड़ गया था। उसकी आँखों में इस अनाड़ी, असभ्य व्यक्ति से छुटकारा पाने की गुहार थी। बॉन्ड ने पूछा, 'दोपहर के खाने का क्या?' वह तुरंत उठ खड़ी हुई। 'तुम्हारा क्या, नैश?'

कैप्टन नैश पहले ही खड़े हो चुके थे। 'मिल गया, शुक्रिया बूढ़े आदमी। और मैं ट्रेन को ऊपर से नीचे तक देखना चाहता हूँ। क्या कंडक्टर... तुम्हें पता है...?' उन्होंने पैसे की ओर इशारा करते

हुए उंगली दिखाई।

“हाँ, वो ज़रूर सहयोग करेगा,” बॉन्ड ने कहा। उसने हाथ बढ़ाकर भारी-भारी थैला नीचे उतारा। उसने नैश के लिए दरवाज़ा खोला। “फिर मिलेंगे।”

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

कैप्टन नैश गलियारे में दाखिल हुए। उन्होंने कहा, 'जी हां, मुझे यही उम्मीद थी, बूढ़े आदमी।' वे बाईं ओर मुड़े और गलियारे में तेज़ी से आगे बढ़ गए, ट्रेन के हिलने-डुलने के साथ सहजता से चलते हुए, उनके हाथ पतलून की जेबों में थे और उनके सिर के पीछे सुनहरे घुंघराले बालों पर तेज़ रोशनी पड़ रही थी।

बॉन्ड, तातियाना के पीछे-पीछे ट्रेन में चढ़ गया। डिब्बे घर लौट रहे छुट्टी मनाने वालों से खचाखच भरे हुए थे। तीसरी श्रेणी के गलियारों में लोग अपने बैगों पर बैठे बातें कर रहे थे और संतरे तथा सलामी के टुकड़ों से सजे सख्त दिखने वाले रोल खा रहे थे। तातियाना जब उनके बीच से निकली तो उन आदमियों ने उसे ध्यान से देखा।

महिलाओं ने बॉन्ड को ध्यान से देखा और सोचने लगीं कि क्या वह उनके साथ अच्छे से प्रेम करता था।

रेस्टोरेंट के डिब्बे में, बॉन्ड ने अमेरिकानो कॉफी और चियांटी ब्रोग्लियो की एक बोतल मंगवाई। स्वादिष्ट यूरोपीय ऐपेटाइज़र परोसे गए। तातियाना पहले से ज़्यादा खुश नज़र आने लगी।

बॉन्ड ने उसे छोटे-छोटे बर्तनों में से कुछ चुनते हुए देखा और कहा, 'अजीब किस्म का आदमी है। लेकिन मुझे खुशी है कि वह आ गया है। मुझे सोने का मौका मिलेगा। घर पहुँचकर मैं एक हफ्ते तक सोऊँगी।'

‘मुझे वो पसंद नहीं है,’ लड़की ने उदासीनता से कहा। ‘वो संस्कारी नहीं है। मुझे उसकी आँखों पर भरोसा नहीं है।’

बॉन्ड हँस पड़ा। 'तुम्हारे लिए कोई भी उतना सांस्कृतिक नहीं है।'

क्या आप उसे पहले से जानते थे?

नहीं। लेकिन वह मेरी कंपनी का कर्मचारी है।

आपने उसका नाम क्या बताया?

नैश। नॉर्मन नैश।

उसने शब्दों में समझाया। 'एनएएसएच? क्या ऐसे?'

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/

हां।

लड़की की आँखों में हैरानी थी। मुझे लगता है कि आप रूसी में इसका मतलब जानते हैं। नैश का मतलब 'और' होता है। हमारी सेना में, एक आदमी 'नैश' तब होता है जब वह 'और' का होता है। वह 'स्वोई' तब होता है जब वह 'उनका' होता है - जब वह दुश्मन का होता है। और यह आदमी खुद को नैश कहता है। यह अच्छा नहीं है।

बॉन्ड हँस पड़ा। 'सच में, तानिया। तुम लोगों को नापसंद करने के लिए वाकई असाधारण कारण सोचती हो। नैश एक काफी आम अंग्रेजी नाम है। वह बिल्कुल हानिरहित है। वैसे भी, जिस काम के लिए हम उसे चाहते हैं, उसके लिए वह काफी मजबूत है।'

तात्याना ने मुंह बनाया। फिर भी उसने अपना लंच जारी रखा।

कुछ टैग्लियाटेली वर्डी आए, फिर वाइन और उसके बाद एक स्वादिष्ट एस्केलोप। 'ओह, यह बहुत अच्छा है,' उसने कहा।

'रूस से आने के बाद से मेरा पेट ही निकल आया है।' उसकी आँखें चौड़ी हो गईं। 'जेम्स, तुम मुझे ज्यादा मोटा नहीं होने दोगे।'

आप मुझे इतना मोटा तो नहीं होने देंगे कि मैं प्रेम करने के लायक ही न रहूँ? आपको सावधान रहना होगा, वरना मैं सारा दिन खाती रहूँगी और सोती रहूँगी। अगर मैंने ज़्यादा खा लिया तो आप मुझे पीटेंगे?

मैं तुम्हें जरूर हराऊंगा।

तात्याना ने नाक सिकोड़ी। उसे उसके टखनों का कोमल स्पर्श महसूस हुआ। उसकी चौड़ी आँखें उसे घूर रही थीं। उसकी पलकें शरमाते हुए नीचे झुक गईं। 'कृपया भुगतान कर दीजिए,' उसने कहा। 'मुझे नींद आ रही है।'

ट्रेन मास्त्रे शहर में प्रवेश कर रही थी। नहरों का आरंभ हो रहा था। सब्जियों से लदी एक मालवाहक नाव पानी की एक सीधी चादर पर धीरे-धीरे शहर की ओर बढ़ रही थी।

“लेकिन हम एक मिनट में वेनिस पहुँचने वाले हैं,” बॉन्ड ने विरोध करते हुए कहा। “क्या आप इसे देखना नहीं चाहते?”

यह बस एक और पड़ाव होगा। और मैं वेनिस को किसी और दिन देख सकती हूँ। अब मैं चाहती हूँ कि तुम मुझसे प्यार करो। प्लीज़, जेम्स।’ तातियाना आगे झुकी। उसने अपना हाथ उसके हाथ पर रखा। ‘मुझे वही दो जो मैं चाहती हूँ। समय बहुत कम है।’

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

फिर वही छोटा कमरा, आधी खुली खिड़की से आती समुद्र की महक, और ट्रेन की हवा से लहराता पर्दा। फिर वही फर्श पर कपड़ों के दो ढेर, बेंच पर फुसफुसाते दो शरीर, और धीरे-धीरे खोजते हाथ। और प्यार का तांडव बन गया, और जैसे ही ट्रेन झटके खाते हुए वेनिस के गूंजते स्टेशन की ओर बढ़ी, आखिरी खोई हुई निराशा भरी चीख सुनाई दी।

उस छोटे से कमरे के सन्नाटे के बाहर गूंजती हुई पुकारों, धातु की खड़खड़ाहट और कदमों की आहट का एक शोरगुल सुनाई दे रहा था जो धीरे-धीरे नींद में घुलमिल गया।

पाडुआ आया, फिर विसेंज़ा, और वेरोना के ऊपर एक शानदार सूर्यास्त की सुनहरी और लाल रोशनी खिड़की के पर्दों की दरारों से छनकर आ रही थी। फिर से छोटी घंटी गलियारे में बज उठी। वे जाग गए। बॉन्ड ने कपड़े पहने और गलियारे में जाकर रेलिंग से टिक गया। उसने लोम्बार्डी मैदान पर फैलती गुलाबी रोशनी को देखा और तातियाना और भविष्य के बारे में सोचने लगा।

अंधेरे शीशे में नैश का चेहरा बॉन्ड के चेहरे के बगल में आ गया। नैश इतना करीब आ गया कि उसकी कोहनी बॉन्ड की कोहनी से छू गई। "मुझे लगता है मैंने अपने एक प्रतिद्वंदी को देख लिया है, बूढ़े आदमी," उसने धीरे से कहा।

बॉन्ड को आश्चर्य नहीं हुआ। उसने मान लिया था कि अगर ऐसा हुआ तो आज रात ही होगा। लगभग उदासीनता से उसने कहा, 'वह कौन है?'

मुझे उसका असली नाम तो नहीं पता, लेकिन वो एक-दो बार ट्रिएस्टे से गुज़रा है। अल्बानिया से उसका कुछ लेना-देना है। शायद वो वहाँ का रेजिडेंट डायरेक्टर है। अब उसके पास अमेरिकी पासपोर्ट है। "विल्बर फ्रैंक"। खुद को बैंकर कहता है। नंबर 9 में, बिल्कुल आपके बगल में। मुझे नहीं लगता कि मैं उसके बारे में गलत हो सकता हूँ, बूढ़े आदमी।

बॉन्ड ने उस बड़े भूरे चेहरे की आँखों पर एक नज़र डाली। भट्टी का दरवाज़ा फिर से थोड़ा खुला हुआ था। लाल चमक बाहर निकली और बुझ गई।

'अच्छा हुआ तुमने उसे देख लिया। यह रात मुश्किल भरी हो सकती है। अब से तुम हमारे साथ ही रहना। हमें लड़की को अकेला नहीं छोड़ना चाहिए।'

मुझे भी यही लगा था, बूढ़े आदमी।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

उन्होंने रात का खाना खाया। यह एक खामोश भोजन था। नैश लड़की के बगल में बैठा था और उसकी नज़रें अपनी थाली पर टिकी थीं। उसने चाकू को फाउंटेन पेन की तरह पकड़ा हुआ था और बार-बार उसे कांटे पर पोंछ रहा था। उसकी हरकतें बेढंगी थीं। खाना खाते-खाते, उसने नमक लेने के लिए हाथ बढ़ाया और तातियाना के चियांटी के गिलास को गिरा दिया। उसने बार-बार माफी मांगी। फिर उसने बड़ा दिखावा करते हुए दूसरा गिलास मंगवाया और उसे भर दिया।

कॉफी आ गई। अब तातियाना की गलती हो गई। उसने अपना कप गिरा दिया। उसका चेहरा

पीला पड़ गया था और उसकी सांसें तेज़ चल रही थीं।

'तात्याना!' बॉन्ड आधा उठ खड़ा हुआ। लेकिन कैप्टन नैश ने तुरंत उठकर कमान संभाल ली।

'महिला कुछ अजीब सी लग रही है,' उसने संक्षिप्त में कहा। 'मुझे चलने दीजिए।' वह नीचे झुका और लड़की के कंधे पर हाथ रखकर उसे खड़ा किया। 'मैं उसे डिब्बे में वापस ले चलता हूँ। आप बैग का ध्यान रखिएगा। और ये रहा बिल। आपके आने तक मैं उसका ख्याल रख सकता हूँ।'

"सब ठीक है," गहरी बेहोशी में डूबे तातियाना ने ढीले होंठों से कहा। "चिंता मत करो, जेम्स, मैं लेट जाती हूँ।" उसका सिर नैश के कंधे पर टिक गया। नैश ने अपनी एक मजबूत बांह उसकी कमर में डाली और उसे भीड़ भरे गलियारे से तेज़ी से और कुशलता से निकालकर रेस्टोरेंट के डिब्बे से बाहर निकाल दिया।

बॉन्ड ने वेटर को बुलाने के लिए बेसब्री से उंगलियां चटकाईं। बेचारी। वह कितनी थकी हुई होगी! उसने उसके तनाव के बारे में क्यों नहीं सोचा? उसने अपने स्वार्थ के लिए खुद को कोसा। भगवान का शुक्र है नैश का। अपनी असभ्यता के बावजूद, वह काफी कुशल व्यक्ति है।

बॉन्ड ने बिल चुकाया। उसने अपना भारी छोटा बैग उठाया और भीड़ भरी ट्रेन में जितनी जल्दी हो सके, चलने लगा।

उसने नंबर 7 के दरवाजे पर धीरे से दस्तक दी। नैश ने दरवाजा खोला। वह अपने होठों पर उंगली रखे हुए बाहर आया।

उसने अपने पीछे दरवाजा बंद कर दिया। 'उसे थोड़ी बेहोशी आ गई थी,' उसने कहा। 'अब वह ठीक है। बिस्तर लगा दिए गए हैं। वह ऊपर वाले बिस्तर पर सो गई है। मुझे लगता है कि लड़की के लिए यह थोड़ा ज्यादा हो गया था, बूढ़े आदमी।'

बॉन्ड ने संक्षेप में सिर हिलाया। वह डिब्बे में चला गया। एक हाथ उसके काले कोट के नीचे से पीला सा लटका हुआ था। बॉन्ड नीचे वाले बंक पर खड़ा हुआ और धीरे से उस हाथ को कोट के कोने के नीचे दबा दिया। हाथ बहुत ठंडा था। लड़की ने कोई आवाज़ नहीं की।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

बॉन्ड धीरे से नीचे उतरा। उसे सोने दो। वह गलियारे में चला गया।

नैश ने उसे खाली निगाहों से देखा। 'अच्छा, मुझे लगता है कि हमें रात के लिए आराम करना चाहिए। मेरे पास मेरी किताब है।' उसने किताब ऊपर उठाई। 'वॉर एंड पीस। इसे पढ़ने की सालों से कोशिश कर रहा हूँ। तुम पहले सो जाओ, बूढ़े। तुम भी काफी थके हुए लग रहे हो। जब मेरी आँखें खुली नहीं रह पाएंगी, तब मैं तुम्हें जगा दूँगा।' उसने नौवें मकान के दरवाजे की ओर इशारा करते हुए कहा। 'अभी तक आया नहीं है। अगर वो कोई शरारत कर रहा है, तो मुझे नहीं लगता कि वो आएगा।' वह रुका। 'वैसे, तुम्हारे पास बंदूक है, बूढ़े?'

हां। क्यों, क्या आपने नहीं किया?

नैश ने माफी मांगते हुए कहा, 'नहीं, मेरे पास घर पर एक लूगर है, लेकिन इस तरह के काम के लिए वह बहुत भारी है।'

“अच्छा, ठीक है,” बॉन्ड ने अनिच्छा से कहा। “बेहतर होगा कि आप मेरा वाला ले लें। अंदर आ जाइए।”

वे अंदर गए और बॉन्ड ने दरवाजा बंद कर दिया। उसने बेरेटा पिस्तौल निकाली और उन्हें सौंप दी। 'आठ गोलियां,' उसने धीरे से कहा। 'सेमी-ऑटोमैटिक। यह सेफ मोड पर है।'

नैश ने बंदूक उठाई और पेशेवर ढंग से उसे अपने हाथ में तौल लिया। उसने तिजोरी को चालू और बंद किया।

बॉन्ड को यह बिल्कुल पसंद नहीं था कि कोई और उसकी बंदूक को छुए। इसके बिना वह खुद को अधूरा महसूस करता था। उसने रूखेपन से कहा, 'थोड़ी हल्की है, लेकिन अगर सही जगह पर गोली मारो तो जान ले लेगी।'

नैश ने सिर हिलाया। वह नीचे वाले बंक के आखिरी छोर पर खिड़की के पास बैठ गया। 'मैं इस छोर पर बैठूंगा,' उसने फुसफुसाते हुए कहा। 'यहां से निशाना लगाना आसान है।' उसने अपनी किताब गोद में रख दी और आराम से बैठ गया।

बॉन्ड ने अपना कोट और टाई उतारकर अपने बगल वाले पलंग पर रख दिया। वह तकियों के सहारे पीछे झुक गया और अपने अटैची केस के बगल में फर्श पर रखे स्पेक्टर वाले बैग पर पैर टिका दिए। उसने अपनी एम्बलर उठाई, अपनी जगह ढूंढी और पढ़ने की कोशिश की। कुछ पन्ने पढ़ने के बाद उसे लगा कि उसका ध्यान भटक रहा है। वह बहुत थक गया था। उसने किताब को अपनी गोद में रख दिया और आँखें बंद कर लीं। क्या उसे सोने का समय मिल सकता था? क्या वे कोई और सावधानी बरत सकते थे?

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

वे कीलें! बॉन्ड ने अपने कोट की जेब में उन्हें टटोला। वह चारपाई से नीचे उतरा, घुटनों के बल बैठा और उन्हें दोनों दरवाजों के नीचे ज़ोर से धकेल दिया। फिर वह वापस लेट गया और अपने सिर के पीछे लगी पढ़ने वाली बत्ती बंद कर दी।

रात की रोशनी की बैंगनी किरणें धीरे से नीचे की ओर चमक रही थीं।

'धन्यवाद, बूढ़े आदमी,' कैप्टन नैश ने धीरे से कहा।

ट्रेन एक कर्कश आवाज करते हुए सुरंग में जा गिरी।

अध्याय छब्बीस

द किलिंग बॉटल

टखने पर हल्के से धक्के से बॉन्ड जाग गया। वह हिला नहीं। उसकी इंद्रियां एक जानवर की तरह जागृत हो गईं।

कुछ भी नहीं बदला था। ट्रेन की वही आवाजें थीं - लोहे की धीमी, किलोमीटरों को तय करती हुई धमक, लकड़ी के काम की हल्की चरमराहट, और वॉशबेसिन के ऊपर वाली अलमारी से आती खनक, जिसमें दांत साफ करने वाला चश्मा अपने स्टैंड में ढीला पड़ा था।

उसे किसने जगाया था? रात की बत्ती की धुंधली रोशनी ने उस छोटे से कमरे पर अपनी गहरी मखमली चमक बिखेर दी थी।

ऊपरी चारपाई से कोई आवाज़ नहीं आई। खिड़की के पास, कैप्टन नैश अपनी जगह पर बैठे थे, उनकी किताब उनकी गोद में खुली थी, पर्दे के किनारे से आती चाँदनी की हल्की रोशनी दोहरे पन्ने पर सफेद रंग बिखेर रही थी।

वह बॉन्ड को टकटकी लगाकर देख रहा था। बॉन्ड ने उसकी बैंगनी आँखों की एकाग्रता को महसूस किया। उसके काले होंठ खुल गए।

दांतों की एक झलक दिखाई दी।

'माफ़ कीजिए, बूढ़े आदमी, आपको परेशान करने के लिए। मेरा मन बात करने का कर रहा है!'

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

आवाज में नया क्या था? बॉन्ड ने अपने पैर धीरे से फर्श पर रखे। वह सीधा होकर बैठ गया।

किसी तीसरे व्यक्ति की तरह खतरा कमरे में खड़ा था।

बॉन्ड ने बड़ी सहजता से कहा, 'ठीक है।' उन कुछ शब्दों में ऐसा क्या था जिसने उसकी रीढ़ में सिहरन पैदा कर दी थी? क्या यह नैश की आवाज़ में अधिकार का भाव था? बॉन्ड के मन में ख्याल आया कि नैश शायद पागल हो गया है। हो सकता है कि कमरे में पागलपन का साया था, न कि खतरे का, जिसे बॉन्ड महसूस कर रहा था। इस आदमी के बारे में उसकी आशंका सही निकली थी। अब किसी तरह अगले स्टेशन पर उससे छुटकारा पाना ही एकमात्र रास्ता होगा। वे कहाँ पहुँच गए थे?

सीमांत कब आएगा?

बॉन्ड ने समय देखने के लिए अपनी कलाई उठाई। बैंगनी रोशनी ने फास्फोरस के अंकों को धुंधला कर दिया। बॉन्ड ने खिड़की से आती चांदनी की किरण की ओर अपना चेहरा घुमाया।

नैश की दिशा से एक तेज़ आवाज़ आई। बॉन्ड को अपनी कलाई पर ज़ोरदार झटका लगा। कांच के टुकड़े उसके चेहरे पर जा लगे। उसका हाथ दरवाज़े से टकराकर पीछे की ओर उछल गया। उसे लगा कि कहीं उसकी कलाई टूट तो नहीं गई। उसने अपना हाथ लटकाए रखा और उंगलियां हिलाईं। सारी उंगलियां हिल गईं।

नैश की गोद में किताब अभी भी खुली हुई थी, लेकिन अब उसकी रीढ़ की हड्डी के ऊपरी हिस्से में बने छेद से धुएं का एक पतला सा गुबार निकल रहा था और कमरे में पटाखों की हल्की सी गंध फैल रही थी।

बॉन्ड के मुंह में लार ऐसे सूख गई मानो उसने फिटकरी निगल ली हो।

तो शुरू से ही एक जाल बिछाया गया था। और वह जाल अब बंद हो चुका था। कैप्टन नैश को मॉस्को ने भेजा था, एम ने नहीं। और नंबर 9 में तैनात एमजीबी एजेंट, अमेरिकी पासपोर्ट वाला वह आदमी, एक मिथक था।

और बॉन्ड ने नैश को अपनी बंदूक दे दी थी। उसने दरवाजे के नीचे कीलें भी लगा दी थीं ताकि नैश अधिक सुरक्षित महसूस करे।

बॉन्ड कांप उठा। डर से नहीं, घृणा से।

नैश बोला। उसकी आवाज़ अब फुसफुसाहट नहीं थी, न ही चिकनी-चुपड़ी बातें। वह बुलंद और आत्मविश्वास से भरी थी।

इससे हमारी बहुत सारी बहस बच जाएगी, बूढ़े आदमी। बस एक छोटा सा प्रदर्शन। उन्हें लगता है कि मैं इस छोटे से उपकरण को चलाने में काफी माहिर हूँ। इसमें दस गोलियां हैं - .25 डम-डम, जो बिजली की बैटरी से चलती हैं।

आपको मानना पड़ेगा कि रूसी लोग इन चीजों को सोचने में वाकई कमाल के हैं। अफसोस की बात है कि ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट की गई वह किताब, http://www.processtext.com/abclit.html

'तुम्हारी यह किताब सिर्फ पढ़ने के लिए है, बूढ़े आदमी।'

"भगवान के लिए, मुझे 'मेलोल्ड मैन' कहना बंद करो।" जब जानने और सोचने के लिए इतना कुछ था, तब भी बॉन्ड की सबसे पहली प्रतिक्रिया यही थी जब इतनी बड़ी आपदा आई। यह उस व्यक्ति की प्रतिक्रिया थी जो जलते हुए घर में फंसा हो और आग की लपटों से बचाने के लिए सबसे तुच्छ वस्तु को उठा ले।

माफ़ करना, बूढ़े आदमी। ये आदत सी बन गई है। एक सख़्त सज्जन बनने की कोशिश का हिस्सा है। जैसे ये कपड़े। सब वार्डरोब डिपार्टमेंट से लिए हैं। उन्होंने कहा था कि ऐसे काम चल जाएगा। और चला भी गया, है ना, बूढ़े आदमी? लेकिन चलिए काम की बात करते हैं। मुझे लगता है आप जानना चाहेंगे कि ये सब क्या है। मुझे आपको बताने में खुशी होगी। आपके जाने से पहले हमारे पास लगभग आधा घंटा है। सीक्रेट सर्विस के मशहूर मिस्टर बॉन्ड को ये बताने में

मुझे और मज़ा आएगा कि वो कितना बड़ा बेवकूफ़ है। देखो, बूढ़े आदमी, तुम उतने अच्छे नहीं हो जितना तुम सोचते हो। तुम बस एक पुतले हो और मुझे तुम्हारा चूरा निकालने का काम सौंपा गया है।' आवाज़ एक जैसी और सपाट थी, वाक्य बेजान स्वर में खत्म हो रहे थे। ऐसा लग रहा था जैसे नैश बोलने से ऊब गया हो।

"जी हां," बॉन्ड ने कहा। "मैं जानना चाहता हूं कि आखिर मामला क्या है। मैं आपको आधा घंटा दे सकता हूं।" वह बेचैनी से सोच रहा था: क्या इस आदमी को विचलित करने का कोई तरीका था? उसका संतुलन बिगाड़ने का?

"खुद को धोखा मत दो, बूढ़े आदमी," उस आवाज को बॉन्ड में या बॉन्ड के खतरे में कोई दिलचस्पी नहीं थी। बॉन्ड का अस्तित्व केवल एक लक्ष्य के रूप में था। "तुम आधे घंटे में मरने वाले हो। इसमें कोई शक नहीं। मैंने कभी कोई गलती नहीं की, वरना मुझे यह नौकरी न मिलती।"

आपका काम क्या है?

'स्मर्श का मुख्य जल्लाद।' आवाज़ में थोड़ी सी जीवंतता थी, थोड़ा सा गर्व। फिर आवाज़ सपाट हो गई। 'मुझे लगता है, तुम मेरा नाम जानते हो, बूढ़े आदमी।'

स्मर्श। तो यही जवाब था—सबसे बुरा जवाब। और यही उनका मुख्य हत्यारा था। बॉन्ड को धुंधली आँखों में चमकती लाल रोशनी याद आ गई। एक हत्यारा। एक मनोरोगी—शायद उन्मादी अवसादग्रस्त। एक ऐसा आदमी जिसे इसमें सचमुच मज़ा आता था। स्मर्श को ऐसा आदमी मिल गया, कितना उपयोगी! बॉन्ड को अचानक वावरा की कही बात याद आ गई। उसने एक अंदाज़ा लगाया। 'क्या चाँद का तुम पर कोई असर होता है, नैश?'

काले होंठ मरोड़ उठे। 'बड़े चालाक हो तुम, मिस्टर सीक्रेट सर्विस। सोचते हो मैं पागल हूँ। चिंता मत करो। अगर मैं पागल होता तो आज यहाँ नहीं होता।'

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

उस आदमी की आवाज़ में छिपी गुस्से भरी घृणा से बॉन्ड समझ गया कि उसने उसकी दुखती रग पर हाथ रख दिया है। लेकिन उस आदमी को बेकाबू करके वह क्या हासिल कर सकता था? बेहतर था कि उसे शांत कर लिया जाए और कुछ समय निकाल लिया जाए। शायद तातियाना...।

इस सबमें लड़की की क्या भूमिका है?

'यह तो बस एक चाल है,' आवाज़ फिर से ऊब चुकी थी। 'चिंता मत करो। वह हमारी बातचीत में दखल नहीं देगी। जब मैंने उसे शराब का गिलास दिया था, तब मैंने उसे चुटकी भर क्लोरल हाइड्रेट पिला दिया था। वह आज रात सोएगी। और फिर हर दूसरी रात भी। वह तुम्हारे साथ ही जाएगी।'

'अरे सच में?' बॉन्ड ने धीरे से अपना दर्द भरा हाथ अपनी गोद में उठाया और रक्त संचार को

बढ़ाने के लिए अपनी उंगलियों को हिलाया।

चलिए, कहानी सुनते हैं।

"सावधान रहो, बूढ़े आदमी। कोई चालबाज़ी नहीं। बुलडॉग ड्रमंड जैसी हरकतें तुम्हें इससे नहीं बचा पाएंगी। अगर मुझे तुम्हारी हरकत की ज़रा सी भी भनक नहीं लगी, तो सीधे दिल में एक गोली मार दूँगा। बस। अंत में तुम्हें यही मिलेगा। दिल के बीचोंबीच। अगर हिले तो गोली जल्दी लग जाएगी। और मुझे मत भूलना। अपनी घड़ी याद है? मेरा निशाना कभी नहीं चूकता। कभी नहीं।"

“शानदार,” बेंड ने लापरवाही से कहा। “लेकिन डरो मत। तुम्हारे पास मेरी बंदूक है। याद है? अपनी कहानी सुनाओ।”

ठीक है, बूढ़े आदमी, बस जब मैं बोल रहा हूँ तो अपना कान मत खुजलाना। वरना मैं उसे उड़ा दूँगा। देखा? खैर, स्मर्श ने तुम्हें मारने का फैसला कर लिया है—कम से कम मुझे तो यही लगता है कि यह फैसला और भी ऊँचे अधिकारियों ने, एकदम शीर्ष पर लिया है। लगता है वे सीक्रेट सर्विस को एक ज़ोरदार झटका देना चाहते हैं—उन्हें सबक सिखाना चाहते हैं। समझे?

मुझे ही क्यों चुना?

मुझसे मत पूछो, बूढ़े आदमी। लेकिन लोग कहते हैं कि तुम्हारी टोली में तुम्हारी अच्छी-खासी इज्जत है। जिस तरह से तुम्हें मारा जाएगा, उससे सारा धंधा चौपट हो जाएगा। इस योजना को बनाने में तीन महीने लगे हैं, और यह बहुत ही शानदार है।

ज़रूर होगा। स्मर्श ने हाल ही में एक-दो गलतियाँ की हैं। जैसे वो खोखलोव वाला मामला। याद है वो विस्फोटक सिगरेट का डिब्बा और बाकी सब? काम गलत आदमी को दे दिया। मुझे देना चाहिए था। मैं तो अमेरिकियों के साथ नहीं जाता। खैर, मुद्दे पर आते हैं। देखिए, बूढ़े आदमी, स्मर्श में हमारे पास एक बड़ा योजनाकार है। क्रोनस्टीन नाम का आदमी। शानदार शतरंज खिलाड़ी। उसने कहा था कि घमंड, लालच और साजिश में थोड़ी सी सनक आपको बर्बाद कर देगी। उसने कहा था कि आप सब लंदन की उस सनक में फंस जाओगे। और आप फंस भी गए, है ना बूढ़े आदमी?

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

क्या सच में? बॉन्ड को याद था कि कहानी के विचित्र पहलुओं ने उनकी जिज्ञासा को कितना बढ़ा दिया था। और घमंड? हाँ, उसे मानना पड़ा कि इस रूसी लड़की के उससे प्यार करने की बात ने इसमें मदद की थी। और फिर स्पेक्टर भी था। उसी ने सब कुछ तय कर दिया था - साफ़ तौर पर लालच। उसने टालमटोल करते हुए कहा: 'हमें दिलचस्पी थी।'

फिर ऑपरेशन शुरू हुआ। हमारी ऑपरेशन प्रमुख एक अजीबोगरीब शख्सियत हैं। मैं कहूंगा कि उन्होंने दुनिया में सबसे ज्यादा लोगों को मारा है—या उनकी हत्या करवाई है। जी हां, वो एक महिला हैं। उनका नाम क्लेब है—रोजा क्लेब। एकदम नीच औरत। लेकिन वो सारे हथकंडे बखूबी

जानती हैं।

रोजा क्लेब। तो स्मर्श के शीर्ष पर एक महिला थी! अगर वह किसी तरह इससे बचकर उसके पीछे पहुँच सके! बॉन्ड के दाहिने हाथ की उंगलियां धीरे से मुड़ गईं।

कोने में से सपाट आवाज आती रही: 'अच्छा, उसे यह रोमानोवा नाम की लड़की मिल गई। उसे काम के लिए प्रशिक्षित किया। वैसे, बिस्तर में वह कैसी थी? बढ़िया थी?'

नहीं! बॉन्ड को यकीन नहीं हुआ। वह पहली रात तो नाटक ही रही होगी। लेकिन उसके बाद? नहीं। उसके बाद जो हुआ वो सब असली था। उसने कंधे उचकाए। यह एक बनावटी अंदाज़ था। ताकि वह आदमी हरकतों का आदी हो जाए।

ओह, ठीक है। मुझे खुद तो ऐसी चीज़ों में दिलचस्पी नहीं है। लेकिन आप दोनों की कुछ अच्छी तस्वीरें मिली हैं।' नैश ने अपनी कोट की जेब थपथपाई। '16 मिलीमीटर की पूरी रील। वो उसके हैंडबैग में जाएगी। अखबारों में अच्छी लगेगी।' नैश ज़ोर से हँसा – एक कर्कश, धातु जैसी हँसी। 'ज़ाहिर है, उन्हें कुछ सबसे चटपटे हिस्से काटने पड़ेंगे।'

होटल में कमरा बदला गया। हनीमून सुइट। बिस्तर के पीछे बड़ा सा दर्पण। सब कुछ कितना बढ़िया लग रहा था! बॉन्ड के हाथ पसीने से भीग गए। उसने उन्हें अपनी पतलून पर पोंछा।

'शांत रहो, बूढ़े आदमी। तुम बस पहुँचने ही वाले थे। मैंने तुमसे कहा था कि हिलना मत, याद है?'

बॉन्ड ने अपने हाथ वापस अपनी गोद में रखी किताब पर रख दिए। वह इन छोटी-छोटी हरकतों को कितना विकसित कर सकता था?

वह कितनी दूर तक जा सकता था? उसने कहा, 'कहानी को आगे बढ़ाओ। क्या लड़की को पता था कि ये तस्वीरें ली जा रही हैं? क्या उसे पता था कि इसमें स्मर्श शामिल है?'

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

नैश ने नाक सिकोड़ी। "ज़ाहिर है उसे तस्वीरों के बारे में पता नहीं था। रोज़ा उस पर ज़रा भी भरोसा नहीं करती थी। बहुत भावुक थी। लेकिन मुझे उस बारे में ज़्यादा जानकारी नहीं है। हम सब अलग-अलग विभागों में काम करते थे। मैंने उसे आज से पहले कभी नहीं देखा था। मुझे बस उतना ही पता है जितना मैंने सुना है। हाँ, बेशक उस लड़की को पता था कि वह स्मर्श के लिए काम कर रही है।"

उसे बताया गया था कि उसे लंदन जाना होगा और वहां थोड़ी जासूसी करनी होगी।

बॉन्ड ने सोचा, "बेवकूफ! उसने उसे यह क्यों नहीं बताया कि स्मर्श इसमें शामिल है? वह नाम लेने से भी डर रही होगी। सोचा होगा कि वह उसे जेल में डलवा देगा या कुछ और करेगा। उसने हमेशा कहा था कि इंग्लैंड पहुँचते ही वह उसे सब कुछ बता देगी। उसे भरोसा रखना चाहिए और डरना नहीं चाहिए। भरोसा! जबकि उसे खुद ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था कि क्या हो रहा है। खैर,

बेचारी। वह भी उतनी ही बेवकूफ बन गई थी जितना वह बना था। लेकिन कोई भी इशारा काफी होता - उदाहरण के लिए, करीम की जान बच जाती। और उसकी और उसकी जान का क्या?

फिर आपके इस तुर्क को हटाना पड़ा। मुझे लगता है इसमें थोड़ी मशक्कत करनी पड़ी। बड़ा बदमाश था। मुझे लगता है कल दोपहर इस्तांबुल में हमारे केंद्र को उड़ाने वाला उसका ही गिरोह था। इससे थोड़ी दहशत तो मचेगी ही।

बहुत बुरा हुआ।

"मुझे कोई चिंता नहीं है, बूढ़े आदमी। मेरा काम तो आसान ही होगा।" नैश ने अपनी कलाई घड़ी पर एक नज़र डाली। "लगभग बीस मिनट में हम सिंपलोन सुरंग में पहुँच जाएँगे। वहीं पर वे काम करवाना चाहते हैं।"

अखबारों के लिए और भी ड्रामा। तुम्हारे लिए एक गोली। जैसे ही हम सुरंग में प्रवेश करते हैं। बस एक गोली दिल में। सुरंग का शोर, अगर तुम शोर मचाने वाले हो तो, तुम्हारी मदद करेगा - खड़खड़ाहट वगैरह। फिर उसकी गर्दन के पीछे एक गोली - तुम्हारी बंदूक से - और वो खिड़की से बाहर चली जाएगी। फिर तुम्हारे लिए एक और गोली, तुम्हारी बंदूक से। बेशक, तुम्हारी उंगलियां बंदूक पर लिपटी होंगी। तुम्हारी कमीज पर खूब सारा बारूद। आत्महत्या। पहले तो ऐसा ही लगेगा। लेकिन तुम्हारे दिल में दो गोलियां होंगी। ये बाद में पता चलेगा। और भी रहस्य! सिंपलोन की फिर से तलाशी लो। सुनहरे बालों वाला आदमी कौन था? उन्हें फिल्म उसके बैग में मिलेगी, और तुम्हारी जेब में उसका तुम्हारे लिए एक लंबा प्रेम पत्र मिलेगा - थोड़ा धमकी भरा। अच्छा है। स्मर्श ने लिखा है। इसमें लिखा है कि अगर तुम उससे शादी नहीं करोगे तो वो फिल्म अखबारों को दे देगी। आपने उससे वादा किया था कि अगर वह स्पेक्टर चुरा लेगी तो आप उससे शादी कर लेंगे...' नैश रुका और कोष्ठक में आगे कहा, "असल में, बूढ़े आदमी, स्पेक्टर में जाल बिछा हुआ है। जब आपके कोड विशेषज्ञ इससे छेड़छाड़ करना शुरू करेंगे, तो यह उन सबको उड़ा देगा। बुरा नहीं है, अतिरिक्त लाभ भी मिलेगा।" नैश फीकी हंसी हंसा। और फिर पत्र में लिखा है कि वह आपको सिर्फ मशीन और अपना शरीर दे सकती है – और उसके शरीर के बारे में और आपने उसके साथ क्या किया, इसके बारे में सब कुछ। गरमागरम है ना! है ना?

तो अखबारों में क्या खबर है—उन वामपंथी अखबारों में जिन्हें ट्रेन का इंतज़ार करने के लिए सूचना दी जाएगी? अरे यार, खबर में तो सब कुछ है। ओरिएंट एक्सप्रेस। सिंपलोन सुरंग में एक खूबसूरत रूसी जासूस की हत्या। गंदी तस्वीरें। गुप्त कोड मशीन। करियर बर्बाद हो चुके एक हैंडसम ब्रिटिश जासूस ने उसकी हत्या कर दी और फिर आत्महत्या कर ली। सेक्स, जासूस, आलीशान ट्रेन, मिस्टर और मिसेज़ समरसेट...! अरे यार, ये खबर महीनों तक चलेगी! खोखलोव मामले की भी चर्चा होगी! ये उसे भी मात दे देगी। और ये मशहूर खुफिया एजेंसी के लिए कितना बड़ा झटका है!

उनका सबसे भरोसेमंद आदमी, मशहूर जेम्स बॉन्ड। क्या गड़बड़ है! फिर सिफर मशीन फट गई! आपका बॉस आपके बारे में क्या सोचेगा? जनता क्या सोचेगी? और सरकार? और अमेरिकी? सुरक्षा की तो बात ही छोड़ो! अब अमेरिकियों से परमाणु रहस्य लीक नहीं होंगे।' नैश ने सब कुछ समझने के लिए कुछ देर रुककर सोचा।

उन्होंने थोड़े गर्व के साथ कहा, 'बुद्धिजीवी, यह सदी की सबसे बड़ी कहानी बनने जा रही है!'

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

हां, बॉन्ड ने सोचा। हां। वह इस बारे में बिल्कुल सही था। फ्रांसीसी अखबार इसे इतनी ज़ोरदार तरीके से फैलाएंगे कि इसे रोकना नामुमकिन हो जाएगा। उन्हें इस बात की कोई परवाह नहीं होगी कि वे तस्वीरों या किसी और चीज़ के साथ कितनी दूर तक जाएं। दुनिया का कोई भी अखबार ऐसा नहीं होगा जो इसे न छापे। और स्पेक्टर! क्या एम के लोग या ड्यूक्सिएम को इतनी समझ होगी कि वे समझ सकें कि इसमें जाल बिछाया गया है? पश्चिम के कितने बेहतरीन क्रिप्टोग्राफर इसके पीछे पड़ जाएंगे? हे भगवान, उसे इस मुसीबत से निकलना ही होगा! लेकिन कैसे?

नैश की 'वॉर एंड पीस' की छत उसके सामने खुली पड़ी थी। चलो देखते हैं। सुरंग में ट्रेन के घुसते ही एक ज़ोरदार गर्जना होगी। फिर अचानक एक धीमी सी क्लिक की आवाज़ और गोली की आवाज़। बॉन्ड की आँखें बैंगनी धुंध में गड़ी हुई थीं, ऊपर वाले बंक की छत के नीचे अपने कोने में बनी परछाई की गहराई को नापते हुए, उसे ठीक से याद था कि उसका अटैची केस ज़मीन पर कहाँ रखा है, और वह अंदाज़ा लगा रहा था कि गोली चलाने के बाद नैश क्या करेगा।

बॉन्ड ने कहा: 'ट्रिएस्ट में आप दोनों को टीम बनाने की अनुमति देकर आपने थोड़ा जोखिम उठाया था। और आपको महीने का कोड कैसे पता चला?'

नैश ने धैर्यपूर्वक कहा, 'बुजुर्ग, आपको बात समझ नहीं आ रही है। स्मर्श अच्छा है - सचमुच बहुत अच्छा है।'

इससे बेहतर कुछ नहीं। हमें हर साल का आपका महीने का कोड पता है। अगर आपके शो में किसी ने इन बातों पर ध्यान दिया होता, इनके पैटर्न को समझा होता, जैसा कि मेरे शो में होता है, तो आपको पता चलता कि हर जनवरी में आपका एक छोटा सा साथी कहीं खो जाता है—शायद टोक्यो में, शायद टिम्बकटू में। स्मर्श बस एक को चुनता है और उसे ले जाता है। फिर वे उससे उस साल का कोड निकलवा लेते हैं। बेशक, उसे जो कुछ भी पता होता है, वो भी। लेकिन उन्हें कोड ही चाहिए होता है। फिर उसे सेंटर्स को भेज दिया जाता है। ये तो बिलकुल आसान है, यार।

बॉन्ड ने अपने नाखूनों को अपनी हथेलियों में गड़ा दिया।

ट्रिएस्टे में आपको लेने की बात करें तो, बूढ़े आदमी, मैंने ऐसा नहीं किया। मैं आपके साथ ट्रेन के आगे वाले हिस्से में बैठा था। ट्रेन रुकते ही हम उतर गए और वापस प्लेटफॉर्म पर आ गए। देखिए, बूढ़े आदमी, हम बेलग्रेड में आपका इंतज़ार कर रहे थे। हमें पता था कि आप अपने चीफ को—या दूतावास को या किसी और को—फोन करेंगे। हम उस यूगोस्लाव के फोन को हफ्तों से सुन रहे थे। अफसोस, हम वह कोडवर्ड नहीं समझ पाए जो उसने इस्तांबुल को भेजा था। शायद आतिशबाजी रुक जाती, या कम से कम हमारे लोग बच जाते। लेकिन हमारा मुख्य निशाना आप थे, बूढ़े आदमी, और हमने आपको पूरी तरह से फंसा लिया था। तुर्की में उस विमान से उतरते ही

आप मौत के जाल में फंस गए थे। बस यह सवाल था कि कब ढक्कन लगाना है।' नैश ने एक बार फिर अपनी घड़ी पर नज़र डाली।

उसने ऊपर देखा। उसके मुस्कुराते हुए दांत बैंगनी रंग में चमक रहे थे। 'अब बहुत जल्दी, बूढ़े आदमी। बस पंद्रह मिनट कम हैं।'

बॉन्ड ने सोचा: हमें पता था कि स्मर्श अच्छी कंपनी है, लेकिन हमें कभी नहीं पता था कि वे इतने अच्छे हैं। यह जानकारी बेहद ज़रूरी थी। किसी भी तरह उसे यह जानकारी वापस हासिल करनी ही थी। उसे हर हाल में हासिल करनी थी। बॉन्ड का दिमाग अपनी बेहद कमज़ोर और हताशा भरी योजना के हर पहलू पर तेज़ी से विचार करने लगा।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

उन्होंने कहा: 'ऐसा लगता है कि स्मर्श ने सब कुछ बहुत अच्छे से सोच-समझकर किया है। इसमें काफी मेहनत लगी होगी।'

बस एक ही बात है...' बॉन्ड ने अपनी आवाज को हवा में गूंजने दिया।

'यह क्या है, बूढ़े आदमी?' नैश अपनी रिपोर्ट के बारे में सोचते हुए सतर्क हो गया।

ट्रेन धीमी होने लगी। डोमोडोसोला। इटली की सीमा। सीमा शुल्क का क्या होगा? लेकिन बॉन्ड को याद था। फ्रांस की सीमा, वैलोरबेस तक पहुँचने से पहले सीधी यात्रा करने वाले डिब्बों के लिए कोई औपचारिकता नहीं थी। यहाँ तक कि स्लीपिंग डिब्बों के लिए भी नहीं। ये एक्सप्रेस ट्रेनें सीधे स्विट्जरलैंड से होकर गुजरती थीं। केवल ब्रिग या लॉज़ेन में उतरने वाले यात्रियों को ही स्टेशनों पर सीमा शुल्क से गुजरना पड़ता था।

'चलो, बूढ़े आदमी।' नैश को इसमें दिलचस्पी हो गई थी।

'सिगरेट के बिना नहीं।'

ठीक है। आगे बढ़ो। लेकिन अगर तुमने कोई ऐसा कदम उठाया जो मुझे पसंद नहीं आया, तो तुम्हारी खैर नहीं।

बॉन्ड ने अपना दाहिना हाथ कमर की जेब में डाला। उसने अपना चौड़ा गनमेटल रंग का सिगरेट केस निकाला। उसे खोला। एक सिगरेट निकाली। अपनी पैंट की जेब से लाइटर निकाला। सिगरेट जलाई और लाइटर वापस रख दिया। उसने सिगरेट केस को किताब के बगल में अपनी गोद में रख दिया। उसने लापरवाही से अपना बायां हाथ किताब और सिगरेट केस पर रख दिया, मानो उन्हें अपनी गोद से गिरने से रोक रहा हो। उसने सिगरेट का कश लिया। काश, यह कोई नकली सिगरेट होती – मैग्नीशियम फ्लेयर, या कुछ भी जिसे वह उस आदमी के चेहरे पर फेंक सकता! काश, उसकी सर्विस ऐसे विस्फोटक खिलौनों का इस्तेमाल करती! लेकिन कम से कम उसने अपना लक्ष्य हासिल कर लिया था और इस प्रक्रिया में उसे गोली नहीं लगी थी। यह एक अच्छी शुरुआत थी।

'देखो।' बॉन्ड ने नैश का ध्यान भटकाने के लिए अपनी सिगरेट से हवा में एक गोला बनाया। उसने अपना बायां हाथ किताब के पन्नों के बीच सिगरेट का डिब्बा रख दिया। 'देखो, सब ठीक लग रहा है, लेकिन तुम्हारा क्या? सिंपलोन से बाहर आने के बाद तुम क्या करोगे? कंडक्टर को पता है कि तुम हमारे साथ मिले हुए हो। वे पलक झपकते ही तुम्हारे पीछे पड़ जाएंगे।'

'ओह,' नैश की आवाज़ फिर से उबकाई भरी थी। 'लगता है तुम्हें यह बात समझ नहीं आई कि रूसी लोग इन सब बातों पर सोच-विचार करते हैं। मैं डिजॉन में उतरता हूँ और कार से पेरिस जाता हूँ। वहाँ मैं रास्ता भटक जाता हूँ। कहानी में थोड़ा-बहुत 'थर्ड मैन' वाला तड़का लगाने से कोई नुकसान नहीं होगा। वैसे भी, बाद में पता चलेगा कि वे तुम्हारे शरीर से दूसरी गोली निकालेंगे और

दूसरी बंदूक नहीं मिल रही। वे मुझे पकड़ नहीं पाएंगे। असल में, कल दोपहर को मेरी एक मुलाकात है – रिट्ज़ होटल के कमरा नंबर 204 में, रोज़ा को रिपोर्ट देने के लिए। वह इस काम का श्रेय लेना चाहती है। फिर मैं उसका ड्राइवर बन जाऊंगा और हम बर्लिन के लिए निकल पड़ेंगे। अब सोच रहा हूँ, बूढ़े आदमी,' सपाट आवाज़ में भावना झलकने लगी, लालच आ गया, 'मुझे लगता है कि उसके बैग में मेरे लिए लेनिन का पुरस्कार हो सकता है। वाह, क्या बात है!'

ट्रेन चलने लगी। बॉन्ड तनाव में आ गया। कुछ ही मिनटों में ट्रेन आ जाएगी। अगर उसे मरना ही था, तो मरने का कितना भयानक तरीका था! अपनी ही मूर्खता के कारण—अंधाधुंध, जानलेवा मूर्खता। और तातियाना के लिए भी जानलेवा। हे भगवान! किसी भी क्षण वह इस मुसीबत से बचने के लिए कुछ कर सकता था। अवसरों की कोई कमी नहीं थी।

लेकिन अहंकार, जिज्ञासा और चार दिनों के प्यार ने उसे उस आसान धारा में बहा दिया था, जिस पर उसे बहने देने की योजना बनाई गई थी। यही इस पूरे मामले का सबसे घिनौना हिस्सा था – स्मर्श की जीत, वही दुश्मन जिसे उसने हमेशा हर हाल में हराने की कसम खाई थी। हम यह करेंगे, और वह वह करेगा। 'साथियों, बॉन्ड जैसे घमंडी मूर्ख के साथ काम करना आसान है। देखो, वह कैसे जाल में फंसता है। तुम देखोगे। मैं तुमसे कहता हूँ, वह मूर्ख है। सभी अंग्रेज मूर्ख होते हैं।' और तातियाना, आकर्षण – प्यारा आकर्षण। बॉन्ड ने उनकी पहली रात के बारे में सोचा। काली मोज़े और मखमली रिबन। और वह सारा समय जब स्मर्श उसे देख रहा था, उसे अपने घमंडी कदमों पर चलते हुए देख रहा था, जैसा कि योजना बनाई गई थी, ताकि बदनामी फैलाई जा सके – उस पर बदनामी, एम पर बदनामी जिसने उसे इस्तांबुल भेजा था, उस सेना पर बदनामी जो अपने नाम के मिथक पर जीती थी। हे भगवान, क्या गड़बड़ है! काश... काश उसकी छोटी सी योजना कामयाब हो जाती!

आगे, ट्रेन की गड़गड़ाहट एक गहरी गड़गड़ाहट में बदल गई।

कुछ और सेकंड। कुछ और गज।

सफेद पन्नों के बीच का अंडाकार मुंह और भी चौड़ा होता हुआ प्रतीत हुआ। पल भर में अंधेरी सुरंग पन्नों पर पड़ रही चांदनी को बुझा देगी और नीली जीभ उसे चाटने के लिए बाहर आ जाएगी।

'शुभ रात्रि, तुम अंग्रेज कमीने।'

गड़गड़ाहट एक तेज, जोरदार और कर्कश गर्जना में बदल गई।

पुस्तक की रीढ़ पर ज्वाला की लपटें फूट पड़ीं।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

बॉन्ड के दिल की ओर आती गोली दो शांत गज की दूरी पर तेजी से गुजरी।

बॉन्ड आगे की ओर फर्श पर गिर पड़ा और शोकपूर्ण बैंगनी रोशनी के नीचे पड़ा रहा।

अध्याय सत्ताईस

दस पाइंट खून

यह सब उस आदमी की सटीकता पर निर्भर था। नैश ने कहा था कि बॉन्ड के दिल में एक गोली लगेगी। बॉन्ड ने यह जोखिम उठाया था कि नैश का निशाना उतना ही सटीक होगा जितना उसने कहा था। और ऐसा ही हुआ।

बॉन्ड एक मुर्दे की तरह पड़ा था। गोली लगने से पहले, उसे वे लाशें याद आ रही थीं जो उसने देखी थीं—मृत्यु के बाद उनके शरीर कैसे दिखते थे। अब वह पूरी तरह से ढह चुका था, एक टूटी हुई गुड़िया की तरह, उसके हाथ-पैर सावधानी से फैले हुए थे। उसने अपनी इंद्रियों को महसूस करने की कोशिश की। जहाँ गोली किताब से टकराई थी, वहाँ उसकी पसलियाँ जल रही थीं।

गोली सिगरेट के डिब्बे से होकर किताब के दूसरे हिस्से से गुजरी होगी। उसे अपने दिल पर गर्म सीसा महसूस हो रहा था। ऐसा लग रहा था जैसे सीसा उसकी पसलियों के अंदर जल रहा हो। उसके सिर में लकड़ी से टकराने के कारण हो रहे तेज दर्द और नाक पर घिसे हुए जूतों की बैंगनी चमक से ही पता चल रहा था कि वह मरा नहीं है। एक पुरातत्वविद् की तरह, बॉन्ड ने अपने शरीर के सावधानीपूर्वक बनाए गए खंडहरों का निरीक्षण किया। फैले हुए पैरों की स्थिति। आधे मुड़े हुए घुटने का कोण, जो जरूरत पड़ने पर सहारा देता। दाहिना हाथ, जो उसके घायल दिल को कुरेद रहा था, किताब छोड़ने पर उस छोटे अटैची केस से कुछ ही इंच दूर था - उस सिलाई से कुछ ही इंच दूर जिसमें चपटे ब्लेड वाले दोधारी, रेजर की तरह तेज चाकू रखे थे, जिनका उसने तब मजाक उड़ाया था जब क्यू ब्रांच ने उन्हें पकड़ने का तरीका दिखाया था।

और मृत्यु के सामने आत्मसमर्पण करते हुए फैला हुआ उसका बायां हाथ फर्श पर टिका हुआ था और समय आने पर ऊपर की ओर सहारा प्रदान करेगा।

उसके ऊपर एक लंबी, गहरी जम्हाई की आवाज़ सुनाई दी। भूरे रंग के जूतों के अगले हिस्से हिले। बॉन्ड ने नैश के खड़े होते ही जूतों के चमड़े को खिंचते हुए देखा। एक मिनट में, बॉन्ड की बंदूक अपने दाहिने हाथ में लिए, नैश नीचे वाले बंक पर चढ़ जाएगा और ऊपर हाथ बढ़ाकर बालों के बीच से लड़की की गर्दन के निचले हिस्से को टटोलने लगेगा। फिर बेरेटा की नोक उसकी उंगलियों के पास पहुँच जाएगी। नैश ट्रिगर दबा देगा। ट्रेन की तेज़ आवाज़ उस धीमी धमाके की आवाज़ को दबा देगी।

यह बाल-बाल बच गया। बॉन्ड ने साधारण शरीर रचना विज्ञान को याद करने की पूरी कोशिश की। नश्वर प्राणी कहाँ थे? (ABC Amber LIT कनवर्टर द्वारा उत्पन्न, http://www.processtext.com/abclit.html)

मनुष्य के निचले शरीर में कौन-कौन सी जगहें हैं? मुख्य धमनी कहाँ से होकर गुजरती है? फीमोरल धमनी। जांघ के अंदरूनी हिस्से से नीचे की ओर। और बाहरी इलियाक धमनी, या जो भी उसका नाम था, जो बाद में फीमोरल धमनी बन गई?

कमर के ठीक बीचोंबीच। अगर दोनों जगह चूक गया तो बात बिगड़ जाएगी। बॉन्ड को इस बात

का कोई भ्रम नहीं था कि वह निहत्थे मुकाबले में इस ताकतवर आदमी को हरा सकता है।

चाकू से किया गया उसका पहला हिंसक वार निर्णायक होना चाहिए था।

भूरे रंग के जूते के अगले हिस्से हिले। वे बंक की ओर इशारा कर रहे थे। वह आदमी क्या कर रहा था? सिंपलोन से गुज़रती विशाल ट्रेन के खोखले लोहे की खड़खड़ाहट के अलावा कोई आवाज़ नहीं थी—वासेनहॉर्न और मोंटे लियोन के बीचोंबीच से गुज़रती हुई। टूथग्लास की झंकार सुनाई दी। लकड़ी के ढांचे आराम से चरमरा रहे थे। मौत की उन छोटी-छोटी कोठरियों के दोनों ओर सौ गज तक लोग सो रहे थे, या जागते हुए लेटे थे, अपने जीवन और प्रेम के बारे में सोच रहे थे, छोटी-छोटी योजनाएँ बना रहे थे, यह सोच रहे थे कि गैरे डे लियोन में उनसे कौन मिलेगा। और, इस बीच, गलियारे के ठीक साथ, मौत उनके साथ उसी अंधेरे गड्ढे में, उसी विशाल डीज़ल इंजन के पीछे, उसी गर्म पटरियों पर सवार होकर जा रही थी।

एक भूरा जूता ज़मीन से ऊपर उठ गया। वह बॉन्ड के आधे पैर के ऊपर से गुज़र जाता। बॉन्ड के सिर के ऊपर का कमज़ोर हिस्सा खुला रह जाता।

बॉन्ड की मांसपेशियां सांप की तरह सिकुड़ गईं। उसका दाहिना हाथ कुछ सेंटीमीटर आगे बढ़कर केस के किनारे पर लगी सख्त सिलाई तक पहुंचा। उसने बगल से दबाया। चाकू की पतली नोक को महसूस किया। बिना हाथ हिलाए उसे धीरे से आधा बाहर निकाल लिया।

भूरी एड़ी ज़मीन से ऊपर उठ गई। पैर का अंगूठा मुड़ा और भार संभाला। अब दूसरा पैर भी गायब हो गया था।

धीरे से वजन को यहाँ ले जाएं, वहाँ पकड़ बनाएं, चाकू को मजबूती से पकड़ें ताकि वह हड्डी पर न घूमे, और फिर...।

एक झटके में, बॉन्ड का शरीर ज़मीन से ऊपर उठ उठा। चाकू चमक उठा।

लंबी स्टील की उंगली वाली मुट्ठी, और उसके पीछे बॉन्ड की पूरी बांह और कंधा, ऊपर की ओर उछल पड़ी। बॉन्ड की उंगलियों के जोड़ मुलायम फलालैन जैसे लग रहे थे। उसने चाकू को अंदर दबाए रखा और उसे और अंदर धकेल दिया।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

एक भयानक चीख उसकी ओर आई। बेरेटा पिस्तौल ज़मीन पर गिर पड़ी। फिर जैसे ही उस आदमी ने ज़ोर से झटका खाया और ज़मीन पर गिर पड़ा, बॉन्ड के हाथ से चाकू छिन गया।

बॉन्ड ने गिरने की योजना बना रखी थी, लेकिन जैसे ही वह खिड़की की ओर बढ़ा, एक फड़फड़ाते हाथ ने उसे पकड़ लिया और वह धड़ाम से नीचे वाले बंक पर जा गिरा। इससे पहले कि वह खुद को संभाल पाता, फर्श से वह भयानक चेहरा उभरा, जिसकी आंखें बैंगनी रंग से चमक रही थीं और बैंगनी दांत बाहर निकले हुए थे। धीरे-धीरे, दर्दनाक ढंग से, दो विशाल हाथ उसे टटोलने लगे।

बॉन्ड, आधा पीठ के बल लेटा हुआ, अंधाधुंध लात मारता है। उसका जूता लगा तो सही, लेकिन तभी उसका पैर पकड़ लिया गया और मरोड़ दिया गया और उसे लगा कि वह नीचे की ओर फिसल रहा है।

बॉन्ड की उंगलियां चारपाई के गद्दे पर पकड़ बनाने के लिए छटपटा रही थीं। तभी दूसरे हाथ ने उसकी जांघ पकड़ ली।

उसके शरीर में नाखून चुभ गए।

बॉन्ड का शरीर मरोड़ा जा रहा था और नीचे की ओर खींचा जा रहा था। जल्द ही उसके दांत उस पर टूट पड़ेंगे। बॉन्ड ने अपने बचे हुए पैर से वार किया। लेकिन कोई फर्क नहीं पड़ा। वह मर रहा था।

अचानक बॉन्ड की कांपती उंगलियों को कुछ सख्त महसूस हुआ। किताब! इसे कैसे इस्तेमाल करते हैं? इसे किस तरफ से रखना है? क्या यह उसे या नैश को गोली मार देगी? बेताब बॉन्ड ने उसे पसीने से तरबतर चेहरे की ओर बढ़ाया। उसने कपड़े की जिल्द के निचले हिस्से को दबाया।

क्लिक! बॉन्ड को झटका लगा। क्लिक-क्लिक-क्लिक-क्लिक। अब बॉन्ड को अपनी उंगलियों के नीचे गर्मी महसूस होने लगी। उसके पैरों पर रखे हाथ ढीले पड़ रहे थे। चमकता हुआ चेहरा पीछे हट रहा था। गले से एक आवाज़ आई, एक भयानक गड़गड़ाहट।

शोर। फिर, एक सरसराहट और चटकने की आवाज़ के साथ, शरीर आगे की ओर फर्श पर गिर गया और सिर लकड़ी के ढांचे से टकराकर पीछे की ओर ज़ोर से धंस गया।

बॉन्ड लेटा हुआ था और दांत भींचकर हांफ रहा था। वह दरवाजे के ऊपर बैंगनी रोशनी को घूर रहा था। उसने देखा कि तार का घेरा घट-बढ़ रहा है। उसके मन में ख्याल आया कि गाड़ी के नीचे लगा डायनेमो खराब हो गया होगा। उसने रोशनी को और ध्यान से देखने के लिए पलकें झपकाईं। पसीना उसकी आंखों में घुस गया और जलन पैदा करने लगा।

वह चुपचाप लेटा रहा, उसने कुछ नहीं किया।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

ट्रेन की तेज़ गड़गड़ाहट धीरे-धीरे बदलने लगी। यह खोखली सी लगने लगी। एक अंतिम गूंजती गर्जना के साथ, ओरिएंट एक्सप्रेस चांदनी रात में तेज़ी से आगे बढ़ी और उसकी गति धीमी हो गई।

बॉन्ड ने आलस से हाथ बढ़ाकर पर्दे का किनारा खींचा। उसे गोदाम और रेल पटरियाँ दिखाई दीं। रेल की पटरियों पर रोशनी चमक रही थी, एकदम साफ़ और चमकदार। अच्छी, शक्तिशाली रोशनी। स्विट्ज़रलैंड की रोशनी।

ट्रेन धीरे-धीरे सरकते हुए रुक गई।

एक शांत, मधुर सन्नाटे में, ज़मीन से एक हल्की सी आवाज़ आई। बॉन्ड ने पहले जाँच न करने के लिए खुद को कोसा। वह तुरंत नीचे झुका और सुनने लगा। उसने एहतियात के तौर पर किताब को आगे की ओर तैयार रखा। कोई हलचल नहीं। बॉन्ड ने गर्दन की नस को टटोलने की कोशिश की। कोई नाड़ी नहीं। वह आदमी पूरी तरह से मर चुका था। शव धीरे-धीरे स्थिर हो रहा था।

बॉन्ड आराम से बैठ गया और ट्रेन के दोबारा चलने का बेसब्री से इंतज़ार करने लगा। बहुत सारा काम बाकी था। तातियाना से मिलने से पहले तो सफाई का काम भी निपटाना था।

एक झटके के साथ लंबी एक्सप्रेस ट्रेन धीरे-धीरे चलने लगी। जल्द ही ट्रेन आल्प्स की तलहटी से होते हुए कैंटन वैलिस की ओर तेज़ी से आगे बढ़ रही होगी। पहियों में एक नई आवाज़ सुनाई दे रही थी - एक तेज़ लय, मानो वे सुरंग पार करने की खुशी मना रहे हों।

बॉन्ड अपने पैरों पर खड़ा हुआ और मृत व्यक्ति के फैले हुए पैरों के ऊपर से कदम रखते हुए ऊपर की बत्ती जला दी।

क्या ही अफरा-तफरी थी! जगह किसी कसाईखाने जैसी लग रही थी। शरीर में कितना खून था? उसे याद आया। दस पाइंट। खैर, जल्द ही सब कुछ निकल जाएगा। बस, कहीं यह गलियारे में न फैल जाए!

बॉन्ड ने नीचे वाले पलंग से चादरें हटा दीं और काम पर लग गया।

अंततः काम पूरा हो गया - फर्श पर पड़े ढके हुए ढेर के चारों ओर की दीवारों को साफ कर दिया गया, और डिजॉन में भागने के लिए तैयार सूटकेसों का ढेर लगा दिया गया।

बॉन्ड ने पानी का पूरा जग पी लिया। फिर वह आगे बढ़ा और धीरे से फर वाले जानवर के कंधे को हिलाया।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

कोई जवाब नहीं मिला। क्या उस आदमी ने झूठ बोला था? क्या उसने उसे जहर देकर मार डाला था?

बॉन्ड ने अपना हाथ लड़की की गर्दन पर रखा। वह गर्म थी। बॉन्ड ने उसके कान के निचले हिस्से को महसूस किया और उसे ज़ोर से दबाया। लड़की धीरे से हिली और कराह उठी। बॉन्ड ने फिर से कान दबाया, और फिर से। अंत में एक दबी हुई आवाज़ सुनाई दी, 'नहीं।'

बॉन्ड मुस्कुराया। उसने उसे हिलाया। वह तब तक हिलाता रहा जब तक तातियाना धीरे-धीरे करवट नहीं बदल ली। उसकी नीली, धुंधली आँखों ने उसकी आँखों में देखा और फिर बंद हो गईं। 'क्या बात है?' आवाज़ नींद से भरी, गुस्से वाली थी।

बॉन्ड ने उससे बातें कीं, उसे धमकाया और गालियां दीं। उसने उसे और ज़ोर से हिलाया।

आखिरकार वह उठ बैठी। उसने खाली निगाहों से उसे देखा। बॉन्ड ने उसके पैर खींचे जिससे वे किनारे से नीचे लटक गए। किसी तरह उसने उसे ज़बरदस्ती नीचे वाले पलंग पर लिटा दिया।

तात्याना बेहद दयनीय लग रही थी—ढीला मुंह, नींद से भरी ऊपर उठी आंखें, गीले बालों का उलझा हुआ गुच्छा। बॉन्ड ने गीले तौलिए और कंघी से उसे संवारना शुरू किया।

लॉज़ेन आ गया और एक घंटे बाद वैलोरबेस में फ्रांसीसी सीमा। बॉन्ड तातियाना को छोड़कर बाहर गलियारे में जाकर खड़ा हो गया, मानो एहतियात के तौर पर। लेकिन सीमा शुल्क और पासपोर्ट अधिकारी उसे नज़रअंदाज़ करते हुए कंडक्टर के केबिन की ओर बढ़ गए, और पाँच मिनट के रहस्यमय इंतज़ार के बाद ट्रेन में आगे चले गए।

बॉन्ड वापस डिब्बे में दाखिल हुआ। तातियाना फिर से सो रही थी। बॉन्ड ने नैश की घड़ी देखी, जो अब उसकी अपनी कलाई पर थी। 4:30 बज रहे थे। डिजॉन तक एक घंटा और। बॉन्ड काम पर लग गया।

आखिरकार तातियाना की आँखें चौड़ी खुल गईं। उसकी पुतलियाँ लगभग बीच में थीं। उसने कहा, 'बस करो, जेम्स।' उसने अपनी आँखें फिर बंद कर लीं। बॉन्ड ने अपने चेहरे से पसीना पोंछा। उसने एक-एक करके बैग गलियारे के अंत तक ले जाकर निकास द्वार के पास ढेर कर दिए। फिर वह कंडक्टर के पास गया और उसे बताया कि मैडम की तबीयत ठीक नहीं है और वे डिजॉन में ट्रेन से उतरेंगे।

बॉन्ड ने कंडक्टर को आखिरी सलाह दी। उसने कहा, 'खुद को परेशान मत करो। मैंने सामान बाहर निकाल दिया है ताकि मैडम को कोई परेशानी न हो। मेरा दोस्त, सुनहरे बालों वाला, एक डॉक्टर है। वह पूरी रात हमारे साथ जागा रहा। मैंने उसे अपने बंक में सुला दिया है। वह बहुत थका हुआ था। पेरिस पहुँचने से दस मिनट पहले तक उसे न जगाना ही बेहतर होगा।'

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

'ज़रूर, महोदय।' यात्रा करने वाले करोड़पतियों के सुनहरे दिनों के बाद से कंडक्टर पर इस तरह पैसों की बौछार नहीं हुई थी। उसने बॉन्ड का पासपोर्ट और टिकट सौंप दिए। ट्रेन की गति धीमी होने लगी। 'Voilà que nous y sommes.'

बॉन्ड वापस डिब्बे में गया। उसने तातियाना को घसीटकर उठाया और गलियारे में ले जाकर बंक के बगल में पड़े मौत के सफेद ढेर पर दरवाजा बंद कर दिया।

अंततः वे सीढ़ियों से उतरकर कठोर, अद्भुत और स्थिर चबूतरे पर आ पहुँचे। नीली वर्दी पहने एक कुली ने उनका सामान उठाया।

सूरज उगना शुरू हो रहा था। सुबह के उस समय बहुत कम यात्री जाग रहे थे। केवल तीसरी श्रेणी के कुछ ही यात्री, जिन्होंने रात भर कठिन यात्रा की थी, ने देखा कि एक युवक एक युवती को धूल से भरी गाड़ी से, जिसके किनारे पर रोमांटिक नाम लिखे थे, उस फीके दरवाजे की ओर ले जा रहा था जिस पर लिखा था...

`सॉर्टि'।

अध्याय अट्ठाईस

बुनकर

टैक्सी रिट्ज होटल के रू कैम्बोन प्रवेश द्वार पर आकर रुकी।

बॉन्ड ने नैश की घड़ी देखी। 11.45 बज रहे थे। वह बिल्कुल समय का पाबंद होगा। वह जानता था कि अगर कोई रूसी जासूस मुलाकात के लिए कुछ मिनट भी जल्दी या देर से आता है, तो मुलाकात अपने आप रद्द हो जाती है। उसने टैक्सी का किराया चुकाया और बाईं ओर के उस दरवाजे से अंदर चला गया जो रिट्ज़ बार की ओर जाता था।

बॉन्ड ने डबल वोदका मार्टिनी मंगवाई। उसने आधी पी ली। उसे बहुत अच्छा लगा। अचानक पिछले चार दिन, और खासकर पिछली रात, मानो गायब हो गए। अब वह अकेला था, अपने निजी रोमांच का आनंद ले रहा था। उसके सारे कर्तव्य पूरे हो चुके थे। लड़की दूतावास के एक कमरे में सो रही थी। विस्फोटक से भरी हुई स्पेक्टर को ड्यूक्सिएम ब्यूरो के बम निरोधक दस्ते ने ले लिया था। उसने अपने पुराने दोस्त रेने मैथिस से बात की थी, जो अब ड्यूक्सिएम का प्रमुख था, और रिट्ज़ होटल के कैम्बोन प्रवेश द्वार पर मौजूद चौकीदार को उसे एक चाबी देने और कोई सवाल न पूछने के लिए कहा गया था।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

रेने को बॉन्ड के साथ एक बार फिर एक रहस्यमयी मामले में शामिल होने पर बहुत खुशी हुई थी। उसने कहा था, 'विश्वास रखो, प्यारे जेम्स। मैं तुम्हारे रहस्यों को सुलझा दूंगा। कहानी बाद में बताना। दो कपड़े धोने वाले एक बड़ी टोकरी लेकर दोपहर 12:15 बजे कमरा नंबर 204 में आएंगे। मैं उनके ट्रक के ड्राइवर के वेश में उनके साथ जाऊंगा। हमें टोकरी भरकर ओरली ले जाना है और वहां आर.ए.एफ. के कैनबरा विमान का इंतजार करना है जो दो बजे पहुंचेगा। हम टोकरी उन्हें सौंप देंगे। फ्रांस में जो गंदे कपड़े थे, वे इंग्लैंड पहुंच जाएंगे। ठीक है?'

स्टेशन F के प्रमुख ने स्क्रैम्बलर पर M से बात की थी। उन्होंने बॉन्ड की एक संक्षिप्त लिखित रिपोर्ट उसे सौंप दी थी। उन्होंने कैनबरा के बारे में पूछा था। नहीं, उन्हें इस बात का कोई अंदाजा नहीं था कि वह किस लिए है। बॉन्ड तो बस लड़की और स्पेक्टर को सौंपने आया था। उसने भरपेट नाश्ता किया और दोपहर के भोजन के बाद लौटने का वादा करके दूतावास से चला गया।

बॉन्ड ने एक बार फिर समय देखा। उसने अपनी मार्टिनी खत्म की। उसने बिल चुकाया और बार से बाहर निकलकर दरबान के कमरे की सीढ़ियों पर चढ़ गया।

चौकीदार ने उसे घूरकर देखा और चाबी थमा दी। बॉन्ड लिफ्ट की ओर बढ़ा, उसमें बैठा और तीसरी मंजिल पर चला गया।

उसके पीछे लिफ्ट का दरवाजा जोर से बंद हो गया। बॉन्ड धीरे-धीरे गलियारे में चलता हुआ संख्याओं को देख रहा था।

204. बॉन्ड ने अपना दाहिना हाथ अपने कोट के अंदर डाला और बेरेटा की टेप लगी बट पर रखा। यह उसकी पतलून की कमर में फंसी हुई थी। वह अपने पेट पर साइलेंसर की धातु की गर्माहट महसूस कर सकता था।

उसने अपने बाएं हाथ से एक बार खटखटाया।

अंदर आइए।

यह एक कांपती हुई आवाज थी। एक बूढ़ी औरत की आवाज।

बॉन्ड ने दरवाजे का हैंडल आज़माया। दरवाजा खुला हुआ था। उसने पासकी को अपनी कोट की जेब में रख लिया। उसने एक झटके में दरवाजा खोला और अंदर जाकर उसे अपने पीछे बंद कर लिया।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

यह एक विशिष्ट रिट्ज़ बैठक कक्ष था, अत्यंत सुरुचिपूर्ण, जिसमें बढ़िया एम्पायर शैली का फर्नीचर था। दीवारें सफेद थीं और पर्दे और कुर्सी के आवरण सफेद रंग पर लाल गुलाब के छोटे पैटर्न वाले चिंट्ज़ के थे। कालीन गहरे लाल रंग का और शरीर से चिपका हुआ था।

धूप की किरणों से जगमगाते एक स्थान पर, डायरेक्टोयर के लेखन डेस्क के बगल में एक नीची कुर्सी पर, एक छोटी बूढ़ी औरत बुनाई कर रही थी।

स्टील की सुइयों की झंकार जारी रही। हल्के नीले रंग के चश्मे के पीछे बैठी आंखें विनम्रतापूर्वक जिज्ञासा से बॉन्ड को निहार रही थीं।

'ओह, महाशय?' आवाज गहरी और कर्कश थी। सफेद बालों के नीचे मोटे पाउडर से सजे, कुछ फूले हुए चेहरे पर सभ्य रुचि के अलावा और कुछ नहीं झलक रहा था।

कोट के नीचे रखी बंदूक पर बॉन्ड का हाथ लोहे के स्प्रिंग की तरह तना हुआ था। उसकी आधी बंद आँखें कमरे में चारों ओर घूमीं और कुर्सी पर बैठी उस छोटी बूढ़ी औरत पर टिक गईं।

क्या उससे कोई गलती हो गई थी? क्या यह गलत कमरा था? क्या उसे माफी मांगकर निकल जाना चाहिए? क्या यह महिला स्मर्श की हो सकती है? वह बिल्कुल वैसी ही संभ्रांत अमीर विधवा लग रही थी, जैसी किसी अमीर और संभ्रांत महिला को रिट्ज़ होटल में अकेले बैठकर बुनाई करते हुए समय बिताते हुए देखने की उम्मीद की जा सकती है। वैसी महिला जिसका अपना टेबल हो, और नीचे वाले रेस्टोरेंट के एक कोने में उसका पसंदीदा वेटर हो - ग्रिल रूम में तो बिल्कुल नहीं। वैसी महिला जो दोपहर के भोजन के बाद ऊंघती हो और फिर सफेद साइडवॉल वाले टायरों वाली एक शानदार काली लिमोसिन में बैठकर रू डे बेरी के चायघर में किसी अन्य अमीर महिला से मिलने जाती हो। गले और कलाई पर लेस की हल्की सी कढ़ाई वाली पुरानी शैली की काली पोशाक, पतली सोने की चेन जो उसके सुडौल सीने पर लटकती थी और एक फोल्डिंग लोरग्नेट में समाप्त होती थी, और फर्श को मुश्किल से छूते हुए समझदारी भरे काले

बटन वाले बूटों में उसके छोटे-छोटे सुंदर पैर। यह क्लेब नहीं हो सकती! बॉन्ड ने कमरे का नंबर गलत लिख दिया था। उसे अपनी बगल में पसीना महसूस हो रहा था।

लेकिन अब उसे वह दृश्य पूरी तरह से निभाना होगा।

मेरा नाम बॉन्ड है, जेम्स बॉन्ड।

और मैं, महाशय, काउंटेस मेटरस्टीन हूँ। मैं आपके लिए क्या कर सकती हूँ?' फ्रांसीसी भाषा कुछ अटपटी थी।

वह जर्मन-स्विस हो सकती है। सुइयां लगातार बज रही थीं।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

मुझे खेद है कि कैप्टन नैश का एक्सीडेंट हो गया है। वह आज नहीं आ पाएंगे। इसलिए मैं उनकी जगह आ गया हूं।'

क्या हल्के नीले रंग के चश्मे के पीछे आंखें थोड़ी सिकुड़ गईं?

“महाशय, मुझे कप्तान से मिलने का सौभाग्य प्राप्त नहीं है। न ही आपसे। कृपया बैठ जाइए और अपना काम बताइए।” महिला ने अपना सिर लेखन मेज के बगल में रखी ऊँची पीठ वाली कुर्सी की ओर एक इंच झुकाया।

उसमें कोई कमी नहीं थी। उसकी शालीनता दिल को छू लेने वाली थी। बॉन्ड कमरे के उस पार चलकर बैठ गया। अब वह उससे लगभग छह फीट दूर था। मेज पर एक लंबा, पुराने ज़माने का टेलीफ़ोन था, जिसका रिसीवर हुक पर टंगा था, और उसकी पहुँच में हाथीदांत के बटनों वाला एक घंटी बटन था। टेलीफ़ोन का काला मुँह बॉन्ड की ओर विनम्रता से खुला हुआ था।

बॉन्ड ने उस महिला के चेहरे को घूरते हुए गौर से देखा। पाउडर और सफेद बालों के घने गुच्छे के नीचे उसका चेहरा बदसूरत, मेंढक जैसा लग रहा था। आँखें इतनी हल्की भूरी थीं कि लगभग पीली लग रही थीं। निकोटीन से सने होंठों पर निकोटीन के दाग वाली मूंछों के नीचे होंठ गीले और फूले हुए थे। निकोटीन? उसकी सिगरेटें कहाँ थीं? वहाँ कोई ऐशट्रे नहीं थी – कमरे में धुएँ की कोई गंध नहीं थी।

बॉन्ड की बंदूक पर पकड़ फिर कस गई। उसने बुनाई के थैले पर नज़र डाली, उस पतले, कम मोटाई वाले बेज रंग के ऊन के बेढंगे टुकड़े पर जिसे वह महिला बुन रही थी। स्टील की सुइयाँ। उनमें अजीब क्या था? उनके सिरे ऐसे रंगहीन हो गए थे मानो उन्हें आग में रखा गया हो। क्या बुनाई की सुइयाँ कभी ऐसी भी दिखती हैं?

“एह बिएन, मोनसिउर” क्या उसकी आवाज़ में कोई तीखापन था? क्या उसने उसके चेहरे पर कुछ पढ़ लिया था?

बॉन्ड मुस्कुराया। उसकी मांसपेशियां तन गई थीं, किसी भी हरकत, किसी भी चाल का इंतज़ार

कर रही थीं। 'कोई फायदा नहीं,' उसने खुशी से कहा, मानो जुआ खेल रहा हो। 'तुम रोज़ा क्लेब हो। और तुम स्मर्श के ओटडेल द्वितीय की प्रमुख हो। तुम एक यातना देने वाली और हत्यारी हो। तुम मुझे और रोमानोव लड़की को मारना चाहती थी। मुझे बहुत खुशी है कि आखिरकार तुमसे मुलाकात हुई।'

आँखों में कोई भाव नहीं बदला था। कठोर आवाज़ में धैर्य और विनम्रता थी। महिला ने अपना बायाँ हाथ घंटी की ओर बढ़ाया। 'महाशय, मुझे खेद है कि आप मानसिक रूप से विक्षिप्त हैं। मुझे नौकर को बुलाना होगा और आपको बाहर जाने के लिए कहना होगा।'

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

बॉन्ड को कभी पता नहीं चला कि किस चीज़ ने उसकी जान बचाई। शायद यह अचानक हुए अहसास की वजह से था कि घंटी के बटन से दीवार या कालीन तक कोई तार नहीं जा रहा था। शायद दरवाजे पर अपेक्षित दस्तक आने पर उसे अचानक अंग्रेजी के 'अंदर आओ' कहने का तरीका याद आ गया। लेकिन जैसे ही उसकी उंगली हाथीदांत के हैंडल तक पहुंची, वह कुर्सी से उछलकर एक तरफ गिर पड़ा।

बॉन्ड के ज़मीन पर गिरते ही कपड़े के फटने जैसी तेज़ आवाज़ आई। उसकी कुर्सी के पिछले हिस्से से निकले टुकड़े चारों ओर बिखर गए। कुर्सी ज़मीन पर गिरकर चूर-चूर हो गई।

बॉन्ड पलट गया और अपनी बंदूक को खींचने लगा। उसकी नज़र के कोने से टेलीफोन के मुंह से नीले धुएं का एक गुबार निकलता दिखाई दिया। तभी वह महिला उस पर झपटी, उसकी मुट्ठी में बुनाई की सुइयां चमक रही थीं।

उसने उसके पैरों पर नीचे की ओर वार किया। बॉन्ड ने अपने पैरों से वार किया और उसे एक तरफ धकेल दिया। उसने उसके पैरों पर निशाना साधा था! जैसे ही वह एक घुटने पर बैठा, बॉन्ड समझ गया कि सुइयों की रंगीन नोकों का क्या मतलब है। यह ज़हर था। शायद जर्मन तंत्रिका ज़हरों में से एक। उसे बस उसे खरोंचना था, यहाँ तक कि उसके कपड़ों के ऊपर से भी।

बॉन्ड खड़ा हो गया। वह फिर से उसकी ओर आ रही थी। उसने गुस्से से अपनी बंदूक खींची। साइलेंसर अटक गया था। एक तेज़ रोशनी चमकी। बॉन्ड बच निकला। एक सुई उसके पीछे दीवार से टकराई और वह भयानक सी दिखने वाली औरत, जिसके सिर पर सफेद विग का जूड़ा टेढ़ा था, और उसके होंठ दांतों से पीछे हटे हुए थे, उस पर टूट पड़ी।

बॉन्ड ने सुइयों के खिलाफ नंगे हाथों का इस्तेमाल करने की हिम्मत न करते हुए, डेस्क के ऊपर से बगल की ओर छलांग लगा दी।

हांफती हुई और रूसी भाषा में खुद से बातें करती हुई, रोजा क्लेब मेज के चारों ओर तेजी से भागी, बची हुई सुई को तलवार की तरह आगे पकड़े हुए। बॉन्ड पीछे हट गया और अटकी हुई बंदूक को निकालने की कोशिश करने लगा। उसके पैरों का पिछला हिस्सा एक छोटी कुर्सी से टकरा गया। उसने बंदूक छोड़ दी और पीछे हाथ बढ़ाकर उसे उठा लिया। उसे पीछे से पकड़े हुए, जिसके पैर सींगों की तरह आगे निकले हुए थे, वह उससे मिलने के लिए मेज के चारों ओर घूमा।

लेकिन वह नकली टेलीफोन के पास खड़ी थी।

उसने उसे उठाया और निशाना साधा। उसका हाथ बटन की ओर बढ़ा। बॉन्ड आगे की ओर उछला। उसने कुर्सी को नीचे पटक दिया। गोलियां छत पर जा लगीं और प्लास्टर उसके सिर पर आकर गिरा।

बॉन्ड ने फिर से छलांग लगाई। कुर्सी के पैरों ने महिला की कमर और कंधों को जकड़ लिया।

हे भगवान! वह कितनी ताकतवर थी! उसने हार मान ली, लेकिन सिर्फ दीवार के सामने। वहाँ वह डटी रही, कुर्सी के ऊपर से बॉन्ड पर थूकती रही, जबकि बुनाई की सुई एक लंबे बिच्छू के डंक की तरह उसकी ओर बढ़ती रही।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

बॉन्ड थोड़ा पीछे हट गया, कुर्सी को हाथ की दूरी पर पकड़े हुए। उसने निशाना साधा और जांच कर रही कलाई पर ऊंची लात मारी। सुई कमरे में दूर जा गिरी और उसके पीछे छिटक गई।

बॉन्ड और करीब आया। उसने स्थिति का जायजा लिया। जी हां, कुर्सी के चारों पैरों से महिला दीवार से मजबूती से चिपकी हुई थी। उसके लिए पिंजरे से बाहर निकलने का एकमात्र रास्ता बल प्रयोग ही था। उसके हाथ, पैर और सिर तो मुक्त थे, लेकिन शरीर दीवार से जकड़ा हुआ था।

महिला ने रूसी भाषा में कुछ फुसफुसाया। उसने कुर्सी के ऊपर से उस पर थूका। बॉन्ड ने अपना सिर झुकाया और अपनी आस्तीन से अपना चेहरा पोंछा। उसने ऊपर देखा और उस धब्बेदार चेहरे को देखा।

'बस इतना ही, रोजा,' उसने कहा। 'दूसरी ट्रेन एक मिनट में यहाँ होगी। एक घंटे में तुम लंदन में होगी।'

आपको होटल से निकलते हुए नहीं देखा जाएगा। आपको इंग्लैंड जाते हुए भी नहीं देखा जाएगा। वास्तव में, बहुत कम लोग ही आपको दोबारा देखेंगे। अब से आप एक गुप्त फाइल में सिर्फ एक नंबर हैं। जब तक हम आपसे निपट लेंगे, तब तक आप पागलखाने जाने के लिए तैयार हो चुके होंगे।

कुछ ही दूरी पर स्थित चेहरा बदल रहा था। अब उसका सारा खून सूख चुका था और वह पीला पड़ गया था। लेकिन बॉन्ड ने भय के साथ सोचा, ऐसा नहीं था। पीली आँखें सीधे उसकी आँखों में देख रही थीं। वे पराजित नहीं हुई थीं।

गीला, बेढंगा मुंह एक मुस्कान में फैल गया।

और जब मैं पागलखाने में होऊँगा, तब आप कहाँ होंगे, मिस्टर बॉन्ड?'

ओह, मैं अपनी जिंदगी में आगे बढ़ रही हूँ।

मुझे नहीं लगता, एंग्लिस्की जासूस।

बॉन्ड ने उन शब्दों पर शायद ही ध्यान दिया। उसने दरवाज़ा खुलने की आवाज़ सुनी थी। उसके पीछे वाले कमरे से ज़ोरदार हंसी की आवाज़ आई।

“वाह, बढ़िया!” बॉन्ड को वह खुशी भरी आवाज अच्छी तरह याद थी। “70वां स्थान! आखिरकार, मैंने सब कुछ देख लिया। और वह भी एक अंग्रेज ने! जेम्स, यह तो सचमुच मेरे देशवासियों का अपमान है।”

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

बॉन्ड ने कंधे के ऊपर से कहा, 'मैं इसकी सलाह नहीं देता। यह बहुत थकाने वाला काम है। खैर, अब आप संभाल लीजिए। मैं आपका परिचय करवा देता हूँ। उसका नाम रोज़ा है। आपको वह पसंद आएगी। वह स्मर्श में काफी नाम कमाती है - असल में, वह हत्याओं का काम देखती है।'

मैथिस आया। उसके साथ दो कपड़े धोने वाले भी थे। तीनों खड़े हो गए और उस भयानक चेहरे को आदरपूर्वक देखने लगे।

मैथिस ने सोच-विचार करते हुए कहा, 'रोजा। लेकिन इस बार, रोजा माल्हेउर। वाह! लेकिन मुझे यकीन है कि वह इस स्थिति में असहज महसूस कर रही होगी। तुम दोनों फूलों की टोकरी ले आओ - लेटने पर उसे ज़्यादा आराम मिलेगा।'

दोनों आदमी दरवाजे की ओर चले। बॉन्ड ने कपड़े धोने की टोकरी की चरमराहट सुनी।

महिला की निगाहें अब भी बॉन्ड पर टिकी हुई थीं। वह थोड़ा हिली, अपना वजन एक तरफ किया। बॉन्ड की नज़र से ओझल, और मैथिस की नज़र से बचकर, जो अब भी उसके चेहरे को निहार रहा था, उसके एक चमकदार बटन वाले बूट का अगला हिस्सा दूसरे बूट के तलवे के नीचे दब गया। उसके अगले हिस्से से आधा इंच लंबा पतला चाकू का ब्लेड आगे खिसक गया। बुनाई की सुइयों की तरह, स्टील पर भी हल्का नीलापन था।

दोनों आदमी आए और उन्होंने बड़ी चौकोर टोकरी को मैथिस के बगल में रख दिया।

‘इसे ले जाइए,’ मैथिस ने कहा। उन्होंने महिला के सामने थोड़ा झुककर अभिवादन किया। ‘यह मेरे लिए सम्मान की बात है।’

'अलविदा, रोजा,' बॉन्ड ने कहा।

पीली आँखें क्षण भर के लिए चमक उठीं।

अलविदा, मिस्टर बॉन्ड।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

छोटी सी स्टील की जीभ वाला बूट झट से बाहर निकल आया।

बॉन्ड को अपनी दाहिनी पिंडली में तेज दर्द महसूस हुआ। यह वैसा ही दर्द था जैसा किसी लात लगने पर होता है। वह सिहर उठा और पीछे हट गया। दोनों आदमियों ने रोजा क्लेब को बांहों से पकड़ लिया।

मैथिस हँसा। उसने कहा, 'बेचारा जेम्स! आखिरी बात तो स्मर्श की ही होगी।'

गंदी लोहे की जीभ चमड़े में समा गई थी। अब टोकरी में उठाई जा रही बूढ़ी औरत का एक हानिरहित गट्ठा मात्र था।

मैथिस ने ढक्कन को बंद होते देखा। वह बॉन्ड की ओर मुड़ा। उसने कहा, 'आज तुमने अच्छा काम किया है, मेरे दोस्त। लेकिन तुम थके हुए लग रहे हो। दूतावास वापस जाओ और आराम करो क्योंकि आज शाम हमें साथ में डिनर करना है। पेरिस का सबसे बढ़िया डिनर। और मैं इसके साथ सबसे खूबसूरत लड़की का इंतजाम करूंगा।'

बॉन्ड के शरीर में सुन्नपन छाने लगा था। उसे बहुत ठंड लग रही थी। उसने अपनी दाहिनी भौंह के ऊपर के बालों को हटाने के लिए हाथ उठाया। उसकी उंगलियों में कोई संवेदना नहीं थी। वे खीरे जितनी बड़ी लग रही थीं। उसका हाथ भारी होकर बगल में गिर गया।

सांस लेना मुश्किल हो गया। बॉन्ड ने गहरी सांस ली। उसने अपने जबड़े भींच लिए और आंखें आधी बंद कर लीं, जैसा कि लोग नशे को छिपाने के लिए करते हैं।

उसने पलकों के बीच से टोकरी को दरवाजे तक ले जाते हुए देखा। उसने अपनी आँखें खोलीं।

उसने हताशापूर्वक मैथिस पर ध्यान केंद्रित किया।

मुझे किसी लड़की की जरूरत नहीं पड़ेगी, रेने,' उसने भारी आवाज में कहा।

अब उसे सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। उसका हाथ फिर से उसके ठंडे चेहरे की ओर बढ़ा। उसे ऐसा लगा जैसे मैथिस उसकी ओर बढ़ रहा हो।

बॉन्ड को महसूस हुआ कि उसके घुटने लड़खड़ाने लगे हैं।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

उसने कहा, या उसे लगा कि उसने कहा, 'मेरे पास पहले से ही सबसे खूबसूरत है...।' बॉन्ड धीरे से अपनी एड़ी पर घूमा और शराब जैसे लाल रंग के फर्श पर सिर के बल गिर पड़ा।

समाप्त

विषयसूची

भाग एक
अध्याय एक
अध्याय दो
अध्याय तीन
चौथा अध्याय
अध्याय पाँच
अध्याय छह
अध्याय सात
अध्याय आठ
अध्याय नौ
अध्याय दस
भाग दो
अध्याय ग्यारह
अध्याय बारह
अध्याय तेरह
अध्याय चौदह
अध्याय पंद्रह
अध्याय सोलह
अध्याय सत्रह
अध्याय अठारह
अध्याय उन्नीस
अध्याय बीस
अध्याय इक्कीस
अध्याय बाईस
अध्याय तेईस
अध्याय चौबीस
अध्याय पच्चीस
अध्याय छब्बीस
अध्याय सत्ताईस
अध्याय अट्ठाईस